MICROFILMED BY

NEHRU MEMORIAL MUSEUM

AND LIBRARY

TEEN MURTI HOUSE

NEW DELHI

DR N. S. HARDIKER
PAPERS

MICROFILMED AT

GHATPRABHA

ROLL No 11

DR. N. S. HARDIKER
PAPERS

CONTD FROM:- FILE No 67

S. P. A
21. 12. 83

The Nairobi Sevadal

" નૈરોબી સેવાદળ "

P.O. Box No. 1571,

GULAB V. BHARTI
CONVENOR.

Nairobi, 6th September, 1959.
Kenya Colony

Sjt. Dr. N.S. Hardikar,
Sanchalak,
Congress Sevadal,
NEW DELHI.

Respected Sir,

After a very long time I take this opportunity of writing this letter to you.

It gives me a great pleasure in informing you that the NAIROBI SEVADAL intends to publish a Megazine in which a full report of all the activities embroced the Dal, during the past ten years will be included. The Title of the megazine will be THE NAIROBI SEVADAL SOUVENIR.

The DAL wishes to act as a guide Philosopher and friend of the present youngster Generation. Under the circumstances, we request your good-self to enlightn by your good thoughts, the path of the Future Generation.

Your conception of Gandhinian thoughts, Selfless Service, non-communal mentality and Universal Brotherhood taking the message of pieceful India would encourage and mould the future of the next Generation. We would very gladly wel come if you can provide us something covering the range of above mentioned sphears.

It shold be printed either in English or Gujarati. Inanticipation of your efforts.

It would be highly appreciated if you kindly send your matte on or before the 15th of November, 1959.

Thanking you, I remain,

Yours Truly,

GULAB V. BHARTI.
CONVENOR.
THE NAIROBI SEVADAL SOUVENIR.

जमेर,
१७ ८ . ६०

आदरणीय N. S. Hardiker जी,

सादर प्रणाम.

मैं कुशल हूँ, आपकी कुशलता ईश्वर से शुभ चाहती हूँ | आपका पत्र मुझे 4ता: को मिला, पढ़ कर बहुत ही प्रसन्नता हुई | इन दिनों हमारी सिलाई व कढ़ाई भी ~~[illegible]~~ ~~परि~~ परीक्षा होने की वजह से पत्र नहीं लिख सकी, हम सुबह 7 बजे के जाते शाम को 8 बजे वापिस आते. क्योंकि हमारे एक दिन में 3, 3 पेपर होते थे | पत्र में देरी होने के कारण मैं आपसे क्षमा चाहती हूँ | मुझे खुद ही शर्मिंदा हूँ कि पत्र का उत्तर शीघ्र नहीं दे सकी आशा है आप इसके लिये क्षमा करेंगें |

आपने पूछा है कि वहाँ कैसा लगा और वहाँ ~~पर~~ प्रश्नोत्तर के बारे में लिखूँ वह मैं लिख रही हूँ | जहाँ पर हमारा कैम्प आॅल इण्डिया का पूना में लगा था वह जगह मुझे बहुत पसंद आई क्योंकि एक तो वह पहाड़ी पर था और वहाँ की आब हवा बहुत अच्छी थी न तो गर्मी और न सर्दी थी | रहने, खाने का प्रबन्ध भी बहुत अच्छा था | कैम्प में करीब२ सभी प्रदेशों से 3, 4 कार्यकर्त्ती तो आये ही थे | वहाँ हमारे 5 विषय रक्खे गये थे (1) सांस्कृतिक टुकड़ी (2) शारीरिक, खेल व्यायाम (3) प्रचार प्रकाशन (4) स्टडी स्किल (5) प्रवास, आवास इत्यादि | इनमें से एक२ विषय सबको लेना था | मैंने तो प्रचार प्रकाशन का विषय लिया था | हमारे सब के विषय अलग२ चलते थे | मैंने प्रचार प्रकाशन के बारे में १० दिन में भी बहुत कुछ सीख

प्रचार प्रकाशन किस प्रकार किया जाता है। किस प्रकार लिख कर भेजा जाता है। तथा इसका प्रचार अधिक करने के लिये खबर का हेडिंग आकर्षणजनक होना चाहिये। एक बार हमें पूना में एक प्रेस भी दिखाया गया, जहाँ किस प्रकार अखबार छापे जाते हैं वह सीखा। यहाँ मैं कोशिश कर रही हूँ कि किसी स्थानीय अखबार की प्रेस के सम्पादक से बात चीत करूं और जरूरत पर कोई सेवादल के बारे में कुछ छपवा सकें ऐसा मेरा विचार हुआ है। इसके अलावा वहाँ कई प्रकार के व्यायाम और नये२ खेल सीखे।

वहाँ पर जब हम एक साथ बैठते थे और कभी२ वहाँ बाहर के विद्वान अपना भाषण देकर हमें कई नई२ बातें बतलाते थे। हमारे बीच निम्न बातों पर वाद विवाद हुये :— (1) 1960 के सालाना प्रोग्राम बनाना (2) सेवा दल में भावना की कमी (3) आल इंडिया रैली 1961 इसमें किस प्रकार की जगह, भोजन आदि होना चाहिये। अब जो रैली होगी उसमें संख्या भी कितनी होनी चाहिये और कैम्प कब रखा जाये। नेशनल डिसिप्लिन कैसा होना चाहिये। हमें किस [illegible]ति से काम करना चाहिये। आर्थिक कठिनाइयाँ किस तरह दूर करें इन सब बातों पर वाद विवाद हुये इसके अलावा आपके प्रश्न (1) गत बारह ~~महीनों~~ वर्षों में जब भी हम आज़ाद हुये थे सेवा दल को कहाँ तक सफलता मिली है क्या आप इससे संतुष्ट हैं (2) इससे क्या अधिक अच्छा हो सकता था और कैसे? (3) क्या सेवा दल अपने पितृ संगठन कांग्रेस की संतोषजनक सेवा करने में समर्थ हुआ है। (4) विश्व की प्रगति के साथ२ चलने के लिये हमें क्या करना चाहिये। इन प्रश्नों पर सब भाई बहनों के

अपने २ विचार मिलने थे।

मेरे विचार में तो यह है कि जब से हमें आजादी मिली है तब से आज तक जो सेवा दल को अधिक सफल[illegible] मिलनी चाहिये थी वह नहीं मिली है। क्योंकि आज कल के भाई बहनों के दिलों में सेवा की भावनाओं की कमी है। आजादी मिलने के बाद हमारे मन में इसकी अधिक जागृति होनी चाहिये थी और हमारे मन में इतना जोश होना चाहिये था कि हम अब अपने देश की उन्नति अपने तन, मन, धन से जितनी हम जी जान से कर सकते हैं उतनी करें, लेकिन अब हमारे दिलों में स्वार्थ भावना के कारण सेवा की भावना नहीं रह गई है। जिस प्रकार पहले के विद्वान और पूज्य लोग हमारे देश से विदा ले चुके हैं उनके मन में देश प्रेम की बहुत भावना थी। और सेवा कार्य वह बिना, पैसे के लालच में करते थे और उनमें सेवा की बहुत अधिक भावना थी।

अगर आज भी लोगों के मन से स्वार्थ भावना दूर हो जाय और वह सोचें कि देश की सेवा करें और अपने देश को और ऊँचा बनायें तो यही भावना उनके दिलों में जब जगह ले लेगी तो वह सेवा दल को सफल भी बना सकते हैं।

आजकल आर्थिक कठिनाइयां बहनों पर अधिक आती हैं। क्योंकि कई बहनों के माता पिता उन्हें बाहर जाने से रोकते हैं। और जब कोई भी काम बहनें शुरू कर करती हैं तो उस काम को गाइड करने वाला कोई नहीं

नहीं होता। कुछ पैसों की तंगी के कारण भी कई बहनों का काम रुक जाता है। इस प्रकार की कुछ कठिनाइयां तो वह स्वयं ही दूर करने की कोशिश करती ही है।

विश्व की प्रगति को बढ़ाने के लिये सब में सेवा भावना जागृत ~~भी~~ करनी होगी और सभी कार्यकर्त्ता अपने २ क्षेत्र में सेवा दल के ध्येय तथा सेवादल ~~के~~ का इतिहास बताते रहना जिससे लोगों के मन में देश के प्रति अच्छी भावना उत्पन्न हो जिससे वह देश को उन्नतिशील बना सके।

तथा सब बहन भाइयों ~~को~~ इस पर अपने अपने विचार और कई सुझाव दिये।

इस कैम्प में हमने देखा कि औरों के कैम्पों में अधिक बातें, काम यहाँ सीखा। मुझे आशा है मैं इस प्रकार के कैम्पों और भी आऊँ और नई २ सेवा दल के बारे में बातें सुनूं और सीखूं जिससे मैं भी सेवादल के कार्य को अपने तन, मन, धन से करके और देश को आगे बढ़ाने की कोशिश करूं। मैं इतनी विद्वान तो नहीं हूँ लेकिन अपने कुछ विचार लिख रही हूँ अगर इसमें कोई गलती हो गई तो छोटी समझ कर माफ करना। पत्र उत्तर शीघ्र देना। सबको नमस्ते।

आपकी आज्ञाकारी
बहन, निर्मल कौर
कार्यालय मंत्री

6

(बिहार)

२५/१/६८

आदरणीय डा० साहेब,

सादर सप्रेम वन्दे।

मैं गत ११ (ग्यारह) वर्षों से सेवा दल में स्वयंसेवक और कार्यकर्ता के पद पर कार्य ~~भार~~ सम्भाल रहा हूं, और 65 वें अधिवेशन के बाद आज पत्र द्वारा ~~लिख रहा हूं~~ आपके प्रश्न का उत्तर दे रहा हूं।

उत्तर:-

(१) गत बारह वर्षों से अभी कांग्रेस सेवा-दल का विस्तार काफी हुआ है। इस सेवा-दल का विस्तार भी अधिक हुआ है, परन्तु मुझे इतने के बाद भी संतुष्टी नहीं है। क्योंकि सेवा दल का विस्तार ऐसा हो कि घर-घर के बच्चों बच्चों के हृदय में सेवा दल के प्रति ध्यान हो।

(२) कांग्रेस सेवा दल का विस्तार इतने कम समय में इससे अच्छा और क्या होना चाहिए था, पर अगर प्रत्येक प्रदेशीय दल के अधिकारियों को देश के अधिवेशनों में छोड़ कर अ० भारतीय कार्यालय के मातहद आने का [illegible] और अच्छा होता।

3, हां! कांग्रेस सेवादल ने अपने पितृ संगठन
कांग्रेस की सफलता भी तोड़ कर दी है और आज
भी कुछ कम नहीं उन्हें दी जाती है परन्तु
इसके पितृ संगठन के कुछ सदस्य इसे [illegible]
की दृष्टि से देखते हैं और चाहते हैं
कि [illegible] दिखना है [illegible] [illegible] [illegible]
तो भी यह तो अनुशासन हीन होगा।

(४) विश्व के प्रगति के साथ साथ चलाने
के लिए इसे आधुनिक कार्यक्रम,
मूल्यवृद्धि, एवं अधिक Traning
की तैयारी करना चाहिए।

आपका आज्ञाकारी

[illegible] [illegible]
कांग्रेस सेवादल
भौंरा, धनबाद
बिहार)

जिला कांग्रेस कमिटी, भागलपुर. १९६१
ISTRICT CONGRESS COMMITTEE, BHAGALPUR.

पत्र संख्या

स्थान भागलपुर
मिति १।५।६० १९६

आदरणीय डाक्टर साहव ,

प्रणाम

आप का दल समाचार मे प्रकाशित प्रश्न पत्र पढा और काफी गम्भीरता पूर्वक सोचा फिर काफी निश्चय के वा आप को यह उतर भेज रहा हूँ आशा है आप का पत्र मिलेगा ।आप का स्वास्थ्य कैसा है ।

१।पन्द्रह अगस्त १९४७ को हम आजाद हुए उससे पिछले वर्षो मे जो सेवादल का संगठन था उसी को लेकर भविष्य की योजना बनाई होगी मुझे पता नही लेकिन नागपुर शिविर जो एक योजनात्मक शिविर था मुझे शामिल होने का मौका मिला उससे पहले के शिविर और सम्मेलन मेरे लिए शान्ता के प्रतीक थे ।

यह भी सम्भव है कि आजादी के युद्ध मे योजना पूर्वक कार्य करना सम्भव न रहा हो लेकिन हर साल वार्षिक शिविर योजना बद्ध कार्य की नींव डालने मे समर्थ हो सके, यह हर्ष का विषय है ।~~और~~ हम लोग अपने अपने क्षेत्र मे साल भर लगन से कार्य करते रहे तथा नये शिविर की राह जोह हे लेकिन हर नये शिविर मे नये नये कार्यकर्ता आने लगे तथा पुराने गायब होने लगे इसका प्रत्यक्ष कारण शायद कांग्रेस कमेटियों ~~कमिटी~~ का परिवर्तन रहा होगा ।

अब रहता है कि सेवादल को सफलता कहा तक मिली है ,सफलता के सम्बन्ध मे दो राये भी नही हो सकती है ।लेकिन दृष्टिकोण भिन्न

जिला कांग्रेस कमिटी, भागलपुर, विहार
DISTRICT CONGRESS COMMITTEE, BHAGALPUR.

पत्र संख्या

स्थान भागलपुर
मिति १।५।६० १९६

आदरणीय डाक्टर साहव ,

प्रणाम आप का दल समाचार मे प्रकाशित प्रश्न पत्र पढ़ा और काफी गम्भीरता पूर्वक सोचा फिर काफी निश्चय के वाद आप को यह उत्तर भेज रहा हूँ आशा है आप का पत्र मिलेगा । आप का स्वास्थय कैसा है ।

१। पन्द्रह अगस्त १९४७ को हम आजाद हुए उससे पिछले वर्षो मे जो सेवादल का संगठन था उसी को लेकर भविष्य की योजना वनाई होगी मुझे पता नही लेकिन नागपुर शिविर जो एक योजनात्मक शिविर था मुझे सामिल होने का मौका मिला उससे पहले के शिविर और सम्मेलन मेरे लिए अज्ञान्ता के प्रतीक थे ।

यह भी सम्भव है कि आजादी के शुरु मे योजना पूर्वक कार्य करना सम्भव न रहा हो लेकिन हर साल वार्षिक शिविर योजना वद्ध कार्य की नींव डालने मे समर्थ हो सके, यह हर्ष का विषय है। ~~और~~ हम लोग अपने अपने क्षेत्र मे साल भर लगन से कार्य करते रहे तथा नये शिविर की राह जो रहे लेकिन हर नये शिविर मे नये नये कार्यकर्ता आने लगे तथा पुराने गायव होने लगे इसका प्रत्यक्ष कारण शायद काग्रेस ~~कमेटियो~~ कमेटियों का परिवर्तन रह होगा ।

अब रहता है कि सेवादल को सफलता कहा तक मिली है, सफलता के सम्वन्ध मे दो राये भी नही हो सकती है । लेकिन दृष्टिकोण भिन्न

जिला कांग्रेस कमिटी, भागलपुर
DISTRICT CONGRESS COMMITTEE, BHAGALPUR

पत्र संख्या   पेज न॰ दो   स्थान

मिति   १९६

हो सकता है कुल मिला कर मै कह सकता हू व्यक्तिगत तौर पर और सामूहि संगठन के तौर पर हम निश्चय ही आगे बढे है । लेकिन सन्तुष्टि नही है । क्योंकि कुछ न कुछ प्रयास मे परिस्थिति बाधक हो जाती है + निर्दिष्ट कार्य को पूर्ण करने के लिए । लेकिन जोश से कार्य करने की इच्छा जिन्दा है और इसी से असन्तुष्टि है ।

२। कार्यकर्ता के स्थायित्व से हम अधिक कार्य कर सकते थे, वर्तमान राजनैतिक बहाव मे हमारे कार्यकर्ता हर साल अथवा दूसरे तीसरे साल अवश्य बह जाते है अथवा अगर अड़े भी रहते है तो उनको भीषण संघर्ष का सामना करना पडता है कार्य आगे बढ़ा नही पाते है। हमारी कमी है लेकिन कांग्रेस के व्यापक दृष्टिकोण का यह अच्छा स्वरूप नही कहा जा सकता है ।

अगर अभी भी कार्यकर्ता मे स्थायित्व कायम रखने का प्रयास किया जाय तो निश्चय ही कार्य आगे बढ सकता है और यह कोशिश आप के द्वारा सम्भव है ।

३। सेवादल कांग्रेस की सेवा करता है और समर्थ के सम्बन्ध मे अधिक अच्छी राय तो शायद कांग्रेस वाले ही दे सकते है, लेकिन अपनी ओर से हम हर सम्भव प्रयत्न करते है कि सेवादल कांग्रेस की सेवा करे इसका सबूत यह है कि सेवादल शिक्षण जिन व्यक्ति को मिला वह बहुत कम संख्या में कांग्रेस के विरोध मे गये जब कि कितने पुराने महारथी इसमे बह गये ।

कांग्रेस की सेवा के लिए समर्थता प्राप्त करने की कोशिश तो

जिला कांग्रेस कमिटी, भागलपुर.
DISTRICT CONGRESS COMMITTEE, BHAGALPUR.

पत्र संख्या

स्थान

मिति १९६

नरन्तर सेवादल कर रहा है लेकिन सन्तोष जनक शब्द कहना मुश्किल है

विश्व की प्रगति के साथ साथ चलने के लिए पहले तो हमे स्वावलम्बन की ओर ध्यान देना होगा ,इसके साथ ही विशाल शिक्षण प्राप्त करने के लिए भी व्यवस्था करनी चाहिए । हर साल अपने कार्यकर्ताओ को किसी न किसी भांति बाहर विदेशो मे भी भ्रमण करने का अवसर देना चाहिए , नये कार्यकर्ताओं को जाने से पहिले ही उनको शिक्षा दिक्षा के सम्बन्ध मे सतर्कता बरतनी चाहिए ।

यह विचार मेरे व्यक्तिगत विचार है जो कि आप के पत्र को पढने के बाद लिखे है ,बहुत सम्भव है इसमे मार्ग दर्शक स्वरूप न प्राप्त हो अगर और अधिक स्पष्टता की आवश्यकता होगी तो उसके लिए आपने चर्चा के लिए भी जगह तो रखी है ।

आप का

मदन भाई

एरिया ओर्गनाईजर पूर्वी जोन

श्री डाक्टर एन०एस०हार्डीकर साहब
संचालक
कांग्रेस सेवादल ,७ जन्तर मन्तर रोड नई दिल्ली ।

Telephone : 26701

DELHI PRADESH CONGRESS COMMITTEE
AJMERI GATE, DELHI

(कांग्रेस सेवा दल)

२४-५-१९६०

श्रीमान डाक्टर साहब,

प्रश्न संख्या एक को मैं निम्न आशय का समझता हूँ जिस प्रकार से प्रश्न किया गया है उससे कुछ समझ में नहीं आता उलझन महसूस होती है।

प्रश्न-१. आजादी के बारह वर्षों में सेवादल ने कितनी सफलता प्राप्त की है? क्या आप उससे संतुष्ट हैं?

उत्तर- सन १९४८ की निस्बत संगठन में भाईचारा संगठन के प्रति निष्ठा और अनुशासन में भारी अंतर आज १९६० में दिखाई देता है। जहांतक सेवादल ~~कन~~ के मूल उद्देश्य का ताल्लुक है "देश के नौजवानों में राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रीय अनुशासन लाकर उन्हें भारत का योग्य नागरिक बनाना हम किसी भी अंश में अभी तक प्राप्त नहीं कर पाये हैं। हो सकता है कि परिवर्तित परिस्थिति में काम करने के लायक वातावरण ही न रह पाया हो। यह तो आम बात है लेकिन मैं महसूस कर रहा हूं कि सेवा दल संगठन में स्वयं इन गुणों को प्रतिष्ठित करने में भी अधिक सफलता की ओर जाने के बजाय हम विफलता की ओर ही जारहे हैं। हमारे साथी जब इकट्ठा होते हैं तब साधारण रूप में जो सम्मान आपस में होना जरूरी होता है वह कहीं नजर नहीं आता। आपसी भाईचारे के बजाय व्यक्तिगत श्रेष्टत्व की भावना नजर आती है। संगठित रूप में समूह का सम्मान होने के बजाय व्यक्तिगत सम्मान और प्रतिष्ठा का बोलबाला दिखाई देता है। पदों की प्रतिष्ठा लुप्त सी होगई है और होती जारही है। सन् ४८ में और उससे पहिले अधिकारियों के प्रति स्वयंसेवक साथियों का और स्वयं सेवक साथियों के प्रति अधिकारियों का अनन्य प्रेम लहरों की तरह दिखाई दिया करता था। राजनैतिक आजादी के बाद यहां के वातावरण ने जिस प्रकार करवट ली, उससे स्वार्थी भाव को अधिक प्रोत्साहन मिला। सरकारों द्वारा शुरू किए गए नये अर्ध-सरकारी या सरकारी संगठनों में मिलने वाले सम्मान व आर्थिक लाभ के खिंचाव से हमारे संगठन

के प्रतिभाशाली व्यक्तित्व चले गये उनके स्थान की पूर्ती हमारा संगठन नहीं कार पाया। जो भी संगठन में आया न्यस्त सवार्थ की दिशा में प्रगति न दिखाई देने पर या तो राजनैतिक संस्था में चला गया या कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय होगया जहां उसे सेवादल से अधिक सम्मान व पद प्राप्त हो गया। इस तरह हमारा संगठन दिन ब दिन कमजोरी में आता गया/आज हमारे पास जमाने के मुताबिक कोई नारा नहीं है। जिसके प्रभाव से हमारी सफों में लोग जमा हों। हमारी ओर आकर्षित हों। यह सब मेरी राय में इसलिए हुवा कि कहने के लिए तो हमने राजनैतिक स्वरूप को कायम रखा लेकिन दरअसल हम उस स्वरूप को कायम नहीं रख सके। हमारा संगठन केवल दरी बिछाउ: पानी पिलाऊ और पहरा दिलाऊ संगठन होगया। हमें इसका ज्ञान पग पग पर लोगों द्वारा कराया जाता है। नेताओं द्वारा हमें बताया जाता है। सेवादल के लिखे भेजे जाने वाले सन्देशों का लुब्ब लुआब भी यही रहता है। इस तरह हम जहां दिखाई देने वाली सतह पर इस स्वरूप में जहां तहां हमारे संगठन ने देश के किसी भी अन्य संगठन से अधिक संगठन के विभिन्न पहलू पर साहित्य का निर्माण किया है। प्रशिक्षण में, संगठन में, कार्यालय में, या किसी भी प्रवृति में, मार्गदर्शक साहित्य काफी मात्रा में तैयार हुवा है। देश के एक छोर से दूसरे छोर तक इन सभी मामलों में एकरूपता ही दिखाई देती है। विचारों का केन्द्रीकरण होगया है और तरीका भी सभी जगह एक समान होगया है। यह हमारी कामयाबियां मानी जासकती हैं। संगठन के इस पहलू की कामयाबी पर जहां मुझे सन्तोष है तहां संगठन की आम हालत तथा संगठन के प्रतिदिन ब दिन होने वाले निष्ठा के ह्रास से मुझे दु:ख है - सन्तोष नहीं है। इसका ज्वलंत प्रमाण मुझे मिला, हालके धन संग्रह के समय जबकि लोगों ने जिनमें संगठन के प्रति ज़रा भी निष्ठा थी, खुशी २ अपना जो भी योग वे दे सकते थे दिया, और जिनमें श्रद्धा नहीं थी सिवाय नुक्ताचीनी के कुछ नहीं मिला यह मैं संगठन के स्थाई सदस्यों व सहायकों के बारे में कह रहा हूं। श्रद्धा के अभाव में सब समान के नारे ने ऐसी फिज़ा बना डाली कि अधिकारी तक इसमें दिलचस्पी लेते नज़र नहीं आये। इससे ज्यादह दु:ख की, ग्लानि की, कोई और बात नहीं हो सकती है।

प्रश्न २ - इससे अधिक अच्छा क्या कुछ हो सकता था और कैसे?

उत्तर - चाहे संख्या में कम ही होते लेकिन परखे हुए कार्यकर्ताओं की छांट-करके उनकी श्रद्धा का लाभ यदि संगठन को दिया जाता तो अधिक अच्छा रहता। हमारा संगठन कार्यकर्ताओं का संगठन कहलाता और सृजनात्मक कार्यकर्ताओं की हमें संज्ञा मिल सकती। अपनी मातृसंस्था की प्रवृतियों के विभिन्न पहलुओं और प्रवृतियों के माहिर व्यक्ति तैयार किए जाते तो इस संगठन का प्रशिक्षण प्राप्त ईमानदार और कर्मठ कार्यकर्ता को ही कांग्रेस संस्था के विभागों में काम करने का मौका मिल सकता और हम सही मायनों में कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी का काम कर सकते। आज तो हम कांग्रे-स के फौलादी तो दूर रही, साधारण से चौखटे का काम भी, नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस ने भी हमें इस प्रकार के कार्यकर्ता तैयार करने की सुविधायें और मौका नहीं दिया/फिर भी मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि दर्जनों व्यक्ति ऐसे हैं, जिन्होंने सेवादल से बाहर जाकर जो थोड़ा बहुत प्रशिक्षण उन्हें सेवादल में मिला था/उसका अद्वितिय रूप में उपयोग किया है और कुछ मायनों में मार्ग-दर्शन भी कर रहे हैं। आज भी यदि संगठन का स्वरूप राजनैतिक रखना है तो यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्ति को ही मातृ संस्था में किसी दायित्व का पद मिल सकेगा इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए तभी हम कुछ कहने लायक काम कर सकेंगे। अन्यथा हमारा संगठन सामाजिक और वह भी रामलीला के समय की सेवक मण्डल-मंडलियों जैसे स्वरूप का संगठन रह जायेगा/जिसका केवल काम होगा जलसे जुलूसों की व्यवस्था करना और नेताओं के आगे पीछे दौड़ना।

प्रश्न ३ - क्या सेवादल अपनी मातृ संस्था कांग्रेस की सन्तोषजनक सेवा करने में समर्थ हुआ है?

उत्तर - निस्सन्देह हुआ है। किन्तु मैंने जो विचार व्यक्त किये हैं उनके अनुसार क्योंकि वे जितना काम सेवा दल से लेना चाहते हैं/ उतना उन्हें उत्कृष्ट नमूने का काम मिल जाता है। समय २ पर सुना जाता है कि सेवादल के सैनिकों ने व्यवस्थ का काम वहुत अच्छा किया।

14

Telephone : 26701

DELHI PRADESH CONGRESS COMMITTEE
AJMERI GATE, DELHI

प्रश्न ४ - विश्व की प्रगति के साथ साथ चलने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर - १. आज की स्थिति के अनुरूप ध्येय की घोषणा ।

२. उसकी प्राप्ति के मार्ग का निर्धारण ।

३. सेवा दल को नैतिक। शैक्षणिक और क्षमतावान कार्यकर्ता तैयार करने की एकेडेमी का रूप देना तथा वहां से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों को ही अवसर प्राप्त हो सके ऐसी स्थिति तैयार करना।

४. राजनैतिक स्वरूप रहे तो अन्य संगठनों की तरह सेवादल को भी नामजदगी अखिल भारतीय स्तर पर प्राप्त करना जैसे की युवक कांग्रेस को प्राप्त है/ताकि इस संगठन के व्यक्तियों को भी अपनी मातृसंस्था की नीति निर्धारण में अपनी राय ~~देकर~~ देने का अवसर मिल सके।

इस प्रकार कुछ काम हो सका तो मुझे उम्मीद है कि हम विश्व की पगति के साथ क़दम से क़दम मिला कर चल सकेंगे।

आशा करता हूं कि आप स्वस्थ होंगे और सदैव अपनी कृपा बनाये रखेंगे।

धन्यवाद,

आपका,
विश्वनाथ शाह
(विश्वनाथ शाह)
दलपति
कांग्रेस सेवा दल, दिल्ली

डा० एन०एस० हार्डिकर,
संचालक, अ०भा० कांग्रेस सेवादल,
७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली।

ता- २-६-६०.

माननीय हार्डीकरजी, बम्बई

आपका पत्र प्राप्त हुवा धन्यवाद। मैं खडकवासला शिबिरमें उपस्थित थी। और जो विषय लिये गये थे वह बहुतही अच्छा था और चर्चा भी काफी उत्साहसे हुई। शिबिरका कार्यभी उत्साहसे हुवा था। शायद आपकी जगह पहली बार ही ऐसे सुंदर वातावरणमें चुनी हुई होगी और वह भी हमारे पडोसी मिलिट्रीयोंकी जगह।

आपने जो प्रश्न पुछे थे इसका जवाब मैंने २०-४-६० को दीया था। मगर टूटी फूटी भाषामें और कल्पनामें थे। फिरभी आपकी समझ दोबारा देती हूँ।

(१) सेवादलको सफलता आझादी के बाद भी २,३ साल मिली थी। क्योंकी रचनात्मक कार्यक्रम था और साथमें उस वक्त spirit थी, सच्ची भावना थी और अहंमता नहि थी। आज हम क्या देखते है? स्वतंत्रता का उपयोग व्यक्तिगत होने लगा है। इससे भावना दूर

हुई है, क्रोध और क्लेष आया है सब अपनी अपनी प्रवृत्तियाँ अलग बनाकर नेता बननेमें मशगुल हैं और किसीकी सुननेमें तैयार नहि है। क्या हम इसको देखकर संतुष्ट हो शकते है? क्या अैसी रीत हमारे सेवादलमें है? अगर है तो इसको दूर फेंककर सेवादलका संगठन कायम बनानेके लीये जैसी "मातृभावना" है अैसी "सेवाभावना" हरेक व्यक्ति अपनाये और व्यक्तिको नहि मगर संगठनको उच्च लाये।

ये सवाल आपने पूछा तो है। मगर कितनी बार अेक विचार मेरे मनमें खटक रहा था की सेवादलकी "Emergency टुकडी" आल इन्डीया के बेझ पर क्यूं न बनाये? जैसे मिलीट्री की छावणीयाँ हर जगह है देशके रक्षणके लीये वैसी हमारी अेक छावणी सेवादलके सिद्धांत ध्येय को लेकर नहि बन शकती? जिससे कहीं भी बाढ़ कुदरती आफत या देशमें हलचल हो गई तो फौरन ये टुकडी तन, मन, धनसे उसका सामना करे। इस लीये अेक बात निश्चीत इसको सामना करनेके लीये

"Jack of all" बनना जरूरी है, मगर ये ~~[illegible]~~ कठीनाई तालीम दूर कर शकती है।

(३) तीसरा सवालमें आज तक तो हमने कोंग्रेसके हरेक कार्यमें कितनी मुश्कीलीयाँ हम पर आते हुवे भी सहिष्णुतासे सहकार दिया है। क्योंकी ये तो हमारा धर्म और कर्म है इसके खिलाफ और क्या हो शकता?

(४) विश्वकी प्रगती तो अेटम बम्ब, हाईड्रोजन बम्बमें डूबी है, और वह भी अेक दूसरेके सामने, बादमें करार, मगर आखीरमें "ठंडा युद्ध" तो निश्चीत है। आखीर जीतना बोलते है उतना कर नहि पाते तो बोलते क्युं? इसके सामने गांधीजीकी अहिंसा नहि चल शकती मगर उसके सिद्धांत स्वतंत्रता, विश्व शांति, विगेरे कुछ कामियाब हो शकते है, मगर हम हमारे सिद्धांत में अेक अैसा नया युग निकाले जीससे विश्वमें हमारा स्थान अमर रहे, वह ~~स्वमनोबल~~, स्वयं शक्ति। ~~आत्मविश्वास~~ आज जो कुछ कार्य करें वह ~~[illegible]~~ ही है यह भावना को बढ़ायें -आशा-

कार्यालय:- फोन न० १०४

जिला कांग्रेस सेवा दल, हिसार।

जिला ऑर्गेनाईजर:- दुलीचन्द बैंनीवाल।
कार्यालय मन्त्री:- कुमारी शकुन्तला वर्मा।

पत्रांक...... दिनांक 5.8.60

श्रीमान मान्यवर डाक्टर साहबजी,
सादर जय हिन्द।

आप का पत्र दिनांक 1.8.60 का प्राप्त हुआ। धन्यवाद हमें इस पत्र को पढ़ कर अति प्रसन्नता हुई जो आप ने यह समय दिया कि हम आप की सेवा में आल इंडिया सेवा दल कैम्प 'खड़कवासला' में हमारे सामने जो प्रस्ताव आए थे उन में अपना विचार प्रगट करें। जितने भी प्रस्ताव वहाँ पर रखे गये थे सब अच्छे थे और सेवा दल की ऑर्गेनाइजेशन के लिये प्रत्येक भाई-बहनों ने हृदय से जोर दिया। मुझे यह विश्वास हुआ कि हमारे सेवा दल के सैनिक चाहे वह पुरुष हो चाहे महिला। उन का कदम पीछे नहीं है आ आगे को बढ़ता ही जाएगा। परन्तु हमारे सामने एक कठिनाई बहुत जबरदस्त है जो मैं नीचे लिख रहा हूँ। (1) आर्थिक समस्या का हल करना

(2) महिलाओं को अधिक से अधिक भर्ती करना और उन को सम्भालना और अधिक से अधिक दल में इन को सुविधा प्राप्त ~~करना~~ होना अति आवश्यक है।

(3) कांग्रेस कमेटियों का सहयोग लाज़मी है। [illegible] यह शिकायत है कि का० से० द० का दफ़्तर कां० कां० में होना आवश्यक है। जो कोई प्रैज़ीडैन्ट जि० का० का० कहने पर भी ध्यान नहीं देते और महिलाओं को तो दफ़्तर में घुसने ही नहीं देते। उल्टा कां० कां० के दफ़्तर वाले महिलाओं को बदनाम करते हैं इस पर पूरा २ ध्यान देकर ज़ोर दिया जाय। काफ़ी महिलाएं दल में आकर काम करने के लिए त्यार हैं।

(4) आफ़िस सम्बन्धी होल टाईम रखना क्लर्क ज़िले में लाज़मी होना चाहिए। जो paid हो।

(5) ओरगेनाइज़र paid हो। यह हमारी राय है।

जय हिन्द।

आप का आज्ञाकारी
दुलीचन्द बैनीवाल
जि० ओ० कांग्रेस सेवा दल हिसार

सेवा में,

अजमेर
दिनाँक — 11.8.60

प्रिय भाई साहब जी,

सप्रेम नमस्ते।

आपका दिनाँक 1 अगस्त 1960 का लिखित पत्र दिनाँ ५ अगस्त को प्राप्त हुआ उसके लिये धन्यवाद। मैं आपको पत्रोत्तर शीघ्र ही न दे सकी कारण कि मेरी सिलाई व कढ़ाई की परीक्षा 8 अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक थी जिसके लिये मुझे रातदिन घोर परिश्रम करना पड़ा। परीक्षा के समाप्त हो जाने पर मैं आपको यह पत्र लिख रही हूँ। आशा है कि आप मुझे देरी के लिये क्षमा करेंगे।

आपके कथनानुसार मैं खड़गवासला के अखिल-भारतीय सेवादल कैम्प में गई थी। वहाँ पर मुझे कई नई २ बातों का ज्ञान हुअ शिविर में तो कई तरह की चर्चा प्रतिदिन होती थी। जैसे विगत अ० भा० रैली में क्या त्रुटियाँ थीं और उनका भविष्य में सुधार करना तथा भवि के 1960 के होने वाली अ० भा० रैली की रूपरेखा आदि बनाने पर सब ने विचार विमर्श किया। इसके अतिरिक्त शिविर में भिन्न विषयों की ट्रेनिंग दी जाती थी। मेरा विषय "खेल कूद, व्यायाम व शारीरिक क्षमता परीक्ष था जिसमें मैंने भाग लेकर अपना ज्ञान बढ़ाया। मुझे तो सब बातें अच्छी लगी

शिविर में सब भाईबहिन अनुशासन में रहकर अपना २ कार्य करते रहे। आपके चारों प्रश्नों की चर्चा भी हुई थी। आपके प्रश्नों के उत्तर मैंने वहाँ पर नहीं दिये क्योंकि मैं प्रथम बार ही अखिल भारतीय सेवादल के वार्षिक शिविर में गई थी। किन्तु अब मुझे वहाँ से काफी अनुभव हुआ है। मैं अपनी बुद्धि के अनुसार जो कुछ वहाँ पर सुना तथा जो २ मेरे विचार हैं वे आपको लिख कर भेज रही हूँ।

(1) आपके 1ले प्रश्न का उत्तर इस प्रकार से है कि जब से काँग्रेस सेवादल की शुरुआत हुई है हमारे सेवादल की भी प्रगति हुई है। इन बारह सालों के अन्दर कितने ही प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च सैनिक कैम्प लगे जितने की इसके पहले कभी न लगे थे। इन कैम्प में कई भाईबहिनों ने ट्रेनिंग ग्रहण की किन्तु 1२ वर्ष पहले के सेवादल का ध्येय था केवल देश को स्वतन्त्रता दिलाना परन्तु वर्तमान ~~काल~~ के सेवादल का ध्येय है। देश के स्तर को ऊँचा करना मेरे विचार से तो सेवादल ने इन 1२ वर्षों में पर्याप्त उन्नति कर ली है। और भविष्य में इससे भी अधिक उन्नति करेगा।

P.T.O.

(२) दूसरे प्रश्न का उत्तर है कि इससे और भी अधिक अच्छा कार्य हो सकता था यदि अच्छे २ कार्यकर्ताओं को स्थायीत्व प्राप्त होता। यदि सेवादल स्व[illegible] रीति से कार्य करता तो इसका प्रचार और भी अधिक होता व उन्नति होती। यदि कांग्रेस की ओर से और अधिक मदद मिलती आदि सभी उपर्युक्त बातों की ओर ध्यान देते तो यह कार्य हो सकता था।

अब भविष्य में हमें यह करना होगा कि सेवादल के संगठन को अधिक बढ़ायें और उसमें परिश्रमी कार्यकर्ताओं को ही भर्ती करें। केवल संख्या बढ़ाने से लाभ नहीं। देश की सभी विस्तृत योजनाओं में सेवादल को भी भाग लेना चाहिये। सेवादल को जितने भी रचनात्मक कार्य हैं उसमें प्रविष्ट होकर उसे फैलाना होगा। हमें नौजवानों का चरित्र गठन करना है। से० द० के बड़े नेता जैसे आप व श्री ईमानदार जी हैं मिलकर देश का व्यापी दौरा करें तो सबको उत्साह मिलेगा। राष्ट्रीयता व अनुशासन की ओर ध्यान देना चाहिये। कांग्रेस के प्रति से० द० की घनिष्ठ आस्था होनी चाहिये। (३) तीसरे का उत्तर है कि से० द० अपने पितृ संगठन कांग्रेस की सेवा संतोषजनक नहीं कर सका क्योंकि से० द० उसे अच्छे २ कार्यकर्ता नहीं दे सके। दूसरे कांग्रेस पर इतना गहरा से० द० का प्रभाव नहीं जितना कि होना चाहिये। यही कारण है कि कांग्रेस कमेटी हमें कोई कार्यभार नहीं सौंपती। इसलिये हमें इस योग्य बनाना चाहिये। (४) ४थे प्रश्न का उत्तर इस प्रकार है कि विश्व की प्रगति के लिये प्रत्येक नागरिक को नागरिकता का ज्ञान होना चाहिये, अपनी आवश्यकताओं को ही दूसरों (देशों) की आवश्यकता समझनी चाहिये। दूसरे देशों की प्रगति देखकर प्रसन्न होना चाहिये व स्वयं भी वैसा करने का साहस करना चाहिये। हरएक व्यक्ति में आत्मनिर्भरता, आत्मसंयम, स्वावलंबन, आत्म-विश्वास, मितव्ययता, वाणी की मधुरता, देशभक्ति, बन्धुत्व की भावना, कार्य की लगन, क्षमता व सहनशीलता, उदारता आदि आदि।

मैं अपने विचार से आपके चारों प्रश्नों का उत्तर इस प्रकार से दे रही हूँ। यदि कोई मेरी इसमें गल्ती हो गई है तो कृपया आप क्षमा कीजिये।

आशा है कि आप सकुशल व प्रसन्न होंगे।

पत्र की प्रतीक्षा में, स्नेहलता लामा
महिला संगठिका

कु० स्नेहलता लामा
C/o. श्री कृष्णलाल प्रभाकर
कोठारी बिल्डिंग,
बाबू मोहल्ला
अजमेर (राजस्थान)

Madras,
14-8-60.

Dear Hardikarji,

Your post card to hand, yest. I attended the Poona Camp and closely watched the deliberations on this topic.

Before I set upon writing on this, I wish to tell you that I assumed the "Office of Pradesh Organiser" a year back, and I feel I am incompetent to hold that great office. Nevertheless, I am trying my level best to bring good results by my efforts.

Well, Doctorji, your questions, posed before us, are more easy to ask but difficult to answer. For in the nature of things in our country, the faculty of organisation was absent in the culture of our country and it is developed only in the recent past, this has been greatly developed. And more over, to calculate the results of an organisation like ours from the stand point of solid achievement is also difficult.

I have answered to your questions clubbing them all together for the economy of time. I wish to be more precise and brief and do not repeat the general points, referred to by my co-workers in the camp. First to take the credit side of our account, Seva dal in the last twelve years has done substantially good to the Congress and thro' the Congress to the country. Our tireless work in the elections, our participations during flood and other calamaties, our work in enrolling members to the Congress organisation and in the daily activities of Congress Committees, and also our miscelleneous social activities were all commendable. No one can deny this. But even then we feel and this has been considerabl increased in the last few years, that Seva Dal has not attracted educated youths of the country sufficiently in its fold, it is not commanding much respect in the eyes of the Congress Committees, more workers are not coming forth to shoulder the responsibilties and above all that a certain discontent over our programme, a discontent which is not describable by the workers themselves but the feeling that there must be a change in our programme and the approach, is visible. What is this due to? During the discussion I felt, ourselves groping in the dark not knowing the way out. And this, I ascribe, may be the most important one to be looked into for the general slackness in our march.

(i) The field for our work, which was hitherto let free, has been narrowed down and a serious competition among the various agencies sponsored by the Government and by foreign missionaries organisations, and other local social service institutions, with the result the activities of theirs and ours have become somewhat overlapping. That is why workers feel a change-a change of programme and outlook. we will have to retain our socio-political colour in ourselves and in addition to that, to me it appears essential, a tinge of moral principles must be also necessarily mixed. I mean, by that moral instructions and training to our workers are direly needed to alleviate our lethergy and despondency, raise our standard of character and exhibit ourselves distinctly from others inspiring them to emulate us. This is not something new to our organisation, or to our parent body. Gandhiji did this very successfully - he combined politics and religion - and his close disciple Vinobaji also follows suit. It is said by our many great late political leaders that religion cannot be divorced from politics. And this is the everlasting panecca for all the great ills of political organisations. We want to raise the character and discipline of the people and inculcate in them a sense of patriotism. How could we do this unless we ourselves are not morally great ? Not that I mean that every one should become a hermit or a religious fanatic, but a wise balance must be struck between the two-a golden mean between moral and religious principles and socio-political views. This has been ~~also~~ exerted by the Committees appointed by the Government to go into this cause (of which [illegible] e.g. Sri Radhakrishnan's Commission on Secondary school schemes and Sri Sri Prakas's Committees report - the Central Government has [i.e. moral development for students] recommended the states to follow the contents of it. The Madras Government has also formed a panel to go into the details of it and draft a scheme for the schools on the basis of it. Now, I leave it to you, Doctorji, to form the details of the schemes for the moral developments of our members. In Nagpur Annual Camp also, a proposal was moved to introduce a kind of this programme-silent meditation or concentration or heart searching prayer whatever you call it, daily in the nights before going to bed by every volunteer but this was atlast dropped. So, a similar programme for the workers, Bhajans wherever possible, and listening to great patriots stories and their heroic deeds would, to a greater extent stimulate our workers.

The other reasons, for the slow development, are almost a repetition of the same from other workers. To sum up in brief the reasons, - in general are ;

(ii) Number of paid workers to look after the organisation in its day today activities is small. Ways and means to increase them must be found out.

(iii) The ~~ill~~ ill-treatment melted out to the workers by the Committees causes despair to the workers.

But these things are not great problems, once if by our own self-development and unsullied character we were able to influence our Congressmen. The positive approach to this problem then is.

(i) We must create good number of intelligent workers and place them at the disposal of the Congress Organisation.

(ii) We must not become self-complacent in our thought but take into consideration other social organisation which are not in conflict with our ideology and come in contact with them.

(iii) We must create a strong public opinion first in the Congress Circles and then in the public in favour us.

(iv) As I said earlier, a scheme for moral development for our workers must be prepared.

With this I condlude my letter.

With thanks,

Yours sincerely,

KSNarayan

(K.S. Narayan)

Shri N.S. Hardikar,
Sanchalak,
Congress Seva Dal.

किया जाय तो नियमितता की दृष्टि से अनुशासन की दृष्टि से एवं प्रचार की दृष्टि से सर्वोकृष्ट उचित हुई है चूंकि १९३२ में ~~[illegible]~~ हिन्दुस्तानी सेवादल के नाम से १ छोटा स्वयं सेवक थे यह संस्था भी अनियमित सी है। इसको विशेष रूप से जनता नहीं जानती थी। इसके विपरीत आजकल कॉंग्रेस सेवादल से सारे जनता व माध्यमों से आकर्षित होने लगे प्रत्येक धार्मिक मेलों व राष्ट्रीय कार्यों के त्योहारों में सेवादल स्वयं कार्य करता है और त्योहारों को मना कर जनता को भी आकर्षित करता है। पहले सेवादल केवल कॉंग्रेस के ही कार्यों में लगता था परन्तु अब सभी नागरिक आर्थिक कामों में व धार्मिक उत्सवों में सेवादल के सैनिक कार्य करता ~~[illegible]~~ नजर आता है। आजकल जितने प्राथमिक, मध्यम ~~माध्यमिक~~ एवं उच्च सैनिक कैम्प लगते हैं उतने पहले कभी नहीं लगे। इससे हम कह सकते हैं कि सेवादल को अच्छी सफलता मिली है।

जहां तक संतुष्ट होने का सवाल है तो मेरे विचार से संतुष्ट के पक्ष के P.T.O.

१५ १२.८०. ई.
रतलाम

आदरणीय डॉक्टर सा.

सादर प्रणाम

आपका पत्र प्राप्त हुआ व पढ़कर अत्यन्त हर्ष एवं गर्व अनुभव हुआ।

खड़कवासला में सभी दृष्टी से आनंद प्राप्त हुआ एवं वहाँ स्थान इतना सुन्दर था कि मानो मंसूरी के पहाड़ों पर ही ठहरे हुए हों वायु मण्डल बहुत शान्त था इस कारण हर कार्य में उत्साह रहता था फिर अधिकारियों की देख रेख में जिसमें सब के सभी पहलुओं पर कोशिश की इच्छुक होने कारण कार्यकर्ता उत्साहों के बहुत ही खुश रहते थे। बहस में अनेक भाषा का ज्ञान मिला बोलने की शैली मालूम हुई व साथ में भाषण करने का साहस प्राप्त हुआ।

आपके प्रश्नो का उत्तर मेरे साधारण दिमाग से निम्न है।

(१) गत बारह वर्षों की स्वयं सेवकों की संख्या को आधार रखा जाँच और फिर विचार

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

INDIA 10 नप

D.R. [illegible] N. S. Hardikar
C/o
Shri K.D. Nagalkar, ~~10 Akbar Road~~
B-22 Ganesh Prasad New Delhi
10, Slater Road
BOMBAY 7 NEW DELHI

तीसरा मोड़ Third fold →

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address

Sunderlal Vaghela
Thali Shal Ka No 5
Neharpur RUTLAM

NEW DELHI-11
8 30AM

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

[illegible] की भावना रखती नहीं है चूंकि [illegible]
हुआ उनके [illegible] होना चाहिये [illegible] है।

(2) इसके [illegible] लोग किये "हमारे पितृ संगठन
कांग्रेस को जिसका हमको अभिमान [illegible] और उ...
नहीं निकले [illegible] कारण मालूम होता है हमारे [illegible]
रहते [illegible] [illegible] आश्वासन भी कांग्रेस द्वारा [illegible]
कांग्रेस भी हमें प्रयोग में [illegible] मिली है।

(4) हमारी पितृ संगठन कांग्रेस [illegible] इन [illegible]
की [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible]
कांग्रेस के प्रति आस्था रखने वाले और [illegible] [illegible]
के कांग्रेस से [illegible] वाले [illegible] कांग्रेस
को प्राप्त होना व [illegible] [illegible] प्रयोग इसके
[illegible] गुना अधिक होती।

(3) कांग्रेस की [illegible] के [illegible] के [illegible] [illegible]
है कि पूरे देश के [illegible] भी कांग्रेस के [illegible]
होती है [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] कांग्रेस की
[illegible] का प्रचार करता है। [illegible] चुनाव के [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] का व [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] तैयार रहता है [illegible] [illegible] देश [illegible]
[illegible] [illegible] कांग्रेस [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] उनके [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] के [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible]

First fold

कॉंग्रेस सेवादल गुजरात.
सुरत जिल्ला कार्यालय,
ंग्रेस भवन, सोनीफळिया, सुरत.

તા॰ ૨૦-૮-૬૦

પ્રિય ડૉ સાહબજી,

સાદર વંદન।

ઇતને સાલ સેવાદલમેં કામ કરનેકે બાદ આપકી ઓરસે પ્રથમ પત્ર મિલનેસે બહુત પ્રસન્નતા હુઈ। આપકા પત્રકા ઉત્તર બહુત દેરીસે દેનેકે લિયે હાર્દિક માફી ચાહતા હૂં।

બેંગલૂર સેશનમેં અચ્છા અનુભવ ન હુઆ। અચ્છી અસર ન હુઈ। ફંડ વાસતકા પ્રોગ્રામ બિલકુલ ઠીક રહા। અચ્છા રહા। પ્રોગ્રામ ઓડમીસન, કાર્યકર વ્યવસ્થા ઔર પ્રોગ્રામ વિભાગો [illegible]નેકે દેનેકે બારેમેં ઔર ભી સોચા જાય તો અચ્છા રહતા।

[illegible] રચનાત્મક પ્રવૃત્તિકા પ્રોગ્રામકા વ્યવસ્થિત [illegible] અચ્છા રહા હૈ। ઐસે કાઈ કાર્યકરોં તૈયાર કરનેકા અચ્છા તરીકા માલૂમ હુઆ।

આપકી ઓરસે [illegible]

प्रश्नों और दिये गये जवाबों पर ~~[illegible]~~
विचार विनिमय किया गया था। उन प्रश्नों
का मैंने अलग अलग जवाब नहीं दिया है
देने की कोशिश करूंगा।

आपका प्रश्नोंका जवाब देना मैंने मैं
समझता हूँ कि सेवादलों का भूत, वर्तमान और
भविष्य कालको देखना, अंतर खोज करना,
आत्म निरिक्षण द्वारा संकल्प बल को और
कार्य प्रत्येकी भावना और दृढता को बढ़ाना।

भावनगर कोंग्रेस सेवादल कार्य के लिये
अवसर हमने हमारी ~~[illegible]~~ प्रवृत्ति शुरू कर
दी है।

आप स्वस्थ और प्रसन्न होंगे।

आपका स्नेहाधिन

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
INDIA
5 nP

NEW-DELHI

प्रति
श्री.

डॉ. ना. सु. हार्डीकर जी
(संचालक)
~~कांग्रेस सेवादल~~
~~ए. आई. सी. सी.~~
~~७, जंतरमंतर रोड~~
१०, अकबर रोड,
नयी देहली NEW-DELHI

Phone-C T C-141

UTKAL PRADESH CONGRESS COMMITTEE

CONGRESS SEVA DAL
SWARAJ ASHRAM, CUTTACK-2

(କଂଗ୍ରେସ ସେବା ଦଳ)
(ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମ, କଟକ—୨)

Date 7. 9. 1960.

Sub:- Answers of the Questions.

Respected Brother,

Your kind letter from ghatprava of 1st August gave me much pleasure. But I may be excused for the delay due to unprecedented flood here in Orissa.

As I joined the Camp at Khadakwasla the camp site was most appropriate one, it seemed to me, and the opening ceremony was moreover an encouraging one, because the ceremony had the opportunity of getting two great national leaders Sri Nehru and Sri Sanjiva Reddy, who also took part in our further discussions and deliberations. Moreover the discussions held there were not only praiseworthy but also they were unique in their moral point of view for all present there. Much time was devoted on an ellaborate discussion on your ideal questions, in which many of us took part. Let me also humbly inform you that while replying to some of these questions during the discussion, I actively took part. Then ofcourse my replies were not in the form of written answers. It is only now that, after getting your kind letter, I have tried to give a writen reply in the following way.-

Ans. 1 & 2. After the independence, the 'Sevadal' organisation is to be viewed from its, different activities, descipline, training a-nd administration.

Though during these thirteen years, Sevadal has yet to achieve its expected goal, still it has attracted many young bloods to work dispassionately and without self interests, to its fold. As far as discipline is concerned, Sevadal Sainiks have created national brotherhood and are proud of being known themselves as members of a most disciplined organisation.

P.T.O.

Contd.........

As far as the structure and overall system of training-grade is concerned, it has been systematised. Dal Samachar and other literatures have helped a lot to popularise the views and ideals of Sevadal organisation among common mass. So, I feel quite satisfied with the activities of Sevadal during these thirteen yea-rs.

Ans.3. The main objective of any political organisation is to capture Government and to popularise its philosophies through the machinery of the Government. According to the democratic set-up of Government in India, every individual of the ruling political party must have maximum of confidence upon the people. Many - people have not been able to create this confidence and are quite away from public touch though they are active members of the ruling party. But this is not in Sevadal, the Sainiks having no such selfish motive are in constant touch with people. Even at the curcial moment like general elections, Sevadal Sainiks have been successfully penetrated and are welcomed by the people in general. Apart from it Sevadal is taking active part in day today affairs of the Congress organisation. So I may confidently say that Sevadal has been successful in helping its parent organisa-tion - 'Congress'.

But Sir, here I will draw your attention on some of the vital and basic understandings that lacks between the parent organisation and Sevadal, as I feel.

That the Sevadal workers are not getting proper treatment from Congress people, which has discouraged many educated Sevadal workers who feel to take active part.

That the group politics has taken such an important place every where in Congress, that any impartial worker of Sevadal,

P.T.O.

32

Phone-C T C-141

UTKAL PRADESH CONGRESS COMMITTEE

CONGRESS SEVA DAL
SWARAJ ASHRAM, CUTTACK-2

(କଂଗ୍ରେସ ସେବା ଦଳ)
(ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମ, କଟକ—୨)

Ref

Date

Contd..............

of Sevadal, finds himself in a ~~way~~ very difficult position to carry on his activities. Some times they are being forced to side any faction.

Ans. 4. This last answer, though is very difficult on my part to give any authoritative reply, still I have tried to give some suggestions from my limited knowledge. That, while judging a nation, its national discipline its educational standard, and economic status are taken into consideration. I hope India mainly lacks from these conditions, incomparision to other big nations. Congress Sevadal, in its broad objectives have all these above mentioned conditions. AnD I expect, sooner these conditions are cultivated and propagated in a nation-wide scale through Sevadal worker, Surer we will be about our status in-pare-with other big nations.

Yours sincerely,

Padma Charan Das

(Padmacharan Das)
PRADESH ORGANISER.

To

Sri Dr. Hardikar,
Sanchalak, All India Congress Sevadal,
7, Jantar Mantar Road,
New Delhi-1.

Phone-C.T C-141

Gram-Congress

UTKAL PRADESH CONGRESS COMMITTEE

CONGRESS SEVA DAL
SWARAJ ASHRAM, CUTTACK-2

(କଂଗ୍ରେସ ସେବା ଦଳ)
(ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମ, କଟକ—୨)

Ref

Date 7. 9. 1960.

10 SEP 1960

Sub:- Answers of the Questions.

••••••

Respected Brother,

Your kind letter from ghatprava of 1st August gave me much pleasure. But I may be excused for the delay due to unprecedented flood here in Orissa.

As I joined the Camp at Khadakwasla the camp site was most appropriate one, it seemed to me and the opening ceremony was moreover an encouraging one, because the ceremony had the opportunity of getting two great national leaders Sri Nehru and Sri Sanjiva Reddy, who also took part in our further discussions and deliberations. Moreover the discussions held there were not only praiseworthy but also they were unique in their moral point of view for all present there. Much time was devoted on an ellaborate discussion on your ideal questions, in which many of us took part. Let me also humbly inform you that while replying to some of these questions during the discussion, I actively took part. Then of course my replies were not in the form of written answers. It is only now that, after getting your kind letter, I have tried to give a writen reply in the following way.-

Ans. 1 & 2. After the independence, the 'Sevadal' organisation is to be viewed from its, different activities, descipline, training a-nd administration.

Though during these thirteen years, Sevadal has yet to achieve its expected goal, still it has attracted many young bloods to work dispassionately and without self interests, to its fold. As far as discipline is concerned, Sevadal Sainiks have created national brotherhood and are proud of being known themselves as members of a most disciplined organisation.

R. R. Inamdar.

3in

दि. 4-10-60

मा. श्री डॉ० हार्डीकर साहब

संचालक कां०से०दल.

आप का पत्र ता० 2-8-60 का मिला आप की साफ़ गोई का तहे दिल से शुक्र.

आप का सवालों का जवाब तो पूरा कैंप में दिया गया है. लेकिन आप के इसरार पर मैं मजबूर हूं. मैं आप के सवालों के जवाब में श्री. आहूजा साहब और. श्री [illegible] डी साहब के जवाबों से मुत्तफ़िक/सहमत हूं यहीं बताते हूं कि आप ने [illegible] किया था लेकिन श्री हुकुम [illegible] में - दिया गया था [redacted] गालिबन [illegible] पेश करता हूं आप को सलाम से उम्मीद करता हूं और आप कबूल करेंगे. और [illegible] से

P.T.O

स्वास्थ्य (संबंध) में हमेशा इसी
तरह ब्योरेवार लिखो।

आप का [illegible]
नियाजमंद

ॐ

श्री. [illegible]

मंगलवार
ता. [illegible]
[illegible]

पोस्टकार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता लिखिए
ADDRESS ONLY

POSTAGE
INDIA
5 nP

EXPTL
324
NEW DELHI-11
6.10.60
8.30AM

Shri Dr. N.S. Hardikar
c/o Karnatak Health Institute
~~10 Akbar Road~~
GHATAPRABHA
New Delhi

District Belgaum
S. Railway

Phone-C T C-141

Gram-Congress

UTKAL PRADESH CONGRESS COMMITTEE

CONGRESS SEVA DAL
SWARAJ ASHRAM, CUTTACK-2

(କଂଗ୍ରେସ ସେବା ଦଳ)
(ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମ, କଟକ—୨)

Ref ______ Contd.......... Date __________

As far as the structure and overall system of training-grade is concerned, it has been systematised. Dal Samachar and other literatures have helped a lot to popularise the views and ideals of Sevadal organisation among common mass. So, I feel quite satisfied with the activities of Sevadal during these thirteen yea-rs.

Ans.3. The main objective of any political organisation is to capture Government and to popularise its philosophies through the machinery of the Government. According to the democratic set-up of Government in India, every individual of the ruling political party ~~must~~ have maximum of confidence upon the people. Many people have not been able to create this confidence and are quite away from public touch though they are active members of the ruling party. But this is not in Sevadal, the Sainiks having no such selfish motive are in constant touch with people. Even at the curcial moment like general elections, Sevadal Sainiks have been successfully penetrated and are welcomed by the people in general. Apart from ~~x~~ it Sevadal is taking active part in day today affairs of the Congress organisation. So I may confidently say that Sevadal has been successful in helping its parent organisa-tion 'Congress'.

But Sir, here I will draw your attention on some of the vital and basic understandings that lacks between the parent organisation and Sevadal, as I feel.

That the Sevadal workers are not getting proper treatment from Congress people, which has discouraged many educated Sevadal workers who feel to take active part.

That the group politics has taken such an important place every where in Congress, that any impartial worker of Sevadal,

P.T.O.

37

3

Phone-C T C-141

Gram-Congress

UTKAL PRADESH CONGRESS COMMITTEE

CONGRESS SEVA DAL
SWARAJ ASHRAM, CUTTACK-2

(କଂଗ୍ରେସ ସେବା ଦଳ)
(ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମ, କଟକ—୨)

Ref ______ Contd.......... Date ______

of Sevadal, finds himself in a ~~way~~ very difficult position to carry on his activities. Some times they are being forced to side any faction.

Ans. 4. This last answer, though is very difficult on my part to give any authoritative reply, still I have tried to give some suggestions from my limited knowledge. That, while judging a nation, its national discipline its educational standard, and economic status are taken into consideration. I hope India mainly lacks from these conditions, incomparision to other big nations. Congross Sevadal, in its broad objectives have all these above mentioned conditions. AndI expect, sooner these conditions are cultivated and propagated in a nation-wide scale through Sevadal worker, Surer we will be about our status in-par-with other big nations.

Yours sincerely,

Padma Charan Das

(Padmacharan Das)
PRADESH ORGANISER.

To

Sri Dr. Hardikar,
Sanchalak, All India Congress Sevadal,
7, Jantar Mantar Road,
New Delhi-1.

Copy to All India organiser Congress sevadal

Chakravorty case 38

A.P.C.C. Bhawan.
Gauhati.
Date. 11. 5. 1961.

13 MAY 1961

To
Shri S. V. Inamdar,
All India Organiser,
Congress Seva Dal,
7, Jantarmantar Road,
NEW DELHI.

Dear brother,

I have your kind letter dated 9.5.61. on the 11th May, 1961, with thanks. Really I have got some mental relief now after getting your letter. I hope you can now easily understand about the merit of my case. Moreover, I am sending the following points on support of my case for your discussion and argument.

(1). That, on what ground the then Dist. Magistrate, Shri Ranjit Ghose and S.Do. Sadar, Shri Amal Bhattacherjee evicted me without serving any eviction notice relating the purpose of eviction ?

(2). That, on what authority, Shri Krishna-jit Debbarma has been acquired that plot of land which is under dispute ? (You know, Shri Krishnajit Debbarma is a strong supporter of communist party and he is the root of all evils. Though it is not my legal point, it is only for your information.)

(3). It is stated in the Secretary to Chief Commissioner's letter of Tripura, that the said plot of land has been taken for Govt. purpose. If so, why the Govt. will not take possession of the said plot of land ?

(4). If there is any other owner of that land then how the District Magistrate evicted me in this illegal way without the decession of the court ?

(5). If the Govt. will not take possession of that land then why shall I not be favoured with that plot of land ? In this circumstances, I should get first preference then any other person.

Besides this, I request you to say something to the Ministry of States, Shri B.N. Datar for the reinstation of my father in the Old Kalibari as a Adhikari as like as before which is last and long cherished hope of my father's life.

Excuse me for the trouble I am giving you for my personal cause.

With best regards.

Yours sincerely,

Rabindra Chakravorty.

(Rabindra Chakravorty.)

39

Ref
9-5-61

A.P.C.C. Bhawan,
Gauhati.
Date. 4. 5. 1961.

To
Shri S. V. Inamdar,
All India Organiser,
Congress Seva Dal,
7, Jantarmantar Road,
NEW DELHI.

Ref : My petition dated 11. 3. 1961.

Dear brother,

I have a painful necessity of drawing your kind attention to my above mentioned petition in the hope that I shall receive prompt action from you.

await rep? Home ministry

Really speaking, I feel shame to think that I am giving you trouble day after day for my personal cause and interest too, as because I have no other alternative way to receive proper justice and redress except your kind consideration.

It is true I know that no body will help me in this critical juncture except you and our beloved Dr. 'DA', because I have no financial stability.

I hope,I shall receive proper justice and redress from you for the loss incurred for arbitrary wrong and illegal activities by our Govt. officers and for which I shall remain ever grateful to you. Excuse me if I do anything wrong as own elder brother.

With best regards.

Yours si

R. Chakravorty
4/5/61

(Rabindra Chakravorty.)

140

Congress Seva Dal

Telephone : 75111 ~~33111~~
Telegram : 'Congress'

CONGRESS HOUSE,
V. P. ROAD,
BOMBAY 4.

ADMA PATEL
G.O.C.

Respected Doctor Sahib

Date 13.10.61

I am in receipt of your P.C dt 10.10.61 from Hubli

A car will be made available to you by the daily Reception committee for 7 days during your stay here. If the R.C. fails to do that Sm. Padmaben will arrange it. failing both, a taxi can be arranged on hire basis in no time.

Everybody is worried here for the accommodation problem. Some residences have been settled, and Some more will be fixed soon. But main thing is latrine. School and college buildings do not have many latrines. We need at least 1200 Arrangement of water supply also is inadiquate All office bearers of the B.P.C.C and the Reception Committee

are moving in the matter
very seriously I still ~~I~~ doubt
whether they will succeed to fulfil
this hard task of latrines and
baths take much time then the
programmes will certainly be
affected badly

More in presence
Yours sincerely
Sushil Mukherji

Dr N. S. Hardiker
Ghataprabha

हरदेव शर्मा
(जिलाअधिनायक)

कांग्रेस सेवादल
जिला : बड़ाबाजार
१७६, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-७

ता० 5. 2. १९६८

पूजनीय डा० साहब

दल दिवस के अवसर पर प्रकाशित "सेवादल परिचय" नाम की पत्रिका गत काल आप की सेवा में भेजा हूँ पढ़कर कृपया भविष्य के लिये मार्ग दर्शन देंगे।

इस पत्र के साथ एक बड़ी डायरी ~~[illegible]~~ गुरुदेव की सेवामें प्रेषित कर रहा हूँ प्रार्थना है स्वीकार कर अनुगृहीत करेंगे। इस वर्ष डायरी भेजने में काफी विलम्ब हुई है कृपया क्षमा करेंगे। आशा है आप स्वस्थ होंगे

आपका शिष्य
हरदेव शर्मा

डा० एन. एस. हार्डीकर

43

Phone : 3952

Grams : Mycongress

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

----- HOUSE
IE ROAD
NGALORE-1

[illegible]

[illegible]

ನಮಸ್ಕಾರಗಳು

[illegible] ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ [illegible]
[illegible] ೨೨೦ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ೧೩೦೦೧ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]

Second fold here

INLAND LETTER
(NO ENCLOSURES ALLOWED)

To

Shri. Sri. N.S. HARDIKAR M.P.
SANCHALAK.
CONGRESS SEVA DAL
Gata Prabha
Belgaum Dist.

10 APR 62
B-324

BANGALORE CITY RMS
5.30PM
17 IIII 62

Third fold here

SENDER'S NAME AND ADDRESS
Mysore Pradesh Congress Con
POST BOX No. 53
BANGALORE-9
harwar District Congress Sevadala

624/62

First fold hera

[illegible]

V. V. Wali
A. P. Seva Dal organiser

45

Grams : Mycongress
Phone : 3952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
P. B. NO. 53. BANGALORE - 1

Date 14 - 12 - 62.

Dear Doctor

Received your card and noted the contents. The Work at Bangalore is through the National youth Front. I am the chairman for Medical Aid Committee I have So far sent many names for First aid ~~and~~ Blood Donors and Home Nursing. The Work here is O K At the Same time I am keeping in mind of our organisation also. This time is really a good oportune for developing our organisation also. But I am at a loss to understand that what is the reason for something lacking in us. I find no reason, but only the non-coperation of the Districts concerned. They do not want to encourage the youngesters to come up nor they are prepared to help them in building a Strong organisation. I do not know why they are not realising that whatever Seva Dal does is for the parent body.

I have decided to call all old workers of our State in the near future at Kodaganur (near Davangere) for a days meet. The people of that place is decided to accomodate us for Boarding and lodging. I want to know from you also some old names of our Workers and you should provide over the same. The date will be fixed immediately after the Dal day that is in the begining of January 1963.

Expecting to hear from you soon.

Yours Sincerely
Rao

Phone: 6855 Congress Seva Dal Grams: MYCONGRESS

~~PRADESH ELECTION COMMITTEE~~

"CONGRESS HOUSE"

RACE COURCE ROAD. BANGALORE-9

1603/62 Date 23.12.62

Dear Hardikarji

Received your card and noted. Thank you for your guidance. A tour programme for workers is already arranged. He will start moving in S/K Dist. for 10 days in first lap. Necessary instructions have been issued to all concerned. Regarding calling our Workers for a meet for 7 days to have a camp and training which presented to the president is being received for your guidance, which may be perused & returned to me after your perusal. I have sent & informed a [illegible] first list of some of our Volunteers and some I have given for Home Nursing. Rest will be started soon. Matters in fair [illegible].

148

(1) V. V. Wai, District organiser. C.S.D
Dist. Congress Committee – Hubli

(2) V. T. Yaligar – District organiser C.S.D
Dist Congress Committee – Belgaum

(3). H. K. Krishna Murthy – District organiser C.S.D
Dist. Congress Committee. Hassan.

(4) M. N. Satyanarain – Dist. organ[illegible]S.D
Post. Hursur, T. Narsipur Taluk
Dist: Mysore

(5) B. Lakke Gowda. Dist. organiser C.S.D.
Post. Chayandana

South Coorg

(6). Shankarappa Jadjer – Dist. organiser C.S.D
Sandalgalli – Kirana Merchant
Gulbarga

(7). B. Viroopakshappa – Dist. org[illegible]er
Somawarpet – Raichur.

(8) N. M. Math, Dist. organiser C.S.D.
Congress Bhavan. Bijapur

(9) H. L. Naik – Dist. organiser. C.S.D.
Hireguthi N.K.

(10) P Dharmaraj – Dist. organiser. C.S.D.
Post. PUTTUR – South Kanara.
C/o H K Srinivasan

Note

A refresher course for about 50 active Sevadal workers from the State will be held in Bangalore - The training to be imparted in this Seven days' Camp will be as follows:-

1. P.T. and Parade.
2 Intellectual (speeches by eminent speakers on important Subjects)
3 First aid class (Request the helth Minister to provide a docter so as to complete the Course in Seven days; and also to request the St. John Ambulance to issue the Certificates after the Course is over).
4 Rifle Training (Reque. Minister for the pre the Same).
5. Training in Traffic Control. (Request I.G.P. to provide a retired traffic personnel to work two hours daily in an honorary capacity)

Mohar IPS.

6. Fire fighting (approach the fire-brigade if sufficient is provided).

The Camp will be held in the Congress Bhavan itself. The break-up of the training time is as follows:-

	Time
1. P.T. ~~one hour~~.	1=00.
2. Flag salutation	0=15 m.
3. Parade	1=00
4 Intellectual classes	2=00
5- First-aid	1=00
6. Rifle training	3=00
7 Traffic	1=00
8. Fire-brigade	1=00

Camp starts at 5. a.m to 10 P.m daily. One hour will be utilised daily for Sports and games.

Budget (1) Every D.C.C. should provide the up and down expenses of the campers.

(2) Two rupees per head per day for 50 persons will be Rs. 100/= per day, in all Rs. 700/= for the Camp + Rs. 50/= for Miscellaneous expenses. Rs. 750/=

A request may be addressed to all the Ministers + congress leaders to contribute for this, of which a list may be made. in ~~which~~ the Presidents' Contribut would lead and names of leaders may be drawn up with the consultation of the president P.C.C.

A request may also be made to Sri Rama Reddy (India Milk Bar) to supply milk free in the morning to the workers.

The congress Bhavan would be a bee-hive of activity for seven days continuously. This would help to create enthusiasm in local workers for similar activity, after the camp is over. This would be done through proper publicity. Incidentally this would help us in making a strong unit of Sevadal in the city. For local workers also, such camp will be organised with the help of local Congress leaders.

↳ → Items new Training

This is a wrong idea of refresher course. But for P.T and parade all other items for Training are new, for which zone is making arrangement and ~~the~~ not only fifty active sevadal workers but almost all of them may undergo Training at their respective places. Seperate arrangement for Training does not seems to be necessary nor it is going to serve any much useful purpose, as the sevadal worker after securing Training ~~will~~ are not expected to start these Training courses independently. What is expected ~~is~~ from sevadal workers is to prevail upon maximum number of persons to undergo these Training and to enlist them as sevadal volunteers in the locality

$2 more

There-fore it is all the necessary that active Sevadal worker should undergo Training along with other sevadal workers. Their presence is necessary for guidance. This is not the time for intellectual nourishment. We have to become war minded and emergency conscious

Mohana

1-12-62

53

काँग्रेस सेवादल,
इचलकरंजी.

~~(69)~~

काँग्रेस सेवादल.

तारीख १-१-६३

पूज्य हर्डीकर याना सप्रेम वंदे,

आपलें तारीख २७।१२।६२ चे पत्र पोचलें. आपली आज्ञा शिरसावंद्य मानून कामास अधिक उत्साहाने सुरवात करीत आहे. ड्रेसच्या बाबतीत येथील कॉंग्रेस कार्यकर्त्यांशी विचारविनीमय केला. तेव्हां त्यांनीं आम्हांस २६ जानेवारी पर्यंत ड्रेसची व्यवस्था करण्याचे आश्वासन दिलें आहे. तसेच बँडचीहि व्यवस्था करणार आहेत. आतां फक्त १० सैनिकांचे ड्रेस तयार आहेत.

दल दिन मोठ्या उत्साहानें ३१ डिसेंबर रोजी ार पाडला. ३० डिसेंबर रोजी येथील कॉंग्रेस कार्यकर्ते सोसायटीच्या निवडणुकीच्या कामांत गुंतल्यामुळें त्यांच्या विनंती वरून ३१ डिसेंबर १९६२ रोजी दल दिन साजरा केला. युवक, बाल, मुलीं व कुमार, मिळून ३०० सैनिक झेंडा वंदनास उपस्थित होतें. कॉंग्रेस कार्यकर्तेहि मोठ्या संख्येने हजर होतें.

झेंडा वंदना नंतर मुलांचे व मुलींचे खेळ गाणी वगैरे कार्यक्रम झाला. संध्याकाळी ६ वाजतां

समारोपाच्या वेळी मुलांना बक्षिसे व खाऊ ~~खा~~ देणेत आला.
दल दिनाचा अहवाल श्री कुमठ भाई यांनाहि
पाठविला आहे

आपला आज्ञाधारक:-

शंकर बाबू मा[illegible]

ता. कलम :— सैनिकांनी स्वकष्टार्जित निधी [illegible]
अर्पण केला. त्या वेळी १५रु०० नयेपैसे इतका निधी जमा झाला.

55

Phone : 239

Grams : "MYCONGRESS"

CONGRESS SEVA DAL, MYSORE PRADESH
RACE COURSE ROAD. BANGALORE-9

Ref.

Date...2-1-63..196

Respected Doctorji,

We have sent a letter to you for a message for Seva Dal day Souvenir on 16-12-67. Once~~e~~ again I request you kindly arrange to send your message for the same and bless us. The souvenir will be ~~pxbkisxhinx~~ ~~realsing~~ release ~~releasing~~ on 26th Jan,68.

Yours sincerely,

PUBLIC RELATION OFFICER.

☎ १२०

कांग्रेस-सेवादल

रतलाम (मध्यप्रदेश)

श्रम-शिविर
दिनांक ८:१:६३

क्रमांक ९/६३

श्री मानु, डॉ॰ एन॰ एस॰ हार्डिकर सा॰
से॰ ओ॰ अध्यालय
कांग्रेस सेवादल

विषय :- धन्यवाद पत्र भेजने विषयक । [illegible]

महोदय,

आपको हमारी दल दिवस की निमंत्रण पत्रिका एवं उसके पूर्व के पत्र से यह तो भली भांति ज्ञात हो ही चुका होगा कि १ जनवरी १९६३ से रतलाम में कांग्रेस सेवादल के द्वारा एक छात्रावास के निर्माण का कार्यारंभ हो चुका है । हमें इस छात्रावास के निर्माण हेतु रतलाम के सज्जन मिल्स के पास बसे ग्राम राजगढ़ के पटेल श्री कालूराम जी राठौड़ एवं उनके भाई सा० श्री शंकरलाल ~~जी एवं~~ श्री नन्दराम जी इस प्रकार तीनों भाईयों ने मिलकर आधा बीघा भूमी दान में दी है, जिसकी वैधानिक तौर पर कांग्रेस सेवादल के नाम पर रजिस्ट्री भी हो चुकी है । साथ ही इस भूमी पर छात्रावास निर्माण करने हेतु अनेकानेक लोगों द्वारा ईंटें, चूना रेती, एवं धन भी दान में देने का आश्वासन दिया है । इन दान दाताओं में श्री फिदाहुसैन जी अब्बासी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री स्ट्राबोर्ड मिल्स रतलाम का नाम भी उल्लेखनीय है । आपने दान में प्राप्त भूमी पर शिलान्यास करते हुए अपनी ओर से २१०० रुपये दो हजार एक सौ रुपये दान में देने की घोषणा की है । इस प्रकार श्री कालूराम जी एवं श्री डा० अब्बासी सा० के सहयोग से इस छात्रावास के निर्माण के लिये हमें बड़ा उत्साह मिला है ॥ अत: आपसे निवेदन है कि कृपया इन दोनों महानुभावों को जिनके पते निम्नलिखित हैं । अपनीओर से धन्यवाद पत्र भेजें तो बहुत बहुत ही प्रभाव पूर्ण होगा ।

आशा है भाई सा० अवश्य ही हमारे इस निवेदन को स्वी-

☎ १२०

कांग्रेस-सेवादल

रतलाम (मध्यप्रदेश)

श्रम-शिविर

:२:

क्रमांक

दिनांक

बार कर धन्यवाद पत्र भेजने का कष्ट कृ ~~कृपा~~ कृतार्थ करें

पते इस प्रकार है हैं :-

:१: श्री कालूराम जी पटेल साहब ,
हीरा कुटी , देवी के कुआ रतलाम :म०प्र० :

:२: श्री फिदाहुसैन जी ~~[illegible]~~ बूवाली सा०
मैनेजिंग डायरेक्टर ,
श्री स्ट्रा बोर्ड मिल्स लि० ~~साथ~~ रतलाम :म०प्र०:

आपका

(हीरालाल "प्रेम"

Grams : Mycongress Phone : 3952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
P. B. NO. 33. BANGALORE-1

Date: 21. 1. 63.

Dear Doctorji,

Received your card and noted the contents. I left Bangalore on the 29th and came ~~here~~ only yesterday. My Son was admitted to the hospital due to a boil and after that I had to go over to Bombay with my mother as my sister had delivered there. So I was rather busy otherwise for some days. As you already suggested I was in ~~callin~~ for calling a meeting immediately, but due to the Delhi meeting and Sri. Watujis tour I postponed the same to Feb. 1963. I am calling all old and new workers together in Feb for a meeting which I had already written to you to call at Kodaganur near Davangere. Sri. N. R. Mattad had promised to make all the arrangements.

Again as you wrote I was leaning more towards the organisation. For each and everything we may require an initial expense. Even that we have to wait for the P.C.C to sanction. Sometimes the tour is also mostly cancelled due to lack of fund. The P.C.C has no funds somehow they manage the things. My main idea in calling all old workers and new workers for a joint meeting is the same. I want that we should to some extent stand on our own legs. So some provision has to be made for

INLAND LETTER
(NO ENCLOSURES ALLOWED)

Dr. N. S. Hardikar
Karnatak Health ~~Instt~~ Institute
GHATAPRABHA
~~Belgaum~~ Belgaum Dist.

24 JAN 63

1693/63

SENDER'S NAME AND ADDRESS
Mysore Pradesh Congress Committee
Post BOX No. 53
BANGALORE-9

Second fold here

Third fold here

First

y for Seva

we can [illegible] our organisation.
need of an Instructor for the pradesh to send to
some other districts and organise where we have
no Seva Dal. Hope I will meet you personally
at Delhi and further I will talk to you there.

With love.

Yours sincerely

Grams : Mycongress

Phone : 3952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
P. B. NO. 53. BANGALORE - 1

Date 23rd January 1963.

Dear brother,

I am sorry that I did not write to you earlie Now being in 1963 I wish to strengthen the organisation throughtour the state on a sound basis. We have been approching ~~with~~ the P.C.C. for all these years for each and everything regarding financial to work for the organisa Now I feel we have to stand on our own legs to some extent. For each and every thing we wants a intial expences to incu for our work. Hence I feel that all old and new workers should meet at one place and find out ways and means for the same. Shri J.M.Lathad has promised to make neccesary arregengments for Boarding and Lodging at Kodegenhur near Davanegere. I wish to call the same meeting by the end of Feb. 63.

Hence I request you to send me your valuable guidence and noted on the same at the earliest and oblige. At the same time we can discuss our work of National Emergency also.

Thanking you,

Yours Sincerely.

(M.K.KRISHNAN)
PRADESH ORGANISER

Phone : 47-3214
47-3215

Congreſs Sevadal

(WEST BENGAL)

MALAY BANERJEE
ORGANISER

"CONGRESS BHAWAN"
59-B, CHOWRINGHEE ROAD,
CALCUTTA-20

24th February, 1964.
[illegible] ______

Respected Shri Hardikarji,

Received your affectionate letter, but owing to be engaged with some works I could not reply you in time. You have also informed Shri Ajitda (G.O.C.) regarding my long silence. I am really sorry for the same.

During the recent Rally of the Fortyeth Flame anniversary I expected you among us, and I was also wel-confirmed when Mr. Subba Rao expected your coming in Calcutta. Accordingly I made all necessary arrangements for your suitable accomodation, that suits your health, but alas ! you did not come, and the whole function appeared lifeless to us in absence of you inspite of all its glamourness.

Hope, you are now keeping well, and your health is quite fit. I pray to All mighty for your long and active life. I am quite well and possessing busiest moments. Expect more blessings and affection in return.

Affectionately yours,

Malay Banerji

(Malay Banerjee)

24/2

Copy to :-

Shri S. S. Subba Rao,
Bangalore.

Bom. 66
14-3-63.

CONGRESS SEVA DAL (BOMBAY)
Congress house
V.P.Road, Bombay-4.

9th. March 1963

ANNUAL REPORT

I have a pleasure to submit the Annual report of the Congress Seva Dal Bombay for the year 1962.

We have chalked out our annual programms in the annual Shibir of our Pradesh according to the Programms proposed by the A.I.O. New Delhi. This year we have given considerable attention to the training purposes and as such we have sent the deserving trainnees to the All India Camps.

We have conducted 16 primery classes in the different Districts of our pradesh. and three classes of Mandal Ashikaries

Election : Regarding the General election of the Maharashtra State Legislative Assembly and Parliament from the Bombay Prades we have conducted classes of election campaigns in the Pradesh offices, in which all the neccessary instructions given to the Districts officers. The Seva Dal Officers at the Pradesh level were deputed in every parliamentary constituenies where as all the Disricts Officers were deputed on every state assembly constituencies. The Seva Dal Volunteers had taken initiatives in writing cards distribution of cards arrangements of Propaganda meeting under the guidance of the Districts heads.

National Day Celebration : All the programms regarding Independance Day Gandhi Jayanti and Repunlic Day celebrations were organised by the B.P.C.C. and the arrangenments were successively carried out by our Seva Dal Volunteers.

Monthly Flag Salutation: The monthly Flag Salutation Programms were executed almost in all the Districts, and the Pradesh Officer had visited the same.

Seva Dal Patrika: The publication of our Pradesh is Monthly Seva Dal Patrika work which was executed up to June 1962. I regrate to state that the Patrika work was discontinued from the month of August 1962 due to wants of financial assistance.

Recruitment: We have recruited 210 volunteers during this year. and 180 Balaks and balikas in Seva Dal Kendras. 200 Kumars and Kumarikas.

Kendra Activities:- The Kendra activities were conducted in the

A B D and F wards. There are some regular kendra running daily during the evening, where as there are certain kendra which is running twicw in aweek.

National Emergency: All the Public protest meetings against the Chinese agrressions, organised by the B.P.C.C. the arrangement work was succesively executed by the Seva Dal volunteers. So also all Party proccessions were headed by Seva Dal-

Emergency Units: As per the instructions received from the A.I.O. New Delhi ew have converted all the Seva Dal units into an emergency units. And such units had worked in the their respective Districts under the direction of the Deffence committee.

Primery memberships : The Seva Dal workers have enrolled primery memberships of 1961 in their respective wards.

Padma Patel

Copy to:
Dr. N.S.Hardikerji.for information.

Gram : "Congress"
Phone : 73111

Congress Seva Dal Akhil Bhartiya Sahakari Bhandar Ltd.

(Regd. No. C-2671 of 1957)

Certified By Khadi & Village Industries Commission
(Certificate No. **M/R/691 of 1959**)

Congress House,
Vithalbhai Patel Road.
BOMBAY - 4.

CSD/ASD/221/63

Date 16th April 1963.

Revered Dr. Saheb,

I have great pleasure to inform you that at the Sixth Annual General Meeting of the Congress Seva Dal Akhil Bharatiya Cooperative Bhandar held on Monday, the 1st April 1963, at 6-30 P.M. at the Bhandar's office, Congress House, Bombay 4, You have been elected President of the Bhandar unanimously. I hope and trust that we shall be getting from you necessary guidance and suggestions from time to time so that our Bhandar may prosper and become more popular.

With kind regards and respects,

Yours obediently,

Secretary.

Grams : Mvcongress
Phone : 395

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
P. B. NO. 53. BANGALORE-1

66

1937/63

Date 22. 4. 63

Dear Doctorji.

Sorry for the delay in writing to you. After my operation I had been to my home and went from there to Bantwala for the meeting. Sri Waliji might have given you the detail information about the meeting. Waliji had a difference of opinion with me for which we have talked personally and cleared the same. I have written to Sri Inamdarji also on this matter. I am making arrangements for three Camps One Mandal nayaks and one All India Refresher Camps as per delhi instructions. As per your advice I ~~have~~ started concentrating in Bangalore. I am sure by the time you next visit Bangalore you will be able to see some volunteers.

Hope your health is alright.

Pray God for your good health.

With love

Yours Sin

Ernakulam District Congress Seva Dal.

Dist. Adhi Nayak.
MATHAN KARTHA,
Vazhakulam P. O.
KERALA, STATE
SOUTH INDIA.

Camp Vazhaku
Date 23-4-63.

Ref:

To, Dr: N.S. Hardikar.
Sanchalak,
Karnatak Health Institute,
Hubli

Respected Sir,

I, Herewith am forewarding a copy of the letter sent to Sri. S.V. Inam-darji requesting financial help from the AICC to Arts club in connection with the Dist: Sevadal office Vazhakulam. I request you to recommend to the AICC to give us the necessary help. Expecting a favourable reply.

Yours faithfully

Mathan Kartha
Dist: Adhi Nayak

CONGRESS SEVA DAL,
DR. HARDIKAR ARTS & SPORTS.
VAZHAKULAM P. O.
KERALA STATE. S. INDIA.

PRESIDENT:-
N. M. VARGHESE B. A; L. T.
SECRETARY:-
MATHAN KARATHA.

Camp Vazhakulam
Date 23-4-63

Ref: 4/63

To All India Congress Committee
7- Jantar Mentar Road, New Delhi.

Sub: Application for grant for the Seva Da Arts club from the AICC.

An Arts club with the name of Dr: Hardikar arts & Sports was Started in connection with the Dist: Seva Dal office from 6th Sept: 1959. and is working successfully. The club has already Staged 3. big dramas namely "Tippu Sultan", "Theertha yathra", and "Bhumiyile Malakha", 18 one Act dramas, and many "Gana Melas". The President of the club Mr: N.M. Varghese, B.A.L.T, has donated 2. cents land to the club. The local N.E.S. Block has granted 750 Rs and by taking local collections a beautiful building has been constructed for the club. The Ernakulam Dist: Seva Dal

P.T.-

has one good Dramatic club, a music party, and the following musical instruments.

		Price.
1) Harmnium	2-	250/- Rs.
2) Violin -	1-	40/- Rs.
3) Bulbul -	2-	45/- Rs.
4) Thabala.	2-sets-	85/- Rs.
5) Woodophone.	1-	18/- Rs. 50. NP.
6) Simples -	1-	10/- Rs. 50. NP
7) Geechum -	2-	9/- Rs.
8) Flute.	2-	5/- Rs.
Total.	13-.	513/- Rs.

A music class and Thabala class were started from 1960. and it went on successfully for 1½ years and now stopped due to certain inconvenience. A Nursury School has been started from November 1962. and is going on well. The music and Thabala classes are again started from April 15. 1963.

Nursury School Teacher. Kum: P.K. Marykutty

Students - 17- Balak, Balika

Music Teacher - Sri. K. V. Ravindranath

DTo.

CONGRESS SEVA DAL,
DR. HARDIKAR ARTS & SPORTS,
VAZHAKULAM P. O.
KERALA STATE. S. INDIA.

PRESIDENT:-
N. M. VARGHESE B. A; L. T.

SECRETARY:-
MATHAN KARATHA.

Can.

Date.......

Ref:.....................

Students - 14 - Balak, Balika,
7 - Sevaks

Thabalu Teacher - C. K. Achuthan pillai
Students - 16. Sevaks.

Salary of the teachers met by collecting the fees from the students.

Besides many students have Com foreward with interest to study violin, Gilhar, and the Mrithangam; But to start classes in those topic require 2 sets of instruments each. We have only one voilin. So we need 1. more voilin, 2. Mrithangam, 2. Gilhars. For that at least 320/Rs is needed. Since the public have contributed to the construction of buildings it is difficult to get local collections. It is highly necessary to start the new

P.T.

Classes. I request to you most earnestly to grant the necessary help from the AICC in the nearest future

Yours faithfully

M. Athan Karthan
Secretary

Dr: Hardikar Arts, Vazhakulam.

സംഗീത വിദ്യാലയം

വാഴക്കുളം.

മാന്യരെ,

വാഴക്കുളം Dr: ഹാർഡിക്കർ ആർട്ട്സ് ക്ലബ്ബിൽ 1960 നവമ്പർ മാസം മുതൽ നടത്തിവന്നിരുന്ന സംഗീതവിദ്യാലയം, ചില അസൗകര്യങ്ങൾ പ്രമാണിച്ച് കുറച്ചുകാലത്തേക്ക് നിറുത്തിയിരുന്നെങ്കിലും, വീണ്ടും കൂടുതൽ വിപുലമായ തോതിൽ നടത്തുവാൻ തീർമാനിച്ചിരിക്കുകയാണ്. സ്കൂൾ ഒഴിവുകാലത്ത് വിദ്യാർത്ഥിനീ വിദ്യാർത്ഥികളുടെ സൗകര്യത്തെക്കൂടി ഉദ്ദേശിച്ച് താഴെ കൊടുത്തിരിക്കുന്ന സമയങ്ങളിൽ ക്ലാസ്സുകൾ എടുക്കുന്നതാണ്. സംഗീതം, മൃദംഗം, തബല എന്നീ ക്ലാസ്സുകൾ 1963 ഏപ്രിൽ 15-ാംനു- തിങ്കളാഴ്ച ആരംഭിക്കുന്നതും, ഫിഡിൽ, ഫ്ളൂട്ട്, ബുൾബുൾ, മോർശങ്ക്, വീണ, ക്ലാർനററ് തുടങ്ങിയ മ്യൂസിക്ക് ഉപകരണങ്ങൾ ശാസ്ത്രീയമായി പഠിക്കുവാൻ ആഗ്രഹിക്കുന്നവർക്ക് അതിനുള്ള ക്ലാസ്സുകളും ഉടൻതന്നെ ആരംഭിക്കുന്നതാണ്.

ക്ലാസ്സ് സമയങ്ങൾ.

മൃദംഗം, തബല:- എല്ലാ ശനിയാഴ്ചയും, ഞായറാഴ്ചയും.

സംഗീതം:- എല്ലാ ഞായർ, തിങ്കൾ, ചൊവ്വാ എന്നീ 3 ദിവസങ്ങളിലും. ഉച്ചകഴിഞ്ഞു് 3 മുതൽ 5 മണിവരെ പെൺകുട്ടികൾക്കും, 5-30 മുതൽ 7-30 വരെ പുരുഷന്മാർക്കും.

N. B. മേൽപ്പറഞ്ഞ ക്ലാസ്സുകളിൽ ചേരുവാൻ ആഗ്രഹിക്കുന്നവർ 1രൂപാ പ്രവേശന ഫീസ് സഹിതം ഏപ്രിൽ 15-ാം തീയതി തിങ്കളാഴ്ച 2 മണിക്ക് ക്ലബ്ബിൽ ഹാജരാകേണ്ടതാണ്.

കൂടാതെ ക്ലബ്ബിൻെറ നേതൃത്വത്തിൽ ഒരു ഡാൻസു ക്ലാസ്സുകൂടി ആരംഭിക്കുന്നവിവരവും അറിയിച്ചുകൊള്ളുന്നു.

കൂടുതൽ വിവരങ്ങൾക്ക് ക്ലബ്ബ് പ്രസിഡൻറ് ശ്രീ N. M. വറുഗീസ് B. A; L. T., സെക്രട്ടറി മാത്തൻ കർത്താ

എന്നിവരെ സമീപിക്കുക.

വാഴക്കുളം
8 - 4 - '63

സെക്രട്ടറി.

അശോകാ പ്രിൻററേഴ്സ്, വാഴക്കുളം.

Bharatiya
Devanagari Parishad
Dharwar

भारतीय देवनागरी परिषद

धारवाड कार्यालय : कर्नाटक प्रांतीय हिन्दी प्रचार सभा
बेंगलोर कार्यालय : भारतीय संस्कृति विद्यापीठ

टेलीफोन :
७२५७२ बेंगलोर सिटी
धारवाड १०१

१९-६-६३

प्रियश्री वाशिस्ठजी

सप्रेम आदर नमस्कार । आपका कृपा पत्र ता।१६ अेप्रिल का यथा समय प्राप्त । आप चुनाव प्रचार आदि में व्यस्त होंगे समझकर मैंने उत्तर देने में विलंब किया, अन्यथा नहीं, क्षमा करें ।

जैसे कि आपसे तथा श्री इनामदारजी से दिल्ली में परामर्श किया गया था डाक्टर हर्डीकरजी की जीवनी लिखने-लिखवाने केलिये थोडी बहुत सामग्री भी इकट्ठी की गयी है। इस संबधं में श्री भाउ शेवडे का पत्र आपको मिला होगा । दिल्ली से लौटने के बाद दो तीन बार डाक्टर से मेरी भेंट हुई । वे चाहते हैं कि अंग्रेजी पुस्तक धारवाड के अेक प्रसिद्ध प्रोफेसर की देख रेख में, अन्य सामग्री के संकलन में श्री इनामदारजी के साथ मुझे संपर्क बनाये रखना चाहिये आदि। मैं, शेवडे, रमाकांत गोळीकेरी, करगुरीजी आदि मित्रों से परामर्श कर इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि जीवनी का प्रकाशन डाक्टर साहब की आगामी (७५ वी) सालगिरह के मौके पर होना चाहिये । अर्थात ५ मई १९६४ के शुभदिन को ध्यान में रखते हुअे हमें अभी से कार्य प्रवृत होजाना चाहिअे । कृपया आप इस संबंध में अपनी राय लौटती डाक से नीचे के पते पर लिखे ।

आशा है आप प्रसन्न होंगे ।

प्रति : श्री इनामदार जी, दिल्ली
श्री भाउ शेवडे, हुबली

भवदीय

मेरा पता
मार्फत: सर्वोदय कार्यालय
गांधी नगर बेंगलोर ९

75

दूरसंदेश : कांग्रेस.

दूर भाष { कार्यालय : ६२६, ८५५
निवास : ४२९, १०१८

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी, भोपाल

क्रमांक ब-२१ 71467 /६३

दिनांक २४ अक्टूबर, १९६३

अत्यन्त जरूरी

आदरणीय डा० साहेब,

सादर प्रणाम !

अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल की अखण्ड ज्योति आगामी तारीख १४ नवम्बर को महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा जिले में प्रवेश कर रही है। तारीख १९ तथा २० नवम्बर को ज्योति भोपाल में पहुंचेगी। उस समय ज्योति के स्वागत का कार्यक्रम विशेष प्रमाण में आयोजित किया जा रहा है। इस स्वर्णावसर पर कांग्रेस सेवादल के जन्मदाता यहां पर पधारकर हमारा उत्साह बढ़ावें, ऐसी सब कार्यकर्ताओं की कामना है।

मैं आपसे विनय तथा आग्रह पूर्वक प्रार्थना करता हूं कि आप कृपाकर तारीख १९ नवम्बर को भोपाल आने का अनुग्रह करें और ज्योति के कार्यक्रमों के अवसर पर मध्यप्रदेश को आशीर्वाद दें।

डाक्टर केसकर साहब ने पिछले दिनों में मुझे एक कल्पना दी थी, वह यह कि घट-प्रभा जैसा एक हेल्थ होम मध्यप्रदेश में भी संगठित किया जाय। उन्होंने यह भी बतलाया था कि आपको इसमें विशेष दिलचस्पी भी है। मैंने इस संबंध में हमारे राज्यपाल महोदय से भी चर्चा की थी। वे भी इस कल्पना के लिये उत्साही हैं।

ज्योति के निमित्त आपका आगमन होना हमारे परम भाग्य का लक्षण होगा। उसी समय एक-पंथ दो-काज के हिसाब से हेल्थ होम की कल्पना को भी मूर्त स्वरूप देने की इच्छा है। इस काम के लिये मध्यप्रदेश के चुनिन्दा प्राकृतिक स्थानों का निरीक्षण करने इतना समय निकालकर आप यदि पधारें तो मैं स्वयं कुछ कर सकूंगा ऐसा लगता है।

हेल्थ होम की कल्पना पर विचार करें या न करें, फिर भी आप तारीख उन्नीस नवम्बर को भोपाल अवश्य पधारकर हमें अनुगृहीत करें। आपको तारीख २१ की प्रातःकाल को वापिस जाने की सुविधा हो सकेगी।

कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें।
आशा है, आप स्वस्थ होंगे - प्रसन्न होंगे

आपका ही
(ह० ल० मेलुरकर)

श्रद्धेय -
डा० नारायण सुब्बराय हर्डीकर,
एम.ए., पी.एचडी.
द्वारा - हेल्थ होम, पोस्ट - घटप्रभा,
जिला - धारवाड

79

CONGRESS SEVA DAL AKHIL BHARATIYA SAHAKARI BHANDAR LTD

CONGRESS SEVA DAL AKHIL BHARATIYA SAHAKARI BHANDAR Ltd.

Congress House,
V.P. Road, Bombay 4.
31st Oct. 1963.

NOTICE

The Seventh Ordinary General Body Meeting of the Congress Seva Dal Akhil Bharatiya Sahakari Bhandar Ltd., will be held on Saturday, the 16th November 196_, at 7 P.M. (S.T.) sharp in the office at Congress House, Vithalbhai Patel Road, Bombay 4, in order to -

(1) Read and confirm the minutes of the last General Body Meeting dated 1st April 1963.
(2) Receive and adopt the Managing Committee's Report and Statement of Accounts for the year ended 30th June 1963.
(3) Declare Dividend and sanction the distribution of Profits.
(4) To elect President for the year 1963-64,
(5) To elect 3 Members to the Managing Committee for the year 1963-64,
(6) To elect Committee of Control for the year 1963-64,
(7) To appoint person to audit the Account of the Society for the year 1963-64,
(8) Transact any other business that may be brought forward with the permission of the President.

D.B. Patel	Vadilal A. Patel	Dr. N.S. Hardika
Hon. Secretary.	Chairman	President.

—@@@—

THE CONGRESS SEVA DAL AKHIL BHARATIYA SAHAKARI BHANDAR LIMITED, BOMBAY

Trading and Profit and Loss Account for the year ending 30th June 1963

Previous year Rs.		Rs.	Previous year Rs.		Rs.
18,822-16	To Opening Stock	20,633-83	22,650-09	By sales less returns less commission	12,120-
22,829-16	" Purchases less Returns. Less:Commission	6.693-61	20,633-83	" Closing Stock	15,758-71
1,632-60	" Gross Profit Carried down	551-62			
43,283-92		27,879-06	43,283-92		27,879-06
856-96	" Interest paid	349-66	1,632-60	By Gross Profit Brought down	551-62
1-85	" Bank Charges	7-55	125-06	" Interest	3-93
1,200-00	" Salary	1,225-00	1,750-83	" Subsidy Grant Utilised	2,134-21
107-84	" Postage	76-37	200-00	" Advertisement	——
190-11	" Stationery & printing	181-94	2-00	" Miscellaneous Income	- - -
75-00	" Audit fees	75-00	10-38	" Difference in Books	- - -
222-43	" Sundry expenses	135-70			
76-97	" Depreciation on furniture	72-36			
206-34	" Depreciation on	——			
7	" stock written off.				
	" Net profit for the the year carried to Balance sheet				
783-37		566-18			
3,720-87		2,689-76	3,720-87		2,689-76

As per my report at even date
M.K. Shah
Chartered Accountant.

Bombay.
Dated: 28-10-1963

Vadilal A. Patel
Chairman.

THE CONGRESS SEVA DAL AKHIL BHARATIYA SAHAKARI BHANDAR LIMITED, BOMBAY 4.
Balance Sheet as at 30th June 1963

revious year Rs.			Rs.	Rs.
	LIABILITIES.			
	I. AUTHORISED CAPITAL.			
25,000-00	5000 shares of Rs. 5/- each.			25,000-00
	SUBSCRIBED CAPITAL.			
10,140-00	2028 shares of Rs. 5/- each fully paid			10,140-00
	II RESERVE FUND AND OTHER FUNDS.			
	A. RESERVE FUND.			
	Balance as per last Balance Sheet		235-85	
235-85	Add: Appropiation out of 1961-62 profit.		78-34	314-19
	B. DIVIDEND EQUALISATION FUND.			
	Balance as per last Balance Sheet.		580-60	
580-60	Add: Appropriation out of 1961-62 profit.		202-80	783-40
	C. EDUCATION FUND.			
	Balance as per last Balance sheet.		19-24	
	Add: Appropriation out of 1961-62 profit.		9-79	
			29-03	
19-24	Less: Paid in this year		29-03	
	D. DEPRECIATION FUND.			
807-70	Balance as per last Balance sheet.			807-7
	III. DEPOSITS.			
	Balance as per last Balance Sheet.		16,271-81	
	Add: Interest credited to respective parties on their deposits A/C.		99-66	
			16,371-47	
16,271-81	Less: Repaid during the year.		13,780-23	2,591-24
	IV. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS.			
	Sundry creditors-			
	For purchase.		2,673-08	
	For expenses.		150-00	
1,201-56	Reduction (from S.P.C.C.)		312-25	3,135-
	V. UNPAID DIVIDENDS.			
	Balance as per last Balance Sheet	996-00		
	Add: Appropriation out of 1961-62 profit.	1507-00	1,503-00	
996-00	Less paid during the year.		58-75	1,444-25
	VI. ADVANCE PAYMENTS OF GRANTS.			
--	From Khadi and Village Industries commission.			
	For furniture.			
1,000-00	Balance as per last Balance Sheet.		1,000-00	
	For Subsidy-			
	Balance as per last balance sheet	1,500-00		
	Add: Received during the year	634-21		
	Less: Utilised during the year	2,134-21		
1,500-00	transferred to profit and Loss Account.	2,134-21		1,000-00
	VII. PROFIT & LOSS ACCOUNT.			
	Balance as per last balance sheet including profit of Rs. 783-3783-37 for 1961-62.		844-54	
	Less: Appropriation thereof			
	10% Reserve fund	78-34		
	2% Dividend Equalisation fund	202-80		
	5% Declared Dividend.	507-00		
	$1\frac{1}{4}$ % Education fund.	9-79	797-93	
			46-61	
844-54	Add: Profit for the year as per profit & Loss Account.		566-18	612-79
33,597-30	Total Rs.			20,828-90

As per my report of even date.

Bombay.
Dated: 28-10-63

M.K. Shah
Chartered Accountant

Vadilal A. Patel
Chairman.

THE CONGRESS SEVA DAL AKHIL BHARATIYA SAHAKARI BHANDAR LIMITED. BOMBAY 4.
BALANCE SHEET AS AT 30th June 1963.

Previous year Rs.		Rs.	Rs.
	A S S E TS.		
	I. CASH AND BANK BALANCES.		
255-91	In hand with the Honorary Secy.	64-13	
5,591-42	In current account with Maharashtra State Co-Operative Bank Ltd.	984-35	1,048-48
	II. LOANS AND ADVANCES.		
349-93	To staff.		274-31
	III. SUNDRY DEBTORS. (considered good by Management)	2,233-32	
5,560-28	Due for Khadi Sales Rebate included in sales.	380-51	2,613-8
	IV. CURRENT ASSETS.		
20,633-83	Stock-in-trade (at cost) (as taken, valued and certified by the Honourary Secretary).		15,758-71
	V. FIXED ASSETS.		
	Furniture and Fixture (at cost)	,364-78	
	Less: Depreciation upto previous year. 158-85		
1,205-93	This year... 72-36	231-21	1,133-57.
33,597-30	Total Rs.		20,828-90

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७,जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली.
(कांग्रेस सेवा दल)

अध्ययन पत्रिका नम्बर ३.

(दिनांक १ नवम्बर १९६३)

प्रश्नोत्तर

प्रश्न- निम्नांकित के विजेताओं के नाम बतलाइये ?

(१) दी विम्बल्डन टेनिस चैम्पियनशिप १९६३.

(२) दी ड्रैटन कप फाइनल १९६३

(३) वर्ल्ड चैस चैम्पियन शिप १९६३

(४) बम्बई हौकी गोल्ड कप फाइनल १९६३

उत्तर - उपरोक्त के विजेताओं के नाम क्रमश: इस प्रकार हैं :-

(१) चक मकीनली (२) सेंट्रल रेलवे (३) पैट्रोसियन (४) पंजाब पुलिस

प्रश्न - निम्नांकित शहरों में मुख्य कौन कौन से उद्योग पाये जाते हैं ?

(१) श्रीनगर (२) मदुराई (३) कुलू वैली (४) कानपुर (५) बम्बई
(६) कलकत्ता (७) आगरा (८) अमृतसर (९) बंगलौर (१०) दार्जिलिंग

उत्तर - (१) श्रीनगर - ऊनी दुशाला- सिल्क, पेपर मशीन, कम्बल

(२) मदुराई - सिल्क का सामान

(३) कुलू वैली - फल विशेषकर फ्रेंच सेव

(४) कानपुर - चमड़े के कारखाने व टैक्सटाइल्स

(५) बम्बई - टैक्सटाइल्स

(६) कलकत्ता - जूट का सामान, कागज, विजली का सामान आदि

(७) आगरा - पत्थर,संगमरमर, चमड़ा और कालीन

(८) अमृतसर - दुशाले, कालीन, ऊनी सामान कपड़ों पर छपाई ।

(९) बंगलौर - एयर क्राफ्ट इन्डस्टी, टेलीफोन वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी सामग्री ।

(१०) दार्जिलिंग - चाय, सिनकोना ।

स्मरणीय - बातें

(१) स्वेज नहर के प्रयोग की शुरुआत सन् १८५२ में हुई ।

(२) पनामा नहर के प्रयोग की शुरुआत सन् १९१४ में हुई ।

(३) अमेरिका की खोज सन् १४९२ में हुई ।

(४) स्टीम का इंजिन सन् १७६६ में सर्वप्रथम बनाया गया ।

जानकारी हेतु :- ब्रिटेन भारत को ५ करोड़ ३३ लाख रु० (४० लाख पौण्ड) का ऋण देगा । यह ऋण उन कारखानों आदि को सुधारने पर खर्च किया जावेगा जो पहिले से ब्रिटेन से माल आदि मंगाते रहते हैं और जिन्हें अब विदेशी मुद्रा कीतंगी

(चालू -------- २)

के कारण कठिनाई उठानी पड़ रही है।

तीसरी योजना के लिये ब्रिटेन से अब तक १५० करोड़ रु० का ऋण मिला है। उसने कुल १६६ करोड़ ६७ लाख रुपये का ऋण देने का वायदा किया था। शेष १६ करोड़ ६७ लाख रुपये के कर्जे के बारे में दोनों सरकारों में बातचीत चल रही है।

विदेशी मुद्रा में सहायता देने के लिये भारत सहायता संघ की पेरिस तथा वाशिंगटन की बैठकों में ब्रिटिश सरकार ने तीन करोड़ पौ० (४० करोड़ रु०) की सहायता देने का निश्चय किया। उक्त ऋण इसी सहायता का एक अंश है।

यह ऋण २५ वर्षों के लिये है और ऋण की पूंजी का भुगतान सात साल बाद शुरू होगा। इस ऋण पर पहिले सात सालों में ब्याज नहीं लगाया जावेगा।

समझौते पर ब्रिटिश सरकार की ओर से वहां के उच्चायुक्त सर पाल गोरे बूथ और भारत सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री पी० गोविन्दन नायर ने हस्ताक्षर किये।

-|- -|- -|-

आयोजना आयोग ने राज्य सरकारों के १९६४-६५ वर्ष की योजनाओं के लिये आठ अरब ५० करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की है इसमें से केन्द्रीय सरकार पांच अरब रुपया देगी तथा तीन अरब ५० करोड़ रुपया राज्य सरकारों को अपने साधनों से जुटाना होगा।

अगले वर्ष की योजनाओं पर आयोग और राज्य सरकारों के अधिकारियों में १८ नवम्बर से यहां बातचीत शुरू होगी। इसके लिये राज्य सरकारों को पूरी तरह से सोच विचार कर अपनी योजनाएं तैयार करने के लिये कहा गया है।

१९६४-६५ में राज्य सरकारों के लिये केन्द्रीय सहायता की धनराशि तय कर दी गई है। यह निम्न प्रकार है :-

आन्ध्र प्रदेश - ३९ करोड़ ५० लाख रुपया, आसाम - ४४ करोड़ ५० लाख, बिहार - ४७ करोड़ ४० लाख, गुजरात - १९ करोड़ ७० लाख, केरल - २२ करोड़, मध्य प्रदेश - ३९ करोड़ ३० लाख, मद्रास - ४० करोड़ ३० लाख, महाराष्ट्र - ३६ करोड़, मैसूर - २२ करोड़ २० लाख, उड़ीसा - २९ करोड़, पंजाब - २९ करोड़ १० लाख, राजस्थान - ३१ करोड़ ६० लाख, उत्तर प्रदेश - ७८ करोड़, पश्चिमी बंगाल- ३६ करोड़ ८० लाख, तथा जम्मू व काश्मीर - १३ करोड़ ४० लाख रु०।

-|- -|- -|-

भारत में १ मार्च १९६३ को जो जनगणना हुई, वह विश्व में दूसरी सबसे बड़ी जनगणना थी क्योंकि जनसंख्या में विश्व में चीन के बाद भारत का ही नम्बर है।

सन् १९६१ की जनगणना से पता चला है कि औसतन् प्रत्येक घर में ५.२ सदस्य हैं। यह १९५१ की औसत से कुछ अधिक है। यह वृद्धि गावों और शहरों दोनों में हुई है। मर्द, औरत और बच्चों की उम्र बढ़ गई है और जनसंख्या में भी कोयी कमी नहीं आई है। अत: परिवार में सदस्यों की संख्या बढ़ रही है।

(चालू ------- ३)

१९६१ की जनगणना के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि भारत में ५० प्रतिशत स्त्रियां १५ वर्ष की उम्र तक और ५० प्रतिशत मर्द २१ वर्ष की आयु तक विवाह कर लेते हैं। १९५१ की गणना के बाद से औरतों की विवाह की औसत उम्र डेढ़ साल और मर्दों की आधा साल बढ़ी अर्थात् लड़के लड़कियों का विवाह अब पहिले से अधिक उम्र में होने लगा है।

सन् १९६१ की जनगणना के अनुसार ३५ से ४४ वर्ष की उम्र की स्त्रियों में से १६ प्रतिशत विधवा थीं जबकि १९५१ के अनुसार २९ प्रतिशत थीं। अन्य उम्र की स्त्रियों में भी पहिले से कम विधवाएं पाई गईं।

देश में आर्थिक और समाजिक परिवर्तनों का एक पहलू गांवों से लोगों का शहरों में जाकर बसना भी है। इससे शहरों में पुरुषों की संख्या स्त्रियों से अधिक हो गई है जबकि गांवों में इसका उल्टा है।

विवाहित व्यक्तियों में यह अन्तर अधिक है सन् १९६१ की गणना के अनुसार शहरों में प्रति १०० विवाहित स्त्रियों के पीछे १४४ विवाहित पुरुष हैं और गांवों में ९६ घर या परिवार में सदस्यों की संख्या घटने के बजाय बढ़ी है। संयुक्त परिवारों के कम होने का कोई प्रमाण ही नहीं है।

GLEANINGS FROM THE PRESS.

MALAYAN PRESS.

A Malayan daily, Utusan Melayu has regretted China's refusal to accept the Colombo Power's proposals. "This has created distrust against China in many countries" as India has been ready to accept these proposals in toto.

Sounding a note of warning to China, the paper adds" because of her anger against Russia, communist China should not try to throw Asia into flames, and later, the world, even though China has a population of 600 million, which, as she thinks, it will not be so easy to wipe out, even by nuclear weapons we believe that Peking leaders can still use their sober heads to save them selves of self destruction."

NIGERIAN PRESS.

The Nigerian daily 'Lagos Times' in an editorial writes " Mao Tse-Tung and Chou En lai must be thinking that the rest of the world are so daft that they can not distinguish between an angel and a devil, between a realist and propagandist, between a doer and a talker, between sincerity and insincerity.

" No body is doing more harm to the cause of world peace to day than the People's Republic of China. No body is fooling man kind more than Mao and Chou. More and more evidence of this are coming into the open every day. The latest is China's refusal to accept the Moscow partial treaty as a welcome

(Conted....P.4)

step towards the achievement of greater things to come.

PEKING STABBED INDIA IN THE BACK.

The Iranian weekly 'Taraghi' on August 26, has commented upon China's betrayal of India's friendship.

The weekly says," Since the occupation of the entire mainland by the Chinese communists, India had extended the hand of friend ship towards them and during this period, India had also been defending and pleading their cause every where - at the Bandung conference, in the United Nations etc. At every conference and meeting, the representatives of India had been defending communist China.

" In reply to this friendship, the Peking Government stabbed India in the back. Today, not only the people of India **look at** communist China as their enemy but the Peking Government has lost her crdit in the world too.'

Referring to the latest massing of Chinese troopes at India's borders, the weekly says that Chinese designes were not only on India, but on other countries too. " Mao has chalked out large plans to occupy neighbouring countries. These plans include South Korea, parts of Burma, Thailand, Nepal and Ladakh.

The voice of Ethiopia' On August [illegible] said " China was genuinely striving to work for the cause of world peace or she was motivated by a devilish desire to ignite a third world war. The paper said " China is against the partial test ban agreement. China is engaged in a bitter dispute with the Soviet Union ; Again, China has been irritating a peaceful India for some years now. Such unfriendly gestures are incongruous with the generally accepted definition of peace.

An Iranian daily 'Tehran Journal said" Pakistan's decision to pursue an independent foreign policy has been termed as untimely and of unfavourable international implications." Pakistan's policy of friend ship and cooperation with China 'at a time when the whole world is alarmed by the growing threat of communist China's aggressive international diplomacy. Would force Pakistan into an isolated positions."

The paper adds further," Friend-ship with India is not only more natural and advisable in view of the many ties which bind India and Pakistan together but is also diplomatically wise considering the inherent the Chinese threat to Pakistan."

— Ramcharanlal Pathak.

खिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
३,जन्तर रोड, नई देहली-१.
(कांग्रेस सेवा दल)

अध्ययन पत्रिका नं० ४.
(दिनांक १ दिसम्बर १९६३)

पार्लियामेण्ट में प्रश्नोत्तर

प्रश्न - क्या गत गर्मियों में चीन का भारत पर हमला न करने का कारण। भारत की फौजी तैयारी है अथवा चीन के दृष्टिकोण में परिवर्तन है ?

उत्तर - ये दोनों बातें सम्भव हो सकती है ।

- श्री वाई० वी० चाव्हाण
केन्द्रीय रक्षामंत्री,

प्रश्न - क्या यह सच है कि पाकिस्तान और चीन ,सिक्यांग तथा काश्मीर के उत्तर पश्चिमी भाग में जो इस समय अनधिकृत (गैर कानूनी) रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है, सीमा स्तम्भ खड़ा करना चाहते हैं ? यदि हां,तो भारत सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

उत्तर - सच है । भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्रसंघ को इस स्थिति से अवगत करा दिया है । संघ की सीक्योरिटी कौंसिल ने भारत सरकार के सम्बंधित पत्र को सभी सदस्य राष्ट्रों को जानकारी एवं उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया है । इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने पाकिस्तान तथा चीन को अलग अलग इस सम्बन्ध में विरोध पत्र भी भेजे हैं ।

लेकिन अभी तक चीन व पाकिस्तान से कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

- श्रीमती लक्ष्मी मेनन
केन्द्रीय मंत्री, विदेश विभाग

प्रश्न - भारत ने नेपाल को उसके विकास कार्यों के लिये कितनी अतिरिक्त आर्थिक सहायता देने का निश्चय किया है ? कुल कितनी आर्थिक सहायता होगी तथा उसके उपयोग की अवधि क्या है ?

उत्तर - भारत सरकार ने नेपाल को विकास कार्यों हेतु ३ करोड़ रुपयों की अतिरिक्त सहायता देने का निश्चय किया है । अतिरिक्त सहायता को सम्मिलित करते हुए कुल राशि २१ करोड़ रुपये होती है । जो मार्च १९६६ तक उपयोग में लाई जा सकेगी ।

- श्री जवाहरलाल नेहरू
प्रधान मंत्री,

प्रश्न - सरकार पाकिस्तानी जवाबी हमले कब तक वर्दाश्त करती रहेगी और क्या वर्दाश्त करते रहने से तनाव कम रह सकेगा ।

उत्तर - सरकार तब तक वर्दाश्त करेगी जब तक मुनासिब समझेगी। हवा में कदम उठाना नालायकी होगी।

- श्री जवाहरलाल नेहरू

समाचार

भारत के निर्यात में वृद्धि

पिछले महीने भारत से ६६ करोड़ रु० का माल निर्यात किया गया जबकि अगस्त १९६२ में ६१ करोड़ रु० का माल निर्यात हुआ था। इस प्रकार ५ करोड़ रु० अधिक का निर्यात किया गया। जनवरी से अगस्त, १९६३ में ४९२ करोड़ रु० का निर्यात किया गया जबकि १९६२ के पहिले आठ महीनों में ४३२ करोड़ रु० का निर्यात हुआ था।

नेपाल की योजनाओं के लिए भारतीय सहायता

हाल में काठमांडू में भारत और नेपाल के बीच एक समझौता हुआ जिसके अन्तर्गत नेपाल की कुछ योजनाओं के लिये भारत चालू वित्त वर्ष में सहायता देगा। इनमें सिंचाई, पीने का पानी, गंदे पानी की निकासी और बिजली बनाने की योजनाएं शामिल हैं। भारत नेपाली मुद्रा में ६५ लाख रु० की सहायता देगा।

खेती का महत्व

हमारे औद्योगिक विकास और लोकतंत्रीय जीवन शैली का मूलाधार कृषि बचत (सरप्लस) है। हमारी योजना बनाने वालों ने तीसरी पंच वर्षीय योजना में कृषि और सामुदायिक विकास के लिये १०९० करोड़ रुपये की व्यवस्था रक्खी है। इसके अतिरिक्त सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिये ६६१ करोड़ रुपये रक्खे गये हैं। इन दोनों मदों पर कुल पूंजी विनियोग का २१-१ प्रतिशत खर्च होगा और यदि इस व्यय में ग्रामोद्योग और लघु उद्योगों के लिये रखे गये २६४ करोड़ रुपये के खर्चे को रख लिया जाय और यातायात के ३६० करोड़ रुपये को शामिल कर लिया जाय तो इन क्षेत्रों का पूंजी विनियोग ७-४ प्रतिशत बढ़ जायेगा।

तीसरी पंच वर्षीय योजना में १०-१६ करोड़ टन खाद्यान्न का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन पिछले दो सालों में अनाज की पैदावार के आंकड़े काफी चिंताजनक रहे हैं। इस रोग के निदान और उपचार के बारे में उच्चस्तर पर विश्लेषण और विवेचन हो रहा है।

हवाई अभ्यास में भारत के स्क्वाड्रन -

भारतीय वायुसेना के १०० लड़ाकू और बमवर्षक जेट विमानों के स्क्वाड्रन हवाई अभ्यास "शिक्षा" में भाग लिया। विमानों, राडार और अन्य उपकरणों पर काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों की संख्या इस शिक्षा में ३००० से भी अधिक थी। यह अभ्यास भारतीय वायुसेना के तत्वावधान में हुआ। इसका यह उद्देश्य था कि अमरीका और इंगलैण्ड ने जो राडार और संचार उपकरण दिये हैं उनकी जांच की जाय और भारतीय वायुसेना के जो कर्मचारी इन पर काम सीख चुके हैं, उन्हें उनका अभ्यास हो जाय। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों में हंटर और

[------- ३)

हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट कारखानें में बनें जेट विमान भी थे ।

देश में टैंकों का निर्माण --

आशा है कि १९६५ से देश में ही टैंक बनने लगेंगे। आवडी में स्थापित हुए कारखाना जब पूरी गति के साथ उत्पादन करने लगेगा, उस समय यह देश के सबसे बड़े कारखानों में से एक होगा । १६ करोड़ रुपये की लागत से चलाये जाने वाले इस कारखाने ने मई १९६२ से काम शुरू कर दिया था ।

छोटी बचतों का नया रेकार्ड

चालू वित्त वर्ष की पहिली छमाही में छोटी बचतों से ४४ करोड़ १२ लाख रुपया इकट्ठा हुआ, जो अब तक का रेकार्ड है और पिछले साल की अवधि की रकम से दुगना है । आम तौर पर इस अवधि में कम रुपया इकट्ठा होता है । अगर पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष की शेष अवधि में भी तेजी से रुपया इकट्ठा हुआ, तो बजट में निर्धारित रकम, १०५ करोड़ रुपये से भी कहीं अधिक रुपया इकट्ठा हो जायेगा ।

भारत का नवीनतम राज्य

नागालैण्ड

भारत के सबसे छोटे और नवीनतम राज्य के रूप में १६ वें राज्य - नागालैण्ड का आज(१दिस०) राष्ट्रपति उद्घाटन कर रहे हैं । देश की भावात्मक एकता, अखंडता एवं सुरक्षा में यह महत्वपूर्ण कदम है ।

कोहिमा, मोकोकचुंग एवं तुएनसांग जिलों को सम्मिलित रूप से नागालैण्ड कहते हैं । इसका क्षेत्रफल ६३६६ वर्गमील है । इसके उत्तर-पश्चिम में आसाम तथा दक्षिण में मणिपुर है । इसकी पूर्वी सीमा बर्मा से जुड़ी है । इस राज्य की आबादी ३,७०,००० है जो प्रतिवर्ग मील घनत्व की दृष्टि से सब से कम है ।

नागाओं का नाम नागा कैसे पड़ा ? इसके बारे में कई धारणाएं हैं । कुछ लोगों का मत है कि नाग(सर्प) गोत्र के कारण वे नागा कहलाते हैं । पुराणों में नाग जाति और नाग कन्याओं का उल्लेख आता है और उनके अनुसार कश्यप मुनि की पत्नी कादिन से इनकी उत्पत्ति मानी जाती है

सामाजिक जीवन

इनके मकानों में दो कमरे होते हैं । गांव के चारों ओर सुरक्षा के लिए पत्थर की दीवार बनी रहती है, गांव प्रायः दो-तीन हिस्सों में बंटे रहते हैं जिन्हें 'खेल' कहते हैं। नागा लोग रंग बिरंगे कपड़े पहनते तथा हाथी दांत आदि के आभूषणों को पहनने के शौकीन होते हैं । प्रायः सब नागा महिलाएं कपड़ा बुनना और रंगना जानती हैं । नागाओं के मुख्य हथियार भाला, ढाल और दाओ हैं । दाओ का प्रयोग खेती के काम में भी होता है । नागा शक्तिशाली और साहसी होते हैं । इनके समाज

(चालू --------४)

में वीर योद्धाओं को खूब सम्मान होता है। विविभन्न उपजातियों के विभिन्न रीति रिवाज हैं। ये सपनों और प्रेतात्माओं पर विश्वास करते हैं।

राजनीतिक जीवन

नागाओं की ग्राम परिषदें लोकतंत्र एवं सामन्तशाही के समन्वय की द्योतक हैं। ये प्राचीन यूनानी ग्राम अथवा नगर गणतंत्र (जनपद) के समान हैं। इनमें गांव राजनैतिक ईकाई हैं और "खेल" सामाजिक ईकाई है, इनका ग्राम-परिषद का मुखिया "हाटार" कहलाता है जो गांव के नागरिकों द्वारा निर्वाचित किया जाता है। प्रत्येक "खेल" में अविवाहित नवयुवकों के लिए एक सामूहिक मकान (अरिच) होता है जहां वे अपने कप्तान के अनुशासन कम से कम ३ वर्षों तक रहते हैं और रात को अरिचु में ही सोते हैं और तीन वर्ष वाद वे "जुंगा" (वयस्क) घोषित किए जाते हैं।

कृषि तथा विकास कार्य

खेती एव नागाओं का प्रमुख पेशा है। ये "झूम" ढंग से अर्थात् जमीन जलाकर और कुछ वर्षों वाद जमीन बदल कर खेती करते हैं। नागालैण्ड अब आदिवासियों का क्षेत्र नहीं रहा। यहां ६० निर्वाचित सदस्यों की विधान सभा होगी। जिसका चुनाव जनवरी ६४ में होगा। यहां से एक सदस्य लोकसभा तथा एक राज्य सभा के लिए भी चुना जाएगा।

-:जानकारी हेतु:-

विकास की दर -

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराये गये हाल के अध्ययन से प्रगट होता है कि भारत में विकास की औसत वार्षिक दर १९५१ से १९५९ की अवधि में ३-३ प्रतिशत रहीं। जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रख कर यह कहा जा सकता है कि प्रति व्यक्ति वृद्धि १.३ प्रतिशत हुई। ५५ गैर कम्युनिस्ट देशों में भारत का स्थान प्रथम है क्योंकि यहां इस अवधि में समग्र विकास की दर ८.३ प्रतिशत और प्रति व्यक्ति वृद्धि की दर ७.३ प्रतिशत रही। पश्चिमी जर्मनी में कुल विकास की दर ७.३ प्रतिशत रही और प्रति व्यक्ति वृद्धि की दर ६.१ प्रतिशत रही। इटली में कुल विकास की दर ५.७ प्रतिशत और प्रति व्यक्ति वृद्धि की दर ५.२ प्रतिशत रही। इजरायल में कुल विकास की दर ९ प्रतिशत थी और प्रति व्यक्ति वृद्धि की दर ५ प्रतिशत। ब्रिटेन में कुल विकास की दर २.६ प्रतिशत रही और प्रति व्यक्ति वृद्धि की दर २.९ प्रतिशत रही। अमरीका में कुल विकास की दर इस अवधि में केवल २.८ प्रतिशत रही और प्रति व्यक्ति वृद्धि १.१ प्रतिशत रही। इस प्रकार इस सूची में अमरीका का ४३ वां स्थान है और इस दृष्टि से वहां भारत से भी कहीं कम उन्नति की दर रही है। स्पष्ट है कि अमरीका उन्नति की अधिकतम सीमा तक पहुंच चुका है।

(चालू ---------- ५)

विश्व के प्रमुख देशों के जीवन स्तर सम्बन्धी आंकड़े

जहां एक तरफ अमरीका और रूस में चन्द्रमा तक पहुंचने की होड़ लगी हुई है वहां दूसरी तरफ भारत में अन्न के लिये लड़ाई जीतनी है । एक भारत वासी की औसत आय करीब २५ रु० मासिक है और लगभग ६० प्रतिशत हमारे यहां के लोग २१ रु० मासिक से भी कम कमा रहे हैं । यहां बहुत से लोग रात को भूखे पेट सोते हैं। जीवन स्तर सम्बन्धी आंकड़ों के देखने से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका में जीवन स्तर सबसे अच्छा है जबकि कनाड़ा व ब्रिटेन का नम्बर क्रमश: दूसरा व तीसरा आता है । तथा विश्व के प्रमुख देशों से भारत में आय के साथ साथ जीवन स्तर भी सबसे निम्न है । विश्व के प्रमुख देशों की जीवन स्तर सम्बन्धी आंकड़ों की तालिका तुलनात्मक अध्ययन हेतु यहां दी जाती है :-

-: जीवन स्तर सम्बन्धी तालिका :-

क्र०सं०	देशों के नाम	प्रति व्यक्ति आय रुपयों में	प्रति मोटर गाड़ी आदमियों की संख्या	प्रति रेडियो आदमियों की संख्या	प्रति टेलीफोन आदमियों की संख्या	प्रति पुस्तका. की स
१	आस्ट्रेलिया	५,६२३	५	४	५	८५४
२	कनेडा	६,७५६	४	२	३	६२७
३	जर्मन (पश्चिम)	४,७०४	१३	३	८	७०७
४	फ्रांस	४,५४५	८	४	१०	१००४
५	इटली	२,४०१	२५	६	१४	६६१
६	जापान	१,६२६	२२२	६	१७	६४१
७	ब्रिटेन	५,३६६	६	३	६	१०३०
८	अमरीका	१०,८६६	३	१	२	८०६
९	भारत	३२७	१,५४५	२०१	६६०	४६६७

राष्ट्रीय सुरक्षा फंड :-

राष्ट्रीय रक्षा कोष में ३१ अक्टूबर ६३ तक कुल ५७.३६ करोड़ रुपये नकद प्राप्त हो चुके हैं । इसमें २८ लाख रुपये ब्रिटेन से तथा ६२ लाख रुपये अन्य देशों से प्राप्त हुए भी सम्मिलित हैं तथा सोना और सोने के आभूषण कुल २२,७३,७४७ ग्राम यानी करीब १,६४,६८१ तोला प्राप्त हुआ है ।

"नया" नहीं, सिर्फ "पैसा"

भारतीय मुद्रा में सबसे छोटी मुद्रा "नया पैसा" का नाम आगामी वर्ष के उत्तरार्ध से सिर्फ "पैसा" रह जावेगा । वित्तमंत्री ने दिनांक २६ नवम्बर को प्रश्नोत्तर के समय उक्त घोषणा की ।

प्रेस से -

अफ्रीकन प्रेस - 'ईस्ट अफ्रीकन स्टैन्डर्ड' ने कुछ देशों की अदूरदर्शिता पूर्ण नीति की चर्चा करते हुए कहा है कि ये देश जानकर या अनजाने में अपने आपको कम्यूनिस्ट चीन के हाथों में कठपुतली की तरह छोड दे रहे हैं। अखबार में आगे लिखा है कि पाकिस्तान के प्रेसीडेंट अयूब खां कम्यूनिस्ट चीन से अपनी दोस्ती बढा कर ऐसी ही अदूरदर्शिता का परिचय दे रहे हैं। अखबार में कहा है कि प्रेसीडेण्ट अयूब खां की यह इच्छा समझ में नहीं आती कि वह हर कीमत पर भारत को नुकसान पहुंचाने पर उतारू है। पर वह यह भूल जाते हैं कि जब चीन अपने वर्तमान लक्ष्य को पूरा कर लेगा तो वह पाकिस्तान के लिये बहुत बडा खतरा बन जायेगा।

अमरीकन प्रेस- पाकिस्तान की चीन सम्बन्धी नीति की निंदा करते हुए, अमेरिका के एक अखबार 'सीएटल टाइम्स' ने लिखा है कि अमेरिका का सैनिक संधियों के साथी द्वारा आक्रामक कम्यूनिस्ट चीन को अपना सैनिक सहयोगी बनाना एक बडी अजीब सी बात है।

लंदन प्रेस - भारत को पश्चिमी देशों से जो सैनिक सहायता मिल रही है उसके प्रति प्रेसीडेण्ट अयूब की **नाराजगी** की चर्चा करते हुए लंदन के दैनिक 'टैली ग्राफ' ने लिखा है कि -'भारत पर चीन के हमले की स्थिति में प्रेसीडेंट अयूब का यह रुख अपनाना अजीब है।' अखबार ने चेतावनी देते हुए आगे लिखा है कि -' इस बात का पूरा खतरा है कि कहीं प्रेसीडेंट अयूब इस मामले में कोई नादानी न कर बैठें।'

कुछ पठनीय पुस्तकें :-

(१) चाइल्ड वेल फेयर मैन्युअल (अंग्रेजी)
पृ०संख्या २४० - मूल्य - १०) रु०
लेखक- श्री डी०पाल० चौधरी
प्रका०-आत्माराम एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट दिल्ली- ६.

इस पुस्तक में बालकल्याण विकास के सभी पहलुओं, नियमों और सेवाओं के सम्बन्ध में विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत महत्वपूर्ण विवरण दिये गए हैं और यह बताया गया है कि विभिन्न प्रकार की सेवाओं की व्यवस्था कैसे करनी चाहिए।

(२) भारत का औद्योगिक विकास -
मूल्य - ३ रु० ५० न०पै०.
लेखक- देवदत्त पाठक
प्रका०-किताब महल, प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद.

देश में आज आर्थिक योजना ही सबसे महत्व की चीज बनी हुई है। पुस्तक में सूचनाप्रद उपयोगी जानकारी उपलब्ध है।

रा०प्र०

रामचरन लाल पाठक.

Phone : {47-3214
47-3215

Congress Sevadal

(WEST BENGAL)

MALAY BANERJEE
ORGANISER

"CONGRESS BHAWAN"
9-B, CHOWRINGHEE ROAD
CALCUTTA-20

The 21st December, 1963.

Respected Dr. Hardikar,

You must have heard that The Congress Seva Dal, West Bengal have arranged to accord grand reception to the "Flame of Liberty" in West Bengal and observe the 40th Anniversary Day of Congress Seva Dal with pomp and grandeur. Among other cultural programmes, a Cycle Procession of about 400 boys from Howrah to Calcutta through different routes on the occasion of the Flame Party's entrance to Calcutta on 27.12.63 and a huge Seva Dal Rally at the Calcutta Maidan on 29.12.63 will be a featuring one.

We would be very pleased to have you amongst us on this occasion.

Now the climate of West Bengal is very nice and I believe this will suit you very well and make you happly and gay.

Jai Hind
Yours sincerely,
Malay Banerjee

Shri N.S.Hardikar,
Sanchalak,
All India Congress Seva Dal,
Delhi.

86

रलेख : “कां   रभाष : ८५५,३६३

यप्रदेश कांग्रेस कमेटी
भोपाल

पत्रांक ....

उत्तर

दिनांक २४।२।८५

श्री भा. गुण्डूराव जी

आपका पत्र दि० २१।२।८५ मिला। ग्राम शिविर का उद्घाटन
अच्छा है - यह होना ही चाहिये था। मैं पिछले १५ दिन से इस तरह
के दौरे में ही हूँ। ~~इन्हीं का~~ संगठन पिछले दिनों से समाप्त कर
भी [illegible] इसी सिलसिले में ४-५ दिन इन्हीं ही दौरा रखा आदि.
की ~~[illegible]~~ कर रहा भी हूँ- व कार्यकर्ताओं के प्रशि. का। के
[illegible] ५ दिन का ~~[illegible]~~ शिविर भी चलाने की योजना है करें
शिविर दि. ६ से प्रारंभ करेंगे - आप एक दिन के लिये इन्दौर
आ जायें तो काफी अच्छा होगा। मजदूर संगठन भी उनको

ने भेजा लिखा है - ऐसा लिखते जा
आप अगर श्री डाबरकर से बात कर
लेंगे तो लिखते जायेंगे अच्छी सेवा कर
आप यदि आते तो गांधी भवन के
पते पर और उसी के पते पर कृपया
भिजवाएगा - इस कार्य दि. २९ अप्रैल से
आगर भी कर रहे हैं। आगर के
आपको याद करते हैं।
सभी का प्रणाम। दि. ५

Redirected

श्री एन. सुब्बाराव
अ. भा. से. संगठन,
कांग्रेस सेवादल
Taolpathi Galli
C/o.
~~नारायण सुब्बाराव हर्डीकर~~
~~हिन्दुस्तानी सेवादल~~
~~पो. घटप्रभा~~
~~जि. बेलगांव (मैसूर)~~
Hubli

MADURAI
6 MAR 64
26·2·64
POSTAGE न.पै. 6 NP INDIA

श्रद्धेय

आफ्टर ~~[illegible]~~ हौ[illegible]
~~मैसूर राज्य~~ -
संचालक- कांग्रेस सेवा दल
-मैसूर राज्य - -

मैं आपका ध्यान एक कर्मठ कार्यकर्ता की ओर दिलाता हूं जो पैसा संगठन के लिए मिलता है उस पैसे को संगठन में न खर्च करके अपनी ही पूंजी समझ लेते हैं । और संगठन के नाम पर कागज का पेट पूरा करते हैं । ताकि आपके सामने यह नजर हो काम बहुत ही बड़ा हो रहा है पर अन्दर से टटोला जाये तो आपको कुछ भी नहीं मिलेगा । कोरा धोखा ही धोखा है आपके सामने मोटी २ बातें बनाकर ईमानदार और नेक जतलाते हैं ।

अगर आप सावधानी के साथ खुफिया तौर पर लिखी हुई बातों का मध्य नजर रखते हुए तहकीकात करें तो आपको सत्य मिलेगा और निरा जाल ही बिछाया हुआ आपको आपके सामने नजर आयेगा

कांग्रेस सेवा दल के उत्तर प्रदेश के श्री जी० ओ० सी० उमा प्रसाद तिवारी के बारे में जानकारी दे रहा हूं अभी १० में उनके वाले तुलसीपुर जिला गोंडा में १ कैम्प मंडल अधिकारी का लगाया गया था जिसमें ३० सैनिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और जी० ओ० सी० को ४१ बताया गया , सारा पैसा यहाँ की कांग्रेस कमेटी एवं जनता जनार्दन ने खर्च किया तुलसीपुर से लखनऊ तक का आने का रेल भाड़ा एवं जाने का तुलसीपुर से भुवनेश्वर तक का दूसरे दर्जे का किराया में श्री तिवारी के और उनके अधिकारियों को दिया गया।

जिस पर श्री उमा प्रसाद तिवारी ने सैनिकों के सामने कांग्रेस प्रेसीडेन्ट को बुरी भली बातें कहीं और लखनऊ जाकर अपने दफ्तर से जाली रसीदें बनाकर अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल में उन रसीदों को भेज कर पास सौ रुपया लिया गया और जानकारी दी तुलसीपुर कैम्प में कुछ भी नहीं था ।

मैं भुवनेश्वर गया वहाँ मेरे से श्री उमा प्रसाद तिवारी और उनके सचिव श्री शिव कुमार द्विवेदी ने अंडे और पराठे खाने के लिए मेरे से मंगाये जो कि मैंने अपने पास से ही १२ तारीख तक उनको लाकर खिलाया १२ तारीख के बाद यह दोनों वहाँ से लखनऊ को र हो गये ।

कृ । प । उ

मैं श्रमदान में भातकुरी को चला गया। पर मेरे दिल में इसका बुरा असर पड़ा जब कि एक उच्च कोटि का अफसर हमारे संगठन के साथ ऐसा करते है और कांग्रेसी नेताओं की बुराई करते हैं तो य भी तो वैसे ही है इनको शराब का भी चसका है साथ है मन के विचार बहुत ही गंदे हैं।

आप इसकी जानकारी अनजान बनकर लेंगे तो आपको सारा भेद ठीक ही मिलेगा आगे आपको बहुत जानकारी होगी हमारे पवित्र और निस्वार्थ संगठन में धब्बा लगाया जा रहा है।

आपको फिर मैं कहता हूं आप इसी रवी का टोकरा में न डाल कर खुफिया और समझदारों से काम लेंगे तो आपको भेद मालूम पड़ जायेगा।

आपका एक संगठन
का सैनिक श्याम सुन्दर
तुलसी पुर गोंडा।

दिनांक – १४-२-६०।

श्यामसुन्दर

डा. हार्डीकर
संचालक, अखिल भारतीय
कांग्रेस सेवा दल
बैंगलूर

पूज्य,

मुझे ज्ञात हुआ है ७ अगस्त को अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल ज्योति के प्रतिनिधि को आपके कार्यालय से ४०० रुपया लगभग श्री उमा प्रसाद तिवारी जी० ओ० सी० ने प्राप्त किया।

मैं उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधि होने के नाते साइकिल से भारत भ्रमण हेतु भेजा गया मुझे दिल्ली में सिर्फ ५० रु० देकर सादे कागज के नीचे मुझसे दस्तखत करवा लिये गये और कुछ लोगों से कहा हमने मो० मुन्ना को ३०० रु० दिया।

भारत भ्रमण करता हुआ लखनऊ आया यहाँ सुलतान पुर में एक सज्जन ने मुझे सहायता के तौर रु० 20/-- दिये वे मैंने जी० ओ० सी० को दे दिये वहाँ से ~~बनारस~~ उन्नाव गया वहाँ भी मुझे सहायता के तौर पर एक सज्जन ने रु० ५/- दिये जिसको भी तिवारी जी ने सादे कागज के नीचे दस्तखत करवा लिये।

बनारस से भुवनेश्वर पहुँचने पर मैंने किराया मांगा नहीं मुश्किलों से सुलतानपुर में दिया हुआ धन मे से कुल ३५ रुपया मुझे दिया और मेरे से सादे कागज के नीचे दस्तखत करवा लिये।

संगठन मे कार्य करने के लिए जो साइकिल दिल्ली से भारत भ्रमण हेतु मिली वह भी मेरे से ले ली और मेरे को एक ईंट पत्थर का सा जान कर बेकार की हालत में फेंक दिया।

मैं कांग्रेस और कांग्रेस सेवा दल का ६ महीना पढ़ता हुआ पढ़ाने के काबिल होकर लखनऊ शहर में आया था।

इस बेकदरी से उन्होंने और उनके सहपाठी श्री शिव कुमार त्रिवेदी ने मेरे साथ अच्छा सुलूक न किया क्या कांग्रेस सेवा के अधिकारियों का यही ध्येय है तो सेवा दल संगठन कैसे चलेगा।

कृपया उच्च अधिकारियों से इस ओर ध्यान दें।

प्रार्थी
मुहम्मद मुन्ना
(मो० मुन्ना)
कांग्रेस सेवा दल
मौसमगंज, डालीगंज, दुकान न०
१५, लखनऊ।

दिनांक १४-२-६४।

PHONE : 3952
GRAMS "MYCONGRESS"

CO[illegible]GRESS, SEVA DAL, MYSORE[illegible]PRADESH
RACE COURSE ROAD, BANGALORE-9

Ref : ೯೩/17/64 4| Date ೨೫|೪|೬೪

ಶ್ರೀ ಅನಂತ [illegible] ರವರಿಗೆ.
[illegible] ವಂದನೆಗಳು. ತರುವಾ
ಯ ನಾನು [illegible] ದಿನಗಳಿಂದ ತಮಗೆ ಪತ್ರ ಬರೆಯಲು ಆಗಲಿಲ್ಲ.
[illegible] ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಆಗಿದೆ; ಇಲ್ಲಿ [illegible] ನಡೆದಿದೆ.
2-3. ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ [illegible] ಶ್ರಮದಾನ ಶಿಬಿರಗಳು ನಡೆಯುವ
[illegible], ನಾನಾದರು [illegible], ತಮ್ಮ ಕ್ಷೇಮ
ಗು; [illegible] ತಿಳಿಸಿ. ತಮ್ಮ ಉತ್ತರದ ದಾರಿ ನೋಡುತ್ತಿರು
ತ್ತೇನೆ.

[illegible] ನಿಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸದ
ಬಿ. [illegible]

PTL.P.O
20 APR 64

To
Dr, N. S. Hardikarji
Karnataka Arogya dhama
GHATAPRABHA
Dist. Belgaum

ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ಬುಲೆಟಿನ್

ಎಪ್ರಿಲ್ 1964

ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಭವನ
ಬೆಂಗಳೂರು —9 .

ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯ ಮತ್ತು ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ

ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲವೆಂಬ ವಾಕ್ಯವು ಯಾವ ವ್ಯಕ್ತಿಯ ತಲೆಯಲ್ಲಿ ಸುಳಿದರೂ ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದ ಕಡೆ ಯೋಚಿಸಲೇ ಬೇಕು. ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ಸಂಘಟನೆಗೆ ಮೂಲ ಕಾರಣರಾದಂತಹ ವ್ಯಕ್ತಿ ಶ್ರೀ ನಾ ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ . ಇವರು ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯವರು ತಮ್ಮ ಜೀವಮಾನವನ್ನೇ ಸಂಘಟನೆಗೋಸ್ಕರ ಸವೆಸಿರುವರು ಇವರು ಸಾಧಾರಣ ಉಡುಪುಳ್ಳವರು ನೀಲಿ ಟೊಪ್ಪಿ ಮತ್ತು ಮೋಟ ಬಿಳಿ ಅಂಗಿ ಇವರ ಉಡುಪು, ನೀವು ಇಂದೂ ಸಹ ಅವರ ಚುರುಕು ಮತ್ತು ಸೇವೆಯನ್ನು ನೋಡಿದರೆ ಹಿಂದಿನ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷದ ನೆನಪು ಬರುತ್ತದೆ ಪ್ರಪ್ರಥಮವಾಗಿ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯು ಕೇಂದ್ರವಾಗಿ ಸಂಘಟನೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು ಇಲ್ಲಿಂದ ಶಿಕ್ಷಣ ಹೊಂದಿದ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರನ್ನು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ಸಂಘಟನೆ ಮಾಡಲಾಯಿತು ಆದರೆ ಈವತ್ತಿಗೆ ನಮ್ಮ ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದ ಸಂಘಟನೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳಿಕೊಳ್ಳಲು ನಾಚಿಕೆಯಾಗುತ್ತದೆ ಕಾಲವೇನೂ ಮಿಂಚಿಹೋಗಿಲ್ಲ ಪುನ ಸಂಘಟನೆಯನ್ನು ಕಟ್ಟಲು ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರೂ ಮತ್ತು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರೂ ಪ್ರತಿಜ್ಞೆಮಾಡಿ ಮುನ್ನುಗ್ಗಿದರೆ ಹಿಂದಿನ ಸೇವಾದಲ ಸಂಘಟನೆ ಮುಂದೆಯೂ ಸಹಿತ ಬೆಳಕಿಗೆಬರುದು ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದ ಹೆಸರು ಬಾರತ ಭೂಪಟದ ಮೇಲೇ ಪುನ: ಪ್ರಕಾಶಿಸಬಹುದು, ರಾಜ್ಯದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು ಒಂದುಗೂಡಿ ಒಂದು ಹೃದಯವಾಗಿ ತಮ್ಮ ಬಲದಿಂದ ಸಂಘಟನೆಯನ್ನು ಮೈಸೂರು ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಸಬಹುದು ಸಂಘಟನೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿ ಬೇಕಾದಲ್ಲಿ ಪ್ರದೇಶ ಸೇವಾದಲ ಕಚೇರಿಯಿಂದ ಪಡೆಯಬಹುದು

ಪ್ರದೇಶ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಪ್ರವಾಸ ಮಹಿಳಾ ಶಿಕ್ಷಕಿ ಕುಮಾರಿ ಇಂದು ಕುಲಕರ್ಣಿಯವರು ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಿಬಿರಗಳನ್ನು ತೆರೆದಿದ್ದಾರೆ

ಪ್ರದೇಶ ಶಿಕ್ಷಕ ಶ್ರೀ ಸಿ ಜಿ. ಶೆಟ್ಟರು ಶಿಕ್ಷಣಕೊಡುವ ಸಲುವಾಗಿ ಮಂಗಳೂರಿಗೆ ತೆರಳಿದ್ದಾರೆ.

ಪ್ರದೇಶ ಸಂಘಟಕ ಶ್ರೀ ಕೃಷ್ಣನರವರು ಮಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ವಸ್ತುಪ್ರದರ್ಶನಕ್ಕೆ ಭೇಟಿ ಇತ್ತು ಸೇವಾದಲ ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರ ಕಾರ್ಯವನ್ನೂ ಅನೇಕ ಶಾಖೆಗಳನ್ನೂ ವೀಕ್ಷಿಸಿದರು.

ರಾಜಕೀಯ ಸಮ್ಮೇಳನ ಮತ್ತು ಪ್ರದೇಶ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಭಾಗವಹಿಸುವವರು ತಮ್ಮ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಏಪ್ರಿಲ 20ರವಳಗೆ ಪ್ರದೇಶ ಕಚೇರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಬೇಕು,

ಪ್ರದೇಶ ಕಚೇರಿಯಿಂದ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಸೂಚನೆ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಯೂ ಪ್ರದೇಶ ಕಛೇರಿಯ ಪತ್ರಗಳಿಗೆ ಕೂಡಲೇ ಸಮಂಜಸ ಉತ್ತರ ಕೊಡಬೇಕು. ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಯು ಮಾಸಿಕ ವರದಿಕಳುಹಿಸುವಾಗ ಕೇಂದ್ರ ಮತ್ತು ಅಧಿಕಾರ ವರದಿ ಕಳುಹಿಸಲೇಬೇಕು ಮತ್ತು ಅವು ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳ 24ನೇ ತಾರೀಖಿನೊಳಗೆ ತಲುಪುವಂತಿರಬೇಕು.

ಮೇ 7ನೇ ತಾರೀಖಿನಿಂದ ಗುಜರಾತ ಪ್ರಾಂತದ ಮೆಹಮದಾಬಾದಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳ ಶಿಬಿರ ನಡೆಯಲಿದೆ ಶಿಬಿರಕ್ಕೆ ಹೋಗಲಿಚ್ಛಿಸುವವರು ಎಪ್ರಿಲ 15ರೊಳಗೆ ಪ್ರದೇಶ ಕಚೇರಿಗೆ ಹೆಸರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಬೇಕು ಮಧ್ಯಮ ಶಿಕ್ಷಣ ಹೊಂದಿದವರಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಪ್ರವೇಶ

ಪ್ರದೇಶ ಸಂಘಟಕ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ಇವರಿಂದ ಪ್ರಕಾಶಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ

June 64

કુ.
(મહિલા-સંગઠક)
કોંગ્રેસ સેવાદલ
કોંગ્રેસ હાઉસ
બમ્બઈ-૪

પ્રતિ,
માનનીય મહોદય
ડો અેન. અેસ હાર્ડીકર (સંચાલક)
કોંગ્રેસ સેવાદલ
કર્ણાટક હેલ્થ ઇન્સ્ટીટ્યુટ,
ઘટપ્રભા, (બેલગાંવ)

માનનીય મહોદય,

"આપકી જાનકારી કે લિયે" તા. ૧૭-૫-૬૪ કે દિન જો ઘટના બની ઉસ વક્ત મૈં હાજિર થી। ઔર જો હુવા હૈ વહ આપકે સામને પેશ કરતી હૂઁ।

તા. ૧૬-૫-૬૪ કે દિન દોપહરકો જબ મૈં સ્ટેજકી ડ્યુટી પર થી તબ વાડીભાઈ (જી.ઓ.સી.) ને મુઝે ફરમાયા કી "આશાબહેન આપકે પાસ ગણવેશકી સાડી હૈ? મૈં ને જરા આશ્ચર્યસે દેખને લગી ઔર પૂછા "કિસકે લિયે ચાહિએ?" ઉન્હોંને બતાયા સુધા મલ્હોત્રા ગાનેવાલી હૈ ઉનકે લિયે। મૈં ને કહા હમારી ગીત ટુકડી તૈયાર હૈ। ઔર બાહરકે લોગોંકો ઐસા ગણવેશ પહનાયેં? હમારી બહેનોંકે પાસ ૧ સાડી હી હૈ। ઉન્હોંને કહા ખાદી ભંડારસે લા કર દે દો! ફિર ભી મૈં ચુપ રહી। મગર જબ શ્રીમતી હંસાબહેન રાજડા જિનકો સ્ટેજ કે ઇનચાર્જ ઔર સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમ કે ઇનચાર્જ કી પોસ્ટ દી ગઈ થી વે ભી મુઝે બુલાકર યે બાત કહને લગી। મેરી સમઝમેં નહિ આયા આખિર બાત ક્યા હૈ। અેક પુરાની સેવિકા કો અચ્છી પોસ્ટ જિમ્મેવારી કી પોસ્ટ દી હૈ ઔર અનુભવી હોકર કોઈ ભી લોગોંકો અપના ગણવેશ દેનેકે લિયે પુછ રહે હૈં। ક્યા વહ ખુદ તો બાતકો ટાલ નહિ શકતી થી।

ખૈર. મૈં ચુપ રહી। તા. ૧૭-૫-૬૪ કે દિન ફિર મૈં ડ્યુટી પર થી તબ શ્રી વાડીલાલ પટેલ (જી.ઓ.સી.) મેરે પાસ આયે ઔર બતાયા કી સુધા બહેનકો પુછો આપ રાષ્ટ્રગીત ગાનેવાલી હૈ તો વાજીંત્ર કી જરૂરત હૈ ઔર શ્રી કેવાનજી ભાઈ કો પુછો રાષ્ટ્રગીત સુધા બહેન ગાયેગી ક્યા?

સમઝમેં નહિ આયા ઉસી વક્ત મૈં ને અપના સુઝાવ દે દિયા કી હમારી

गीत टुकडी जब तैयार है तब बहारके लोग क्यु गाये?

मगर जी.ओ.सी की उसे आज्ञा और व्यवहार इन दोनों बातोंने मुझे तंग कर दिया। मैं सुधा बहनके पास पहुंची और बताया "क्या आप राष्ट्रगीत गायेंगी? उन्होंने २ मिनीट मेरे मुंहको ताका और कहने लगी 'बादमें जवाब दुंगी' आखीर समय कम था मैं श्री. भवानजी भाई (प्रेसीडन्ट) के पास पहुंची और पुछा "क्या सुधाबहन राष्ट्रगीत गायेंगी" उन्होंने कहा हा उनको Chance देंगे। बडी ताजुबकी बात थी। स्वंय नगर श्री भवानजी भाईके पास कोई उत्तर न हो तो मैं वादविवाद करती। मगर मुझे सहा नहि गया और मैं गीत टुकडी के संचालक श्रीमती मनोरमाबहन शुक्ल और श्रीमती अंजनीबहनको ये बात बताई और मेरी राय दी की "ऐसा अन्याय क्यु? श्री. भवानजीभाईने खुद सुना है और इजाजत दी है फिर बहारके कलाकार कैसे गा सकते हैं। वे लोग भी विरोधमें थे। और सारी टुकडी लेकर आधे घंटेके पुर्व स्टेज पर खडे थे।

अधिवेशनकी पुर्णाहुति के २० २५ मिनिट पहले मैं वापस स्टेज पर गई तो कुछ वातावरण तंग था। मैं ने अरुणाबहनसे पुछा बात क्या है? उन्होंने बताया हंसाबहन बाबुभाई चीनायके कहनेसे २ सेविकाओंको चुनकर सुधाबहनको राष्ट्रगीत की प्रेक्टीस करवा रही हैं। मैं ने कहा गीत टुकडी के इजाजत बिना बहारकी चुनी हुई सेविकाओंको चुनकर सुधाबहनको राष्ट्रगीत की प्रेक्टीस करवा रही है, ~~मैं ने 'गीत-टुकडी' के इजाजत बिना~~ ~~कहा~~ मैं ने कहा गीत-टुकडी के इजाजत बिना बहारकी चुनी हुई सेविकाओं को कैसे ले गये। मैं अंदर केबिन मे गई जहां प्रेक्टीस ~~करवा~~ करवा रहे थे और फौरन बंध करवाया हमारी कोई भी सेविका सुधाबहनके साथ नहि गायेगी। हंसाबहनने कहा बाबुभाई चीनाय की इजाजत ली है। मैं उनके पास पहुंची और बिलकुल नम्रतासे कहा "ये कैसा अन्याय होता है ~~सब~~ हमारी गीत-टुकडी तैयार है तब आप एक ऐसी कलाकारको खडे ~~के~~ जब कर लेते हो की आखीर वे कोई सेवादलकी नहि। यह कलाकार कभी भी अपनी ढंगसे मरजीसे आये तब अपनी कलाका प्रदर्शन कर सकती है मगर लेकिन जो गीत टुकडी बनाई है ये १ महिनेके आगे तालीम देकर बनाई और सच्चे राष्ट्र भावना की लगन के साथ सिर्फ अधिवेशन और कोंग्रेसकी आम सभामें गाती है।

उन्होंने कहा "नहि सुधाबहन गायेंगी और इस तरह आईसो वह सेवादलमें आयेगी आपको इसमें हर्ज क्या है। खेर बाबुभाई ने चर्चा की और मैं श्री इनामदारजीको बुलाने के लिये गई और सारी

बाद बलोदा स्टेज पर वे आये और बाबुभाई चीनोय उतरे. खुद केबिनकी चर्चा करनेके लिये गये मगर जब बहार आये तब श्री इनामदारजीके मुंह पर निराशा की के चिन्ह दीखाई पडता था। हमें कोई रास्ता न मिला।

आखीर मैं ने सुधा बहनको हाथ जोडकर कहा "बहनजी आप हमारी गीत टुकडी को गाने दिजीये क्योंकी आप तो जाने प्रख्यात कलाकार कब भी मौका पा शकती हो और किसी भी रंगमें गा शकती हो मगर हमारी बहनोंने जो महेनत उठाई है उसपर "आप रहम करो" और सवालवालों ही 'राष्ट्र गीत' अधिवेशनमें गाते हैं।

उन्होंने बाबुभाई चिनोय के मुंहको देखा और कहने लगी "आप मुझे क्यु कहती हो।"

खेर बाबुभाई चिनोय हाथ पकडकर स्टेज पर लाइ मैं जो शकती थी मगर सुधा बहिनको देखकर कार्यक्रम कहा "आप उन लोगोंको क्यु सुनाती हो उन लोगोंको चपरासी को काये सिवा और क्या आता है? भविष्यमें उन लोगोंकी Monopoly break करेंगे और I C C A C C को बुलाकर काम करवायेगा। यह कहकर हमारी २ महिला अधिकारी जिनके हाथमें "फुलोंका हार" दिया था श्री कामराज और अन्य नेताओंको पहनानेके लिये वह छीन लिया। शायद ईश्वरको भी ये नामंजुर हुवा और कहा "चपराशी कहेनेसे नहि मगर एक अनुभव लेकर बहनोंको सामने रखो।

बादमें सबने जन-गण-मन का गीत पुरा हुवा। सब शिरतोंसे खडे थे मगर मैं ने निश्चय किया था ये शब्द चपराशी बाबुभाईके कहनेसे लीये और दूसरी खानदान बहनोंको सुनानेके नहि हम भोजन का त्याग करेंगे। क्यों हमारे पास इतने पैसे नहि है इस लिये हम ऐसे पुंजीवादीओंका जो मनमें चाहे शब्दोंका हम सुन लेंगे। हरगीज नहि। और सबने त्याग किया। ये तो मैं ने मेरे लिये रखा था मगर श्री कामाक्षी बहेन और अरुणा बहिन ने सब बहनोंको कह दिया। ये लोग भी एक ही बात से लडते थे अगर हमें श्री इनामदारजीने १ आनाका चणा बहारसे लाकर सबको बांटते तो हमे खायेंगे मगर ऐसे पुंजीवादीओंका "लाडु पुरी" खाना हराम है।

बादमें जो कुछ हुवा वह आपको मालुम है। महात्मा गांधीजीने भी कहा है जहाँ "अन्याय होता है वहाँ 'अडग रहो'"

आशा. डेल. कापाडिया
(महिला-संगठन)

D. G. Salunke
[illegible]

श्री. ~~[illegible]~~ ——— भुसावळ शहर कॉंग्रेस कमे

द्वारा कृ.सा.न.वि. भुसावळ, पू. खा.

भुसावळ हे शहर मध्यरेल्वेचे सर्वांत मोठे कामगारांचे केंद्र आहे. येथील रेल्वेत सुमारें १२-१४ हजार कर्मचारी म्हणून काम करीत आहे. भुसावळ शहराची लोकसंख्या सुमारें ८० हजाराचे वर आहे. तसेच भुसावळ येथे एक ऑर्डनन्स फॅक्टरी व पेट्रोल डेपोही आहे. याच भागांत पुन्हां एक ऑर्डनन्स फॅक्टरी निघत असून फॅक्टरीचे उभारणीचे कामही वेगाने सुरू आहे. इलेक्ट्रीक शक्ति स्टेशनही एक होत आहे. शिवाय सहकारी तत्वावर एक गिरणी सुरू करण्याची प्राथमिक तयारी जारी आहे. शिवाय तालुक्यांत जीन, प्रेस, ऑईल मिल्स असून त्यांतील सर्व कामगार आज [illegible] नेतृत्वाखाली संघटीत आहे.

भुसावळ शहर हे फार मोठे कामगारांचे केंद्र असणार आहे. तेव्हां ह्या कामगारांना केवळ राष्ट्रीय नेतृत्व मिळावे, देशद्रोही कामगार द्रोही कम्युनिस्टापासून कामगारांना अलिप्त ठेवावे ह्या एकाच प्रमुख उद्देशाने, तसेच शेतकरी व कामगार यांचे दैनंदिन, आर्थिक व सामाजिक प्रश्न सोडविणे ह्या एकाच पवित्र उद्देशाने भुसावळ शहरांत "दैनिक" साप्ताहिक सुरू करीत आहे. कृपया सन्देश व आशिर्वाद पाठवावे. कळावे.

आपला नम्र
द.गा. साळुंके

द.गा. साळुंके
जिल्हा संघटक,
पू. खा. जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल, भुसावळ
कॉंग्रेस भवन, जळगांव.

काँग्रेस सेवादल,

औरंगाबाद.

जावक क्रमांक ९५/६२

दिनांक ३०। ९।१९६४

पू० डॉ० हार्डीकरजी,

सा० प्रणाम.

आपण पाठवलेले पत्र प्राप्त झाले. आमच्या येथे महाराष्ट्र प्र० कॉ० से० चे मंडलाधिकारी प्रशिक्षण शिबीर ता. ५।९।६४ ते १५।९।६४ पर्यंत झाले. शिबीर बरे झाले. ह्या शिबीरांत ४० कँपर्स आले होते जे ५ जिल्ह्यातून होते. काही दिवस कँप मध्ये राहून नागपुरचे ७ कँपर्स निघून गेले. ह्या कँपमध्ये मी शिबीराधिपती श्री गायकवाड कार्यनायक व श्री ज० रा० ढोके मंत्री व श्री यादवराव शिंदे बासुनायक होते. खर्च ४८०० रु० आला. बाहेरून श्री वसंतराव नाईक मुख्यमंत्री ज्यांनी उद्घाटन केले तसेच श्री शंकरराव चव्हाण श्री कल्याणराव पाटील श्री डॉ० डी० पाटील हे मंत्री, श्री बी० जे० पाटील प्र० कॉ० अध्यक्ष व इतर आमदार उपस्थित झाले होते त्यांचे बौद्धिके झाले. समारोपास श्री स० वा० इनामदारजी उपस्थित होते. कँपर्स ना पूर्ण ट्रेनिंग दिली व ते आपआपल्या गांवी जाऊन उत्साहाने कार्य करित आहेत असे त्यांच्या पैकी कांहींच्या आलेल्या पत्रावरून कळत आहे हा परिणाम आहे.

मराठवाड्यांत माझ्या माहिती प्रमाणे औरंगाबाद, जालना व उस्मानाबाद मध्ये

सेवादलाचे कार्य चालते. माझ्या जिल्ह्यात १५ १०० पर्यंत गणवेश धारी सैनिक आहेत. व इतर २०० पर्यंत आहेत. उस्मानाबाद ची संस्था माहित नाही. मराठवाड्यात मोठ उस्मानाबाद येथे (?) असे २ आर्गनायझर्स आहेत.

श्री कुलकर्णी. श्री शरद पवार युवक कॉं. सेक्रेटरी श्री अण्णासाहेब निलंगेकर ची म. क. श्री. ह्यांनी संयुक्त दौरा काढला (मराठवाड्याचा) होता तरी आपणांस विस्तृत अशी मराठवाडा सेवादल बद्दल ची माहिती श्री कुलकर्णी उस्म मिळेल. बाकी क्षेम.

माझा आता व्यापार [illegible] करण्याचा विचार आहे. असेच पत्रा द्वारे मार्गदर्शन करीत रहावे ही नम्र विनंती. [illegible] साह्यास सेवा अर्थ.

आ.

११५४ [illegible] १०८ १०-२-६४

स. सा. न. आपले कार्ड मिळाले [illegible] ता. १३ [illegible] [illegible] उत्तर द्यायला [illegible] [illegible] नाही. फार [illegible] [illegible] कारण आता पण [illegible] [illegible] [illegible] नाही. प्रकृतीमुळे पत्रव्यवहार [illegible] [illegible] [illegible] १० [illegible] आठ [illegible] [illegible].

आपणा सर्वांना पाहिल्याचे मनापासून आवडले. पुन्हा आपल्या [illegible] [illegible] आपले स्वागत करीन.

१९३४ साली [illegible] ३० वर्षे पुरी. आपल्या [illegible] अनेक कार्यक्रम [illegible] आहेत. [illegible] कार्यक्रमात मी आपल्या बरोबर आलो होतो. जुन्या [illegible] [illegible] आठवणी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

स्वरूपाचा [illegible] आपल्या सर्वांच्या [illegible]
[illegible] उपलब्ध आहे. पुढे [illegible] प्रमाणे वेळ
नाही म्हणून ह्या आठवणींनी [illegible]
स्वरूपात आहेत लेख पाठवीत आहे. [illegible]
[illegible] देण्या [illegible] नाहीत [illegible].

[illegible] माझे [illegible] [illegible], असे जे [illegible]
[illegible] सर्वांच्या ओळख आता [illegible]
आहे आहे. कृपया आठवणी, ओळखी [illegible]
लिहिल्या पाहिजेत आहे व ते [illegible]
करणे [illegible] [illegible] [illegible] करता नाही.
पुन्हा पत्रात काही आहे ना?
अपेक्षा [illegible] स्वरूपात आहे

आपला,
असाच [illegible]
[illegible]

I

सेवासदनाच्या आयुष्यांतील कांहीं

30-9-34

वेचक आठवणी 102!

(अथवा एक दीप स्तंभ)

आतापावेतो दिलेल्या उपमा कितीतरी ही आठवणीय ते सदासर्वकाळ यांच्या आठवणींत वावरली आहे., कितीतरी सत्य आहे; पण भूतकाळच्या संसारी इतिहास आवश्यकतेच नेहमीच उज्वल करीत असतो, मग तो राष्ट्राच्या इतिहास असो, व्यक्तीच्या असो अगर एखाद्या संस्थेचा असो

सेवासदनाला ग्रंथालय तीस वर्षे पुरी झाली व त्या निमित्त ठिकठिकाणी झालेल्या कार्याचा गौरव केला गेला; आजपर्यंत त्या कार्यक्रमाचा इतर असतांना महत्वपूर्ण ही प्रत्यक्ष झालेल्या करीता होते तितकेच आठवण प्रसंग नियमाप्रमाणे-येऊ लागले.

इ. स. 1929-30 या काळ देशाला संपूर्ण स्वातंत्र्य मिळवून देणे व स्वतंत्र राष्ट्र निर्माण करण्याच्या चळवळीचा होता [illegible] काळात त्या काळापेक्षा आवश्यक जबाबदारी स्वातंत्र्य टिकवण्याची येऊन पडली आहे, आजपर्यंत भूतकाळांतील घटनांचा [illegible]
[illegible]
मार्गदर्शक होईल इतका हेतु नाही.

आमच्या [illegible] व त्याचा [illegible] :-

18-9-1930 ला आमच्या माळेगाव कुमारिका वसतिगृहाचा [illegible] [illegible] एक नवे इनामदार [illegible] या संस्थेच्या पाया घातला कार्य व [illegible] [illegible] [illegible] चालू होती. एक दिवशी [illegible] येऊन श्री इनामदारांनी आम्हाला [illegible] दिली की आपल्या संस्थेचे [illegible] डॉ. हार्डीकर आपल्या वसतिगृह पाहण्या आठवड्यात भेट देणार आहेत. सेवादलाच्या इतिहासात व त्या [illegible] दिवशी पुन्हा डॉ. हार्डीकरांचे नाव मी ऐकले व आहे! त्यांना पाहण्यास आम्ही उत्सुक झालो, तरी [illegible] एक प्रसंगाने [illegible] [illegible] आलो होतोच. रात्रीच्या [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आहे [illegible] होते [illegible] सेवक संस्थेचा पाया म्हणजे [illegible] [illegible] येणार [illegible] आहे [illegible] [illegible] होती परंतु [illegible] आमच्या [illegible] एक [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

103

स्वामी पंत व कुलकर्णी, स्वामी रोपी वगैरे. हातात लाकूड लाठ्या काठ्या घेतलेले लोक अंगात पोकळपणे विचारपूस करताना. उगी साहेबांशी पाहून आमची भीती दूर झाली. मात्र त्या काठीची भीती वाटत होती

~~सेव~~ सांताक्रुझ येथील सेवादल शिबीर व कार्य

१९३० साली सांताक्रुझच्या शिबिरात केवळ ११ दिवसांत श्री पुरु. द्वि. उमेदवार यांनी त्या वेळचे काँग्रेसचे अध्यक्ष श्री गणपतराव दे यांच्या मार्गाने शिबिराचे राज कायम आणि उत्कृष्ट असे पुढील १२ दिवस दिले. स्वातंत्र्य काँग्रेस सामील व उपनगरातील स्त्रियांनी यांच्या विनंतीवरून व सूचनांवरून श्री गणपतराव देशपांडे यांनी पंडित जवाहरलाल नेहरू यांच्याकडे पत्रव्यवहार करून आमच्या शिबिराला आर्थिक सहाय्य केले व आमचे शिबीर यशस्वी केले. त्या नंतर मार्गदर्शन [illegible] सर्व शिबिरात कार्यालय सुरू झाले; ह्यांत कार्य, [illegible] कवायत, दारूच्या दुकानासमोर बंद करणे, प्रभात फेरी, स्वच्छता, महात्माजींचा चरखा आदि करण्याचे कार्य त्यांचा स्वयंसेवक वगैरे काम आम्ही [illegible] पार पाडले.

पुढील पायरी — (1930)

मिठाच्या सहा नंतर पुढे आमच्या उत्कृष्ट अशा सहा डांबीच्या नगर [illegible] झाला त्यांनी मुलांकडे कु. किसन बुरटकर यांच्या घरी ते. (१९३० साली झाले) ~~सेव~~ हाडकर त्यांना घातले व त्या नंतर सर्वपूर्ण असे शिबीर त्यांनी आयोजन केले त्याचा ~~सू~~ गावाने पुढे माझ्या शिबिरात शिक्षण घेतले व शिबीर ~~चालव~~ सांभाळणे अशी दोन्ही कामे केली, त्या वेळच्या मुक्कामानुसार आमच्या शिबिरावरही सरकारी रेड येऊन शिबीर आम्हाला बंद करणे भाग पडले. परंतु पुढील आंदोलन प्रभाव दिलेल्या कार्याचे वळण व पोलिस सरकारांना [illegible] परदेशी कापडावर पिकेटिंग सुरू ~~झाले~~ झाले, रोजच्या सर्व सेवकांनी अनेक शिक्षणाचे कार्य उचलून धरले पाठोपाठ कारागृहामध्ये जाण्याचा व तेथेही चळवळीचा शिस्तीप्रमाणे अनेक त्रासांना तोंड देऊन सहन केले

पंडित जवाहरलाल नेहरूंच्या चळवळीत सेवक सैनिकांना उपदेश करताना ते शिबीर कायम राहिले व पंडितजी, अनेक डॉक्टरांच्या ~~सह~~ उपदेशा त्या दिवशी जवाहरलाल नेहरूंनी आयोजन केले. दुसऱ्याच ~~आणि~~ वेळा, शुद्धि, ओवाळणीवर आला होता; कर उत्साह

१०५ II

पंडितजींचे दर्शन घेण्यास हजारो लोक व शिबिरांतील उत्साही स्वयंसेवक व सेविकांच्या रांगा ~~पंडि~~ पंडितजींचे स्वागत करण्यास सज्ज होत्या. सर्व लोकांना उघडपणे दर्शन व्हावे म्हणून पंडितजींनी मोटारच्या मागच्या सीटच्याच पुढच्यांनी बनवली व कायमची सुरुवात केली, त्यांचे आगमन सोहळा, सोहळा ४५ मिनिटे चालू होता त्याचा आज ही मनुष्य वाटेल तसा बनेल, आपणच आपले भाग्य वा पुढे नेतृत्व जसा निर्माण असतो, प्रत्येक विचार, भावना, संवेदना संस्कृ, यांचा परिणाम आपणावर, आपल्या वाणीवर आपल्या विकासावर होत असतो. नेहरूंनी यांनाच उपदेश आपल्यापुढे ठेवला व राष्ट्राला गुलामगिरीतून सोडवण्याकरिता पुढे पाऊल टाका त्यांनी उपदेश काही मार्गाने सिद्धीस नेण्याचा प्रयत्न करा नका, सांगते. काम चांगल्या उपायांनी साधावे पण. नर भीता उदास होऊ नका व आदर्श प्रमाणेच कष्ट उठवण्याचा प्रयत्न करून स्वातंत्र्याच्या सूर्याचे स्वागत करा". पंडितजींच्या ह्या उपदेशाने सेवादलाच्या सैनिकांना लाठ्या, काठ्या व शस्त्रांचे हाल सहन करण्याची शक्ति निर्माण झाली.

कार्यकर्ता हुतात्मा

फक्त बिहारची सेवा व आनंद घडविता डॉ. हार्डीकर:

धरणीकंपाच्या प्रचंड धक्क्यांनी बिहारचे अतिशय: उध्वस्त, उध्वस्त झाले होते. आजही त्या वेळी रिलीफ वर्क करताना बिहारला गेलो होतो, पाटणा मुक्काम पाटणा होता. २१-४-३४ रोजी पाटण्याच्या कार्यालयांत मला मेहतांना सेवादलाच्या [illegible] हार्डीकर ह्यांना सेवकांचे खास [illegible] होते. [illegible] त्यांनी विचारले [illegible] होते त्या सर्वांना डॉ. हार्डीकरांनी स्वतः मोठे भाषण केले, त्यातील एकच वाक्य माझ्या मनावर खूप ठसले. ते म्हणाले "काम करणाऱ्यापुढे मग ते कोणत्याही पक्षाचे असोत, संघाचे असोत, धार्मिक असोत अगर कोणाचे असोत एकच वाक्य म्हणून ठेवले पाहिजे व त्या प्रमाणे वागले पाहिजे, नम्र [illegible] संकटांना तोंड देऊन होणे 'धोपटले' काम उत्कृष्ट रीतीने पार पाडले पाहिजे". त्यांच्या भाषणातले हे वाक्य म्हणजे "बोले तैसा चाले त्याची वंदावी पाउले" मी हा उपदेश कधीही विसरणार नाही. आजही माझी प्रगती, त्यांच्याच उपदेशामुळे झाली [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आमच्या

भविष्याच्या अंधःकारमय मार्ग प्रकाशित करतील

१८ आठवणीचा एक प्रसंग :—

१९३४ साली पाटण्याचे आरोग्यमंत्री "माझा हा मुंबईतील गट व पीडित स्त्री सारख्या गट घेऊन मोठ्या अभिमानाने डॉ. हार्डीकर यांच्याशी संवाद साधताना, त्याच वेळी "आपण सेवादल सोडणार हे हिंदू-मुस्लिम करणारे कुठे" त्यांनी आम्हाला सांगितले त्या नंतर त्यावर आपली स्वतंत्र प्रकाशात आली. आम्ही विचारपूर्वक आरोग्यमंत्र्यांना आपल्या कोवळ्या [illegible] [illegible] घरी बोलावण्यासाठी पार आले. एक रात्री ११ वा. होती आम्ही मावळात त्यांच्या गाडीवर पोहोचल्याचे करताना व विरोध देण्या कारणां विचारले. स्टेशन पोहोचताच [illegible] लोक व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सारखे [illegible] [illegible] कुठे ना उपदेश करणार नाही असा उपदेश डॉ. हार्डीकर श्री. वल्लभभाई करता होते, "कोणीही ना, माझा कोणता आधार नका नाही, मी कुठल्या देशाला आधार देणार ही नाही परंतु मुळे आज पर्यंत [illegible] अनुभवांचा व ज्ञानाचा स्वतःकरीता, इतरांकरीता, समाजाकरीता व राष्ट्राकरीता उपयोग करून त्याच राष्ट्राच्या कल्याणा करीता असा!" मी मुळे [illegible] की "मी अजून एक विद्यार्थी आहे, शिकत आहे व अनुभव घेत आहे [illegible] आहे" असा प्रकारचा [illegible] माझ्या कानात आजूनही गुंजत आहेत.

दल संघटना व शिस्त :

मी हा पुढे व आताही असेच सेवाभावी कार्य करीत आहे परंतु सेवादलातील वातावरण व आपले जे आदर्श शिस्तीचे स्वरूप होते व आहे ते आज पर्यंत कोठेच दिसून आले नाही.

कार्यकर्त्यांचे वेड —

१९३० चे राष्ट्रीय आंदोलनात महत्त्वाचे पार पाडण्यासाठी पुढील सैनिकांची संघटना करणारा असा प्रमाणे [illegible] -हुडे [illegible] महिलांसाठीही ती आली होती परंतु महिलांना हाती त्याच प्रमाणे [illegible] [illegible] शिस्तीचे शिक्षण देण्या करीता [illegible] [illegible] [illegible] व, शिक्षकांना काम पाहिजे, व कष्ट व [illegible] [illegible] करावे लागते असतील [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] असतात.

108

अतिशय मजूर पक्षाला लवकरच कोठे लोकशाहीच सैन्य पार गुलाम उठून व कुठेही कामगार मजूर पक्षाचे त्या विचारांचे विरुद्ध पाहून संरक्षण करण्यास आपले कोटकाय स्वयं करीता असतात, तीच त्यांची कार्याची व त्या कार्याचा प्रचार व प्रसार करणाऱ्यांची असते, [illegible] [illegible] बाबी महाराष्ट्रातीलं पार पडले म्हणजे त्यांचा [illegible] संकटांची व कसोटीची स्वातंत्र्य मजूर असतात.

~~[illegible]~~ तारीख 30-6-38 चा तो दिवस तेव संस्थानच्या इतिहासात [illegible] 200 कार्यकर्त्यांचे [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] वगैरे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] देण्यास सुरुवात झाली. आश्चर्य हे की [illegible] [illegible] देण्याचा विरुद्ध [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कसोटीचे [illegible] आहे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आपल्या [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] राष्ट्रीय [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आहेत व.

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] डॉ [illegible] [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व [illegible] 1938 च्या आंदोलनातील [illegible] [illegible] ([illegible]) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. 1921 साली त्यांनी काँग्रेसच्या स्वयंसेवक [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] राष्ट्रीय [illegible] "[illegible]" [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] डॉ. हेडगेवार [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व 1938 च्या आंदोलनात [illegible] सर्व [illegible] [illegible] [illegible] पार पाडले.

विदर्भ वऱ्हाड संघटना व स्वयंसेवकांचे कार्य.

विदर्भाची [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आहे, डॉ हेडगेवार [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

सेवाग्रामी येथे अनेक प्रकारची कामे असत. [illegible] आटोकाट अनुयायींना [illegible] देऊन पार पाडीत परंतु मुख्य म्हणजे महात्माजींची सेवा. त्यांचा मुक्काम पाचगणी येथे आल्यावर दाखल होत, नित्यनेमाबरोबर त्यांच्या सेवेत काम [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] होत, ~~[illegible]~~ बापूजी हरिजन कार्यकर्त्यांना, पाचगणीत आहेत असे [illegible] समजावून [illegible] करून घेऊन त्यांना [illegible] [illegible] लोकांनी निश्चय केला होता व बापूजींच्या [illegible] माहितीत [illegible] काही बाबत येऊन हल्ला करण्यास [illegible] आतुर होते बापूजींवर, अनेक हजार व शाळांमधून [illegible] सुरक्षित होते परंतु पैशांची पर्वा न करणारे महात्माजी. तो हजार शारीरिक व विरुद्ध लोकांनी त्यांच्यावर हल्ला करण्याचा प्रयत्न केला, परंतु तो केवळ अविस्मरणीय आहे. आमचे पाचगणीत डॉ. दाभोळकर [illegible] [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] अनेक स्वयंसेवकांसह येथे हजर होतो. रात्री सेविका [illegible] बोडस होऊन नसे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] महात्माजींच्या [illegible] करून [illegible] व आरामशीर [illegible] [illegible] [illegible] मुक्काम हे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पार पडले.

आगाखान [illegible] अविस्मरणीय प्रसंग व शेवटचे दिवस.

१९४२ च्या आंदोलनातील प्रसंग, महात्माजींबरोबर इतर पुढाऱ्यांशी [illegible] [illegible] [illegible] एक खास भाग ठरवून ठेवला होता परंतु महात्माजी मंडळाच्या मुख्य दरवाज्यातून आत नेले, आत येऊ लागले, त्यांच्या स्वागत करणाऱ्या लोकांनी प्रथम त्यांच्याकडे नजर वळवली व एका [illegible] [illegible] त्यांच्याप्रमाणे सलाम देऊन घालवले, महात्माजींच्या स्वागतास बरोबर सैनिक त्यांच्या शरीर दरवाज्यावर होते, परंतु महात्माजी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व [illegible] [illegible] महात्माजींच्या [illegible] व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बापूजींना [illegible] परंतु [illegible]

सेविकांनी त्यांना स्त्रीहिता गौरवून [illegible] [illegible]

१९०२ च्या दिवाळीत नागपूरच्या लोकांनी सेवा घडविले असता "पुरस्कार" केली. १९४४ च्या जुलै १४ ला मुंबईत डॉ. [illegible] स्वीकार असता त्या वेळीही आपल्या [illegible] सेविकांनी भावपूर्ण [illegible] सेवा पुरविली व कार्य करत असताना [illegible] केली.

२ वर्षांच्या [illegible] कार्याच्या गोड व कडू [illegible] [illegible] आपल्या आयुष्याच्या [illegible] सारख्या [illegible] होणार नाही

सर्व आठवणी [illegible] करणार तो [illegible]:-

२५-४-३६ रोजी डॉ. हेडगेवारांनी लक्ष्मीबाईंच्या संघटना आकाराला [illegible], यांचे उपदेश आता प्रत्येकाचे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पाहिजे त्यांच्या [illegible] [illegible] [illegible] २० रोजी [illegible] त्यांचा संदेश:-

" स्त्रियांचे काम आणि राष्ट्रकारणाचे काम [illegible] ~~[illegible]~~ संस्था आणि स्त्रिया ही स्वतंत्र [illegible] [illegible] नसून [illegible] [illegible] आहे. आपल्याला अत्याचार नको पण [illegible], संकटे नको पण निर्भय पाहिजे. [illegible] नको, पण [illegible] पाहिजे."

अशा [illegible] उपदेश व संदेश आम्हाला [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आहे व त्या कामी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] त्यांनी तो ग्रहण केला आहे. ते आता प्रत्यक्ष कार्यात भाग घेत नसल्या तरी सेवाव्रतींच्या [illegible] प्रमाणे [illegible] सेवेत रत आहेत. त्यापैकी [illegible] उदाहरण मी येथे देत आहे.

109

आहे. ट्रेड कोर्डाच्या कामगारांना एक भागीं मुंबईबाहेर एका ~~ठिकाणी~~ काढण्याची पाळी असून. मा. अशा ठिकाणी, शिस्तीने ~~स~~ ~~सेवक~~ व संघाच्या सावलीने राहून गेले. डाकघराचे ~~व~~ काही स्वीकारल्या कामाच्या ~~उ~~ उपक्रमाच्या पाहून करीत आहे. डॉ. हेडगेवारांनी दिलेल्या धडे शिक्षणाचे आमच्या नैतिक व सांस्कृतिक दशा श्रेष्ठ ठरली. आमच्यात अंगी शास्त्रीय पद्धतीने व शिस्तबद्ध होऊन काम करण्याचे नैपुण्य आले. ध्येयनिष्ठा, सत्य उद्योग, आत्मविश्वास, शिस्त, दृढनिश्चय व शुद्ध आचरण हे संघाचे बहुमोल कार्य साठ

PL
प्र० अध्यक्ष प्रदेश.

महाराष्ट्रातील सेवादलाचें कार्यसंबंधी निर्णय

आज (ता. ५मार्च) श्री. कुमठ व श्री. गुळभेले यांना समक्ष बोलावून घेतलें व सांगितलें, कीं, दोघांनीही एकत्र बसून त्यांनी आपसामधील मतभेद मिटवून घेऊन, दोघांनीही अेकमेकांना सहकार्य करावे व सेवादलाचे काम खालील लिहिल्याप्रमाणें आपापल्या अधिकार क्षेत्रांत करीत रहावे.

श्री. कुमठ यांची नेमणूक सेवादल-संघटक म्हणून झालेली दिसत आहे. मूळहुकूम [ऑल इंडीया कॉंग्रेस कमिटीच्या सेवादलाच्या बाबतीतील बोर्डाकडून निघालेला] पाहणेस मागितला असतांना 'माझे जवळ नाहीं' असें श्री. कुमठ म्हणाले. महाराष्ट्र प्रांतिक कॉंग्रेस कमिटीचें ऑफीसमध्यें श्री. कुमठ यांच्या मूळ नेमणूकीच्या हुकमाची कॉपी वगैरें नाहीं. श्री. कुमठ यांचा पूर्ण पगार ऑ. इं. कॉं. क. च्या बोर्डाकडून आजला मिळत आहे. श्री. कुमठ हे दलपति (G.O.C) या जागेवर नेमले गेलेले नाहींत. प्रदेश कॉंग्रेस बोर्डानें ऑ. इं. कॉं. क. च्या बोर्डाच्या संमतीनें दलपतिची नेमणूक करावयाची आहे. प्रदेश कॉंग्रेसचे सेवादल बोर्ड अजून स्थापन होणेंच आहे. लौकरच ते स्थापन होईल. तोपर्यंत अध्यक्ष, म. प्र. कॉं. क. यांचेवर सेवादलाची सर्व जबाबदारी राहील. श्री. कुमठ यांची 'सेवादल संघटक' म्हणून ऑ. इं. कॉं. क. कडून नेमणूक

झाली असली तरी त्यांचेवर म. प्र. कॉं. क. चें पूर्ण नियंत्रण [illegible]ाहे. सेवादल कार्याची डायरी पाठविणें वगैरे सैनिकी शिस्तीबद्दल पत्रव्यवहार संघटकानें ऑ. इं. कॉं. क. कडे करावयाला हरकत नाहीं. परन्तु जो पत्रव्यवहार संघटकाकडून ऑ. इं. कॉं. क. च्या सेक्रेटरीकडे तेवच्या वेळी संघटकानें पाठविल्या पाहिजेत.

श्री. कुमठ यांना सेवादलाचे काम करणें बाबत दोन मदतनी नेमण्यांत आलेले आहेत. एक श्री. गुळभेले व दुसऱ्या कु. शालीनी पाटील या दोघांमध्यें सिनिअर कोण हे ठरविण्यासाठीं श्री. कुमठ यांनीं आपल्या अभिप्रायासह प्रदेश कॉंग्रेसकडे रिपोर्ट करावा व अध्यक्ष, म. प्रा. कॉं. क. जो निकाल देतील तो निर्णयात्मक ठरेल.

श्री. गुळभेले यांच्याकडे कोल्हापूर, दक्षिण सातारा, उत्तर सातारा, रत्नागिरी, सोलापूर व कुलाबा (या सहा जिल्ह्यांतील) येथील सेवादलाचें काम सोपविण्यांत येत आहे. राहिलेल्या जिल्ह्यांतील सेवादलाचें काम ~~[illegible] येत आहे~~ श्री. कुमठ यांनीं करा[illegible]चे आहे. महाराष्ट्रांतील सर्व जिल्ह्यांतील स्त्री सेवादल विभागाचें काम कु. शालिनी पाटील यांनीं करावयाचे आहे. श्री. गुळभेले व कु. पाटील यांनीं आपापल्या डायऱ्या व कामकाज म. प्र. कॉं. क. कडे श्री. कुमठ यांचे मार्फत करावे. श्री. कुमठ यांनीं हा

सर्व पत्र व्यवहार अध्यक्ष, म. प्र. कॉं. कमिटी यांचेकडे अभिप्रायासह

५।०वाव। निकाल अध्यक्ष, म. प्र. कॉं. क. हे करतील.

श्री. वी. के. साठे, सरचिटणीस, यांनीं या सेवादलाचें कामाकडे लक्ष द्यावयाचें आहे. श्री. कुमठ, श्री. गुळमेले यांच्यामधील मतभेदाची सर्व प्रकरणें पुढें चालू न करतां निकालांत काढली असे समजून तसें त्या प्रकरणावर श्री साठे यानीं शेरे मारावेत. व आज तारखेपर्यन्तची श्री. गुळमेले यांच्या प्रवासाची बिले सर्व मंजूर करावीत.

प्र. कॉं. क. चें सेवादल नियंत्रण बोर्ड स्थापन होईल तेव्हां या निर्णयामध्यें बोर्ड फरक करील. तो पर्यन्त वर लिहिल्याप्रमाणें सेवादलाची व्यवस्था व्हावयाची आहे.

१) श्री कुमठ [illegible]
२) श्री [illegible]
३) कु. [illegible]

Malojirao
[illegible]
ता. ८-३-५ . ५४

प्रमाणित केले. १) श्री [illegible] ता. ९.८.८.
२) श्री साठे. म. प्र. कॉं. क.

P.T.O

१६ कृपा. [illegible] ॥ ?

[illegible] आपल्या पत्रांत [illegible] परिस्थिति [illegible] आहे. मी [illegible] चर्चा करून [illegible] राजीनाम्याचा प्रश्न केला. कु. [illegible] यांनी पण [illegible] राजीनाम्याचा प्रश्न केला परंतु [illegible] श्री [illegible] तुमच्या [illegible] असो.

तुमचे पत्रा प्रमाणे कु. [illegible] यांनी शहराच्या राजीनामा दिला पाहिजे. परंतु माझी त्यांना पूर्ण शहराच्या राजीनामा [illegible] नाही कारण [illegible] Successor निर्माण झाले नाहीत. मी कु. [illegible] पूर्ण शहराचे [illegible] आपल्या [illegible] Successor वर झाला आहे पण ह्या विभिन्न परिस्थितीत मी त्यांना शहरातून काढून शकत नाही. [illegible] यांना [illegible] आहे. संघटना [illegible] आपण [illegible] विचार करावा. नंतर त्यांना [illegible] करू शकत नाही. शहरांत [illegible] कोणी [illegible] होतात परंतु [illegible] निश्चय [illegible] आहे. असो. [illegible] कार्य जोरात सुरू आहे. [illegible] विरोध [illegible] कार्य [illegible] आहे [illegible] निंबाळकर, [illegible] P.V.D. [illegible] निर्माण झाली आहे.

श्री [illegible] पक्षून श्री निंबाळकर यांना दिली आहेत. ([illegible]) [illegible] झाला आहे. [illegible] सर्व [illegible] आहे.

[illegible]

कांग्रेस सेवा दल

दीर्घ कालीन श्रम शिविर

जौरा-अलापुर

जिला मुरेना (मध्यप्रदेश)

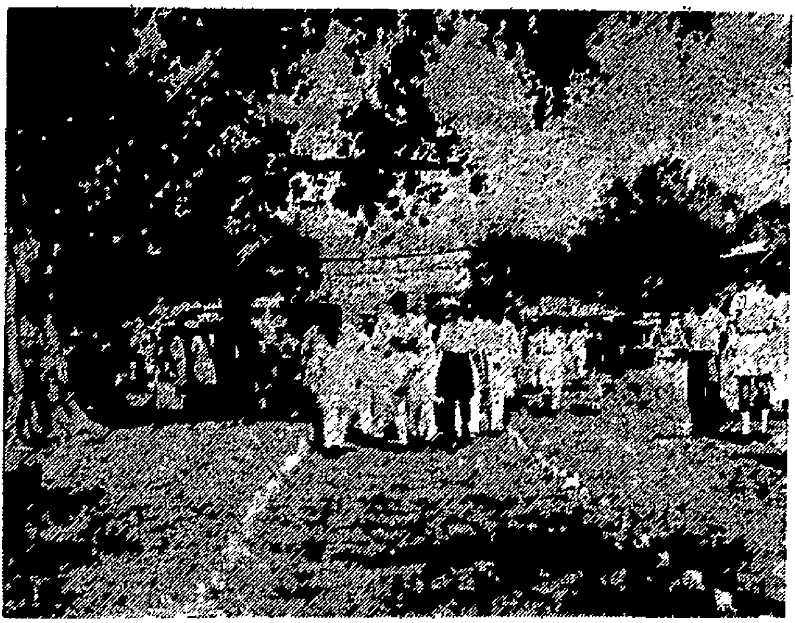

(झ) मेलों के अवसरों पर सेवाकार्य, खेल प्रतियोगिताय शारीरिक क्षमता का परीक्षण, राष्ट्रीय अनुशासन प्रशिक्षण वर्ग, अध्ययन वर्ग, प्रवास आवास प्रवृत्ति, सेवादल लायब्रेरी और वाचनालय आदि विशेष प्रवृत्तियाँ भी यह सं चलाता है।

५. बड़े काम

सन् १९६२ प्रशिक्षिण तथा प्रशिक्षण शिविर

१९६३ आजादी की मशाल का साइकिलों पर भारत भ्रम[illegible]

१९६४ श्रमशिविर जिसमें अखिल भारतीय दीर्घकालीन प्रशिक्षण शिविर भी सम्मिलित है।

अखिल भारतीय संगठक
कांग्रेस सेवादल
२२ अगस्त, १९६४ ७. जन्तर मन्तर रोड
नई दिल्ली

निवेदन

कांग्रेस सेवादल ने प्रयोग के तौर पर दीर्घकालीन श्रमशिविर का काम हाथ में लिया है। आप जैसे सेवादल के मित्रों से सहयोग व सहकार की अपेक्षा है। हमें इतना ही निवेदन करना है कि आप अपने मित्रों से इसका जिक्र करिये।

आपसे अपेक्षित है

शिविर की भेंट
श्रमदानी भेजना
सामान, धन एकत्र करना और
शिविर को भेंट देना।

116

Phone: 3676

CONGRESS SEVADAL DAY
.EBRATION COMMITTEE
ONGRESSBHAVAN, KOZHIKODE-I.

President : D. V. NAMBUDIRIPAI
Vice President : K. S. SHANMUGAM
Treasurer : T. G KRISHNAN

Secretaries : M. K. NARAYANAN
P. K. RAGHAVAN
M. K. PADMANABHAN ADIYODI

C.S.D/14/64.

1st December, 1964.

Dear Sir,

We intend celebrating the Annual Day of the Sevadal organisation of Kozhikode District on 26th and 27th of December, 1964. It is proposed to have two day's programme. On 26th therewill be sports and March Past of the volunteers in which about one thousand Sevika and Sevadal volunteers would participate. There are forty six sevadal units in this district, each unit with a strength of nearly thirty volunteers on an average.

It is our earnest wish and ardent desire that some distinguished leaders like you should participate in the function, and give a proper lead to the young volunteers at this critical juncture when the Congress Organisation faces heavy odds You know the bye-election in Kerala comes off early in March and we feel that if leaders like you could spare some time to come down to Kerala and tone up the organisation and its important and militant wing of Sevadal, that would be a very great encouragement to the Congress organisation in general and to Sevadal in particular.

So we earnestly and sincerely request you to be kind enough to accept our humble invitation and come down to Kozhikode to address our rally on the evening of 27th December, 1964.

We shall be highly thankfull if you would kindly write to us a line in reply accepting our invitation.

With kind regards,

Yours sincerely,

SECRETARY.

To

Shri. N.S. Hardikar

శ్రీమాన్ [illegible],
[illegible]

137/64

117

V. V[illegible]
congress [illegible] Del
VADAVI
Deen - Due

[illegible] 17-12-64

[illegible] 26-11 64 [illegible]

[illegible]

[illegible]

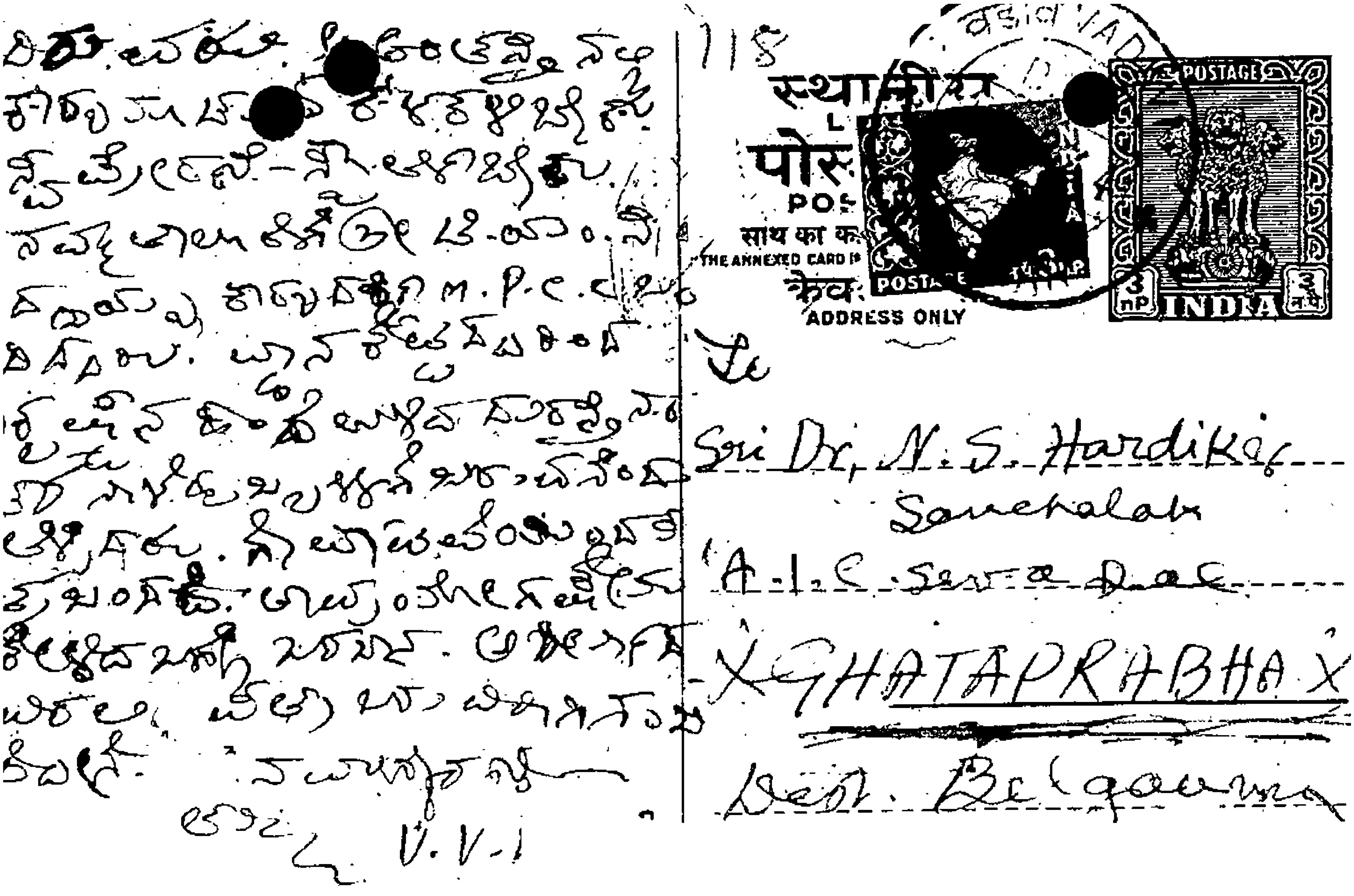

[illegible]

M.P.C.

[illegible]

నమస్కారములు

ఇట్లు

V.V.1

118

स्थानीय
L
पोस्ट
POS
साथ का क
THE ANNEXED CARD I
केवल
ADDRESS ONLY

POSTAGE INDIA 3 nP

To

Sri Dr. N. S. Hardikar
Sanchalak
A.I.C. Seva Dal
GHATAPRABHA
Dist. Belgaum

Rajastan Pradesh Congress Committee

Station Road, Jaipur

(Congress Seva Dal)

Date- 12-12-64

REPLIES TO THE QUESTIONNAIR OF 1964.

RECRUTTEMNT.

(1) Barmer.

(2) See the attached chart.

(3)	1.	Shri Jawaharlal Jain	City Distt. Organiser, Jaipur.
~~(4)~~	2.	Shri Hiralal Indora	Distt. Adhinayak, Shri Ganganagar.
	3.	Shri Nainamal Jain	City Organiser, Barmer.
	4.	Shri Sugan Chand Goyal	Distt. Adhinayak, Bharatpur.
	5.	Shri Omprakash Sharma	Distt. Ahdinayak, S. Madhopur.
	6.	Shri Shiv Charanlal Sharma.	Distt. Adhinayak, Dholpur.
	7.	Smt. Shanti Devi	Mahila Organiser, Jodhpur.
	8.	Shri Motilal Tak	Distt. Adhinayak, Jodhpur.
	9.	Shri Anoopkumar sood	City Organiser, Kota.

TRAINING CAMPS.

(4) Nil.

(5) One Primary Training camp and two Primary classes.

(6) Nil.

ORGANISATION.

(7) Yes we have got a office & steady office Secretary to receive instructions from the higher office and convey the same to all branches of the organisation.

(8) The following district have Adhinayaks.

1. Shri Ganganagar.
2. Swavai Madhopur.
3. Dholpur
4. Jodhpur
5. Bharatpur.

The following have district Organiser or Incharge.

1. Kota.
2. Jaipur.
3. Barmer.
4. Bikaner.
5. Panch Pahar(Zalawar)

(9)

(9) 10 Shakha's meet in a week.

RECORD

(10) Yes, we receive monthly and training camps from the following districts.

1. Jaipur
2. Shri Ganganagar.
3. Jodhpur
4. Barmer.
5. S. Madhopur
6. Dholpur.
7. Bharatpur
8. Bikaner.
9. Zalawar
10. Kota.

(11) Yes.

(12) We have maintained the following General Registers.

1. Officers, General Register.
2. Set of Dal literature including Dal Samachar.
3. Place where the Dal is active.
4. Accounts.
5. Dispatch.
6. Mandal Officers Register.

SERVICE.

(13) During the year 1963-64 the Rajasthan Congress Seva Dal has rendered the following types of service to the public and also to the congress.

1. ~~[illegible]~~ JANUARY.

The republic day was celebrated at all the active places & districts. Volunteers took part in the functions organised by their respective Congress Committe ees.

2. FEBRAURY.

A three days primary camp was organised by ~~their~~ Jodhpur Seva Dal in which 15 boys & girls took part. Also volunteers were sent, in a public meeting of Shri Acharya Vinobha Bhave, to organise the meeting work, by Jodhpur.

3. MARCH.

A gouard of honour was given in the honour ~~of~~ to the President of All India Congress Committee ~~President~~ Shri K. Kamra on his arrival at Jaipur on 20/3/64. 50 full uniformed volunteers took part in it. Also guard of honours were given in his honour at Jodhpur & Bikaner during his visit to these places. Volunteers took part in arrangements of his public meeting at these places. The All India Assistant Organiser Shri S.N. Subbrae accumpained the President.

10 volunteers of Rudawal District Bharatpur under took a shrmdan work of clearing of the drinking water well. Also they co-operated with the local people to collect the funds for higher Secconday School, which was to be erected there.

4. APRIL

No extra ordinary services were rendered.

5. MAY

The 73rd birth day of Shri Dr. N.S. Hardikar, Suchalak CONGRESS SEVA DAL was celebrated by the Jaipur Seva Dal. Shri Haribhau Upadhaayay Education Minister of Rajasthan, Govt. precided over the function as a Chief guest. On this occasion prizes were distributed to the winners i the sports compitition held during the last year on the occasion of the Dal day. Sevikas from Adharsh Nagar presented a short enertainment programme. Certificates of the Shahpura camp were also distributed by the Chief guest. A library was inuguarated by Shri upadhayayji on the same occasion. The books were donated by the Volunteers of Jaipur City. There are 170 books now in the library.

As soon as the shocking sad new of the death of Shri Jawahar Lal Nehru came in, all the volunteers of Jaipur & of all other places assembled at there respective Congress Committees & took part in the functions organised by the Congress Committees in the morning of the great departed leader. Condolance meetings were held at all the active places.

6 **JUNE**

The ashes of the late beloved leader were brought to Jaipur by the Chief Minister of Rajasthan on 22nd June, 64. A Gurad of honour was given to the ashes on railway station by 20 Undiformed volunteers. Also volunteers helped the police & Military men in maintaing the peace through out the function. These ashes were then carried to Alebert Hall at Ram Niwas Guarden where they were put for the public topay their homage to the leader for 7days Volunteers of Jaipur helped in guarding the ashes for all the days. On the 8th the ashes were again carried to the holy place ~~PusharRaj~~ Pushkar of Ajmer. About 20 volunteers were sent there for the arrangements. The following districts took part in the functions organised in this connection at there places. Barmer, Jodhpur, Kota, S. Madopur, Bikaner Shri Ganganagar, Bharatpur etc.

7 **JULY**

No extra ordinary services were rendered.

8 **AUGUST**

Very heavy rains hit the Jaipur city on 22 & 23. A small earthened lake was washed out by these rains & all the water rushed through the lower part of the city & created a danger there. Zoogiwals lot zoogies & became home less. Volunteers were sent in there help. Food, clothes etc. were distributed by Jaipur DCC through the volunteers help.

The independance day was celebrated at al the active places.

9 **SEPTEMEB ER**

No extra ordinary services were rendered.

10. **OCTOBER**.

Hartal was orgainsed at Punch Pahar district

Zalawar by the opposition parties, 40 volunteers helped the Congress Committee to keep law & order in the town.

A Joint meeting of the Pradesh Congress Executives of M.P. & Rajasthan respectivly was organised in Kota on the 5th & 6th Oct., 64 to discuss the common border problems facing. AICC president Shri K. Kamraj precided over the meeting. A guard of honour was given in his honour by 20 Sevak & 15 sevikas on the railway station. Also they helped in arrangeing the public meeting & the procession.

Shri Hira Lal Indora, District Adhinayak of Shri Ganganagar was specially deputed a-t Hunmangarh, during the by election. Also Shri Akshaya Singh & Jainarayan tak of Jodhpur were sent for the election work. A gouard of honour was given tothe Chief Minister of Rajasthan on his visit to Hanumangarh during the election period, 30 volunteers were present. Shri Mohanlal Khatak office secretary of Shri Ganga nagar Seva Dal was put incharge of propaganda & Loudspeakers arrangements. He worked satisfactorely.

11. NOVEMBER

The Undion Home Minister Shri Gulzari Lal Nanda Visited the Jaipur city on 13th November, 64. A public meeting was organised by the DCC about one dasta volunteers helped in meeting arrangement.

(14) a. Nil.

b. Nil

(15) Nil

(16) Nil

(17) Only one.

(18) Yes the incharge has visited the following placed twice during the year.

1 Shri Ganganagar
2. Bikaner
3 S. Madhopur
4. Bayana
5 Bharatpur
6. Kota
7 Dholpur
8. Maniya
9 Jodhpur
10. Barmer.
11 Rudawal
12. Jaipur.

(19) Nil.

(20) Nil.

REQUIRED INFORMATION

(a) Names of The P.V.B. members.

1) Shri Kishonlal Sharma, Secretary.
2) Shri Bridhi Chandjain.
3) Shri Bhola Nathji.
4) Shri Nauratanmal Bordiya.
5) Shri Paras Ram Maderna.
6) Smt. Dr. Mangala Talwar.
7) Shri V.N. Bhargava.
8) Shri Phool Chandji Jain.
9) Shri Rikhab Chand Dhariwal.
10) Shri Shriram Khursale. Joint Secretary.

(b) Shri Kishan Lal Sharma.

(c) Shri Shriram Khursale, RPCC, Jaipur.

(d) There is no Mahila Adhinayak.

(e) There are no other Pradesh Officers.

(f) As follows.

P.T.O.

S. No.	Name	Rank	District	Adress	Designation
1.	Shri Hiralal Indora	D.T.O. Trained	Shri Gnaganagar	Ward No. 16 Dhanak Mohala	Distt. Adhinayak.
2.	Shri Omprakash	U.S. Junior	S. Madhopur	Cement Factory	,, ,,
3.	Shri Shiva Caharan Lal	D.T.O. Trained	Dholpur	Village P.O. Maniya.	,, ,,
4.	Shri Moti Lal Tak	D.T.O. Trained	Jodhpur	Aryan Chandra Bhawan, Plot No. 126 B, Saldarpur.	,, ,,
5.	Shri Sugan Chand Goyal	M.S.	Bharatpur	P.O. Bayaha	,, ,,
6.	Shri Jawahar Lal Jain	P.S.	Jaipur City	C/o DCC, Pandya Bhawan, Jodhari Bazar, Jaipur	Distt. Organiser. ,, ,,
7.	Shri Hira Lal Changani	M.S.	Bikaner	Manot Building, Bikaner.	,, ,,
8.	Shri Gulabchand Sharma	M.S.	Kota	Bayar Rampura, Kota	,, ,,
9.	Shri Anupkumar Sood	P.S.	Kota	Bajaj Khana, Kota	City Organiser.
10.	Smt. Shantidevi Arya	D.T.O. Trained	Jodhpur	C/o Shri Prabhu Lalji arya Badro, ka Check, Jodhpur.	Distt. Mahila Organiser.
11.	Shri Basir	M.S.	S.Madhopur	S.D. Office, Sahunagar	Distt. Mahi Organiser.
12.	Shri Nainmal Jain	P.S.	Barmer	New Modern, College	City Organiser.
13.	Shri Harisingh Chawan.	M.S.	Zalawar.	Panch Pham, Near the temple of Shri Gordhannathji, Houmse of Sh. Sardar Singh Bhatnaghar.	,, ,,

(G) NUMARICAL STRENGTH.

S. NO.	Name of the Pâace	Balak	Balika	Kumar	Kumari	Sevak	Sevikas.
1.	S. Madhopur	10	15	10	10	30	-
2.	Maniya	-	-	-	-	10	-
3.	Jodhpur	6	6	8	10	20	30
4.	Jaipur	10	5	16	-	40	10
5.	Bikaner	-	-	-	-	20	-
6.	Ganga Nagar	-	-	-	-	40	-
7.	Kota	-	-	-	-	40	30
8.	Bharatpur	10	-	-	-	50	-
9.	Barmer	20	-	30	-	100	-
10.	Panch Pahar	-	-	-	-	20	-
	Total	56	26	73	20	370	70

(H) NUMBER OF TRAINED MANDUL OFFICERS AND M.S.

MANDAL OFFICERS .

Bikaner, 13 . Jaipur 5. Jodhpur 13. Sirohi 3. Jalawar 1.

P.T.O.

(I) NAMES OF DISTRICT OFFICERS.

S. No.	Na-me	Training Grade	Designation.
1.	Shri Hira Lal Indora	D.t.o. Trained Junior.	Zila Adhinayk.
2.	Shri Siva Charan Lal Sharma	,, ,,	,, ,,
3.	Shri Omprakash Sharma	U.S. Junior	,, ,,
4.	Smt. Shantidevi Arya	D.T.C. Trained	Mahila Organiser, Jodhpur.
5.	Shri Motilal T ak	,, ,,	Zila Adhinayk.

P.T.O.

(J) PLACES WHERE SEVA DAL IS ACTIVE.

S.No.	Name	Adress	Place	District.
1.	Shri Jawahr Lal Jain	C/o DCC, Pandya Bhawan Johari Bazar.	Jaipur	Jaipur
2.	Shri Hiralal Indora	Ward No. 16. Dhenak Mohala	Shri Ganganagar	Shri Gananga Nagar.
3.	Shri Omprakash Sharma	Cement Factory	S. Madhopur	S.Madhopur.
4.	Shri Sugan Chand Goyal	Bayana	Bayana	Bharatpur
5.	Shri Murdalal Verma	Rudaval	Rudaval	Bharatpur
6.	Shri Nainmal Jain	C/o New Modern College	Barmer	Barmer.
7.	Shri Motilal Tak	C/o Aryan Chandra Bhawan, Plot No, 126 B, Sardarpura	Jodhpur	Jodhpur
8.	Smt. Shantidevi Arya	C/o Prabhulalji, Badlown Ka Chowk	Jodhpur	Jodhpur
9.	Shri Harisingh Chawan	Panch Pahar, Temple of Shri Gordhan Nathji, House of Shri Sardarsingh Bhatnagar	Panchpahar	Za-lawar-
10.	Shri Hira Lal Changani	Manot Building	Bikaner	Bikaner.
11.	Shri Sivecharanlal	Maniya	Maniya	Dholpur.
12.	Shri Gulabchand Sharma	Rampura Boyall	Kota	Kota.
13.U	Shri Anupkumar Sood	Bazaz Khana	Kota	Kota.
14.	Smt. Kanta Bhargave	NayaPura	Kota	KOTA

(K) CHART WHOWING THE TRAINING CAMPS.

S.No.	Place	Duration	Training Course	Number of Volunteers.	Full day or Half day	Camp Officer Incharge
1.	Barmer	3 days	Primary	30	Fullday	Shri S.S. Khursale.
2.	Jaipur	3 days	Primary	10	Halfday	Shri S.S. Khursale.
3.	Kota	5 days	Primary	20	Halfday	Shri S.S. Khursale.
4.	Jodhpur	3 days	Primary Revision	25	Halfday	Shri Moti Lal Tak.

(L) Nil.

(M) Shri Nainmal Jian is a new comer to Barmer Seva Dal. Through he is undertrained he has organised the Seva Dal Activities in Barmers satisfactory. He has got the specialty of organis-ing the shakhas and kendras. He is a well educated & enthustic youth havi-ng an extre ordinary capacity o f the work.

(N) 1. Shri S.S. Khursale paid by A ICC, Incharge Rajasthan Pradesh.

2. Shri Hira Lal Indora Distt. Adhinayak, Shri Ganganagar Paid by AICC.

3. Shri Babulal Katni, typist paid by PCC.

(O) Nil.

(P) 650.

128

Congress Seva Dal

(WEST BENGAL)

MAL DAS GUPTA,
G. O. C.

"CONGRESS BHAWAN".
59-B, CHOWRINCHEE ROAD,
CALCUTTA-20

The 17th Decmbember, 1964.

Respected Dr. Hardikar,

The Durgapur Session of the Indian National Congress will commence on 6th Januar, 1965 and will continue upto 19th January 1965 On behalf of the West Bengal Pradesh Congress Sevadal, I cordially invite you to attend the Session as our guest. Your presence will encourage us during the Session.

I hope you will please accept our invitation.

I shall be highly obliged if you please intimate to us your arrival date and hours.

Jai Hind

Amal Das Gupta
(Amal Dasgupta)
G.O.C

Dr. N. S. Hardikar,
Sanchalak, Congress Sevadal,
K. H. I., Ghataprabha,
Dist. Belgaun,
Mysore State.

दीपकुमार देव वाशिष्ठ
सदस्य विधान सभा
उत्तर प्रदेश
हाथरस (अलीगढ़)

रहा हूँ ताकि इसको शीघ्रातिशीघ्र पूरा किया जा सके।

आजकल आपका स्वास्थ्य कैसा चल रहा है श्री स० कि० इमानदार से भुवनेश्वर में भेंट हुई थी। उन्हीं से आपके समाचार मिले थे। आपका एक लम्बे अर्से से आशीर्वाद का पत्र नहीं मिला है। आपको सर्दी के दिनों में निकलना कठिन होता है। यदि अवकाश मिले तो अप्रैल या मई माह में आप उत्तर भारत आइये। ४-६ दिन के लिये जलवायु बदलेगा। स्वास्थ्य पर अच्छा ही प्रभाव पड़ेगा।

मेरे योग्य सेवा से सूचित करते रहियेगा।

आपका - दर्शनाभिलाषी

दिनांक १५।१।६८

कांग्रेस सेवादल

विभिन्न प्रदेशों द्वारा प्रकाशित सेवादल साहित्य

मासिक पत्रिकाएं:-

गुजरात:-

(१) कांग्रेस सेवा दल	गुजरात का मुख्य पत्र	
(२) पाथेय सेवादल पत्र	अहमदाबाद जिला	बन्द है
(३) स्वयंसेवक	अहमदाबाद शहर	
~~(४) सबल सिपाही~~	~~सांगली~~	~~बन्द है~~
(४) दल संदेश	खेडा	बंद है
(५) दल परिमल	बडौदा	,,

उत्तर प्रदेश:-

(१) स्वयंसेवक	उ०प्र० का मुख्य पत्र	बन्द है
(२) दल पत्र	,, ,,	चालू है
(		

राजस्थान:-

(१) सेवादल पत्रिका	राज० सेवादल का मुख्य पत्र	बन्द है
(२) ध्वज रक्षक	,, ,,	,,

मध्य प्रदेश:-

(१) दल संदेश	म०प्र० का मुख्य पत्र	बन्द
(२) दल प्रभात	हरदा	,,
(३) दल शक्ति	रतलाम	,,
(४) दल पुकार	उज्जैन	,,
(५) सेवादल पत्रिका	इन्दौर	,,
~~(६)~~		

महाराष्ट्र:-

(१) दल सेवक	महाराष्ट्र का मुख्य पत्र	बन्द
(२) राष्ट्र सेवक	जलगांव	,,
(३) दल सैनिक	नागपुर महाराष्ट्र	,,
(४) सबल सिपाही	सांगली	

बम्बई:-

(१) दल पत्रिका	बम्बई प्रदेश का मुख्ये पत्र	,,
(२) प्रगति	उपनगर बम्बई	,,
(३) कांग्रेस सेवादल	भूलेश्वर जिला बम्बई	,,

विदर्भ:-

(१) सेवा श्री	विदर्भ का मुख्य पत्र	,,

बिहार:-

(१) दल बिहार	बिहार का मुख्य-पत्र	बन्द है

उत्कल:-

(१) दल पत्रिका	उत्कल का मुख्य पत्र	बन्द है

तमिलनाड:-

(१) दल पत्रिका	तमिलनाड का मुख्य पत्र	बन्द है
(२) कांग्रेस सेवादल पत्रिका		,,

पश्चिमी बंगाल:-

(१) सेवादल	प०बंगाल का मुख्य पत्र	,,

आन्ध्र:-

(१) दल ज्योति	आन्ध्र का मुख्य पत्र	बन्द है

- साहित्य प्रकाशन -

गुजरात:-

(१) इनफारमेशन सिरीज नं० १-२-३-४ व ८
(२) योजना पुस्तिका (रैली सम्बन्धी)
(३) प्रवास संचालन
(४) चौथी प्रदेशीय रैली
(५) सेवादल का विधान
(६) सेवादल गीत भाग १
(७) सेवादल गीत भाग २
(८) हुक्म के बोल
(९) सांस्कृतिक कार्यक्रम पुस्तिका
(१०) मैन्युअल नम्बर १
(११) केन्द्र कैम चालवू
(१२) सेवादल नो जन्म अने इतिहास
(१३) सेवादल नी शुरूआत कैम करवी
(१४) गीतो
(१५) प्रवास प्रवृत्ति
(१६) नूतन भारत यात्रा
(१७) अ०ना० साइकिल प्रवासी (वडोदरा)
(१८) स्वराज्य नो संत्री
(१९) गरवा महोत्सव
~~(२०)~~

महाराष्ट्र:-

(१) दल सैनिक - महाराष्ट्र सेवादल दीपावली विशेषांक
(२) राष्ट्रीय अनुशासन-
(३) रैली गाइड
(४) वार्षिक रिपोर्ट पुस्तिका
(५) इनफारमेशन सिरीज नम्बर
(६) सैनिक कवायद (रांका भवन नागपुर)

(७) सामुहिक राष्ट्रगीत (राका भवन नागपुर)

(८) सेवादल गीतें भाग १ ला ,, ,,

(९) केन्द्र पद्धति (१०) विधान- म०रा० सेवादल

(११) बौधक पत्रक (१२)

मध्य प्रदेश:-

(१) गीत माला (२) सहगान

(३) कवायद के नये आदेश (इन्दौर)

हिमाचल प्रदेश:-

(१) सेवादल विधान

बम्बई सेवादल प्रकाशन:-

(१) गीत गुंजन

उत्कल कांग्रेस सेवादल:-

(१) गीत मंजरी

उत्तर प्रदेश:-

(१) सेवादल का संक्षिप्त [illegible]

आन्ध्र:-

(१) विधान

बंगाल:-

(१) मेन्युअल नम्बर

बिहार :-

(१) सेवादल नियमावली (२) सेवादल कार्यक्रम.

दिल्ली :- (१) सेवादल का बिधान.

तमिल नाड:-

(१) मेनुअल नम्बर १ (२) मेन्युअल नम्बर २.

विदर्भ :-

(१) बौधक पत्रक

=======

~~(१) सेवादल - रौप्य महोत्सव [illegible]~~

~~(२) सेवादल सोविनियर - नागपुर सेशन~~

नोट:- इसमें से बहुत सी पुस्तकें अप्राप्य है।

१-७-६३

Repost of the meeting P.V.B. held on the last 8th in the office of Rajasthan Pradesh Congress Committee. Following members were present.

1. Shri Kishan Lal Sharma . Secretary.
2. Shri Phoolchandji Jain
3. Shri Navratan Mal Bordia
4. Shri S.S. Khursale Joint Secretary.
5. Smt. Dr. Mangaldevi Talvar

The Proceeding of meeting were started with welcome of members by the Secretary of Board. The draft constitution and a copy of the report of Seva Dal activities in pradesh was destributed to the present members.

Suggestions of members were invited on the 2nd item of the agenda. They were as follow.

1. Shri Phoolchandji:

Commenting on the report submitted, he said that it has always remained a very common and general complaint of all the sister organisations of the Congress that Congress never helps financialy to its wings. Also there is a long standing complaint that the workers of these wings are not getting full co-operation & well treatment from the congress workers. He said that these conditions are going to remain as they are, inspits of the efforts. So now Seva Dal and other wings should think over the matter that how they can standby with out their helps and make their organisations self supporting.

First of all we try to concerntrate on present active units and try to consolidate and build up them more strong.

Economic diary of the local workers should be maintained, efforts should be made to give economic aids through co-operatives which will engage our workers ~~and they can work more effectively.~~ only. This will give realef to the workers and they can

132

work more effectively.

There should be always follow up programme immediately after any training camps.

Security should be assured to the full timers for at least four to five years by the PCC and it should be strictly observed.

Seva Dal shall have to under take more demonstrative programmes for the capital cities and create a demonstrative value of ~~vale of~~ [illegible] D.l. ~~their~~, [illegible] must are demonstrative [illegible] ect.

Smt. Dr. [illegible]:

[illegible] daily some [illegible] should be [illegible] [illegible] [illegible] the [illegible] [illegible].

[illegible]

1) Concentration [illegible] active [illegible].
2) [illegible] meeting of all the district [illegible] should be called [illegible] once every three months [illegible] uniform. [illegible] the workers can come in closer contact with the I.D.? as well as with the PCC. Also they can get the political benefit of the capital.
3) The PCC should fully insist on such districts, where the Seva Dal is active, to give financial aid to the workers and should see that the DCC,s meet with the demands of workers. All other members insisted on this.
4) Seva Dal should have more and more intellectual programmes.

P.T.O.

5) No changes should be made in the designation of the working officers of Seva Dal and should not be given fresh appointments every now and then, on the reconondatio-ns of the concerend DCCs. Some times those changes hamper the progress in the activities.

6) Helathy and fruitful discussion should be held in the meetings of the congress committee. While suggesting this he refered to the meeting of presidents held in Jaipur in the month of August 1964. He said that in this meeting very few members spoke on Seva Dal matter, but they did not give any concrete suggestions. So this should not be repeated at least in such meetings.

7) All the Seva Dal volunteers must [illegible] the knowledge of the Congress and its constitution its programme of working.

Again Shri Phoolchandji suggested that whenever the camps are to be held they should be held in perfect atmosphere [illegible] is [illegible] required for the camp. [illegible] should not be [illegible] in the [illegible] arrangements etc. There should be a strict check on the recruitment. The DCCs should be asked to send only selected and promising workers in the camp. Also the DCC [illegible] shall have to give at least one year assurance to such promising workers.

He further suggested that the [illegible] CC should [illegible] full timers or some district for an year, and take the work from them, as an experiment and see the results. Shri [illegible] suggested that all the workers, who are trained in such camps should meet from time to time. Arrangements should be made for their travelling etc.

There was a suggestion from Shri Phoolchandji that members of all the wings of Congress and also other members of the concerned Congress Committees should take part in all

P.T.O.

functions that are arranged through any wing. It has been experinced that members of the Seva Dal or Youth or Mahila even Congress workers do not take part in the functions organised by their sister organisations. It is not good practice. Shri Nauratanmal Bordiya suggested that a conference of all the old and new workers should be called & efforts should be made in picking up shome selected & promising workers. Further it was suggested by all members that in the month of Feb., 1964, such conference can be held in Jaipur.

While discussing the suggestions put before [illegible] by the Incharge demanding three more full timers in the Pradesh. The Incharge in his suggestion had stated [illegible] whole work should be entrusted to these full timers division wise. There are already two workers, being maintained at the PCC and the above demand is in addition to it.

Shri Phoolchandji & others were not of the opinion to devide the work devision wise. They suggested that first the Pradesh office should be fully equiped with all the necessaties. Therefore the PCC should appoint [illegible] in the Pradesh office.

It will be the responsibility of the Incharge to take the work from them, by sending them to the different places in the Pradesh where there is a demand. They should be inter changed from time to time.

Explaining the item No 3rd of the Agenda the Incharge requested to members of the board to coolect funds personally for Seva Dal, on the occasion of Dal day and deposit the amount to CC account in the name of Seva Dal which will be only utilised for Seva Dal.

Shri Phoolchandji suggested that all members of the board should be asked to take part in the Dal Divas functions arranged by defferent centers & help the local congress Committees & Seva Dal workers to collect [illegible] for Seva Dal, other members gave their concent to this suggestio.

Under taking the last item of the Agenda, all the members suggested to call the meeting all the distt. officer in the Feb., 1965.

136

फोन नं० : २१२

जिला कांग्रेस सेवादल

नई पेठ, उज्जैन (म. प्र.)

क्रमांक ९०/५५

दिनांक २४/९/५५

सेवादल
का
ध्येय

संगठन

प्रशिक्षण

और

सेवा

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुये अत्यन्त ही प्रसन्नता हो रही है कि उज्जैन कांग्रेस सेवादल अपने जीवन के 20 वर्ष सफलतापूर्वक व्यतीत कर नये वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल का इतिहास व कार्यकर्ताओं का परिचय भी प्रकाशित करना है ताकि भविष्य में कार्यकर्ताओं को पूर्व में किये गये कार्य की जानकारी मिल सके।

इस पुनीत कार्य में आपके आशीर्वाद की आवश्यकता है।

आशा ही नहीं विश्वास है कि हमें प्रेरणा के तौर पर दो शब्द लिख कर भेजेंगे।

धन्यवाद।

आपका-
रा. कु. २।३
रामेश्वर कुमावत
जिला अधिनायक

प्र.

तार : कांग्रेस

टेलीफोन : २३७१६

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवादल

१९, कैसरबाग, लखनऊ

पत्र संख्या बी/१६९

दिनांक ११ फरवरी, ६५

श्रद्धेय डाक्टर साहब,

श्री इनामदार जी लखनऊ होकर आसाम के दौरे पर ६ फरवरी को गए हैं। उनसे आपके स्वास्थ सम्बन्धी जानकारी मिली।

इस समय आपका स्वास्थ सन्तोषप्रद नहीं चल रहा है इसका हमें अत्यधिक दुख है ईश्वर से प्रार्थी हूं कि आपको स्वस्थ बनाए रखें ताकि आपका मार्गदर्शन हमें प्राप्त होता रहे। परमब्रह्म परमात्मा हम सबकी आयु के शेष दिन आपकी आयु में जोड़कर हजारों वर्ष तक आपको इस देश की सेवा के लिए बनाए रखें हमारी तो यही हार्दिक कामना रही है, है और रहेगी।

आपके आशीर्वाद की प्रतीक्षा में।

आपका विश्वासपात्र,

उ. प्र. तिवारी

(उमाप्रसाद तिवारी)

जी०ओ०सी०

माननीय डा० एन०एस० हर्डिकर,
संचालक
कांग्रेस सेवादल
कैम्प- घटप्रभा
मैसूर

कांग्रेस सेवादल
औरंगाबाद

138

आ० क्र
४६।६४

दि: ७-५-१९६४

अत्यंत जरूरी

प० पुज्य. श्री · डॉ· ना· सु० हर्डीकरजी के सेवामे

यहाँ पर. दि. ७ मई से १९ मई तक. म० प्र० कॉं: सेवादल संघ अधिकारीयोंका - शिबिर हो रहा है। आपको. ।इसके पुर्व. निमंत्रण पत्रिकाभी भेजीगई है।

आपको· हमारे. प्रदेश के दलपती द्वारा. निमंत्रण आयाही होगा. और आप आ रहे होंगे।

किन्तु. आपने. हमे. कुछ दिन पुर्व. एक आश्वासन भी दिया था की आप. औरंगाबादमें बडा कोई कार्यक्रम रखो तो मै जरुर जरुर आऊंगा तो आप. इस. शिबिर मे. आकर. हमे मार्गदर्शन करेंगे. ऐसी प्रार्थना है।

आपका मार्गदर्शन से नवयुवकोंमें बडा उत्साह प्राप्त होता है और युवकोंको आपका. मार्ग दर्शन होना भी आवश्यक है. कृपाया आप. जल्द लिखकर हमे· आकर मार्गदर्शन करेंगे-

To open cut here

13 ई (औरंगाबाद, मराठवाडा)

हमारे महाराष्ट्र ([redacted]) मह. शिविर प्रारम्भ हो रहा है। [redacted]

अतः आप. कब तथा कैसे आरहे हो सो त्वरित. तार द्वारा सूचना करें। कृपाया आपका इस शिविर मे आना अत्यन्त जरूरी. है। धन्यवाद!

आपका आज्ञाधारक.

जगन्नाथ खराटे

(जिल्हाधिनायक काँ.से.दा.)
औरंगाबाद.

पता: जगन्नाथ खराडे· M.A.
गुलमंडी. औरंगाबाद.

140

Grams : Mycongress
Phone : 23952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
P. B. NO. ~~36~~ 1932 BANGALORE-9

Date 2 - 5 - 1964

ಶ್ರೀಯುತ ಹಾರ್ಡೀಕರ್‌ಜೀ ರವರಿಗೆ,
ಅಖಿಲ ಭಾರತ [illegible]ಗಳು.
[illegible].

ತಮ್ಮ ತಾ 29 4. 64 ರ ಪತ್ರ [illegible]
[illegible] “[illegible] ಬುಲೆಟಿನ್” ಎಂದು ಪ್ರಕಟವಾಗುತ್ತಿದೆ.
[illegible]
[illegible] 100 ಪ್ರತಿಗಳನ್ನು [illegible]
[illegible] ಹಾಗು ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] “ಬುಲೆಟಿನ್”
[illegible]
[illegible]
[illegible] ಹಾಗು ದಳಸಂಘಟನೆ [illegible]
[illegible].

[illegible]
[illegible]
[illegible] 18. 19. ಕ್ಕೆ ಪ್ರಾಂತೀಯ ರಾಜಕೀಯ ಸಮ್ಮೇಳನದ [illegible]
[illegible]
Office Secretary [illegible]
ಬೆಂಗಳೂರಿನ [illegible] ನಗರ ಸಂಘಟಕ [illegible]
ದಳಸಂಘಟನೆ [illegible]
[illegible]
[illegible] ಶ್ರೀ. ಬಿ. ಬಿ. ನಂಜಪ್ಪ [illegible]
[illegible].

P.T.O

ಇವರು ಇನ್ನೂ ಹೊಂದಬೇಕು ಶಿಕ್ಷಣದ [illegible] ಬೇಕಾಗಿದೆ. [illegible] ಬಹಳ ಶಿಕ್ಷಣ ಇವರಿಗೆ ಆಗಿದೆ. ಇಂತಹ ಉತ್ತಮ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು. ಜಿಲ್ಲೆಯ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾರೆ.

ತಮ್ಮ ಶಿಬಿರಗಳು ನಡೆದಿದೆ ತಿಳಿಸಿ.

ತಮ್ಮ ಪತ್ರದ ಹಾದಿ ನೋಡುವೆ.

ಇತಿ ನಿಮ್ಮ ವಿಧೇಯ.

B. Rakke Gowda

First fold here

SENDER'S NAME AND ADDRESS

Mysore Pradesh Congress Committee
POST BOX No. 53
BANGALORE-9

CONGRESS SEVA DAL
9249/64
M. P. C. C.
P. O. BOX , BANGALORE.

4 MAY 64

Third fold here

To
Sri. Dr. N. S. Hardikar
Karnataka Arogya Dhama
GHATAPRABHA
Dist. Belgaum

INLAND LETTER
(NO ENCLOSURES ALLOW

पहले भाग के आगे (6)

उपरोक्त बातों से यह साबित है कि कांग्रेस सेवादल से कांग्रेस के अन्दर काफी झगड़ा उत्पन्न होता है।

(4) अगर कांग्रेस सेवा दल को इनसे भी ऊपर प्रगति उचित करनी है तो केवल पहले सेवादल को अधिकार पाने पर रहना पड़ेगा। यद्यपि यह अन्तर्गत कांग्रेस के है, परन्तु आफिस होने से बिलकुल स्वतंत्र हो ताकि कोई भी काम के लिये उन कांग्रेसियों की इजाजत आज्ञा के आगे झुकना न पड़े। क्योंकि हमारे लिये सभी समान हैं चाहे कोई भी अधिक का [illegible] हो। इस काम के लिये सेवक पहले हम कांग्रेस सेवादल का नाम बदलकर हम "हिन्दुस्थानी सेवादल" नाम रखकर अपनी

[illegible]

[illegible] | [illegible]

[illegible]

[illegible] चाहे जो [illegible]

[illegible] विचार हैं | इनका

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA 5 nP

DR. H. S. Hublikar.
C/o Shri K. D. Wenalekar
~~to Allu Hotel~~
B-22 Ganesh Prasad
10, Slater Road
Near Delhi
Near Delhi
BOMBAY. 7

Phone : 2400

Telegrams : Congress

Dharwar District Congress Committee

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲಾ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸಮಿತಿ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)

President : A. V. Kundargi
Gen. Secretary : H. B. Jangali

ಅಧ್ಯಕ್ಷ: ಅಂದಾನಪ್ಪ ವ್ಹಿ. ಕುಂದರಗಿ
ಪ್ರ. ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ : ಹನಮಂತಪ್ಪ ಭಿ. ಜಂಗಳಿ

14/4

Ref. No 390

Date ೨೭-೪-೧೯೬೪

ಹಿರಿಯರಾದ
ಶ್ರೀ ಹರ್ಡೀಕರರ ಅವರಲ್ಲಿ
ವಂದನೆಗಳು—

ಅಖಿಲ ಭಾರತ [illegible] [illegible] ಸೇವಾದಳದ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರ ಶಿಬಿರವು ಸಾಂಗ್ಲಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವದಾಗಿ ಕೇಳಿದ್ದೇನೆ.

ಆ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಸೇವಾದಳದ ಸಂಘಟನೆಯ ಬಗ್ಗೆ ತಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಸಮಾಲೋಚನೆ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿದೆ.

ನನಗೆ ಮೇ ತಿಂಗಳ ೫ ಅಥವಾ ೬ನೇ ತಾರೀಖಿಗೆ ಬರಲು ಅನುಕೂಲವಿದೆ. ತಾವು ಅಪ್ಪಣೆ ಇತ್ತರೆ, ಆ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಬರುವೆ—

ತಮ್ಮ
ಅಂದಾನಪ್ಪ

ಅಧ್ಯಕ್ಷ
ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲಾ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸಮಿತಿ
ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ.

PHONE : 23952 Grams : "MYCONGRESS"
CONGRESS SEVA DAL, MYSORE PRADESH
RACE COURSE ROAD, BANGALORE-9

Ref. Date 9-12-65
Camp: Bijapur

ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ. ವಂದನೆಗಳು

ತಮ್ಮ ಕಡೆಯಿಂದ ಇತ್ತೀಚಿಗೆ ಪತ್ರಗಳೇ
ಬರಲಿಲ್ಲ. ತಮ್ಮ ಆರೋಗ್ಯ, ಹೇಗಿದೆ ತಿಳಿಸಿರಿ. ನಾನು ಈಗ ಸಂಚಾರದ
ನಿಮಿತ್ತ ವಿಜಾಪುರಕ್ಕೆ ಬಂದಿದ್ದೇನೆ. ಇದೇ ತಿಂಗಳು
26ರಂದು; ದಳ ದಿನಾಚರಣೆಯನ್ನು /ವಾರದಲ್ಲಿ ವಿಜೃಂಭಣೆ
ಯಿಂದ ಆಚರಿಸಲು ಜಿಲ್ಲಾ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ಸಿನವರು ನಿರ್ಧರಿಸಿದ್ದಾರೆ
ತಾ. 26-12-65ರಂದು ಸ್ಥಳೀಯ ಪತ್ರಿಕೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟವಾಗಲು
ಸೇವಾದಳ [illegible] ತಮ್ಮ ಸಂದೇಶ ನಮಗೆ ಬೇಕಾಗಿದೆ

ತಿಳಿದುಂಬು ಅವರ್ ಹಿರಿಯ ಪುತ್ರ ಶಂಕ
ರಗೌಡರ್, ಬಿಜಾಪುರ. ದಿ:--- ಅವರಿಗೆ
[illegible] ನನಗೆ ತಮ್ಮ [illegible] ಶಿಕ್ಷಣ
ದ ಶಿಬಿರ [illegible] ಅನುಸಂತೆ. ಅವಸ್ಥ
ದಾಖಲಿಯಬಲೆ

ತಮ್ಮವ
B. Rakkhegowda

ಶ್ರೀ. ನಾ. ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ್
ಸಂಚಾಲಕರು
ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಳ
ಕರ್ನಾಟಕ ಆರೋಗ್ಯಧಾಮ
ಘಟಪ್ರಭ
GHATA PRABHA
ಜಿ||: Belgaum.

ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ವಾರ್ಷಿಕೋತ್ಸವ ವಿಜಾಪುರ

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳು

೨೬-೧೨-೬೫ ಮುಂಜಾನೆ ೮-೩೦ಕ್ಕೆ ಧ್ವಜ ವಂದನೆ.
ಸ್ಥಳ:- ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಭವನದ ಎದುರು
ಸಂಜೆ ೭-೦೦ಕ್ಕೆ ನಾಗರೀಕ ರಕ್ಷಣೆ ಬಗ್ಗೆ ಚಲನಚಿತ್ರ ಪ್ರದರ್ಶನ
(ಜಿಲ್ಲಾ ವಾರ್ತಾ ಇಲಾಖೆಯವರಿಂದ)
ಸ್ಥಳ:- ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಭವನದ ಎದುರು

೨೭-೧೨-೬೫ ಸಂಜೆ ೪ರಿಂದ ೬ರ ವರೆಗೆ ಭಾಷಣ ಸ್ಪರ್ಧೆ
ಸ್ಥಳ:- ಗವ್ಹರ್ನಮೆಂಟ ಅಗ್ರಿ. ಹೈಸ್ಕೂಲ ಗ್ಯಾಲರಿಹಾಲ

೨೮-೧೨-೬೫ ಸಂಜೆ ೪ರಿಂದ ೬ರ ವರೆಗೆ ಲೇಖನ ಸ್ಪರ್ಧೆ
ಸ್ಥಳ:- ಗ. ಅಗ್ರಿ. ಹೈಸ್ಕೂಲ ಗ್ಯಾಲರಿಹಾಲ

೨೯-೧೨-೬೫ ಮುಂಜಾನೆ ೯ರಿಂದ ಶ್ರಮದಾನ (ನಗರದ ಕೆಲವು ರಸ್ತೆ ಸ್ವಚ್ಛತೆ)

೩೦-೧೨-೬೫ ಮುಂಜಾನೆ ೮-೩೦ ರಿಂದ ಕ್ರೀಡಾ ಸ್ಪರ್ಧೆ
ಸ್ಥಳ:- ಗ. ಅಗ್ರಿ. ಹೈಸ್ಕೂಲ ಮೈದಾನ

೩೧-೧೨-೬೫ ಮುಂಜಾನೆ ೮-೩೦ ರಿಂದ ೧೨ರ ವರೆಗೆ ಗಾಯನ ಸ್ಪರ್ಧೆ
ಸ್ಥಳ:- ಗ. ಅಗ್ರಿ. ಹೈಸ್ಕೂಲ ಗ್ಯಾಲರಿಹಾಲ
ಸಂಜೆ ೬-೩೦ಕ್ಕೆ ಮನೋರಂಜನೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ
ಸ್ಥಳ:- ರತ್ನಕಲಾ ಮಂದಿರ

೧-೧-೬೬ ಸಂಜೆ ೬-೩೦ಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭ, ಬಹುಮಾನ
ವಿತರಣೆ ಮತ್ತು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸಭೆ
ಸ್ಥಳ:- ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಭವನದ ಎದುರು.

ಸರ್ವರು ನಮ್ಮ ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳಿಗೆ ಆಗಮಿಸಿ ನಮ್ಮ ಸಪ್ತಾಹವನ್ನು ಯಶಸ್ವಿಗೊಳಿಸಲು ಸಹಕರಿಸಬೇಕಾಗಿ ವಿನಂತಿ.

ತಮ್ಮ
ಎನ್. ಎಮ್. ಮಠ
ಜಿಲ್ಲಾ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ ಸಂಘಟಕ.

ವಾರ್ಷಿಕೋತ್ಸವ ಪ್ರಚಾರ ಸಮಿತಿ ಸಂಚಾಲಕರಾದ ಶ್ರೀ V. B. ನಾಯಕ M. A. ಇವರಿಂದ ಉತ್ಸವ ಸಮಿತಿ ಪರವಾಗಿ ಪ್ರಕಟಿಸಲಾಗಿದೆ.

[ಶ್ರೀ ಸುದರ್ಶನ ಪ್ರೆ. ವಿ.]

श्री

[illegible] नायगाव

कॉंग्रेस सेवादल

बा क ना. (महाराष्ट्र)

11/6

२ ८।१९६५

परम पूज्य - श्री डॉ. ना. सु. हर्डीकरजी.
संचालक, सेवादल.

स. नमस्कार

आपणांस कार्यक्रम पत्रिका पाठविली होती. आता (१९६५) ~~फ~~ [illegible] पाठवित आहोत. कृपया नोंद घ्यावी.

कार्यक्रम [illegible] झाले. [illegible] १९४८/१००८ चे [illegible] या वर्षी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ९० [illegible] किमतीचे [illegible] [illegible] [illegible] २ रु. किमतीचे फोटो देण्यात आले. [illegible] [illegible] भोजन [illegible] आहेत. [illegible] पत्रोत्तर देणे ! इत्यलम्.

~~आपला [illegible]~~

जिल्ह्याचा अधिकारी

पत्ता

[illegible]

नायगाव

[illegible]

(१९६३) 147

इस वर्षा मे निम्नलिखित नेताओ की सेवादल मे भेट;

१) श्री. वसंतराव नाईक,	मुख्य मंत्री महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
२. श्री. शंकरराव चव्हाण.	विद्युत मंत्री महाराष्ट्र राज्य , मुंबई.
३. श्री. कल्याणराव पाटील	उपगृह मंत्री महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
४. श्री. बॅ. जी.डी. पाटील.	व्यापार व उद्योग मंत्री महाराष्ट्र राज्य मुंबई.
५. श्री. विनायकराव पाटील.	प्रांताध्यक्ष कॉंग्रेस कमिटी, महाराष्ट्र राज्य.
६. श्री. बाळासाहेब पवार.	जिल्हा कॉंग्रेस अध्यक्ष.
७. श्री. आनंदीराम कुमठ.	दलपति महाराष्ट्र कॉं. सेवादल.

और श्री. ज.दा. इंगळे , जगन्नाथ खटोड, मोहनलाल गोलेच्छा. श्रीपतराव. बाबूलाल दायमा डॉ. ठक्कर, कुरेशी साहाब, धाकलेश्वरजी, कचरूलाल आग्रवाल. दुर्गा सेठ, श्यामलालजी तथा शहराध्यक्ष कार्यकर्ता थे.

---

(१) श्री. कैलासचंद्र माखीजा (जो गये तीन वर्षो से आप हाजरी मे प्रथम आरहे है.)

(२) श्री. विष्णू शिंदे व उत्तम शिंदे (इस वर्षा हजरीमे प्रथम.)

(३) श्री. हनुमानदास आग्रवाल, मांगीलाल मालाणी (आप अच्छे स्पिकर है.)

(४) श्री. प्रकाश पहाडे , अशोक लव्हाडे, ओमप्रकाश मंत्री, कचरूलाल आग्रवाल,उत्तम [illegible]
(सर्वांगीण खिलाडी.)

(५) सेवादल के कार्य मे तत्पर १- श्री. चंद्रप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश जयस्वाल, विजय कुमार पंडीत, ज्ञानदेव पायगव्हाणें, सखाराम चव्हाण आदि.

(६) सेवादल के कार्य को सफल बनाने मे श्री. रामदयाल झांवर , सुभाषचंद्र देविदान, चंद्रप्रकाश शर्मा, रमेशचंद्र खंडेलवाल, रमेश लाला आदी.

(७) श्री सुंदरलाल पाटणी [illegible]

मंत्री,

चंद्रप्रकाश एम्. शर्मा.

संचालक
काँग्रेस सेवादल
[illegible] (महाराष्ट्र)

कॉंग्रेस सेवादल जालना. (महाराष्ट्र)

१९६५ का वार्षिक रिपोर्ट.

केन्द्र, जालना.

दि. २६-१२-६५.

जनवरी :- ता. २३ को सुभाष जयंती मनाई गयी. ता. २६ को भारतीय गणतंत्र दिन मनाया गया. ता. ३० को महात्मा गांधी पुण्यतिथी मनाई गयी. इस कार्यक्रम को बालासाहाब पवार, जिल्हा कॉंग्रेस अध्यक्ष उपस्थित थे.

फरवरी :- ता. ३ को महाराष्ट्र राज्य के उपमंत्री श्री. बैं. बी.डी. पाटील के नेत्रत्वमें एक छोटासा संमेलन . ता. ५ को महाराष्ट्र राज्य के विद्युत मंत्री श्री. शंकररावजी चव्हाण का खादी भंडार मे बौध्दीक . ता. १२ को महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल व्दारा ७ माही बैठक बुलाई गयी थी. उसमे भाग लेने हेतु श्री. पुखराजजी ~~[illegible]~~ जैन रमेशचंद्र खंडेलवाल, व रामबिलास काब्रा पुणा गये थे. ता. २२ को पुज्य कस्तुरबा पुण्य तिथी मनाई गयी.

मार्च :- ता. ५ को जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल के अधिनायक श्री. जगन्नाथजी सराटे का बौध्दीक निरक्षण ता. १४ को अखील भारतीय नभोवानी मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की औरंगाबाद में भेट व ग्रुप फोटो. ता. २८ को जिल्हा अधिनायक श्री. जगन्नाथजी सराटे व्दारा एक गायन क्लास व तैरनाका क्लास लिया गया. जिसमे १९ - सैनिकोने भाग लीया था.

एप्रिल :- ता. ४ को शहर मे आग लगनेसे सेवादल व्दारा मदत. ता. १८ को सेवादल में बौध्दीक.

मई :- ता. ७ को डॉ. हर्डिकर जन्म दिवस मनाया गया.ता. १८ को श्री. विजय कुमार पंडीत के नेत्रत्वमें एक तुकडी १२ लोगोंकी हैद्राबाद देखने गयी.हैद्राबाद रहने की व भोजन व्यवस्था यहाँ के प्रसिध्द व्यापारी श्री. दुर्गाप्रशादजी के व्दारा की गयी.ता.२७ को सेवादल में नेहरू पुण्यतिथी मनाई गयी.

जुन :- ता. १० को महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल का एक ट्रेनिंग कॅम्प घोरपडी जिल्हा पुने में हुआ उसमे भाग लेने हेतु यहाँके ११ स्वयसेवक गये थे. ता. २३ को महाराष्ट्र कॉंग्रेस कमिटीका राहोरी शिबीर हुआ उसमे भाग लेने हेतु यहाँसे श्री. पुखराजलाल जैन गये थे.

जुलै :- ता. १ को सेवादल मे बौध्दीक ता. १५ को श्री. रामकिसन दायमा नगराध्यक्ष व चांदमलजी पाटणी व्दारा सेवादल का निरीक्षण .

आगष्ट :- ता. १ को लोकमान्य पुण्यं तिथी मनाई गयी ता. १५ को स्वतंत्र दिन मनाया गया.

सितंबर :- ता. ६ को पाकीस्तान आक्रमण सुनतेही जालना कॉंग्रेस सेवादल व्दारा श्री. लालबहादुर शास्त्री को तार जिसमे १०० सैनिक भेजनेका अश्वासन .ता. १२ को जिल्हा कॉंग्रेस कमिटीने औरंगाबाद में निकाले जुलुस मे भाग लेने हेतु छे सैनिक रवाना. ता.१६ को शहर कॉंग्रेस कमिटी व्दारा एक विशाल जुलुस निकाला गया. जिसकी जम्मेदारी सेवादल पर थी. ता. १८ को महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल के दलपति श्री. आनंदीरामजी - कुमठ का दौरा.व मार्गदर्शन. ता. ३१ को

...... ता. २७ को श्री. शास्त्री व्दारा सेवादल को धन्यवाद.ता. ~~[illegible]~~ गुजराथ के मुख्यमंत्री को बळवंतराय मेहता को सेवादल व्दारा श्रध्दांजली.

आक्टोबर :- ता. २ को महात्मा गांधी जन्म दिवस व लालबहादुर शास्त्री जन्म दिवस मनाया गया. ता. १८ को, भारत के भाग्यविधाता श्री. शास्त्री औरंगाबाद पधारे थे जिसमें सेवादल के ३० स्वयंसेवक थे. ता. २१ को शहर में शांतता तुकडी का निर्माण की गयी थी.

नोव्हेंबर :- १४ नोव्हेंबर को नेहरू जयंती मनाई गयी. जिसके अध्यक्ष महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री श्री. वसंतराव नाईक थे. साथ में कल्याणराव पाटील व शिवाजीराव पाटील कार्यक्रम को उपस्थित थे. ता. ~~क~~ २४ को महाराष्ट्र प्रदेश कौंग्रेस - सेवादल के संघटक श्री. ज.दा. इंगळे व्दारा निरीक्षण व नंदापूर केन्द्र का - उदघाटन ता. २८ को बौध्दीक.

डिसेंबर :- ता. १५ को श्री. सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथी मनाई गयी.ता. २२ को महाराष्ट्र ~~काँग्रेस--सेवादल~~ कॉंग्रेस सेवादल कॅलेन्डर का उदघाटन विश्वनाथ - खेडकर के हस्ते. साथ मे कवि प्रशान्त की कवितायें. ता. २३ को सेवादल व्दारा नगराध्यक्ष भक्कडजीका स्वागत. ता. २६ को सेवादल जन्म दिवस मनाया गया. जिसकी कार्यक्रम पत्रीका अहवाल के साथ है.

मंत्री अधिनायक.

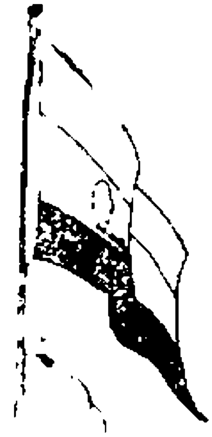

४२ वाँ जन्म दिवस काँग्रेस सेवादल

ता २६ डिसेंबर १९६५

-: कार्यक्रम :-

प्रभात फेरी	सुबह ६ बजे
ध्वजवंदन (हस्ते सौ. भानुमती नानावटी) उपाध्यक्ष नगरपालिका	सुबह ९ बजे
प्रतिज्ञा, क्रीडास्पर्धायें (हस्ते श्री प्र. ह. ठक्कर) कोषाध्यक्ष श. कॉं. कमेटी	सुबह ९-३० बजे
बौद्धीक (डॉ. श्री. भा. ध. आगटे)	दोपहरके २ बजे
वार्षिक सम्मेलन (हस्ते श्री फुलचंद भक्कड) अध्यक्ष, नगरपालिका	दोपहरके ४ बजे

कार्यस्थलः- छोटी राष्ट्रीय हिन्दी विद्यालय,
पुराना मोंढा - जालना.

जय–हिंद !

श्रीमान / श्रीमती ____________________

जालना कांग्रेस सेवादल का ४२ वां. जन्मदिवस
ता. २६ डिसेंबर रविवार को ठीक दोपहरके ४ बजे

❀ श्री. फुलचंदजी भक्कड ❀

बी. एस. सी., एल. एल. बी.
(अध्यक्ष, नगरपालिका, जालना.)

के शुभ हस्तें मनाया जारहा है। और साथमें उनका "सत्कार" भी किया जायगा, कृपया समयपर उपस्थित रहकर कार्यक्रम शोभा बढाये' जयहिंद।

आपके विनम्र.
रामदयाल झंवर
अधिनायक

सुभाषचंद्र देविदान
संगठक

ज्ञानदेव पायगव्हाणे
स. संगठक

सखाराम चव्हाण
स. संगठक

रमेशचंद्र खंडेलवाल
शिक्षक

चंद्रप्रकाश शर्मा
मंत्री

प्रकाशचंद्र पहाडे
केंद्रनायक

मनोहर अग्रवाल
केन्द्रनायक

—» संतोष प्र. जालना.

बक्षीस - सूची (१९६५)

154

कांग्रेस सेवादल जालना

अच्छी हाजरी	(१)	कैलासचंद मारवाडा		([illegible]) Rs.	10
	(२)	विष्णु सिन्दे		(")	5
	(३)	उत्तम सिन्दे		(ड्रेस २)	5
सेवादल परीक्षा	(४) (१)	ओमप्रकाश मंत्री		(ड्रे)	
	(५) (२)	ओमप्रकाश जैस्वाल		(जोडु)	
गीतावली १०० से ज्यादा	(६) (१)	हनुमान अग्रवाल		(")	
स्लो सायकल	(७) (१)	पंकज जोरव		(")	
रनिंग (ब ग)	(८) (१)	रमेश तवरेवाला	I	(ड्रे)	
	(९)	प्रकाश पहाडे	II	(तावलु)	
	(१०)	मनोहर अग्रवाल	III	(जोडु)	
रनिंग छोटा गट	(११)	उत्तम चितलकर	I	(जोडु)	
	(१२)	हिरालाल	II	(पुस्तक)	
चमच रेस	(१३)	अम्बादास	I	(जोडु)	
हस्ताक्षर	(१४)	अशोक शर्मा	I	(ड्रे)	
	(१५)	चन्द्रप्रकाश शर्मा	II	(जोडे)	
हस्ताक्षर (छोटा गट)	(१६)	नंदलाल भरतिया	I	(पेन)	
	(१७)	बसंत भरतिया	II	(जोडे)	
दंगल बडा गट	(१८)	जयचन्द अग्रवाल	I	(ड्रे)	
	(१९)	ओमप्रकाश मंत्री	II	(पुस्तक)	
दंगल (छोटा गट)	(२०)	नरहरी खवडेकर	I	(पेन)	
	(२१)	विजय कहाडे	II	(पुस्तक)	
खो-खो (बडा गट)	(२२)	सुभाष पालीवाल	I	(जोडे)	
	(२३)	सुन्दरलाल पाटणी	II	(जोडे)	
खो-खो (छोटा गट)	(२४)	रमेश राठी	I	(पेन)	
	(२५)	ओमप्रकाश शर्मा	II	(")	
	[illegible]	[illegible] मंत्री	III	(")	

'55 **कॉंग्रेस संवादक**
बा.क.मा. (महाराष्ट्र)

फुटबॉल :-	(२७)	सुभाष देवीदान	I	(डबा)
	(२८)	रमणलाल सेवाराम	II	(लोटा)
कॉंग्रेस गेम :-	(२९)	श्याम पितळूर	I	(ट्रे)
	(३०)	रमेश राठी	II	(डबा)
	(३१)	ओमप्रकाश मंत्री	III	(लोटा
	(३२)	श्याम सिंदे	IIII	(पुस्तक
अच्छा दस्ता :-	(३३)	श्याम पीपाडा		(ट्रे)
	(३४)	नंदलाल भरतीया		(ट्रे)
	(३५)	प्रल्हाद कामड		(लोटा)
	(३६)	सत्यनारायण धीवाला		(लोटा)
	(३७)	रमेशचन्द्र राठी		(")
	(३८)	रामप्रसाद दहाड		(")
	(३९)	कैलास तवरेवाला		(")
	(४०)	सुरेश सेठिया		(")
	(४१)	बाबु बांठिया		(")
व्यक्तीगत	(४२)	दीपक जोशी		(पुस्तक)
	(४३)	ज्ञानदेव पायगवाने		(ट्रे)
	(४४)	सखाराम चव्हाण		(लोटा)
	(४५)	विजय पंड्या		(ट्रे)
	(४६)	रमेश खंडेलवाल		(लोटा)
	(४७)	कैलास आलवाला		(")
	(४८)	रमेश शर्मा		(")
	(४९)	अशोक गावलानी		(")
	(५०)	सुभाष काला		(")
	(५१)	श्रीरंग सिन्दे		(पेन)
	(५२)	प्रल्हाद कामड		(तबक)
	(५३)	सुन्दरलाल गायवानी		(लोटा)

प्रश्न १.:- गत १२ वर्षों में जबकि हम आजाद हुये थे, सेवादल को कहां तक सफलता मिली है . क्या आप इससे संतुष्ठ हैं .?

म. गांधी के प्रेरणा व कांग्रेस के अथक् प्रयासों से हम १५ अगस्त ४७ को स्वतंत्र हुये . आजादी से पूर्व सेवादल ने भी यथाशक्ति स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये अपनी आहुति दी, उस समय सन्४२ में करो या मरो के नारे ने जो क्रांती का शंख फूंका था वह नारा सेवादल के प्रत्येक साथी के केलिये जीवन मरण का प्रश्न बन गया व कांग्रेस द्वारा चलायेजा रहेसत्याग्रहों में भाग लेकर अपना कर्तव्य पूरा करने में तनिक भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई . उस समय म. गांधी व हृदय सम्राट श्री नेहरु के आशीर्वाद व डॉ० हर्डीकर सा. की प्रेरणा व इनामदार जी की कार्य कुशलता से सेवादल अपने लक्षय में खरा उतरा ।.

सन्४७ के बाद कांग्रेस के साथ ही हमारा ध्येय व कार्यक्रम भी बदला क्योंकि हमारी मूल संस्था कांग्रेस है . व उसी के उद्देश्यों को पूर्ण करना हमारा पहला काम है .

कांग्रेस के प्रत्येक कार्यक्रमों कोअमल में लाते हुवे जनता तक पहुंचाने के अतिरिक्त सेवादल ने और भी अनेक कार्य हाथ में लिये हैं व उसमें सेवादल को सफलता अवश्य ही मिली है . सेवादल के द्वारा बालक, बालिका, कुमार कुमारियां व युवक युवतियों के केन्द्र व शिबिर के माध्यम से योग्य, सचारित्र शिक्षित् अनुशासित, नागरिकता का जो पाठ सिखाया जा रहा है . वह अन्य संगठनों में नहीं के बराबर है . यदि यह कहा जाय कि सेवादल नई पीढी के लिये, विश्व को नई राह दिखाने वाला प्रकाश स्तंभ साबित होगा तो यह गलत नहीं होगा . सेवादल के कार्यकर्ता हर क्षेत्र में हर संभव तरीके से स्वराज को सुराज में बदलने के लिये दृढ प्रतिज्ञहै . यह हर्ष की बात है कि हमें सफलता मिल भी रही है . लेकिन ४७ के पूर्व का चित्र देखते हुये संतोष नहीं है . मुझे लगता है कि कहीं न कहीं कोई बुनियादी गलतीहोरहीं

प्रश्न २:- इससे अच्छा क्या कुछ हो सकता था और कैसे ?

सेवादल संगठन का जो वर्तमान रूप चल रहा है. इससे बहुत अच्छा हो सकता था . और अब भी हो सकता है मेरे विचार इस बारे में निम्न हैं:

आजादी के पूर्व कांग्रेस में अेक ही श्रेणी के कार्यकर्ता थे , कोई छोटा बड नहीं था . कार्यकर्ता आपस में परिवार की तरह रहते थे . समय आने पर सेवा कार्य में स्वयंसेवकों की तौर पर कार्य करने में हिचकिचाते नहीं थे आज दो श्रेणी हो गई , सेवा करने वाले लोगों की पंक्ति ही अलग नजर आने लगी है . सेवादल को केवल गुलदस्ता ही समझा गया . आवश्यकता के समय काम में लिया व फिर फेंक दिया गया . आज फिर यह संगठन अपना विशाल

रुप धारण कर सकता है . आपस में प्यार व भातृभाव की आवश्यकता है . आज जो अपने को पुश्तैनी तौर पर नेता मान रहे हैं वे स्वयं सेवक रहकर कार्य करेंगे तो वे खुद ही खुद नेता बन जावेंगे. ४७ के पूर्व परेशानी व झंझट थी. परिश्रम करने पर ही इज्जत मिलती था . सभी के दिल में स्वयंसेवकों के प्रति हमदर्दी होती थी. बडे से बडा नेता यहां तक की पं. नेहरू पंतजी, व सुभाषबाबू ने भी स्वयंसेवक शिविर में रहकर ट्रेनिंग प्राप्त की. आज स्वयंसेवक शिक्षण का उपहास किया जाता है . दिन रात परिश्रम करने वाला स्वयंसेवक भूखा रहता है व शौकिया राजनीतिज्ञ मौज करते हैं .

संगठन को मजबूत करने के लिये आवश्यक है कि कार्यकर्ताओं में कोई श्रेणी भेद नहीं होना चाहिये . इसके लिये कांग्रेस हाय कमांड का सरक्यूलर जारी करना पर्याप्त नहीं है . इसके लिये आवश्यक है कि सक्रिय कार्यकर्ताओं का अेक ट्रेनिंग केम्प हो व शिक्षण के व्दारा ही बुनियादी गलती को दूर करने का प्रयत्न किया जावे तो संगठन विस्तृत हो सकेगा ।

प्रश्न ३ :- क्या सेवादल अपने पितृ संगठन कांग्रेस की संतोषजनक सेवा करने में समर्थ हुआ है ?

सेवादल अपने पितृ संगठन कांग्रेस की सेवा जबसे सेवादल का जन्म हुआ तभी से करता आया है . आजादी मिलने तक सेवादल कार्यकर्ताओं ने जिस उत्साह व जोश से कार्य किया है वह किसी से भी छिपा नहीं है. सभी क्षेत्र में सेवादल के कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की बाजी भी लगादी , हिन्दु मुस्लिम अेकता को कायम रखने में अहमदाबाद के दो सेवादल के नवयुवकों ने अपने आपको होम दिया अैसे कई उदाहरण प्रस्तुत किये जा सकते हैं .

आजादी के बाद परिस्थिति बदली-कल के ब्रिटिश सरकार के जी हजूर आज कांग्रेसी नेता बिना किसी परिश्रम के बनगये - पुराने सेवादल के स्वाभिमानी कार्यकर्ता वही स्थिति में सेवा का बाना पहिने हुवे इसलिये बने रहे कि , कभी तो उनकी सेवाओं का मुल्यांकन किया जावेगा ।

आज सेवादल का कार्य चल रहा है । लेकिन यदि हम पुरानी तस्वीरको देखें तो हम अवश्य ही परिवर्तन महसूस करेंगे यदि कटु सत्य कहने के लिये क्षमा किया जावे तो मैं कहूंगा कि आजादी मिलने के बाद हमारे कार्य में थोडा ढिलाई आ गई है . संख्या की दृष्टि से न देखते हुये प्रकार की दृष्टि से देखना है . सेवादल के स्वयंसेवकों से जिस ढंग से कांग्रेस के कार्य करने की अपेक्षा की जाती है वह नहीं हो पाता है कि कांग्रेस के नेताओं का सेवादल के स्वयंसेवकों के साथ सहयोग नहीं होता है . इसलिये ही संतोषजनक कार्य नहीं होता है . सेवादल के कार्यकर्ता कांग्रेस के कार्य के प्रति सजग है व अपनी योग्यता के आधार पर सभी क्षेत्र में कांग्रेस संगठन का कार्य संतोषजनक कर रहे हैं

प्रश्न ४:- विश्व की प्रगति के साथ साथ चलने में क्या करना चाहिये ?

यह निर्विवाद सत्य है कि विश्व की प्रगति के साथ साथ यदि हम चलने में सक्षम नहीं हुवे तो हम पिछड़ जाते ये, और जो अेक दफा पिछड़ गया है वह बहुत ही मुश्किल से उठ पाता है . आज यदि हम देखे तो विश्व में शस्त्रों की होड़ लगी है कि कौन सबसे अधिक शक्तिशाली शस्त्र बनाता है. यही प्रतिस्पर्धा है . बात शान्ति की है व तय्यारी युध्द की जाती है . यदि हम इसे ही प्रगति करेंगे तो निस्सन्देह हम पिछड़ गये हैं . लेकिन यहाँ उल्लेख करना आवश्यक है कि प्राचीन भारत के मनीषियों ने जिस अहिंसा रूपी शस्त्र का निर्माण किया . जिसे अशोक, हर्ष महावीर व गौतमबुध्द व गांधी ने प्रयोग किया और वह शस्त्र अपनी दिशा में सफल सिध्द हुवा . हमें इस कार्य के हेतु संगठन को कांग्रेस के मातहत रखकर ही कार्य करने में विश्व प्रगति के साथ बढने में सफलता प्राप्त हो सकेगी.

आपका-

(गजानंद वर्मा
प्रदेशीय संगठक
मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवा ,
कैम्प :- उज्जैन (म.प्र.)

शि०द०जैन
२२.६.

dr. j. n. gauta ● deepak-14, pedder road, bombay-26 ● b. phone : 369994
126/c, dr. annie besant rd., worli, bombay-18 w.h. phone : 374821

७ मई १९६८.

डा० हार्डिकर के ७८ वें जन्म दिवस पर मेरी तथा [illegible]
[illegible] से [illegible] स्वीकार करें।

ज.ना.गौतम

काँग्रेस सेवादल - नागपूर जिल्हा

जैन मंदिर, जुनी शुक्रवारी ~~[illegible] भवन,~~
~~इतवारा~~, नागपूर.

निर्देश क्रमांक ५७....

दिनांक..५/.५....१९६६.

आज दि. ६-५-६६ ला सायंकाळी ८ वाजता नागपूर जिल्हा काँग्रेस सेवादलाच्या अधिकाऱ्यांची व सैनिकांची बैठक होऊन बैठकीत पूज्य डॉ. ना. सु. हर्डीकरजी यांच्यासाठी आयु-आरोग्य लाभण्यासाठी प्रार्थना करण्यात आली. अध्यक्षस्थानी महाराष्ट्र दैनिकाचे सहसंपादक श्री. अशोक बादड होते.

डॉ. साहेबांच्या मार्गदर्शनाचा लाभ सेवादलास लाभो. त्यांना उदंड आयुष्य लाभो व त्यांनी घालून दिलेल्या सेवादल मार्गास असंख्य तरुण लावण्याची शक्ती ईश्वर आम्हास देवो हीच ईश्वरचरणी मंगलप्रार्थना.

प्रती -
पद्मभूषण पूज्य डॉ. हर्डीकरजी
'घटप्रभा'
यांचे चरणी सादर

विनीत
मधुकर भुसारी
संघटक, जिल्हा सेवादल.

प्रेषक - डॉ. एम. टी. भुसारी एम.बी.बी.एस.
संघटक काँग्रेस सेवादल नागपूर जिल्हा

राष्ट्रीय विचार का एकमेव हिन्दी–मराठी मासिक

सेवादल संदेश

प्रधान सम्पादक – बृजकिशोर चांडक
सम्पादक – तानाजी पंडित

संचालक – विठ्ठलराव अंकलवार
व्यवस्थापक – हरीश भांडारकर
चित्रा टाकीज के पास,
नागपुर – २

क्रमांक १११

दिनांक ११।५।६८

परम पूज्य डॉ. सा.

साष्टांग दण्डवत्.

आपण ८० व्या वर्षात पदार्पण केलात, या बद्दल आपले अभिनंदन. म आपणास उदंड आयु देवो आणि स्वस्थ, सुखी समृद्धशाली जीवन लाभो ही परमेश्वरा जवळ प्रार्थना.

सेवादल संदेशचा पुढील अंक नेहरू स्मृति विशेषांक प्रकाशित करणार आहे. तरी आपण आपली सम्मति आणि पंडितजी विषयी एखादी आठवण प्रकाशनार्थ पाठवावी ही विनंती.

आपला
हरीश भांडारकर
संपादक

नागपूर

ले. २।६।६८

सेवा दल संदेश
(हिन्दी–मराठी)
मासिक

चित्रा टाकीज के पास
नागपुर-२

162–

दिनांक २३।५।६८

पुज्य डॉ सा०

सादर दण्डवत.

आपले पत्र आजच मिळाले, आपल्या आशीर्वादाचे दोन शब्द वाचून माझे जीवन सफल झाले. आपली अमूल्य वाणी आणि आशीर्वादात्मक शब्द प्रथमच [illegible] वाचून मन आनन्दीत झाले. नागपूर येथे सेवादलाचे महत्वपूर्ण कार्य मासिक ध्वज वंदन शुरु आहे. अध्ययन वर्ग शुरू करण्याचे विचार आहे तसेच "सेवादल संदेश" पत्रिका चालू रहावे त्या करीता आपले आशीर्वाद पाहिजे. आम्ही सर्व स्वस्थ

आणि सुखी आहात. 163
आपणा पण स्वस्थ आणि सुखी
रहावे ही परमेश्वराजवळ प्रार्थना

आपला
हरीश मोडारकर
संघटक
का: संवाद व नागपूर
शहर (जिल्हा)
[illegible]
नागपूर

23 MAY 1967
NAGPUR

NEW DELHI

पूज्य. डॉ. ना. सु. हर्डीकर
मु. पो. घटप्रभा
जि. बेळगाव
(मैसूर राज्य)

164

Phone : GA[illegible]ATI–3174 Tel. : CONGRESS—Gauhati.

Assam Pradesh Congress Committee

(CONGRESS SEVA DAL)

Congress Bhawan,
Gauhati—3.

Ref. ASD/CRP/TRN/1728

Date 15. 6. 1967.

Much respected Dr.Hardikerji,

May it please you to know that a long cherished desire of Congress Seva Dal workers of Assam is going to be fulfilled. We are out to hold the Pradesh level training camp from June 18 to July 2, 1967 at 'SEVA-MANDIR', Ulubari, Gauhati, with a view to laying a solid foundation of the Seva Dal organisation in the region.

The important step in rejuvenating the Congress Seva Dal organisation in Assam is the conducting of this Pradesh level training camp after a long time, in which the best representatives of almost all the plains and Hills districts will participate and receive training for organisational work. The training over, these youths shall be in a position to gear up Seva Dal work in their own districts.

I do not exactly know whether I am over ambitious If I request you to visit our camp, Gauhati, any day at your convenience during the training period. Such a visit will really give the historic touch to the camp it needs, and surely, the pioneers going out of the camp will feel many times stronger for that. If there is any hope, I shall move the local leaders for doing the needful. If, however, there is no chance of such a visit, I would request you kindly to send us your kind message, by which Dal workers will certainly be immensly inspired. Please excuse me if I have given you trouble by addressing you these humble lines.

With my kindest regards.

Yours sincerely,

R Chakravarty

(Rabindra Chakravorty).
G.O.C

To
Dr. N.S. Hardiker,
Sanchalak, Congress Seva Dal,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgum (Mysore).

Phone : GAUHATI—74

Tel. : CONGRESS—Gauhati.

Assam Pradesh Congress Committee

Congress Bhawan,
Gauhati.

Ref ASI/CRP/AICC/2095

(CONGRESS SEVA DAL)

Date 27. 10. 67.

Much respected Hardikerji,

I may submit ~~here~~ with a copy of my brief 'Note on organisation' for your kind perusal and necessary action in this regard, which I submitted to our beloved leader Shri U.N. Dhebar Bhai, Shri G.M. Inamdar, All India Organiser, and the General Secretary, AICC etc. on the occasion of his auspicious visit of Assam, in connection with the Congress organisation

So, I fervently hope, that you will do the best in this regard for the interest of our Dal organisation which is now in a neglected and most helpless condition. Namaskar.

With my kindest regards.

Yours sincerely,

(Rabindra Chakravorty)
G.O.C.

To
Dr. N.S. Hardiker,
Sanchalak,
Congress Seva Dal.

ongress Bhawan, Gauhati-3.

Dated. September 28, 1967.

NOTES ON ORGANISATION

Dear friend,

It is indeed a matter of proud privilege for us, the Seva Dal workers of Assam, to get this opportunity of meeting you. I humbly put before you the following few lines for your consideration and request your utmost attention for strengthening the SEVA DAL organisation in this strategic state, threatened by external aggression on its borders and by internal disruption within. We feel the Seva Dal has a vital role to play in preserving National Unity and giving the people the ideological force to defend the foundation of our secularism, democracy and socialism.

There is certainly a change in the Congress atmosphere after the General Election. The Seva Dal has to think for itself about the role it can play in future to strengthen the organisation - Congress Seva Dal and the Congress too. All considerations and proposals have to be based on the past experience and hard facts as we see them. It is time for rethinking and action.

When we think and talk of problems, the following ones atonce come up and are repeatedly pressed by our workers :-

(i) No interest and no active co-operation of the Congressmen and the Congress Committees in general in Seva Dal programmes.

(ii) No financial help from the Congress Committees.

(iii) No proper treatment to Officers and volunteers.

A Seva Dal worker is puzzled with the lukewarm

(contd page No -2.)

attitude of the Congress Committees and the Congress leaders towards the Seva Dal. As a young man, he does not find any programme or activity of the Congress that can attract him. As a human being, the question " What he would get " harrasses him - when he finds that neither position nor honour nor money nor career nor any chance for better life he can get through Seva Dal, while there are a number of other short-cuts and avenues to these he has, perhaps, nothing to complain against those who get better chances or opportunities in the Congress than he, though most of them are of the same age and are his equals. But he is pained to see that silent and loyal service or hard work is not recognised or appreciated in the race of power and group politics, where not actual work, but meeting leaders and pleasing them are the only business that one has to do. Thus he is at cross-roads.

India is now passing through a revolutionary period. It is manifest as a crisis in her national life. This is a collosal task of revolutionary significance involving, as it does, revolutionary changes in all aspects of life, a radical transformation of the existing social structure; a fundamentally qualitative change in the mass minds and in their modes of living and working. Obviously, it needs Congress and Congress Seva Dal organisation to be an ideologically disciplined body of workers who will be bold enough in socialist action, as Seva

(contd page No - 3).

Dal organisation to be an ideologically disciplined body of workers who will be bold enough in socialist action as Seva Dal was such a revolutionary organisation of Freedom fighters in emencipating the people from the yoke of imperialism, under the leadership of Gandhiji and Nehruji. So, again, Dal organisation must be revitalised by giving all facilities which will be needed for the implementation of its realistic programme as an organised force for planned Socialist action to achieve the economic Freedom. So, really, it is time for thinking again and again seriously about Seva Dal organisation and to have a trained, organised and disciplined body of the YOUTHS in the preindependent era.

For strengthening the organisation it is of paramount importance to secure active and enthusiastic participation of the young in all programmes which are chalked out and under implementation to mobilise the youths inspite of financial handicaps. All our endeavour should, therefore, centre round creating a sense of comradeship and patriotic convictions among the young men and women in India.

It is also a fact that without taking into consideration the present political situation of India, Seva Dal organisation can not be able to win over the frustrated young people. So, without any ~~in~~ loss of time, we should march forward in line with the circumstances and try to adjust ourselves to the practical and social environment at present obtaining,

(contd page No -4)

so that our organisation could have carried the country forward to glory and achievements.

To this end, the following suggestions may kindly be given full consideration and serious attention :-

1) SEVA DAL should function as an organised body of semi-militant nature with discipline, uniform, subordination and obedience.

(ii) Seva Dal department, as at present, having maximum freedom in its internal administration and financial adjustments.

(iii) At the Pradesh and district levels, the heads should enjoy - in practice - the freedom of action available at the All India level of Seva Dal and offered by the constitution framed by the Working Committee.

(iv) Trained and inspired workers of Seva Dal should be selected for responsible positions in the Congress and recommended for social service activities in the Government and semi Government bodies. This would help solve their financial problems and make movements in the Pradesh.

(v) Seva Dal should be made a 'Gate way' to the Congress. Certain minimum training or service in Seva Dal can also be made compulsory. This will assure some discipline and sense of subordination in the new entrants of the Congress.

(vi) A training body to train workers for itself as well as for other departments of the Congress.

(contd page No - 5).

(vii) The budget amount of the Seva Dal Department should be easily available to the officers concerned. There should be no restriction on collection of funds for Seva Dal in addition to the budget sanctioned by the Congress Committees concerned.

(viii) In every district provision should be made by the Congress Committee for maintaining two paid whole time District Officers, Congress Seva Dal, as it is indispensable for discharging their duties. Further an amount for allowance to the said district officers should be provided either in the budget of PCC or DCC at the rate of Rs 150/- and Rs. 100/- per head - per month along with the necessary expenses for the training camps and other essential office works based on previous experience.

(ix) More stress must be given for arranging ideological training for the workers to make them clear about the theory of 'Socialism' and how to put it into practice by relating the theory to the problems facing the country.

Yours sincerely,
R Chakravorty
(R.Chakravorty)
G.O.C.

To
Shri U.N.Dhebar,
Member Working Committee, AICC.

Copy to :
The General Secretary,
All India Congress Committee, New Delhi - I.

फोन : ३३-२९४२

कांग्रेस सेवादल, जिला बड़ाबाजार
१७६, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता-७

কংগ্রেস সেবাদল
জিলা বড়বাজার
১৭৬, মহাত্মা গান্ধী রোড,
কলিকাতা-৭

CONGRESS SEVADAL
Dist. BURRABAZAR
176, Mahatma Gandhi Road
CALCUTTA-7.

5th December, 1967.

Dr. N. S. Hardikar,
Sanchalak Congress Seva-Dal,
Karnatak Health Institure,
Ghatprabha,
Mysore

Respected Sir,

You will be glad to know that we are going to celebrate the Anniversary of our Organisation on the 31st December, 1967 from 9-30 A.M. Your presence amongst us in this connection will not only grace the occasion but will be encouraging and inspiring to us in our pursuit of the noble ideal of giving services to the people. We, therefore, take the liberty of extending our cordial invitation to you.

Please send us your valued Message to enable us to print in our souvenir to be published on this noble occasion.

Yours faithfully,

(Zilla Adhinayak).

Phone : GAUHATI—3174
Tel. : CONGRESS—Gauhati.

Assam Pradesh Congress Committee

Congress Bhawan,
GAUHATI—3.

171

Ref ASD/CHP/CU/M/ 309-16.

Date 4. 12. 1968.

CONGRESS SEVA DAL.

Much respected Dr. Hardikerji,

It is not without great pleasure that I write to inform you that the 'CULTURAL UNIT' of Congress Seva Dal, Assam, has decided to bring out a magazine on the occasion of ALL INDIA DAL DAY, to be observed on the last sunday of December 1968. Our mission is to give publicity to the aims and objects of Congress Seva Dal and its utility, so that the young mind of Assam may be attracted to it and led along the right path in the present difficult circumstances obtaining in the state. And we have a mind to bind the people of both hills and plains together through cultural activities that make for integrity and good relationship between the two, which is, admittedly, the most urgent need of the hour.

We shall feel extremely happy if you very kindly send us your kind blessings and message on the occasion, wishing the magazine a long life and encouraging us in our honest and sincere endeavour to serve the people of Assam culturally through it. Namaste.

With best regards.

Yours sincerely,
R Chakravorty
(Rabindra Chakravorty).
G.O.C.

To
Dr. N.S. Hardiker,
Sanchalak, Congress Seva Dal,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.
Dist. Belgum (Mysore).

172

ಭಾರತ ಸೇವಾದಲ ಶಿಕ್ಷಕಿಯರ ಸಹಾಯಕ ತರಬೇತಿ ಶಿಬಿರ, ಶಿರಸಿ

ಪೋನ ನಂ: 151

19-12-68

ಶ್ರೀಯುತ ಡಾ. ನಾ. ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ

ಇವರಿಗೆ ಜೈ ಹಿಂದಗಳು.

ಮಾನ್ಯರೇ ಇದೇ ತಿಂಗಳು ತಾರೀಖ 21-12-68 ರಿಂದ 30-12-68 ರ ವರೆಗೆ ಭಾರತ ಸೇವಾದಲ ಜಿಲ್ಲಾ ಸಮಿತಿ ಕಾರವಾರ ಇವರ ವತಿಯಿಂದ ಕಾರವಾರ ಜಿಲ್ಲಾ ಸ್ಕೂಲಬೋರ್ಡ ಶಿಕ್ಷಕಿಯರ ಶಾರೀರಿಕ ಸಹಾಯಕ ಶಿಕ್ಷಣ ಶಿಬಿರವು ಆರಂಭವಾಗುತ್ತಿದೆ. ಈ ಶಿಬಿರದ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ತಾವುಗಳು ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಬಂದು ಸೇವಾದಲದ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಿಗೂ ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯಕರ್ತಿನಿಯರಿಗೂ ತಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಾದ ಹಾಗೂ ಹಿತೋಪದೇಶಗಳನ್ನು ಕೇಳಬೇಕೆಂದು ಈ ಭಾಗದ ಬಹುಜನರ ಅಭಿಪ್ರಾಯವಿದೆ. ಅದರಂತೆ ನಮಗೂ ಸಹ ಶಿಬಿರಕ್ಕೆ ಕರೆಯಿಸಿ ತಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಾದ ಪಡೆದು ಹೆಚ್ಚಿನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಮಾಡಲು ಉತ್ಸಾಹ ಪಡೆಯುವ ಆತುರರಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ತಾವುಗಳು ನಮ್ಮ ಈ ಆಮಂತ್ರಣವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿ, ಬರಬೇಕಾಗಿ ವಿನಂತಿ

ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ತಾರೀಖ 30-12-68 ರಂದು ಸಾಯಂಕಾಲ 4 ಘಂಟೆಗೆ ಇಟ್ಟಿರುತ್ತೇವೆ. ಕಾರಣ ತಾವು ಈ ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಬರಬೇಕಾಗಿ ನಮ್ರದ ವಿನಂತಿ.

ತಮ್ಮ ಒಪ್ಪಿಗೆಯನ್ನು ಕೂಡಲೇ ತಿಳಿಸಲು ಕೋರುವ

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾ.

ಸ್ಥಳ :- ಪಂಚಾಯತಿ ತರಬೇತಿ ಕೇಂದ್ರ
ಶಿರಸಿ

(ಯಲ್ಲಾಪುರ ನಾಕಾ ಮುಂಬು)

A.S. Myala

ಜಿಲ್ಲಾ ಸಂಘಟಕ ಭಾರತ ಸೇವಾದಲ.
ಬೆಳಗಾಂವ
ಕೇಂಪ ಆಫೀಸರ

Replied
21.12.68

श्रीध 173

मेलज . ता: विरमगाम
(गुजरातराज्य)
ता:- ४/७/६९.

मान्यवर संचालक महोद्यजी;

अखिल भारत कोंग्रेस सेवादल
न्यू देहली.

हम मेलज गाँवमें कांग्रेस सेवादलका संचालन करते हैं। और यह संचालनकी सुविधा के लिए हमें कोंग्रेस सेवादल के साहित्यकी जरूरत है। इस लीए हमें यह साहित्य और किंमतका सूचिपत्र भेजनेकी कृपा करें आशा है की हमें सहयोग देंगे।

आपका.
इ.ना. परमार
~~स्थानिक अधिकारी~~

हमारा पता :-
परमार इश्वरसिंहभाई नाथालाल
स्थानिक अधिकारी
मेलज. प्रा. स्कूल . ता:- विरमगाम
पोस्ट सरसावडी. मेलज (उ.गु.)
जिल्ला:- अहमदाबाद (गुजरात राज्य)

174

CONGRESS SEVA DAL

REPRESENTATIVES ABROAD

With the advent of important international organisations like the U.N.O. on the one hand and Scientific advancement in fast travelling on the other, no nation of the world can today think of living in isolation. The need for positive cooperation among nations is best realised today as it is well known that the alternative would be world destruction through cold or hot wars. Thanks to the efforts of constructive diplomats, understanding among nations is improving.

Nations maintain embassys and send ambassadors in other countries to establish a permanent link with those countries. Embassys are a great force in the maintenance of happy relations among nations on the official level. But relation among nations cannot remain confined to official levels alone. These days the trend is to exchange cultural, trade and such other delegations between ~~one country and another~~ countries because such exchanges are most effective in bringing countries closer.

Congress Seva Dal which has always kept pace with the march of time could not lose sight of this development. The very structure of the organisation at its origin being the result of ~~the~~ ideas formed by the founder, Dr.N.S.Hardiker as he moved over a vast number of countries and spent eight long years in the U.S.A., its workers have held a broad outlook.

But, during its early life, the Seva Dal as a principle shunned publicity. During the first decades of its existance, the Seva Dal conducted dozens of camps, trained hundreds of youths and rendered valuable service to people at innumerable places; but few papers gave publicity to these achievements and the Seva Dal Bulletin also gave just a skeleton of its report. But, despite all the vicissitudes it had to undergo during the periods of British rule, the Dal made steady progress because it had faith in intensive and limited, but ~~[illegible]~~ solid work and this was the backbone of the organisation.

Now, the Seva Dal has taken a solid shape and the Indian people generally know it and what it stands for. It has had a useful life for nearly four decades and it is only now that it tolerates some publicity

Similarly the activities of Seva Dal were mainly confined to limits within India till recently. This is significant as one can easily realise that it is only with a strong unit within the country that an organ can do useful work abroad. During the past six years, Seva Dal has been encouraging visits abroad, but takes particular care to see that only persons with certain required qualifications only are selected to make the visit. A note which explains the requisite qualities of applicants for going abroad is prepared. The Central Office has prepared another note which gives useful hints to people going abroad for the first time.

Seva Dal has associated itself with some international organisations like the World Assembly of Youth, the Coordination Committee for Work Camps, the Youth Hostels Associations. Such contacts have necessitated exchange of persons and now the Seva Dal frequently sends representatives abroad for attending conferences, study courses, work camps projects and the like.

The training, organisational perspective and adaptibility in social life gained in Seva Dal help its members a lot when they go abroad. Further, used to hard work and simple life in camps, they are able to create good impression in foreign lands.

Brief reports of Seva Dal representatives who went abroad are listed below:

Shri S.V.Inamdar
All India Organiser
of Congress Seva Dal.

Period of tour abroad:		13.7.1956 to 16.9.1956
Purpose: Attending:	(i)	a Commonwealth Youth Conference, London.
	(ii)	b Sixth Council Meeting of the World Assembly of Youths.
Countries visited:		England, Germany, Austria, France, Switzerland, Italy, Greece and Pakistan.

It was very much in the fitness of things that the All India Organiser was the first Seva Dal delegate to go abroad and represent the organisation in two important Conferences and several countries. He has been in the organisation for more than three decades now and can best expand the principles for which it stands. Shri Inamdar specially prepared a booklet on Seva Dal and took a few hundred copies of it for distribution among the foreigners whom he met abroad.

COMMONWEALTH YOUTH CONFERENCE:

Shri Inamdar took off from Bombay on July 20, 1956 and passing through Cairo and Paris, arrived in London on the 22nd morning for the Commonwealth Youth Conference starting the same evening. 70 delegates from 27 countries of whom 11 were members attended the Conference.

On the very first day of deliberations of the Conference on the 23.7.56, Shri Inamdar was one of the five main speakers selected for general survey of youth~~s~~ work. He enlightened the delegates of youth work in general and the role of Seva Dal and Youth Congress in particular. He explained to them how it was not practical for youth organisations as such in India ~~could not~~ to severe all connection with political activities of the country; and what ~~has~~ was needed was to channalise the energy of the youth along constructive lines, political and others. In the Committee discussion, he urged that youth movements should keep close contact with the people and take active interest in solving national and social problems.

~~Shri Inamdar~~ The specially prepared ~~a~~ small pamphlet on Seva Dal ~~and~~ were distributed them among fellow delegates.

WORLD ASSEMBLY OF YOUTH COUNCIL:

On way to Berlin, Shri Inamdar visited Frankput, where he attended the Conference of the International Union of Child Welfare, Keil, where he visited Youth Hostels and Educational Institutions and Denmark. He arrived in Berlin on August 12, 1956.

The Sixth Council of the World Assembly of Youth had its Session in Berlin from August 14th to 25th and was attended by 300 delegates representing 70 countries. The Council worked through general meetings, workshops and commissions and passed some 15 resolutions on subjects like Young Workers, Algeria, Cyp~~uers~~rus, Role of Women, Relations between Youths Movements and Government, Rural Youth, Non-Self Governing countries and independence, Racial Prejudice, WFDY, etc. Indian representatives contributed to the proceedings at various stages.

Following the Council, WAY Germany had arranged a tour and Shri Inamdar joined it and travelled over 1200 miles by bus covering some parts of Austria. The tour was from 26th August to 4th September, 1956.

After the tour, he visited Paris in France, Geneva in Switzerland, Athens in Greece, Rome in Italy and Karachi in Pakistan. At Geneva, he visited the head quarters of the I.L.O. and the ~~old~~ former League of Nations. At Athens, he attended the 6th Conference of the World Organisation for Early Childhood Education.

He returned to Bombay on 16.9.56.

IMPRESSIONS:

In his eight page report, Shri Inamdar has listed his impressions about his tour and experiences and this could be useful informatia for concerned persons. Briefly ~~listed~~ stated, the list points out to:

1. Standrd of living and safeguards for security of the people in the developed western countries being much superiors to those in India, they account for certain drawbacks among our people on smaller regions, like thefts, etc. which are not found on the same level in those countries.
2. Governments in many Western countries help Youths movements. Church plays a dominant part in their lines and they have an active hand in youth movements too. There are no organisations squarely comparable to Seva Dal, but organisations similar to Youth Congress are there.
3. India and Indians are respected in other countries. But at times, Indians going abroad are found wanting in general knowledge about India. It is necessary that only people who have a good knowledge of India and maintain standard should ~~go~~ be sent abroad countries.

His remarks about the WAY Council in short were:-

1. Colonial persons still hold good representation in the Council and their voice was effective. But sign's of the revival of nationalism among the underdeveloped countries could be seen.
2. Members of the WAY were apparantly divided between the American and French Sections. Both of them, however, joined hands when they opposed the Communist block.
3. WAY was getting financed by France and Ford Foundation of U.S.A.
4. Members were getting more and more conscious of Racial and Colonial problems and the topic found place in various ~~contrasts~~ contexts
5. Africans attended the meeting in good numbers. It will be good to

recognise the importance of the African continent and India should develop diplomatic and other contacts with its countries.

6. Pakistan ~~was~~ delegation was superficially friendly towards India, but their actions did not prove this at times.

7. Indian delegations should be bigger and include women also.

8. WAY provides a suitable platform for the Youths of the world to meet and exchange views.

- - - - - - - - - - - - - -

Shri S.N.Subba Rao
Assistant All India Organiser
of Congress Seva Dal.

Period of tour abroad: (i) 20.7.1957 to 7.9.1957
(ii) 6.8.1960 to 1.10.1960

Purpose:
1. Attending 6th Youth Festival at Moscow.
2. Cultural Delegation to Afghanistan.
3. Attending 8th WAY Council in Accra.
4. Study Youth Work in Europe.

Countries visited: U.S.S.R., Afghanistan, Ghana, Lebanan, France, England, Holland, Belgium, Germany, Switzerland, Italy, Egypt, Pakistan.

Shri S.N.Subba Rao, now Assistant All India Organiser of Congres Seva Dal visited the U.S.S.R. in a team of 1[illegible] observers, sent by the A.I.C.C. for the 6th International Youth Festival held in Moscow in 1957 It is known that such biennial festivals are being organised by International Preparatory Committees, dominated by the World Federation of Democratic Youth usually considered the Communist International Youth Movement. So much so, there was some concern expressed in certain quarte in India whether India should send a delegation at all for the festival. But as special invitations were received by the A.I.C.C., it was decided to send an observers' team. Incidentally, there was some confusion among the Indian representatives who went to the festival. They all met in meetings and efforts were made, but they could not succeed in selecting a leader for the Indian team. One could not be happy at the kind of coordination that existed among different groups of Indians.

The A.I.C.C. team, including Shri Subba Rao left Delhi by air on the morning of July 20, 1957. Enroute to Moscow, they touched Amritsar, Kabul and spent two days at Tashkant, the capital of Uzbekstan.

At and around Tashkant, the visitors were taken to various institutions and places important among which were a ~~executive~~ collective farm, a children's park, a stadium, an open air theatre, a museum, a textile mill, etc. The members got the first introduction to life in Russia. A visit to the neighbouring village was useful experience and was enjoyed by all. They could see the ~~programmes~~ progress Russia had made in agricultural methods, etc.

The team left Tashkant on the morning of July 23rd and arrived in Moscow the next morning. Members could feel the warmth of hospitality which was perhaps all the more so in case of Indian guests. Big numbers of young and old people would assembly at every place and greet the members with enthusiasm.

The Moscow Youth Festival provided occasions to see rather than to hear or speak. It was a 10 day programme of activities varying from route marches to dramas and music concerts. Some delegations had come prepared to participate in these activities. As a team, the Indian delegates could not contribute much. Shri Subba Rao, however, made use of their free time for getting them practise same patriotic Indian songs and so, when necessary they could sing together. Such singing had a special place in U.S.S.R. The only Indian tunes which most of the Russians know were all film tunes. So, Shri Subba Rao took it as a ~~musician~~ mission and at all possible occasions, sang Seva Dal songs individually and in groups. He also recorded six songs at the Moscow Radio and many more at the Indian Embassy. He learnt a couple of Russian songs. In addition, he picked up some Russian language and so, was able to visit some families and contact people. He also visited a village about 20 miles away from Moscow.

The inauguration of the Youth Festival was a great day in Moscow. The whole city wore a festive look and practically every individual joined the merriment. Hundreds of beautifully decorated trucks were kept at the disposal of the various delegations and they were all taken in a procession through the main streets of Moscow. Innumerable people stood on either side of the road and cheered as the procession marched past. The enthusiasm was all the greater inside the stadium where the major function was held.

The inauguration of the festival was very well planned. Mr.Bulganin the then Prime Minister gave a small speach following which thousands of peace doves and balloons were flown in the sky. Next came about 4,000 boys and girls who performed various physical feats which were magnificant by all standard. No doubt the Russians have men and material to accomplish such feats. But it would be worthwhile for Indian organisation like Seva Dal to send a few representatives to learn the techniques of physical culture and mass demonstrations in U.S.S.R.

An arrangement deserving special mention is that the same demonstrations were repeated on ~~these~~ three days and different sections of the population were invited to ~~ks~~ see them on each particular day.

After the first day, they had a number of functions on each of the following days and guest-nations used to get a certain number of invitations for various functions. Shri Subba Rao naturally selected suc items like sports, physical culture demonstrations, etc., which were aki to the field activities of Seva Dal. He was the flag bearer of the Indian troop whenever they marched with the Indian National Flag.

One would be struck by many things that one saw in the festival. Perhaps special reference might be made of (i) the universal slogan of 'Mir-Drushba', meaning 'Peace and Friendship' that would ring the air whenever crowds assembled; (2) 'Hindi-Rusi Bhai Bhai' was also very popular a slogan among Russians; (3) People would present badges, cards, etc. when they met foreigners; (4) Language was no bar. Foreigners would be greeted with smiles, wavings and clapping of hands. (5) Chorus singing of youth songs was impressive and widespread. (6) People from colonies of African countries were treated with special affection and regard.

Apart from the inauguration and closing functions of the festival, which were held in the spacious stadium, important items on the programme were: (i) Peace Rally: It was a huge mass of people addressed by representatives of the fice continents and important leaders. In the evening, a peace dove structure was flown in the sky and it was flood lit. (2) Colonial Youths Meet: This was in a large garden. The garden had a tank at it's centre. As people entered, they were supplied with cane shaped paper caps which were gladly worn. The programme started by two groups of people rowing in boats to a heap of wood/ at the centre of the tank and setting it on fire.

There was a ~~mammath~~ mammoth fireworks demonstration and the youths who had gathered in their thousands spontaneously started their own programmes at all available spots in the garden.

Shri Subba Rao met delegates from about 100 countries who were in Russia at that time and distributed among them cyclostyled sheets containing information about India and Seva Dal and distributed among them.

(3) Visits in groups to the Kremlin, the seat of the U.S.S.R. Government, Lenin-Stalin Mussoleum, the Gorkey Park and other places.

Most of the members of the Indian delegations left Moscow soon after the festival. Shri Subba Rao joined a cultural troupe, the Modern Revival Groupe and so could stay on in Moscow for some more days and also visit Leningrad before returning. He utilised these days to see more places and contact more people.

At Leningrad, he had occasion to visit a Pioneer Palace, dedicated to the children of the Pioneer Organisation. They have such places at all important cities. Almost all Russian youth and children are organised in the Pioneers and Comsomols organisations, which train them to be loyal communists when they grow up. The organisations conduct a large number of camps and other programmes.

On the way back, Shri Subba Rao stayed at Kabul for a fortnight alongwith the troupe. They gave performance at many places and as in Russia, Shri Rao used to sing in programmes. The group also broadcast music of India from Radio Kabul.

In his long report, Shri Subba Rao has brought out many aspects of Russian life, some of which are as follows:-

1. Russian people in general love peace and dread ~~of~~ war.

2. They have very great regard for India, Indian leaders and also Indian delegates visiting their country.

3. They have worked hard and reconstructed their land. Though living standards are much below what it is in advanced Western countries, one can notice that the six plans have been effective in meeting many of their requirements. Though there is room left for improvement in villages, life in villages is fast improving.

4. The common man is little interested in the politics of his country. It is the communist party that selects candidates for elections and the vote of the voter is nominal.

5. Most of the sources of production have been nationalised. But this by itself could not bring in equality. The ratio between the men earning the minimum and maximum salary per month is about 1:100.

6. Education has received all importance. Almost all Russians are literate. Physical education for both boys and girls is compulsory at a certain stage.

7. There are people who entertain certain misconceptions of India. Only people who have a good knowledge of India should be sent abroad, so that they could present the real picture of their country to those who do not ~~know~~ have full knowledge.

8. The International Preparatory Committee for the festival had made very elaborate arrangement for the festival. Some 30,000 guests from 140 countries are said to have attended the festival and the committee is said to have spent about 600 million rubbles (Rs.60 crores) for arranging their food, accommodation, travelling and entertainments, etc.

– – – – E – – – – – – –

This second trip abroad took Shri Subba Rao to Ghana in Africa ~~another~~ and then to same countries in Europe. Halting for short periods at Kharbanu, Sudan and Lagos, Nigeria, he arrived in Accra the capital of Ghana on September 8, 1960.

The Eighth Council meeting of the World Assembly of Youth held in Accra from 9th to 25th Aug 1960 was attended by seven Indian delegates including Shri Subba Rao, who worked as the Public Relations Officer of the delegation. Shri Rama Krishna Bajaj, Chairman of WAY India was the leader.

The eighth Council of WAY was ~~held from the 6th to the 25th of August, 1960 and was~~ attended by over 300 delegates and observers from over 90 countries. The ~~therec~~ theme of ~~the~~ discussions was "The Role of Youth in the Construction of Democratic Nations". Eminent persons from different countries spoke on ~~xx~~ selected subjects, followed by discussions.

After ~~introducing~~ introductary discussions, the delegates broke into workshops and latter in commissions and went into details of every aspect of the subject. Workshop discussions were held on: (i) Youth Organisation and preparation for Democracy; (2) Democratic mobilisation of capital; (3) Rights and Responsibilities of majorities and minorities and (4) International understanding. Commission worked on: (i) Development; (2) Young

183

workers; (3) Human Rights; (4) Rural Youth. During the period of stay. the delegates were taken to Cape Coast and Mompong, when they could see the interior parts of the country and some historic landmarks like the Elmina Castle, once a slave trading centre, Apart from this, Shri Subba Rao visited some other places including Tema and Nyavam, where he could see a scout camp.

On August 15, 1960 Shri Subba Rao organised a small function of the Indian delegates present in Accra. He contributed an article to the local newspaper 'Evening News' regarding the working of WAY and the Eighth Council. The article was later reprinted in the 'WAY REVIEW'. Another article of his, 'Youth Work here and Abroad' was published in the 'Economic Review' of the A.I.C.C. He had carried some literature on Seva Dal and India and distributed the same among the delegates.

Shri Rao had occasion to meet local youth workers and discuss with them their activities. Ghana government was in the process of liquidating all existing youth organisations and strengthening the governmental youth movements of Young Pioneers and Builders Brigade. One could see some resentment about this among some youth workers.

The whole of September, 1960, Shri Subba Rao was touring Europe, mostly by train. At most of the places he visited, ~~the~~ he stayed at Youth Hostels and so, was able to gain some knowledge of their working. Though he had little time for going into details, he utilised every available occasion to study the working of youth movements in countries which he visited.

In France, he was the guest of an International Youth Movement, the JEC. It was his intention to visit some camps, but there were none in action at that time. In England, he visited the Scout Head Quarters as also their International Camping Grounds, the Gil~~ted~~wel Park. He also spent sometime observing the changing of Royal Guards in front of the Buckingham Palace. But in his opinion, the procedure of guard changing there was superflously elaborate and was not found applicable to Seva Dal.

The Dutch Youth Council is doing good work. There is very good coordination among youth organisations of Holland and they are able to make good use of the financial assistance given by the government.

The International headquarters of the World Assembly of Youth are situated in Brussels in Belgium. On invitation by the Secretary-General

Shri Subba Rao visited them and stayed in Brussels for 2 days, during which time, he could go to the Social Welfare Ministry of the Government, which disburses money for youth works through youth organisations, including the communists. There, he also spent some time at the head quarters of the Democratic Socialist Youths. Though there is no organisation similar to Seva Dal, the Red Volgans started in 1927 attached to the Socialist thinking in European countries, [illegible] bears some resemblance to the Dal in as much as, they also are attached to a political party, wear uniforms and carry on camping and other activities.

In Germany, Shri Subba Rao had occasion to discuss youths with 3-4 friends. He was taken to a stadium, where the students of a school were examined in physical culture. It is as much ~~as~~ a subject in the German Schools as arithmetic or geography, which students have to study and pass. He also visited a training centre for teachers and observed a class in process. One is struck by the amount of synchromisation of exercise, rhythm and music in their physical culture activities. It is worth importing to India.

In Switzerland, he visited some Reform Houses organised by the local youth movement. Poor children gather in their houses and have games, handicrafts, etc. From Geneva, Shri Rao went to ~~Rance~~ Rome to see the youth wing of the Vetican Church. Then he arrived in Egypt.

He could visit the Supremen Council of Youth, the coordinating organisation under the direct patronage of President Nasser. Youth movement in Egypt has decidedly had an impact on the life of the young. The youth centre which Shri Rao visited had a membership of 7,000 and catered to different ~~tables~~ tastes like foot ball, hockey, swimming, wrestling, etc.

Leaving Caro at night on September 30, Shri Subba Rao returned to Bombay on October 1, 1960 and to Delhi on 7.10.60.

- - - - - - - - - - - - - -

3 1) Shri Malay Bannerjee (Leader)
Pradesh Organiser,
Congress Seva Dal,
West Bengal.

Tour abroad: (i) 1.2.59 to 8.2.59
(ii) 20.8.59 to 26.9.59

Countries covered: Sweeden, Holland, England, France, Italy, Germany, Egypt, Norway, Switzerland, Greece.

4 2) Shri Manilal Jain,
Calcutta.

Tour abroad: (i) 7.8.59 to 26.9.59
(ii) 29.11.59 to 19.12.59

Contd. - 12

Countries covered: Italy, Germany, Sweeden, Denmark, Holland, England, France and Pakistan.

3) Mrs. Ajit Sant Singh,
Punjab.

Tour abroad: (i) 19.8.59 to 20.9.59 [illegible]

Countries covered: Sweeden, London. [illegible]

PURPOSE: Attending the Social Service Camp organised by AGNI, Sweeden.

The Social Service Camp of the AGNI was conducted at Ronmiege, a small place 29 km from Stockhalm, where the AGNI have their building. It was attended by over 50 campers representing 12 countries. Apart from the 3 representatives of Congress Seva Dal, there were 3 more Indians sent by the Bharat Sevak Samaj. In the reports submitted by the three delegates sent by Congress Seva Dal, they have given a clear description of the AGNI an organisation which has taken its name from the Sanskrit word Agni, meaning 'Fire-Enthusiasm' and made out certain common features between Agni and the Seva Dal, ~~through the~~ though the former is entirely a social service organisation. They hold social service camps and similar activities almost throughout the year. Agni does command good respect among Sweedens with whom it has established contacts, but its activities are restricted by many factors. Mostly, they confine their activities within Sweden, though they have done good work on collecting money and materials to be sent to the refugees of Polland, Hungary and the neighbouring regions. It has some selfless workers at its head and so, very good work is turned out.

The camp commenced work on 22.8.1959. All the three campers of Congress Seva Dal had reached there a day earlier, while quite a few of the other campers were late. The Chief of Agni was in general supervision of the camp.

At the initial meeting, committees for different duties as Mess, Sanitation, Games, Purchase, Sweeping, Washing dishes and drinking water arrangement., were set up. In the same meeting, Shri Malay Bannerjee of Congress Seva Dal was elected the Camp Coordinator.

The work of the camp was all based on democratic principles and elections were held whenever necessary.

There were ~~24~~ 50 campers from different countries and Mr. Mikael Heftman Chief of AGNI was in general supervision of the camp. Campers split themselves into different groups and each group was given a specific kind of activity which consisted of painting, preparing of book marks, match sticks, collect money and material for refugees. Each camper used to work for full 7 hours a day.

Mrs. Ajit Singh taught the Indian National Anthem to the children of a neighbouring school when the campers visited that village and thus was received with great enthusiasm. Campers also saw great enthusiasm among people who donated liberally for the Refugee fund. The small articles like book marks, match sticks, etc. were bought at fairly high costs.

The AGWI organised a Seminar for leadership in S.E.Asia in the second week and the third week was mainly devoted for Refugee Relief Work. The camp concluded on September 14, 1959.

Shri Malay Bannerjee went abroad a second time to attend the Afro Asian Youth Conference at Cairo, Egypt on February 2nd, 3rd and 4th, 1960. He was elected Chairman of the Sports Committee and his speech was well received.

* * *

Shri Manilal Jain went out a second time to attend a work camp held near Dacca, East Pakistan. The camp was held from 29.11.59 to 19.12.59 and campers worked on a road for 4 hours a day and had discussions in the afternoon. They were taken on a sight seeing tour to Sunderbans and other interesting places.

* * *

Shri Navinbhai Shah
Assistant All India Organiser
of Congress Seva Dal.

Tour abroad: 18.3.60 to

Countries covered: Yugoslavia, Austria, Switzerland, Germany, Holland, France, Italy, Greece, England, Norway, Sweden, Denmark, Egypt and Pakistan.

Kumari Satya Sharma,
Pradesh Mahila Organiser,
Congress Seva Dal,
Madhya Pradesh.

Tour abroad: 20.3.60 to 15.5.1960

Countries covered: Yugoslavia, Austria, Italy, Greece, Egypt, Aden and Pakistan.

PURPOSE: Attend the 12th Conference of Organisers of International Work Camps and then study working of Work Camps in certain European countries.

The International coordination Committee for work camps which is attached to the UNESCO, organised the 12th Conference of Organisers of Work Camps at Nis in Yugoslavia. The conference was held from 23.3.1960 to 30.3.1960. The participants were latter invited to take part in the work camp constructing the Unity Fraternity High Way.

The main subject of the conference being work camps in Newly Developing Countries, it was discussed under the following titles:-

1) Large camps
2) Fundamental Education and Work Camps
3) Long term work camps
4) Week End Work Camps
5) International Cooperation.

A topic that drew considerable interest was promotion of work camps between Eastern and Western Europe.

The 12th Conference was inaugurated by Mr. Michael on 23.3.60. After the inaugural function, election of the President was held and the report for the previous year was read out. The procedure was democratic in structure. After general discussions, participants would split into groups and discuss details. 98 men and 10 women participants attended the Conference from 15 countries. Shri Navinbhai Shah and Kumari Satya Sharma were among the five Indians. They all took active part particularly in group discussions.

There was need for the Indian representatives to explain the policy of the Indian government as a recent suggestion of a Committee of the Ministry of Education of the Government of India was to make it compulsary for every student to attend work camps. Congress Seva Dal had prepared a note in this connection and the note being explained by the representatives helped convince other participants of the fact that the Government of India would, by the very nature of things, take no undemocratic step.

The Seva Dal representatives also carried with them a paper on Large Work Camps, reports on the annual and other work camps of Congress Seva Dal, a list of work camps held in India by the Dal in recent years. They also carried a film on the working of Seva Dal Volunteers at Nanal Nagar, Hyderabad in 1953, ~~another~~ and This was among these films exhibited in a film competition. But the film which the developed countries brought on the same subject were ~~for~~ far superior and there was no chance of our film standing out as a winner. However, it was a worthy attempt and has hinted that the Seva Dal should think more seriously about preparing good films in future. Further, our delegates had taken with them a good number of small chakra badges, specially prepared for being presented to foreign friends, and distributed some literature. They also invited the foreign friends to take part in the annual work camp of Seva Dal which was to be held in Bhavnagar that year. Individually, they both gave short talks for the Yugoslav Radio.

Following the conference, a seminar on Work Camps was held at Nishka Banja, also in Yugoslavia from 31.3.1960 to 6.4.1960 and both the Seva Dal representatives participated in the seminar as well. The Peoples Youth of Yugoslavia, the paramount youth organisation of Yugoslavia, which gets all support from their government, had made very good arrangements for the seminar.

Shri Navinbhai Shah, who had already visited Athens, the capital of Greece for 2 days, prior to reaching Yugoslavia, visited several European countries after the Yugoslav Seminar.

It was good experience for him to attend an S.C.I. camp in Switzerland. The S.C.I. conducts several camps in many countries. The Swiss camp was well organised. There used to be no cook or servants. Campers used to work 6 hours a day. Still, by our standards, the Swiss amp was very expensive. Camp life was made interesting, with programmes like group songs, etc. ~~He~~ Shri Shah also stayed a couple of days at a large camp t Masadonia in Yugoslavia. Camps in Yugoslavia are conducted scientifically nd much of their structure resembles the provision of Manual No.6 of eva Dal. In such camps, they also teach useful arts like driving motor ycle, tractor, etc. Another camp he attended was on the foot of Alps ountains in Switzerland. It was a small, well organised work camp with 17 participants, who worked 6 hours each day. He noted that as in Seva al camps, campers here used to sing as food was being served. They held iscussions in the afternoon.

Shri Navinbhai utilised occasions to demonstrate and even teach he Gujarati popular dance - garba, at camps and it was received most nthusiastically.

He has prepared a report with special mention to technique of conducting camps as he observed in other countries. Before returning to India, he visited Austria, Germany, Holland, France, Italy, England, Norway, Sweden, Denmark, Egypt and Pakistan apart from the above mentioned countries.

Kumari Satya Sharma also attended both the work camp conference and the seminar and then joined a work camp at Jabjalia and stayed in it from 5.4.60 to 20.4.60. It gave an occasion for her to talk to the Yugoslavian campers and intimately understand their methods of camping. The well equipped Peoples Youth of Yugoslavia ~~they~~ conduct camps in every district of the country and the camps are attended by as many as 400 to 500 campers. The one that was attended by Kumari Sharma had a strength of 460. The number was divided into units of 40 each. They were housed in wooden cabins, each accommodating 10 to 14 campers. They used to work in two shifts in the morning and afternoon. The camp as such runs continuely almost throughout the year. Each batch of volunteers stays in the camp for two months. Volunteers get leave from school or office for the camp period and so the attendance is always good. They also maintain good standard of discipline.

Her long stay in the country enabled Kumari Satya Sharma to learn the Yugoslav language and some songs. She made good study of the history, economy and social and political systems of Yugoslavia. After the camp, she joined the tourist group and visited Belgrade and other important places.

After this, she joined another work camp in Austria. Latter, she went to Italy from where, she took ship for India. On way, she halted for short periods in Egypt, Aden and Pakistan. On ship she prepared descriptive articles on her various activities abroad, which were published in Dal Samachar and similar journals. She has also submitted interesting and useful reports, to the All India Office

8. Shri Anandiram Kumat,
Organiser, Congress Seva Dal, Maharashtra.

Tour Abroad: -- 4.7.1960 to Total [illegible] days [illegible]
Countries covered: -- Yugoslavia, England, Austria, Germany, Belgium, Holland, Switzerland.

9. Shri Madan Chandra Kashyup
Congress Seva-Dal, Maharashtra.

Tour Abroad: -- 4.7.1960 to Total [illegible]
Countries covered: -- Yugoslavia, England.

(18)

Shri Makhan Goswamy
Congress Seva Dal, Assam.

Tour Abroad: — 6.7.1960 to [illegible]

Purpose: — To attend the Unity Fraternity Highway Work Camp in Yugoslavia.

Shri Kumat, Kaysup and Goswamy represented Seva Dal at the Unity Fraternity Highway Work Camp in 1960. This having been the second batch of Seva Dal representatives on the Highway project, it had established a kind of close link between the peoples Youth of Yugoslavia and Seva Dal and the P.Y.Y. now extend their invitation to Seva Dal every year. As in the previous year, our men explained the aims, objects and structure of Seva Dal to campers from other countries. They also took benefit of facilities for training in tractor, car and motor cycle driving.

During his stay in the camp, Shri Anandiram Kumat tried to study the youth movement of Yugoslavia. He stayed in the camp from 6th to 30th of July, 1960. In his report, Shri Kumat makes out that the Government of Yugoslavia takes every care of the People's Youth of Yugoslavia. They recognise the fact that the youth played a major role in their political revolution and now they expect the youth to play an important part in building their nation. They spent very big amounts of money for such youth projects. The camp in 1960 was attended by over 1,000 to 1,200 youths, most of them being students. They were divided into smaller units. A Works Council of Workers used to control and guide the project work. Campers maintained good discipline. But incidentally, Shri Kumat has remarked that great care should be taken while selecting campers from India to be sent to such international projects.

Shri Kumat taught many foreign friends to sing 'Jan Gan Man', the Indian National Anthem.

After the Yugoslav Camp, Shri Kumat visited Austria, Germany, Holland, Belgium, England and Switzerland before returning to India.

Shri Madan Kashyup moved in Yugoslavia after the work camp. He took keen interest in studying the cooperative agricultural farms of that country and made notes of it. One farm that he visited has approximately 8,000 acres of land and round the year same 450 workers

191

are kept engaged. During Season, the number of workers rose to 800. He could see that Yugoslavia had made good progress in this field.

Shri Kashyup visited England and a couple of other countries before returning to India.

Shri Makhan Goswamy was a very active camper and worked hard on the project. He also visited a few European countries before his return.

x x x x x x

Shri Thakorbhai Shah
Congress Seva Dal, Gujerat.

Tour Abroad: — 15.1.1960 to 8.2.1961

Countries visited: — Vietnam, Singapore, Malaya and Ceylon.

Purpose: — To participate in a Seminar at Saigon.

Shri Thakorbhai Shah left India on 15.1.61 and arrived in Saigon, Vietnam the same day. A seminar on the "Role of Youth in National Reconstruction" organised by the World Assembly of Youth had already commenced there. The seminar was held from 10th to 20th of January, 1961. However, there were quite a few other delegates also, who were late (and even later than Shri Shah). It was mostly a businesslike Seminar. With trouble in Laos and other borders of Vietnam, they could not have much activity beyond the work of discussing. According to Shri Thakorbhai the Seminar and discussions could not ~~have~~ be said to be of very high standard.

Following his work in Veitnam, Shri Shah visited Singapore, where he visited Youth workers of Chinese, Malayan and Indian organisations, and had useful discussions. Later, he visited Malaya and Ceylon and returned to India on 20.1.1961.

x x x x x x

Shri Megha Sham Wa~~s~~t~~a~~ve
Sanyojak, Congress Seva Dal, Mysore.

Countries visited: — Yugoslavia, Egypt, Greece Austria, Italy and other European countries.

Purpose: — To attend Unity Fraternity Highway Project.

Shri Sham Wastave was the sole Seva Dal representative to attend the Yugoslav Work Camp in 1961. The camp was held from July 10th to 30th. The International Brigade had 249 campers drawn from 20 countries. India had sent 5 others besides Shri Wat~~a~~ve. Shri Wa~~s~~t~~a~~ve had the distinction of being taken as a member of the Camp Executive. His suggestions from time to time regarding camp management were well received. He was also awarded a Special Badge and a Certificate.

He on his part studied the working of the camp. Campers were housed under tents pitched in a tree-grove. Each tent housed 10 campers.xx They would work from 6 A.M. to 12 Noon and take lunch upto 2 P.M. After resting from 2 to 5 P.M. they had debate and discussion for two hours. Every evening was occupied by entertainment programmes. On Sundays, campers went on picnic and similar programmes.

Shri Watve returned to India after covering many European countries.

- - - - - - - - -

APPENDIX .A

Names of Sewa Dal Representatives who went abroad

No	Name	Place
1	Banerjee, Malay	
2	Goswamy Makhan	
3	Devadas, C. V.	
4	Jain, Manilal	
5	Kashyap, Madan Chand	
6	Kumar, Anantram	
7	Shah, Navnitlal	
8	Shah, Thakorbhai	
9	Sharma, Satya	
10.	Singh, Ajit Sant	
11	Subba Rao, S.N.	
12	Watwe M.S.	

Have this at the beginning and not at the end as an appendix. 143

how many Towns, cities and villages in this country, and how many of them visited?

~~APPENDIX~~

Countries visited by Seva Dal representatives:

1. Aden
2. Afghanistan
3. Austria
4. Belgium
5. Ceylon
6. Denmark
7. Egypt
8. England
9. France
10. Germany
11. Ghana
12. Greece
13. Holland
14. Italy
15. Lebanan
16. Malaya
17. Norway
18. Pakistan
19. Singapore
20. Sweden
21. Switzerland
22. U.S.S.R.
23. Yugoslavia
24. Viet Nam.

अहमदनगर जिल्हा काँग्रेस सेवादल,

कार्यालय–कोपरगांव.

१५४

आवाहन

सेमिनार– शनिवार, रविवार, सोमवार दि. १, २, ३ फेब्रुवारी १९६९

स्वातंत्र्यपूर्व काळांत सेवादलाने मातृभूमिची महान सेवा केली आहे १९२३ सालीं झेंडा सत्याग्रहांतून परमपूज्य डॉ. हर्डीकरांनी सेवादलाची स्थापना केली व भारतीय तरूणाच्या हृदयात स्वातंत्र्याचा चैतन्यदायी प्रवाह निर्माण केला. स्वातंत्र्याच्या चळवळीत एक शिस्तबद्ध संघटना म्हणून सेवादलाने मोलाची कामगिरी बजावली आहे.

परंतु त्याही पेक्षा आपणाला आता जागृकतेने पाऊल टाकले पाहिजे देशामध्ये उगम पाहु पहाणारी फुटीर प्रवृत्ती, अराजकता हिंसक चळवळी, घातपाती राजकारण राष्ट्राभिमानाची शून्यता पंचस्तंभीय कारवाया, ह्या सर्व समस्यांची भारतीय तरूणांनी मी **स्वतंत्र भारताचा तरूण शिलेदार व रक्षक आहे.** याची जाणीव हृदयात ठेवून मनानें खंबीर पावले उचलली पाहिजेत.

देशांतील तरूण सुदृढ निरोगी असेल तर देशसुद्धां बलवान होतो, म्हणून तरूणांच्या अडचणी लक्षांत घेऊन तो अधिकाधिक निरोगी व निकोप कसा होईल याकडे लक्ष दिले पाहिजे म्हणून युवकांची आजची गरज आहे त्यांच्या भावना जाणून घेतल्या पाहिजेत. शैक्षणिक, सांस्कृतिक रचनात्मक अंग ह्या त्रिमूर्ती रुपाची निर्दोष वाढ झाली पाहिजे.

आपणांला शांततामय मार्गानें लोकशाहीची जोपासना करुन समाजवादी समाजरचनेची वाटचाल करावयाची आहे तेव्हां ध्येयनिष्ट, तत्वनिष्ट देशनिष्ट प्रामाणिक नैतिक मुल्याची जोपासना, राष्ट्रीय एकात्मता, तसेच राजकीय व सामाजिक क्षेत्रांचेही ज्ञान प्राप्त झाले पाहिजे. म्हणून तरुणांनी व विद्यार्थ्यांनी देशांतील अनेक प्रश्नांची जागृकतेने दखल घेतली पाहिजे व त्या प्रश्नाचा अभ्यास केला पाहिजे, हे ध्येय नजरे समोर ठेऊन अहमदनगर जिल्ह्यांत काँग्रेस सेवादलानें या कार्यास जोरानें सुरुवात केलेली आहे. या साठी अ' नगर जिल्हा काँग्रेस सेवादला ने अभ्यास सेमिनार फेब्रुवारी १, २, ३ (१९६९) रोजीं कोपरगांव सहकारी साखर कारखाना " कोळपेवाडी " येथ होणार आहे या कार्यक्रमांस महाराष्ट्रातील मान्यवर नेते महाशय श्री. **वसंतराव दादा पाटील** अध्यक्ष म. प्र. काँ. कमिटी, नामदार श्री. **बाळासाहेब देसाई** महसूल मंत्री नामदार श्री. **शंकररावजी चव्हाण** पाटबंधारे मन्त्री नामदार श्री. **राजाराम बापू पाटील** उद्योग व वीज मंत्री नामदार श्री. **मधूसूदन वैराळे** नामदार श्री. **अण्णासाहेब शिंदे** कृषी मन्त्री भारत सरकार, नामदार श्री. **बा म. भास्कर** समाज कल्याण मंत्री नामदार श्री. **नरेंद्र तिडके** श्रममंत्री नामदार श्री. **बी. जे. खताळ** उपमन्त्री पाटबंधारे खाते, महाशय श्री. **आबासाहेब निंबाळकर** उपाध्यक्ष, म. प्र. काँ कमिटी महाशय श्री. **शिवाजीराव पाटील** व श्री. **शंकरराव गेडाम सरचिटणीस म. प्र.** काँ क. खासदार श्री **मोहन धारीया** पू. श्री. स. वा. **अिनामदारजी** अखिल भारतीय संघठक मा. श्री. आमदार **कुमटभाई दलपती** म. प्र. काँ. सेवादल

आदी मंडळी हजर राहुन मार्गदर्शन करणार आहे' तरी अहमदनगर जिल्ह्यातील महाविद्यालयीन व माध्यमिक शाळेतील विद्यार्थी तसेंच इतरहि क्षेत्रांतील युवकांनी आपली नांवे जिल्हा काँग्रेस सेवादल कार्यालय, कोपरगांव या पत्त्यावर सर्वांनीं त्वरीत नोंदवावीत. व या सेमिनारमध्यें भाग घ्यावा. प्रवेश फी दोन रुपये भरावी लागेल. अधिक चौकशी व माहिती जिल्हा काँग्रेस सेवादल कचेरी मु. पो. कोपरगांव या पत्त्यावर करावी.

श्री. शंकरराव काळे	**श्री. मारोतराव पाटील घुले**	**श्री. छबुराव आव्हाड**	**श्री. ज. दा. ओगळे**
अध्यक्ष,	अध्यक्ष,	स्वागताध्यक्ष,	शिबिर संचालक,
जिल्हा परिषद अ. नगर.	जि. काँ. कमिटी, अ. नगर	काँ, सेवादल शिबीर	जिल्हा काँग्रेस सेवादल

भारत प्रेस कोपरगांव

Grams : "CONGRESS"

CONGRESS EXHIBITION, 1969

(*Under the auspices of Hubli-Dharwar Corporation Congress Committee*)

CONGRESS BHAVAN, CLUB ROAD, HUBLI-20

President :
J. R. SANDRA

Vice Presidents :
S. G. AGADI
M. I. KILLEDAR

Treasurer :
K. L. KARADI

Advisers ;
MOHMED ALI
A. J. DODDAMETI
G. B. S. RAO

General Secretary :
T. B. POL

Secretaries :
S. S. HIREMATH
SAVITRI M. GUNDI
V. V. BELLAKKI

Joint Secretaries :
K. S. BEELGI
V. B. DANGANAVAR
C. Y. BHARAMGOUDAR
V. S. MANAGOLI

Ref: 288/69.

To,
Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institution
Ghataprabha,

13th April, 1969.
HUBLI.

Dear Sir,

I am pleased to inform you that to commemorate the Congress Industrial Exhibition at Hubli, a Souvenir is being published in Second week of May. This Souvenir will depict the Karnatak in construction. It will contain articles on In dustry, Agriculture, Fine art etc. It will be kind of you to please contribute an article on an subject of your choice.

Thanking you,

Yours faithfully,

(M.P. Laxmeshwar.)
Secretary.

am : " CONGRESS "

Phone : 353527

CONGRESS SEVA DAL

(कांग्रेस सेवादल, बंम्बअी प्रदेश)

Congress House,
Vithalbhai Patel Road,
BOMBAY-4. (BR.)

Replied

196

Date 6th May 1969

Reverend Doctor Saheb,

It is our pride previledge to expres our heartiest congretulation and best wishes on your 79 th birth day, on behalf of Balak-Balika, Kumar-Kumarika, and Sevak- Sevikas of Congress Sevadal Bombay.

~~And~~ Pray God for your long life and prosperities. And may He bless you and keep you healthy so as to give us your valueable guidance and inspiration for the services of our mother land.

Thanking your reverend Sir,

We beg to remain yours

obediently

Harihar. Raval

(Harihar L. Raval)
Pradesh Organiser

Asha L Kapadia

(Ashaben L. Kapadia)
Pradesh Mahila Organiser

(Odhavji D. Mahida)
Pradesh Secretary

Dr. N.S.Hardikarji
Sanchalak
All India Congress Sevadal
Ghatprabha Hubli.

गान्धीनगर — अहमदाबाद, गुजरात

97 दिनांक २२।३।६८

श्रीमान डा० सा० — सादर प्रणाम,

जीवन में पहिला अवसर संघ के अधिवेशन जिसमें स्त्री-पुरुष कार्यकर्ता कम नहीं थे। विश्वविद्यालयों की समिति की प्रबन्धकारिणी ७०% में महिला थी लगभग देखि थे। आन्ध्र प्रा० में संचालन के प्रति बड़ी आस्था दिखाई पड़ी। इसी लोगों के बड़ा सहयोग और सेवा भाव देखने को मिला। अधिवेशन बड़ी शान्ति और शान के साथ समाप्त हुआ। मिनोप्त- आवागमन की बहुत सुन्दर व्यवस्था थी। किसी को किसी प्रकार की शिकायत नहीं थी। ३० प्र० से २००० कार्यकर्ता प्रतिनिधि आये थे।

इस अधिवेशन में सेवादल की ओर से व्यवस्था थी। महिला विभाग बड़ा उपयोगी सिद्ध हुआ।

श्री एस. सी. इनामदार ने आपके पत्र के पाकर बड़ी प्रसन्नता व्यक्त की रही। बताते कि आपकी स्वीकृति के बिना वे नहीं आये। क्या आपने उन्हें गान्धीनगर जाने के लिये रोक दिया था? संगठन अनुशासन सेवादल का मौलिक कार्यक्रम है। श्री इनामदार संगठन में नहीं और स्थापक कहीं नहीं वे शामिल हुए। आपके का विचार-आदेश है इधर उधर कहीं भी तो रहना है और इन के लिये निर्णय भी लेना आवश्यक है। आपसे

और [illegible] में आऊँगा। [illegible]
मैं कल ३-३० बजे बम्बई पहुँचूँगा,
वहाँ पर [illegible] निरोध समिति
का [illegible] है [illegible]
होगा। [illegible]
[illegible] पहुँचूँगा।

आपका [illegible] है
[illegible] रही है।

आपको [illegible] है।

आपका [illegible]

१ · [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
INDIA
10 P

22 12 69

Shri Dr. N. S. Ha[illegible]

Founder-Director of A.I.C. Sevadal

Health Sanitorium.
Ghatprabha.
Dist. Belgaum
South India

M. Krishna.
Hyderabad.
Dt 27.12.69

श्री इनामदार जी

सादर प्रणाम,

आपको पत्र नहीं लिखकर बहुत दिन होगये है। इसकेलिए क्षमा चहता हूं। आप प्रदेश अधिकारियों के नाम पर जो पत्र लिखे हैं इस पत्र को मैंने पढचुका ~~है~~ हूं। और आपने सब प्रदेश अधिकारियों को चन्द्रपूर को 30.12.69 तक पहूंचने के लिए कहा हैं। ~~मै~~ चन्द्रपूर आने मे असमर्थ हूं इसकेलिए ~~मै~~ मेरा विचारों को पत्र द्वारा आपको मालूम करना चहता हूं। जो कुछ भी आपके सम्मुख विचार रखरहा हूं उन विषयों को मेरे प्रदेश संगठक श्री सत्यनारायण जी से बिना विचार किये लिखरहा हूं क्यों की प्रदेश संगठक जी मुझे 24.12.69 के दिन सायंकाल 5.00 बजे आपका पत्र दिखाए हैं। दो चार साथीयों से भी उन से मिल नहीं सका। और दूसरे दिन उनके पास समय नहीं था क्यों की हमारे संगठक जी मुम्बाई जाने के लिए तैयार कर रहे थे। और मैं भी गफ्फार खां साहाब का जन्म दिन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाना पड़ता था।

बेंगलूर अधिवेशन के पश्चात कांग्रेस में जो कुछ गुटबन्दी हुवा है और इस गुटबन्दी से संगठन का

लागू होते समय सेवादल का कर्त्तव्य पर आपको लिखना
200
रहा हूँ।

संगठन की दृष्टि और कांग्रेस विधान के अनुसार सेवादल को अध्यक्ष जी का ही आज्ञा को पालन करना चाहिये। लेकिन आज ऐसा देखा आगया है कि कांग्रेस-अध्यक्ष जी एक तरफ और कुछ प्रदेशों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और एक तरफ। ऐसे समय सेवादल किसका आज्ञा को पालन करना चाहिये हमारे सामने एक कठिन प्रश्न आ खड़ा हुआ है। इस कठिन अवस्था में हमारे संगठन को लिए हमलोगों को कुछ करना चाहिये। और उस कार्य से सब लोग संतुष्ट रहना चाहिये।

भूत पूर्व प्रधान मन्त्री स्वर्गीय पं. जवाहरलाल जी कहा करते थे कि सेवादल ऐसा संगठन होना चाहिये, कांग्रेस में जब कभी भी अव्यवस्था होने पर कांग्रेस को अपने हाथ में लेना चाहिये। और वह भी कहते थे कि सेवादल कांग्रेस का रीड़की हड्डी है जिसके बिना कांग्रेस टीक रह सकता। इन ही बातों को मैं अधिक महत्व देते हुवे आपसे मेरा यह विचार है की इन दोनों गुटों में हमारा स्थान मध्यवर्ती का होना चाहिये क्योंकि बिगड़ती हुवी कांग्रेस को बचाना है। भले ही हमारा संगठन क्यों न छोटा हो लेकिन हमारा संगठन

अनुशासन में रहता है। और लोगों को अनुशासन में रहने के लिए सिखाता है।

कुछ दिन पहिले श्री मोरारजी भाई ने कहा था कि जो मध्यवर्ति करना पड़ता है वह निस्पृहावाले और अनुशासन वाला होना चाहिये। हम ऐसे व्यक्ति को मध्यवर्ति के लिए स्वीकार करते हैं। इस विषय में आप जो उचित समझें तो प्रदेश अधिकारी बैठक में विचार विनमय करने के लिए आज्ञा दिया गया तो अच्छा होता होगा।

जब देश में या कोई राष्ट्र में शासन में अराजकता होने पर राष्ट्रपति शासन या पोलिस राज करते हैं। तो हमारा कोंगरेस एक देश मान लेना चाहिये और जो नेताओं के बीच झगड़ा होरहा है इसे अराजकता मानकर, इस अराजकता को दूर करने के लिए और संगठन को संभालते और संगठन का मुख्य अधिकारी जनरल की तरह कार्यक्रम को अपने हाथ में लेलिया जाता तो ठीक होगा। ऐसा मेरे विचार में आया है। मैं इतना छोटा सेवक इतनी बड़ी बात नहीं करना चाहिये लेकीन मेरी अंतर-आत्मा की पुकार की तरह से लिख रहा हूँ। इन विषयों में कुछ गलती होगा तो मुझे क्षमा किजीये।

मेरे ओर से संचालक और सभि अधिकारी-

गणों को सेवादल सप्ताह के शुभ अवसर पर
हार्दिक बधाई भेज रहा हूँ।

[illegible] से सेवादल का सैनिक

(कृष्णा)

To,
Sri: S.V. Inamdarji
All India Organiser
C/o Dr. N. S. Hardikar
Smarak
Congress [illegible]
Karnatak Health Insti
P/O Ghata Prabha
(MYSORE)

from.
M. Krishna
H.No: 3-5-520
Narayanaguda.
Hyderabad. 29. A.P.

Phone : GAU[illegible]TI—3174
Tel. : CONGRESS—Gauhati.

Assam Pradesh Congress Committee

Congress Bhawan,
GAUHATI—3.

Ref...............................

12......1...1970.

CONGRESS SEVA DAL.

Much respected,

May I take the liberty of requesting you to think seriously and also to give your valuable suggestions and also to take concrete steps for strengthening the organisation, and to infuse new zeal and vigour into the minds of our Seva Dal workers.

I appeal to you to consider my few suggestion which I mentioned below and do every thing possible in your power to put them into effect, in the interest of the Seva Dal organisation, the Congress and the future generation of our country.

We are now ringing down the curtain on an age that is passing away, which we are at the same time ushering in the dawn of a new era. We therefore, stand to day at one of the cross-road of history.

India is now passing through a revolutionary tradition. It is manifest as a crisis in her national life. This is a collosal task of revoluttionary changes in all aspects of life, a radical transformation of the existing social structure, a fundamentally qualitative change in the mass minds and in their modes of living and working. So, without any loss of time, we should march forward in line with the circumstances and try to adjust ourselves to the practical and social environment at present obtaining, so that our organisation could have carried the country

Contd page No-2.

rward and achievements.

For this it is necessary to look to Seva Dal not only as 'Volunteers' but as an 'Organisation' , which means continuous maintenanc and constant checking.

We should place before the organisation and the top leaders of making a systematic and thorough study of the situation arround us. We should make a detailed investigation and study of developments in the economic, financial, political, cultural and our organisational activities, our leaders and ourselves, and then draw the proper and necessary conclusions. To this end, we should direct ur workers attention t the investigation and study of these practical matters. In the work of any department, it is necessary to know the situation first and only then can the work be well handled.

The transformation and construction of India depend on us for leadership. When we have rectified our way of thinking and style of work, we shall enjoy greater initiative in our work, become more capable and work better. Our country has need of many people who wholeheartedly serve the masses and the cause of socialism and who are determined to bring about changes.

We need a good number of caders and sympathisers with great ideals who will fight dauntlessly together with us for the transformation and construction of our society in the direction of democratic socialism.

Contd Page No - 3.

We, Seva Dal workers, are the backbone of the Congress organisations the vanguard in the overthrow imperialism. We have set out the principal experiences and principle problems of our organisation in its 46 years of history.

How are we to build up our organisation ? How can we build up a revolutionary organisation which is national in scale and has a broad mass character, a organisation which is fully consolidated ideologically, politically and organisationally ?

To sum up our 46 years of experience and our current new experience on the basis of our understanding of the unity between the theory of Gandhism and the practice of the mass revolution, and to spread this experience throughout the organisation, so that our organisation becomes as solid as steel and avoids repeating past mistakes such in our task.

We are living in a period of great social change. But the present change in much more profound in character than the earlier ones. We are now going to establish socialism. Millions of people are taking part in the different movement for socialist transformation. The present social and economic system must be changed. If so, then we must overthrow the old social system and we should establish a new one, the system of socialism. It is a great struggle, a great change in the social and economic system and in men's relations with each other. Ofcourse the new social

Contd Page No.- 4.

system has only its consolidation. To achieve its ultimate consolidation, it is necessary not only to bring about the socialist industrialisation of the country and preserve in the socialist revolution on the economic front, but to carry on constant and ardous socialist revolutionary movement and socialist education on the practical and ideological fronts.

Secondly, there is the question of the remoulding of the intellectuals. Without intellectuals our work cannot be done well, and we should therefore do a good job of uniting with them.

Thirdly, there is rectification. Rectification means correcting one's way of thinking and style of work. The main thing in this rectification movement is to criticise the following three errors in one's way of thinking and style of work - subjectivism, bureaucracy and sectarianism.

Forthly, there is the question of one-sidedness.

Fifthly, there is the question of the integration of the office bearers (top leaders) of the Congress Committee with the Seva Dal workers and with the masses. The luke-warm attitude of the Province, District Congress Committees towards Seva Dal organisation must be abolished immediately. The Congress Committees must tackle the question of ideology. In many places the Congress Committees have not yet tackled the question of ideology, or have done very little in this respect. The reason is that most of all top leaders are busy with the power politics. But they must tackle it.

Contd Page No - 6.

In the sphere of organisation, it should be done on the following lines.:-

(1) The leading bodies of the organisation must give a correct line of guidence and find solution when problems arise.

(2) The higher bodies must be familiar with the situation in the lower bodies so as to have an objective basis for correct guidence.

The lower bodies of the organisation and our party rank and file must discuss the higher bodies directives indetail inorder to understand their meaning throughly and decide on the methods of carrying the out.

We should encourage our workers to take the interests of the whole into account. Every worker rank and file, every branch of worker, every statement and every action must proceed from the interests of the whole organisation, it is absolutely impermissible to violate this principle.

Next the question of the relationship between the individual and the organisation. Although in words some leaders profess respect for the organisation, in practice they put themselves first and the organisation second. What are these people after ? They are after fame and position and want to be in the lime light. They are very clever in looking after their own interests, but pay little heed to the interests of others and of the organisation as a whole.

Contd page no. 6.

Finally,, the mistakes of the past must be exposed without sparing anyone's sensibilities. It is necessary to analyse and criticize what was bad in the past with a scientific attitude so that work in the future will , be done more carefully and done better.

I hope you will give this matter your serious attention.

With my kindest regards.

Yours sincerely,

(R. Chakravorty)
G. O. C.

To,

Dr. N. S. Hardiker,
Sanchalak, Congress Seva Dal,
Kornatak Health Institute,
Ghataprabha, Mysore.

श्रीगणेशायनमः

पता: -
श्री दिनेश बाजपेई
द्वारा :- श्री दीपनारायण शुक्ल वैद्य
X.V. 77।। रामनगर
नई दिल्ली - 55

Personal 209

ता. 21-1-70

आदरणीय डाक्टर साहब जी!

सादर प्रणाम।

यहाँ की स्थिति: की सभी जानकारी श्री इनामदार जी से आप को बराबर प्राप्त होती रही है। आप के लगाव के अनुरूप श्री इनामदार जी की अनुमति से मैं अभी तक 7 जन्तर मन्तर स्थित कार्यालय में बैठा हूँ और सेवादल की सभी लेखा सम्पत्ति सुरक्षित है। इस बीच हमें बराबर धमकियाँ भी प्राप्त हुई हैं और हमारे ऊपर सख्त निगरानी रखी जाती है तथा झूठी शिकायतें स्थाई मंत्री द्वारा मुख्य सचिव तक की जाती हैं। श्री गोवर्धनप्रसाद जी द्वारा सदैव संगठन का अहित हुआ है। अब भी वह ग्यारह बजे के बाद कार्यालय आते हैं और तब तक हमें बाहर खड़ा रहना पड़ता था वह विभाग की चाभी अपने जेब में रखते थे कि मैं पेशाब आदि करने में जाऊँ तो वह ताला बन्द कर दें इस प्रकार परेशान करते थे। उनका कहना था श्री रघु शौले जी ~~[illegible]~~ को भा. सहायक संगठक न मानो मैंने कहा डा. साहब द्वारा उनकी नियुक्ति हुई है अतः मैं उनको मानता हूँ। वह बिगड़ गये और असभ्य भाषा का प्रयोग किया तथा कहा डा. साहब कौन हैं हमने कहा वह संचालक हैं। उन्होंने कहा ~~[illegible]~~ मैं नहीं मानता और उनका यहाँ कुछ नहीं चलेगा अब मुख्य सचिव जैसा चाहेंगे वह होगा। मैं स्थाई मंत्री के जाकर एक दिन नाराज हुआ कि श्री गोवर्धन जी का निजी कार्यालय नहीं है जब चाहते हैं आते हैं और चाभी जेब में रखते हैं। मैं बेवकूफ की भाँति बाहर प्रतीक्षा करूँ। मैं दरवाजा तोड़ कर अन्दर जाकर बैठूँगा। स्थाई मंत्री ने कहा आप इनामदार जी के आदमी हैं मैं आप पर विश्वास नहीं कर सकता। लेकिन चाभी मैं आपको दिलाता हूँ रोज हमसे चाभी ली और हमें वापस दी तथा श्री इनामदार जी से मत मिलना और वह यहाँ आयें तो उनको न आने देना। इस प्रकार चाभी प्राप्त की। एक दिन सुब्बाराव जी बोले आजकल तो संचालक बने हो हमने कहा कि सुब्बाराव जी मजाक मत

मेरे संचालक डा. साहब हैं मैं तो उनका एक सेवक हूँ। गोवर्धन जी बोल पड़े फिर डाक्टर का नाम लिया वह कुछ नहीं हैं यहाँ अगर नौकरी करनी है तो संचालक का चक्कर छोड़ दीजिये। निरंजनलाल बोले कोई बात नहीं किसी को दो दिन पहले (श्री खुशालि जी, मदन जी) नोटिस मिलेगा किसी को (मुझे) दो दिन बाद। इस प्रकार अभी तक मैं यहाँ डटा रहा हूँ अब श्री मनुभाई पटेल ने यहाँ इस विभाग का चार्ज ले लिया है और कल ता. २०-१-६० को कार्यालय में उपस्थित हुवे थे। उनकी नियुक्ति के सम्बन्ध में श्री इनामदार जी ने आप को पत्र लिखा है। मुख्य सचिव श्री श्यामधर मि के परिपत्र की प्रति भी आप के पास कार्यालय से भिजवा ~~दिया~~ दी है।

अब मैं आप की अनुमति की प्रतीक्षा कर रहा हूँ कि आप हमें आज्ञा दें कि मैं इस कार्यालय से मुक्ति लेकर श्री इनामदार जी के साथ चला जाऊँ क्यों कि श्री इनामदार जी भी अकेले वहाँ परेशानी उठा रहे हैं। कृपया पत्र पाते ही स्वीकृति भेजकर हमारी मानसिक परेशानी दूर करने की कृपा करें।

अपना पता ऊपर लिख दिया है
इसी पते पर शीघ्र पत्र लिखने
की कृपा करें।
पत्र शीघ्रता में लिखा है अतः
त्रुटियों पर क्षमा करें।

आप की अनुमति की प्रतीक्षा में
आप का पुत्र
दिनेश बाजपेई
२१-१-६०

ंगठन स्वयं ही दो टुकड़ों में बँट गया। क्या सेवादल के भी
टुकड़े होंगे? यह एक जटिल प्रश्न है। और इसके लिये हिम्म
करके आगे आना ही पड़ेगा।

आपका इस मामले में क्या निर्णय, आदेश है
अलग हो जाना, चुप बैठ जाना काफी है। जिसकी कोई राय
नहीं, जिसका कदम आगे नहीं वह कभी भी जिन्दा न
रह सकता। क्या आप इसे कांग्रेस से बाहर निकाल क
एक और संगठित हिन्दुस्तानी सेवादल पुनः नहीं बना
सकते। इसमें से आपकी निगाह में कौन सर्व योग्य,
अनुभवी, संगठन को उठा कर भारत में सबके आगे
आजाद) झण्डा उठा कर। यह कह सकने वाला कौन है
जो ऐसे आड़े समय में मार्ग दर्शन दे सके। यदि इस
समय अविलम्ब कदम नहीं उठाया गया तो सेवादल
की लाश ही नहीं उसका निशान, इतिहास और अप
व की की हुई सभी सेवाएं मिट्टी में मिल जायेंगी
ाप कम से कम अपने जीते जी ऐसा मत होने दीजिये
पने जीवन की अन्तिम घड़ियों में भी आपका
रीर दधीच की हड्डियों की भांति काम आ जाय तो
निशान पुनः आगे उठेगा। अक्षम्य होगी

आपकी चुप्पी, आपकी निष्क्रियता, और बाहरी
गत में आपके एक अनन्य प्रभाव वाले [illegible]
की भूमिका लाखों सेवादल के युवक, सैनिक,
अधिकारी, कार्यकर्ता और उनके लिये खून पसीना
बहाने वाले संस्थापक, संचालक और उनके साथि
का रहे हैं।

कांग्रेस बँट तो बँट जाय पर सेवादल के टुक
न हों। सेवादल दोनों कांग्रेसों के लिये मार्गदर्शि
का स्वरूप ग्रहण करे।

आपके उत्तर, आपके निर्णयात्मक आदेश प
और direction के बिना यह खून-पसीने से
बना संगठन ढह जायेगा। विनाश की ओर एक मिन
बड़ी मूल्यवान है। इसे हाथ से खो देना महान
[illegible] - गलती होगी।

मैं यह पत्र पूना से लिख रहा हूँ। शिक्षावृत्ति निरीक्षण समिति की एक कमेटी यहाँ आई थी। मैं आज श्री. निरगुण हार्डीकर से भी मिला था। उनसे बातचीत करने पर उनके भी वही विचार मुझे लगे जो मेरे हैं। उनका कहना है हम बुनियादी सेवादल के लोगों से भी किसी Final decision के पूर्व पूछा जाना चाहिये थे अवश्य।

सेवादल एक ही ध्येय, संगठन, अनुशासन और आदर्श प्रस्तुत करके हम लोग क्या ४० वर्ष की तपस्या के पश्चात क[illegible] टुकडों में बाँट कर एक दूसरे पर कीचड उछालने और कां[illegible] के महान त्यागियों और पथ-प्रदर्शकों को कमजोर करने उन्हें परेशान करने और उनका सम्मान गिराने तथा उनको बदनाम करने का पाप इस सेवादल के द्वारा कराया जाना आप पसन्द करेंगे?

आपकी इस समय की चुप्पी बड़ी भयंकर गलती होगी। मैं एक बहुत छोटा सा स्वयंसेवक हूँ। थोड़ा सा अनुभव है परन्तु मैं जन साधारण के बीच में निवास करता हूँ। आज जनता की मांग है एक ऐसे महापुरुष की जो इन दोनों से ऊपर उठ कर साहस के साथ नेतृत्व ग्रहण कर सके। भले ही उसे लोग न जानते हों। उनका इस समय में अगुवाई का ताज लेना ही भारत की जनता को अपने साथ ले लेना है।

आप आज वृद्ध है, अस्वस्थ हैं आपके आर्थिक साधन बहुत सीमित है। यदि आप साहस से कर्मक्षेत्र में निकल पड़ें चाहे इसी में बलिदान हो जाना पड़े तो आपका बलिदान इस भारत में महात्मा गान्धी से कम न ही होगा। नेतृत्व के लिये Risk तो लेनी ही होती है।

अन्त में यही निवेदन है कि अतिशीघ्र विचार कर अपना एक वक्तव्य अखबारों को दे इन सभी पुराने साथियों को मार्ग दर्शन दे और पथ प्रदर्शक बन कर निकल पड़ें। उत्तर की अविलम्ब प्रतीक्षा में आपका। - सेवक - ब्र.० देव ५/६/६६

श्रद्धेय मा० श्री शंकर साहब, सादर प्रणाम,

मैंने एक पत्र आपकी सेवा में अहमदाबाद और एक बंबई से

भेजा था। राजनीतिक जीवन में अनेक उथल पुथल आती रही है परन्तु जो

स्थिति आज उपस्थित है वह बड़ी ही अजीबो गरीब है। ~~[illegible]~~ बुद्धि भी जाग

रही है, एक में से दो हुए। एक ओर सत्ता का आकर्षण, कुर्सी और भोग [illegible] इसने तो जीवन का अनु-

और संघर्ष) भविष्य दोनों का ही अन्धकार मय है।

शासन और संगठन पर ही विश्वास किया है। बना कर कांग्रेस में

आपने हिन्दुस्तानी सेवा दल को 'कांग्रेस सेवा दल' बना कर [illegible] सेवा दल के जीवन पर्यन्त, उसके पोषक

विलीन कर दिया था। १९३१ से आज तक [illegible] संगठन स्वतंत्र होता तब अधिक जीवित

बराबर यही सोचते रहे कि यदि ~~[illegible]~~ कांग्रेस सेवादल बना [illegible] ने इसे कभी भी

जागृत रहता। जिस दिन से यह अपने उपयोग का साधन मात्र स्वीकार किया

नहीं अपना था - इसको [illegible] रूप में व्यवहार नहीं किया।

कभी अपने वास्तविक अंग के [illegible] कि सेवादल अधिकारियों

आपने अपने निवास में [illegible] लगती [illegible] अधिकारी की सेवा, शान्ति

पद पर संगठन में नहीं आ सकता अतः [illegible] संगठन की नींव को

और प्रभाव को कोई महत्व नहीं मिला और वह [illegible] खड़ा होगा। New sence Valu

पश्चात वह दब गया और उस पर [illegible] तथा सेवा दल की [illegible]

का विकसित नेता जिसने कभी स्वयं सेवकों तक [illegible] देखते रहे। अब कांग्रेस

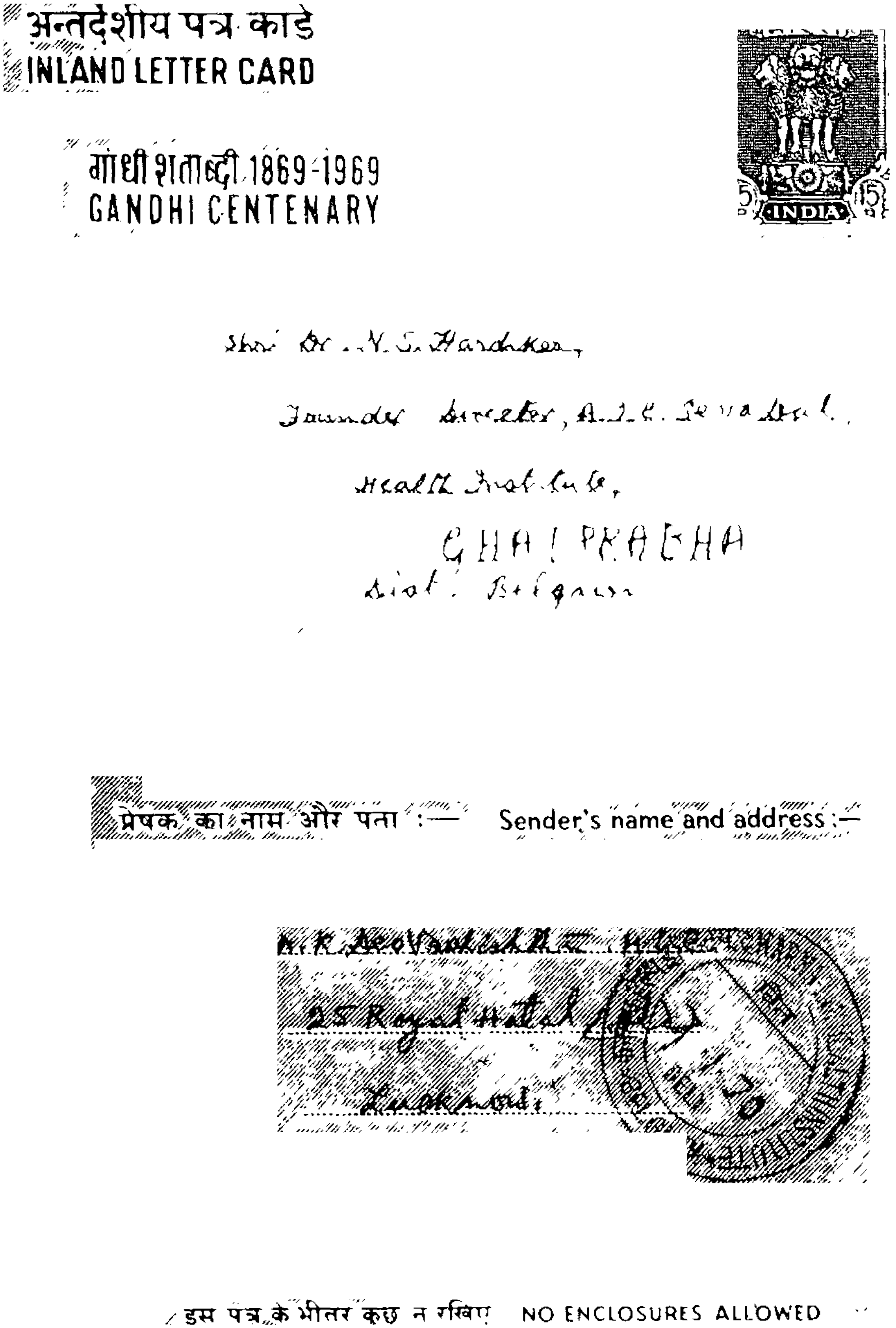

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

गांधी शताब्दी 1869-1969
GANDHI CENTENARY

Shri Dr. N. S. Hardiker,

Founder Director, A. I. C. Seva Dal,

Health Institute,

GHATPRABHA

Dist. Belgaum

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

[illegible]

25 Royal Hotel [illegible]

Lucknow.

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

गांधी शताब्दी 1869-196
GANDHI CENTENAR

भारत
15 INDIA 15

Shri Dr. N. S. Hardiker,
Founder Director, A.I.C. Sevadal,
Health Institute,
GHAT PRABHA
Dist. Belgaum

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

K. K. [illegible]
25 Royal Hotel [illegible]
Lucknow.

INSTITUTE 20

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

213

श्रद्धेय मा० श्री शंकर साहब, सादर प्रणाम,

मैंने एक पत्र आपकी सेवा में अहमदाबाद और एक बम्बई से
भेजा था। राजनीतिक जीवन में अनेक उथल पुथल आती रही है परन्तु जो
स्थिति आज उपस्थित है वह बड़ी ही अजीबो गरीब है। मानसिक वृद्धि भी इस
लगा रही है, एक में से दो हुए। एक ओर सत्ता का आकर्षण दूसरी ओर त्याग
और संघर्ष), भविष्य दोनों का ही अन्धकार मय है। इसने तो जीवन भर अनु-
शासन और संगठन पर ही विश्वास किया है।

आपने 'हिन्दुस्तानी सेवा दल' को 'कांग्रेस सेवा दल' बना कर कांग्रेस में
विलीन कर दिया था। १९३१ से आज तक सेवा दल के जीवन पर्यन्त, उसके पोषक
बराबर यही सोचते रहे कि यदि यह संगठन स्वतन्त्र होता तब अधिक जीवित
जागृत रहता। जिस दिन से यह कांग्रेस सेवादल बना कांग्रेस ने इसे कभी
अपने उपयोग का साधन मात्र स्वीकार किया
नहीं अपनाया - इसको कभी अपने वास्तविक अंग के रूप में व्यवहार नहीं किया।

आपने अपने नियमों में बांध लगाई कि सेवादल अधिकारी
पद पर संगठन में नहीं आ सकता अतः उस अधिकारी की सेवा, शक्ति
और प्रभाव को कोई महत्व नहीं मिला और वह संगठन की नींव का
पत्थर बन कर दब गया और उस पर खड़ा होगा New Service Vol
का तिकड़मी नेता जिसने कभी स्वयं सेवकों तथा सेवादल का महत्व
नहीं दिया। हम ये सब १९३० से १९६८ तक देखते रहे। अब

उसने आपको पूज्य और आदर्श मान कर पूजा की है। सारा जीवन अर्पण करके भी इसी आशा पर [illegible] मिली। आपका भी इधर कोई कृपापत्र नहीं मिला। जीवन की अन्तिम घड़ियों में आपके स्वास्थ्य स्थिति जानने से भी वंचित रहने से बड़ा मानसिक कष्ट हो रहा है जिसका वर्णन करना कठिन है।

आशा है कि आप पत्र देकर अपने स्वास्थ्य के समाचारों की सूचना देने की कृपा करेंगे।

श्री शेवड़े जी का भी इधर का पत्र नहीं आया।

आप कृपा कर अपने समाचार लौटती डाक से भेजने की कृपा करेंगे।

आपका-सेवक
रा० देवनारसिंह

214 आज होलिकोत्सव पर
मेरा अभिवादन - बधाई व शुभ
कामना स्वीकार कीजिये। प्रति वर्ष की
भांति पुनः यह मिलन त्यौहार सम्पूर्ण
भारत में मनाया जाता है जिस में
जाति पांति या पार्टी का भेद भी
छोटे बड़े सब समान रूप से एक
दूसरे से मिलते है।

आप मेरे राजनीतिक ही नहीं
व्यक्तिगत जीवन के गुरु होने के नाते
हम आपको अपना अभिवादन भेज
रहे है। आप अपना आशीर्वाद तथा
प्रेम प्रदान कर कृतार्थ कीजिये।

आपका आज्ञाकारी सेवक
जा० देवा ।८।४

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

गांधी शताब्दी 1869-1969
GANDHI CENTENARY

भारत INDIA 15

Shri Dr. N. S. Hardiker
Founder of Congress Seva Dal
Health Institute
Ghatprabha
Dist. Belgaum

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

K.K. [illegible]
Va[illegible]
Hali[illegible]
HAGHRAS
Dist. [illegible]

श्रद्धेय डा० सा०: ४।८ हाथरस
सादर प्रणाम-नमस्कार दि० २३।३।७६

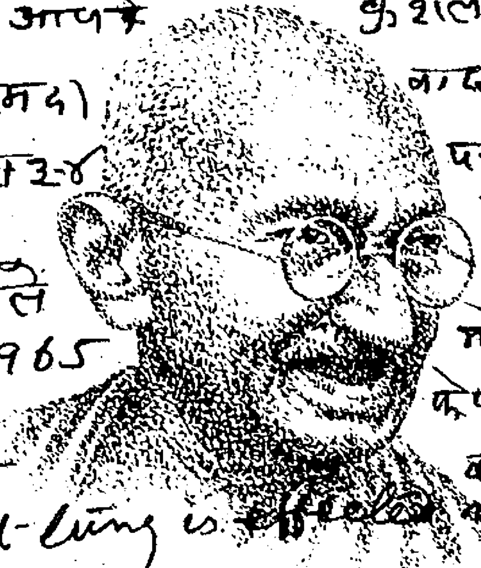

बहुत दिनों से आपके कुशल समाचार प्राप्त नहीं
हुए। मैंने अहमदा बाद और बम्बई आदि
शन के प्रस्ताव ३-४ पत्र लिखे थे। उसके
स्थान में बहुत बीमार हो कर अस्पताल
चला गया। पिछले पेनिसिलिन का
Reaction 1965 में हो आया जिससे
कारण दाहिने फेफड़े पर घाव बन गये
। वही फिर बढ़ गया और (lower
al of the left lung is [illegible]) दाहिने फेफड़े
के नीचे भाग लगभग समाप्त हो गया। उनकी
चिकित्सा चल रही थी कि पक्षाघात (दिल का दौरा)
हो गया। उठने बैठने की भी शक्ति नहीं रही।
अब एक सप्ताह से कुछ कुछ चलने लगा हूँ।

मैं देहली जाने को था परन्तु बीमारी के
कारण मजबूर हो गया। अप्रैल में स्वास्थ्य ठीक
होने पर फिर आपको पत्र लिखूँगा। और इलाहाबाद
का भी दुःख। एक भी पत्र नहीं आया। बड़ा
खेद और आश्चर्य है कि उन्होंने तो २-३ वर्ष में
जाने के बाद से आजतक कोई पत्र तक नहीं लिखा
इतने वर्षों के निजी सम्पर्क छोड़ दिये। हमारा
सम्बन्ध व्यक्तिगत भी एक दूसरे से है और र
रहा है। इसी के बल पर हम एक दूसरे की सेवा
प्रेम, सम्बन्ध, सम्पर्क बनाते आये हैं।

आपको भी हमने अपना गुरु और आदर्श
मान रखा है निरादर -- कांग्रेस में जो भी काम किये

श्री महामंत्री जी,
अ०भा०कां० कार्यालय,
7 जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली।

माननीय महोदय,

सेवा में निवेदन है कि तारीख 22/12/69 के पश्चात् यहाँ सेवादल में तथा सेवादल विभाग के प्रति जो घटनाएं घटित हुई है उनसे हमें अधिक दुःख हुआ है। जिससे काम करने का दिल नहीं होता है। ऐसा लगता है कि सेवादल विभाग में जो परिवर्तन हुआ तथा नियुक्तियां आदि हुई एवम् कार्यकर्ताओं को यहाँ से बाहर भेजा गया सेवादल के हित को सामने रखते हुए तथा सेवादल के निर्माता एवम् संचालक डा० ना०सु० हर्डीकर साहब के पूर्व सम्मति से नहीं किया गया है। इन सब घटनाओं ने कार्यकर्ताओं के प्रति अविश्वास तथा इससे पूर्व नियुक्तियों की जानबूझ कर उपेक्षा लगती है एवम् जो नियुक्तियां हुई है वह हमें अवैधानिक लगती है।

ज्ञातव्य है कि पूजनीय डा० ना०सु० हर्डीकर जी आज भी कांग्रेस सेवादल के संचालक है उनसे इस बारे में पूर्व परामर्श नहीं किया गया तथा उन्हें उपेक्षित रखा गया है। ऐसा हमारा अनुमान है। अभी तक मैं यहाँ इस प्रतीक्षा में कार्य करता था कि कुछ स्थिति में सुधार होगा लेकिन वह दिखा नहीं देता है। इस स्थिति में इस कार्यालय में कार्य करना हमें योग्य नहीं लगता है। अतः मैं तारीख 10/3/70 से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शिविर कार्यालय 15 विंडसर प्लेस में कार्य करने का निश्चय करता हूं। कृपया नोट करें।

हितैषी,
दिनेशनारायणबाजे
प्रकाशनव्यवस्थाप..
कांग्रेस सेवादल

9 मार्च 1970

प्रतिलिपि:

(1) श्री डा०ना०सु० हर्डीकर, निर्माता एवं संचालक कांग्रेस सेवादल कर्नाटक स्वास्थ्य शिक्षा केन्द्र, घटप्रभा, जि० बेलगांव।

(2) श्री श्रीराम कुर्शाले, अ०भा०सहायक संगठक, कां०सेवादल

218

Phones : 45555
40209

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी دہلی پردیش کانگریس کمیٹی

DELHI PRADESH CONGRESS COMMITTEE

Spec) 93172

11, FIRE BRIGADE LANE,
NEW DELHI-1

January 14, 1972

Dear Doctor Saheb,

Shri Radha Raman gave me a nice snub the other day as to/ why I have not written to our revered Doctor for such a long time. As a volunteer, I admitted my mistake and promised him to write a letter to you at the earliest, which I am doing now. There is an English proverb 'No news is a good news'. I have been finding out from Inamdarji about your health and I was told that you are hale and hearty but there seems to be some difficulty for you to travel, which at times should be a must. Any way, I pray to Almighty to keep you fit and fine for a number of years to come.

You might be aware that I retired from my Government service on 17th March 1970. To my good luck, I was taken as a Permanent Secretary of Delhi Pradesh Congress Committee the next day i.e. on 18th March 1970 and ever since I am here doing my work with volunteer's spirit and volunteer's discipline. Of course, Radha Ramanji as President of the DPCC is my friend, philosopher and guide as before. There has been one change in my life. I am not a free bird now. I have to nail down myself for about 12 hours a day in the office. But I love my work and am doing it with the same zeal and missionary spirit as is expected from an old voluntee of my calibre.

I once again pay my hearty respects and very kind regards to you.

Yours sincerely,

(Chandu Lal Parwana)

Dr.N.S.Hardiker,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha (Mysore State)

CONGRESS SEVA DAL WEST BENGAL
77, Acharya Jagadish Bose Road,
Calcutta-14.

To
The President,
W.B.P.C.C.,
77, Acharya Jagadish Bose Road,
Calcutta-14.

Dear Sir,

Sub: Continuation of my report dated 2.1.73 in connection with the indident that took place in Seva Dal Camp on 25th Decr'72 night at Bidhan Nagar.

I believe that you have gone through my detailed report mentioned above and have given careful consideration to the matter. I expected that you would kindly let me know as to the actions taken on my report. Also I expected that you would ask me to meet you for further discussion if necessary.

I am receiving letters from the guardians of Seva Dal volunteers in several districts asking reasons what laid to a situation that police action was necessary against their boys and girls whom they sent to Bidhan Nagar as members of Congress Seva Dal Organisation to serve in the Congress Session. I understand that you have also received copies of such letters. They mentioned that they have seen a report in the newspapers to the effect that the General Secretary of the Reception Committee had given a press statement that a hugd number of anti socials who were already inside the Sevadal Camp were driven out by the police on [illegible]th Dec'72 night. Now the question they have put forward to me whether these boys and girls were anti socials and how that the charges were proved ? They wanted early replies from us. In case they do not receive any satisfactory replies from us, they wanted to go to the Court for justice.

I would request you to take immediate action in the matter so that the situation does not deteriorate further. I submit that the enemies of Congress Seva Dal have already come out to harm the organisation by exploiting the present situation. As such our action in the matter should be correct and just so that our enemies get silencing reply.

Thanking you,

Yours faithfully,

Dated, 5th Feby'73.

(Hardeo Sharma)
~~Camp Commandant,~~
Pradesh Instructor,
Congress Seva Dal, West Bengal.

Copy to:-

1. President, A.I.C.C., New Delhi.
2. Member In Charge, Congress Seva Dal, New Delhi.
3. All India Organisor, " " " "
4. Chairman, P.S.B., ~~Calcutta~~ West Bengal.
5. Members of the Executive Committee, W.B.P.C.C.
6. Pradesh Organiser, Congress Seva Dal, West Bengal

220

20 / 26.4.73

फोन : 7100

काग्रेस सेवादल, इन्दौर

महिला विभाग

संगठिका :
लीला मेहता

कार्यालय :
गांधी भवन, इन्दौर
उपकार्यालय :
११६१/२८ नन्दानगर, इन्दौर

क्रमांक ___

दिनांक 21-1-73.

BY EXPRESS

To,

The Chairman,
Reception Committee.
Séva Dal Biradari,

Dear Brother .

I am in receipt of Invitation card from New Delhi to attend the Honour Program Of Dr.N.S.Hardikar. In reply to the same I am glad to Intimate you that Myself and Shree Bhagwan Das Dube are reaching Ghatabrabha,

Thanking you,

(Lila Mehta)

from,
Mathan Kartha,
CONGRESS SEVA DAL VAZHAKULAM; P. O. Kadalikad
(Via) MUVATTUPUZHA; ERNAKULAM DISTRICT; KERALA, INDIA.

To, Sri. M. N. Sathyanarayan
Pradesh organiser, Cong: Seva Dal.
Mysore P.C.C.

Dear Friend

Thank you very much for your inviting me to attend the programme to honour Dr. N.S. Hardikar. But as my wife is under medical treatment now I am not able to attend the programme. Wishing all good success.

Yours faithfully

Mathan Kartha
1-5-73.

संत-रजब स्मारक

कॉंग्रेस सेवादल ओकेडेमी,
महेमदाबाद (जी. खेडा)
ता. ३-५-१९७3

डॉ. श्री हार्डिकरजी।

आप सेवादलके जन्मदाता है। हम सेवादलमें आपके आशीवाद से कार्य करते है। सेवादल ओकेडेमी महेमदाबाद की ओर से मैं भगवानको प्रार्थना करता हूं के हमारे डॉ. जी को बहोत वर्षोतक हमारे साथ रखना और उनकी आज्ञासे हम सेवादलमें काम करें।

मंगलदास भारतीय
प्रदेश शिक्षक

काँग्रेस सेवादल, गुजरात

फोन : २३८५१
तार : काँग्रेस

काँग्रेस भवन, भद्र,
अहमदाबाद - १.

Dr Hardikarji,

We are going to publish the history of SevaDal activities in Gujarat 1923-1930 to 1974. On the occasion of Golden Jubilee of Sevadal we have collected the matter for the same. So our humble request

to you to send your
message or letter
for the same kindly
We have Sevadal
Samelan on 26th &
27th october 1974 at
Sevadal academy
Mahemdabad.
Excuse for the trouble
Yours faithfully
Ratanji Dhimer

2214

Dr N.S. Hardik
Sanchalak
Sevadal
& Hospital
GHATPRABHA

LL INDIA CONGRESS COMMITTEE
5, Dr. Rajendra Prasad Road,
NEW DELHI-1.

ता० 15-11-73.

225

श्रद्धेय डाक्टर साहेब

नमस्कार

On 15th of October 73 I sent you a Postcard informing about the abrupt end of my fathers life. I wrote about his last desire also. In those sorrowful moments a word from you would have given solace to my grief-stricken mind. But alas! I was not

TAMILNAD CONGRESS CO
elegrams: "CONGRESS"
~~elephone: 72447~~
ef: T. N. C. C. 59/519.

226

Respected Dr. ji,

Namasthe Please kindly excuse me I have come down to Madras yesterday evening I have receive your letter through Shri Inamdar. and he also told me to go Ghataprabha I too planed to come via Ghatapra and thought of your darshan. This reason only I didi eply your letter in the camp itself. But my father requested me to come to Madras because he underwent an operation Instead of this there were so many girls who came to Bombay camp they were short of money I have to come to Madras for their help.

I will try my best to come to Ghataprabha at my earliest. I may go next month to u.p. for womans convention. Before that I will try to meet

About our camp at Bombay I was given office work. I was satisfied with my work. They were 60 campers. he camp was not up to the standard. very few girls attended from other states.

I hope you are doing well.

once again you please excuse me of not meeting you at Ghataprabha.

Yours sincerely.

N. Kalki.

INLAND LETTER CA
NO ENCLOSURE IS ALLOWI
अन्तर्देशीय पत्र
इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

Dr. N Hardikar.
Sanchalak, Congress Seva Dal
Karnatak Health Institute
Ghataprabha.
Mysore State.

<— Third fold here —>

<— First fold here —>

<— Second fold here —>

Sender's Name and Address:
TAMILNAD CONGRESS COMMITTEE
111, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

THE SOLAR PRINTERS, MADRAS-2.

228 नई दिल्ली
13-11-74

परम पूजनीय

गफ्फर साहब

शेर शाष्टाग प्रणाम.

आज दीपमालिका के त्योहार पर मेरे परिवार के सभी सदस्यों ने आपका स्मर्ण किया सभी आपके चरणयुगलों में नत मस्तक हैं।

गोवर्धनप्रसाद

Chairman :
Sh. Mool Chand Gupta
M.C.
Secretary
Smt. Habiba Kidwai
M.C.
Members :-
Sh. Raj Kishan Gupta
Sh. Shamim Ahamad
Sh. Narendra Kumar Jai
Sh. Tirilok Chand Bansal
Sh. Ved Parkash Goel
Sh. Natwar Lal Goenka
Sh. J. D. Jain

Phone : 267943

CONGRESS SEWA DAL CITY DISTT
Souvenir Committee

305, Kuncha Ghasi Ram
Chandni Chowk,
Delhi-110006

5. XI. 74.

Dr. N. S. Hardikar
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.
Distt. Belgaum (Karnatak)

Respected Sh. Hardikar ji.

It is a matter of great pleasure to inform you that we are bringing out a Befiting Souvenir on the 57th Birthday (19th Nov.'74) of our beloved Prime Minister Smt. Indira Gandhi.

The Souvenir will consist of usefull and most informative, important matters, current Political, Social and Economical situations of the country. The activities of Congress Sewa Dal in Delhi and outside alongwith the messages and articles of the dignatories and V. I. Ps.

It will worth if you kindly send your article / message on any above issue at your earliest.

With regards.

Yours faithfully,

Habiba Kidwai

(HABIBA KIDWAI)
(SECRETARY)

CONGRESS SEVA DAL
BOMBAY PRADESH
काँग्रेस सेवा दल
(बम्बअी प्रदेश)

"Congress Sadan" Mahapalika Marg,
Azad Maidan, Bombay 1.

२० ऑक्टोबर 197४

माननीय डॉ. ना. सु. हर्डीकर
संस्थापक कॉंग्रेस सेवादल

महोदय,

आपली प्रकृति अचानक ढासळल्याची वार्ता ऐकून वाईट वाटले. परमेश्वराने आपणांस दीर्घायुष्य करावे मुवदी: विधात्याकडे आमची प्रार्थना आहे.

आपली आता प्रकृति कशी आहे हे कळविल्यास फार आभारी राहीन.

तसदीबद्दल क्षमस्व.

आपला,

प्रदेश संयोजक

231

सोलापूर जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल

कार्यालय ; – नवीपेठ पंढरपूर (जि. सोलापूर)

पत्ता:– १०३२ नाथचौक

6-12-74

जावक क्र. ...वंदेमातरम... दिनांक ६. १२. १९७४.

मान. प्रो० ना. सु. हार्डिकर
संस्थापक कॉंग्रेस सेवादल

सोलापूर जिल्हा कांग्रेस सेवादलाचे जिल्हा शिक्षक .... श्री.नागनाथ उध्दव सिंगण हे दि.४.१२.७४ रोजी झालेल्या नगरपालीकेच निवडणूकीसाठी वार्ड नं.२२ मधून कांग्रेसचे अधिकृत उमेदवार म्हणून उभे हो त्याचे विरुध्द सोलापूर जिल्हा जनसंघाचे नेते श्री.पांडुरंगराव घळसासी हे उभे होते.श्री.घळसासी यांचा श्री.नागनाथ सिंगण यांनी प्रचंड मतांनी पराभव केला.जिल्ह्यातील व गावातील सर्व कार्यकर्त्यांचे या निवडणुकीचे निकालाकडे लक्ष लागले होते.पंढरपूरातील सर्वात प्रतिष्ठेची ही निवडणूक मानली जात होती.श्री.नागेश सिंगण यांची निवडणूक म्हणजे दोन तत्वांच झगडा होता व मतदारांनी जनसंघाचा दारुण पराभव करुन कांग्रेसला विज केले.जनसंघाच्या प्रचारासाठी पुण्याची मातब्बर मंडळी,व जिल्ह्यातील श्रेष्ठ कांग्रेस जनसंघ कार्यकर्ते पंढरपूर येथे या निवडणूकीसाठी व यश मिळविण्या. साठी तळ ठोकून बसले होते.कांग्रेस कमिटीने मतदारांचे कांग्रेसला भरघोस यश दिल्याबद्दल अभिनंदन केले आहे.कांग्रेस सेवा दलाला मानाची जागा देऊन कांग्रेस सेवा दलाचा श्री.औदुंबरराव पाटील,श्री.बाबुराव जोशी व श्री.पुरवत यांनी जो गौरव केला त्याबद्दल सर्वत्र त्यांचे अभिनंदन होत आ

श्री. बा. [illegible]

जिल्हा संघटक,
सोलापूर जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल

237

CONGRESS SEVADAL
JEPPU UNIT.
MANGALORE-1. (S. K.)

Dated. 23-12-1974

Dear Sir/~~Madam~~,

We have decided to celebrate the 51st year anniversary of Sevadal and 12th anniversary of Jeppu Sevadal Unit, celebration in obedience of the circular of Karnataka Pradesh Congress Sevadal, in an appreciable decent manner at our South Block office on 29th Sunday of this month.

PROGRAMME

29-12-1974 at 8.30 A.M. Flag salutation and Oath receiving.

- do - Sports, Meeting and Prize distribution and other activity.

In this connection "Dear Sir/~~Madam~~" we seek your kind partici~~zx~~pation by giving encouragement and bless us for grand success of our function.

Yours faithfully,
For CONGRESS SEVADAL (JEPPU UNIT
B. Shivaji Rao
Block Officer & Iathanayak.

To

Sri/~~Smt~~. N. S. Hardikar
Karnataka Health Institute (KHI)
At. Ghataprabha.. Belgaum. Karnataka Sta

2355

नन्दकुमार देव वाशिष्ठ
सदस्य विधान सभा
उत्तर प्रदेश
हाथरस 卐 अलीगढ़

माननीय डाक्टर साहब,

सादर नमस्कार

एक लम्बे समय से आपके ोई समाचार नहीं मिले। आजकल आपका स्वास्थ्य कैसा चल हा है। समय समय पर श्री इनामदार जी से समाचार मिलते हते हैं। सेवादल ज्योति जब घटप्रभा गई थी उस समय के कुछ समाचार मिले थे।

मैंने जैपुर से लौटने के पश्चात् देहली से एक पत्र सेवादल के इतिहास के सम्बन्ध में लिखा था जो हस्त लिपि मराठी में श्री बी० एम० हर्डिकर ने लिखी थी। यदि वह मुझे केवल एक मास के लिये मिल जाती तो अपनी पुस्तक पूरी कर लेता और उसे वापिस भे देता। मैं देहली भी गया था वहाँ एक सप्ताह रह कर १९४८ से जो जो काम हुए है उनके फाइलों में जो कुछ भी मिल सका नोट कर लाया हूं। आशा है कि आप मुझे वह शीघ्रातिशी और अवश्य भिजवा देंगे। श्री बी. एम. हर्डिकर ने भी अपने पत्र के उत्तर में यही लिखा है कि मैं सब कुछ सामग्री डा० के पास भेज चुका हूँ। इस सम्बन्ध में कई बार प्रयत्न किये गये परन्तु सेवादल इतिहास को सर्व प्रदेशीय रूप देकर उसकी विशेष घटनाओं, आन्दोलन में भाग लेने वाले वीर बहादुरों के नाम, उनके कार्यों और जीवन गाथाओं का विवरण अभी तक नहीं मिला। आप अपने जीवन का में यह कुछ पूरा करा जायें तो इतिहास पूर्ण और त्रुटि रहित तैयार हो सकता है। इसी आशा से यह पत्र लिख

FILE No 68

Page Nos 1-23

PHONE : 73111

CONGRESS SEVA DAL
~~ALL INDIA PUBLICITY COMMITTEE~~
CONGRESS HOUSE,
BOMBAY - 4.

Date 13/6/63

Respected Dr. Saheb,

Yours of 8/4/63 at hands. Thanks

Your letter is quite in time. Because I am under treatment of a wellknown dentist now-a-days. Dr. Gaiporea by name, is in the line since quarter of a centu
and is known to my

2

family. I referred to your letter to him. He knows you by name thr articles in Parsi newspapers. He has agreed to supply yo a set on concession. But advised to g time of about two weeks — one for preparing set and the latter for test. Please write.

R.K.N.

EXPTL
15 JUN 63
B-324

To

Dr. M. S. Hardikar,
Karnatak Health
Institute,
GHATPRABHA
(Dist. Belgaum)
MYSORE STATE

(CONGRESS SEVA DAL)

Visit to Utkal, Bengal and Bihar
(15th to 25th July, 1968)

I left Delhi on 15th and reached Cuttack on 17th with a short halt at Calcutta. As fixed earlier the President and the Secretaries of the PCC and myself sat together in the noon to discuss and decide about the Seva Dal Organisation in the Province. I found that there was no Seva Dal Board and no particular Secretary was in charge of the Seva Dal Deptt. as required by our rules. So I suggested to do this first. I was glad the President accepted the suggestion and immediately named the Board and the Secretary in charge. Shri Bhabani Patnaik was given the charge of Seva Dal. Further the General Secretary suggested that due to internal differences and rivalries it would be better to authorise me to select a pradesh organiser. This proposal was unanimously accepted and I agreed to name the Pradesh Organiser. It was decided that a pradesh camp should be organised in near future – say after two months, in which new active workers should be called and trained. I appealed to the President and Secretaries to spare sufficient funds for Seva Dal if they want good results. I further suggested that the worker should feel encouraged by the treatment of the Congress Committees and he should have some stability otherwise, no worker would work with devotion and undivided attention. Even we could continue long if the above things were lacking. The President and Secretaries promised to do their best. During the day I met individual Seva Dal workers and addressed a meeting in the evening. About twentyfive men and women were present.

although some new young workers they would not

On 18th I visited Puri and had a Seva Dal workers meeting attended by about fiftymen and women. On 19th I visited Chandwar. I [illegible] Dal workers. The same day in the evening I had a meeting of the Pradesh and District Officers. It was decided to hold a big training camp of about 250 workers at the Pradesh level. The PCC, it seems was not inclined but after ~~the~~ my talk with Shri Atulya Babu it was decided to have the camp in August. This served as an encouragement to the workers. On 21st morning I had two meetings one of men workers and another of women workers of Bara Bazar Distt. The first meeting was well attended. The workers decided to collect funds for flood relief areas. In the evening we went to Bhatnagar where the proposed camp is to take place. The site was suitable for such a camp. We had also a meeting of Congress and Seva Dal workers. The town is rather anti Congress. The proposed camp may help to bring about a change. On 22nd evening I addressed a meeting of Seva Dal and Congress workers in the office of the South Calcutta Distt. Congress Committee.

I left Calcutta and came to Gaya on 23rd evening after a short halt at Dhanbad. From Gaya I went to Patna. There I met the local workers and at night had a meeting in the Sadaquat Ashram. As my visit was in a hurry I promised the workers to spare more days when they have a Pradesh Camp. I wanted to meet the new P.C.C. President but he had left for Delhi.

I returned to Delhi on 25th.

S. V. Inamdar.

(S.V. Inamdar)

26 July, 1968

Phone : ~~73114~~ 353527

Gram : "CONGRESS"

CONGRESS SEVA DAL

(कॉंग्रेस सेवादल, बम्बई प्रदेश)

Congress House,
Vithalbhai Patel Road,
BOMBAY-4. (BR.)

Date २०/७/६७

पूज्य डॉक्टर साहब,

आपको अिससे पूर्व हमारी 'कॉंग्रेस सेवादल पत्रिका' का जून १९६६ का अंक मिला होगा। अिस अंकके साथ ही पत्रिकाको २०. साल पूरे होते हैं। मैं अस साल का अेक लेख तैयार कर रहा था कि सबसे पहले अंकमें आपका निम्न मुताबिक संदेश पढनेको मिला। पता नहीं कहाँ तक हमने आपकी आशाको पूर्ण किया है। मैं चाहता हूँ कि आप २१ वे ~~वर्ष~~ पहले अंकके लिये अेक संदेश भेज दें।

१ला अंक का संदेश

"मुझे यह जान कर बहुत प्रसन्नता हुई है कि बम्बई कॉंग्रेस सेवादल अपने सदस्योंके लिये अेक नयी पत्रिका शुरु कर रहा है। बहुत पहलेसे ही ~~अिसकी~~ आशा ~~की~~ की जाती थी, फिर भी अिसमें अधिक विलम्ब नहीं हुआ है। सेवादलके सदस्योंमें कर्तव्यकी जो भावना पैदा की जा रही है, अुसके बन्धन को मजबूत बनानेके लिये देशमें सेवादलके सदस्यों तक सही और निष्पक्ष समाचार पहुँचाना जरूरी है। अैसी जिम्मेवारी ग्रहण करनेके लिये बम्बई कॉंग्रेस सबसे अच्छी संस्था है। मेरा पूरा विश्वास है कि अुन्होंने जो काम हाथमें लिया है, अुसमें आशासे भी अधिक सफलता मिलेगी।"

वर्षे अंकको मैटर जुलैमें ही भेजी जाने वाली है। आप यथा शीघ्र संदेश भेज देंगे अैसी अुम्मीद करता हूँ। माँजी और पिताजीको सादर अच्छे हैं [illegible] इत्यादि कुशल हैं।

आपका,
नायक

5

GRAMS: "SEVA DAL"

PHONE: 43485

CONGRESS SEVA DAL

M. Krishna

GANDHI BHAVAN

HYDERABAD-1. (A.P.)

Ref: No.

Date 16.11. 1968

श्रद्धेय संचालक जी,

यह मेरा प्रथम: पत्र है।

मैं घटप्रभा आकर एक इच्छा को पूरा किया हूँ। मैं सेवादल में १९६१ में प्रवेश हुआ उस समय से यह मेरा इच्छा था कि आप से मिल कर आपका दर्शन पाऊं। १९६१ से आज तक सेवादल में कार्य कर रहा हूँ।

गुन्टूर A.I.C.C. अधिवेशन १९६४ में जब आपको मिलने को सोचा था लेकिन वहाँ दर्शन उन्हें मुश्किल था। जब हैदराबाद में वार्षिक अधिवेशन हुआ उस समय भी आपको मिल रहा देखा था लेकिन वहाँ पर भी आप आये नहीं। इस समय मैं हैदराबाद से रवाना होते समय यह निश्चय करके निकला हूँ कि किसी भी हालत में आपसे मिल कर ही जाऊंगा। यह आज की कोशिश करने पर ११.११.६८ को वह शुभ दिन आया जिस दिन आपका दर्शन पाया। इस पत्र में मैं आपको यही प्रार्थना करता हूँ कि समय समय पर सेवादल कार्यकर्ता को भी मार्ग दर्शन प्रदान करें।

आज ही मैं श्री हवानदार जी को मेरा कार्यविवरण के साथ में पत्र लिखा हूँ।

घटप्रभा में आरोग्य धाम को देख कर मेरा यह इच्छा हुआ कि हमारे जीवन में जब कभी worries बहुत होजावेंगे उस समय कुछ दिनों तक आपके आश्रय में आ कर शान्ति प्राप्त करें!

15 NOV

To,

Sri: N. S. Hardikar.
Sanchalk
Congress Sevadal
Karnatak Health Institute
Ghat Prabha
(Mysore state)

M. Krishna.
CONGRESS SEVA DAL
GANDHI BHAVAN
HYDERABAD (A.P.)

18-11-5
ENCLOSURES ALLOWED

आपके स्वास्थ्य के लिए मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूँ।

अभिनन्दन के साथ आपका सेवक

[illegible]

Gram : "CONGRESS"

Phone : 73111

CONGRESS SEVA DAL

(कॉंग्रेस सेवादल, बम्बअी प्रदेश)

Congress House,
Vithalbhai Patel Road,
BOMBAY-4. (BR.)

Date १९/११/६८

पू. डॉक्टर साहब,

आशा करता हूँ कि आप स्वस्थ अेवं प्रसन्न होंगे। शिरोडकरजी से फोन पर बातचीत हुअी थी कि वे आपसे मिले थे।

जमादारजी यहाँ आकर गये। अुन्होंने आपकी जीवनी का सुंदर अंग्रेजी ग्रंथ दिया। छपाअी आकर्षक है। अुससे भीतर की अैतिहासिक मैटर का मूल्य अनेक गुना बढ़ जाता है।

जमादारजीने पुस्तक रीलीज़ करते समय कॉंग्रेस अध्यक्षने दिये गये प्रेरक संदेश की अेक प्रेस नोट मुझसे तैयार करवाअी थी। अुसकी अेक प्रति जानकारी के हेतु आपको भेज रहा हूँ। हम सब कुशल हैं। सेवादल चल रहा है। —

CONGRESS SEVA DAL

Telegram : CONGRESS
Telephone :

Delhi Office : 7, Jantar Mantar Rd., NEW DELHI * Bombay Office : Congress House, V. P. Rd., BOMBAY-4

४

ता. २१६|६८

पू. डॉक्टर साहब,

आपका ता० १९ की लिखा खत व रसीद मिला। मैंने आपको Community Centre Foundation का परिपत्र व न्यूज-लेटर भेजा था वह भी मिला होगा।

मुझे ख्याल करके किस प्रकार के फोटो चाहिये? मोबाईल हॉस्पिटल रूरल हेल्थ वॉलंटीर करते हुए मरीजों की सारवार करती हुए [illegible] के फोटो। कोई खास प्रकार के

ओपरेशन हुअे हों तो
अुसके दो [illegible] के
ओपरेशन पहले के और
बाद के । — सो भी
स्पष्ट [illegible]
[illegible] होती तो
अैसा खरच । सब
जो कुछ भी आप ठीक
समझें या अन्य प्रवृत्ति-
यों के Action photo
भी भेज सकते हो ।

अेकेडमीका काम आगे
शुरू हो रहा है। अुसको
मैं बाद दिखा दूंगा।

9

5p FAMILY PLANNING परिवार नियोजन भारत INDIA

5p FAMILY PLANNING परिवार नियोजन भारत INDIA

KARNATAK HEALTH INST. BELGAUM
25.6.69

To

Dr. M.S. Hardikar
K.H.I.
GHATPRABHA.
(Dist. Belgaum
MYSORE STATE

CONGRESS SEVA DAL

TELEGRAM : 'CONGRESS'
TELEPHONES :

Delhi Office : 7, Jantar Mantar Rd., NEW DELHI * Bombay Office : Congress House, V. P. Rd., BOMBAY-4

10/7/69

Respected Dr. Saheb,

received

Your letter of 8th July 1969.

K. Harendra's Address is as under : 90/3224, Tilak Nagar, CHEMBUR, Bombay-70.

I have already written to him. Unfortunately his daughter of about 8 yrs. died on last 24th

So he is not coming here now-a-days.

I want photos of medical Service in villages. Doctor administering drug or injection to young child or old woman. Nurse bandaging. A man with big lump in neck and his position after operation. (I have seen many such photos in the hospital) So, on and so forth.

I hope you are o.k.

I am ok — Bhau Nayak

To
Dr. N. S. Hardikar,
K. H. I
GHATPRABHA
(Dt. Belgaum)
MYSORE STATE

Phone : 73111

: "CONGRESS"

CONGRESS SEVA DAL

(कॉंग्रेस सेवादल, बम्बअी प्रदेश)

Congress House,
Vithalbhai Patel Road,
BOMBAY-4. (BR.)

Date ६।९।६८

पू॰ डॉक्टर साहब,

आपका टेलीग्राम यथा समय मिल गया था। ~~आपकी~~ सहानुभूति अुनके सम्बन्धीओं तक पहुँचाअी गअी है। अुन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की है। आपने कुछ समय पहले बाल-भाअी की सेहत के बारे में पूछा था। पता नहीं कि मैंने अुसका जवाब दिया था कि नहीं। ता॰ २८ वी अगस्त को बाल-भाअी कॉंग्रेस भवन में आते थे कि रास्ते में ही अुनको हृदय का दौरा आया। कॉंग्रेस भवन आकर बैठे। अस्वस्थ लग रहे थे। ऑफीस के कर्मचारिओं को करीब अेक घंटे समझाने की कोशिशों के बाद ही मेडीकल अेड को कबूल हुअे। हमारे सेवादल के डॉ॰ चंद्रकांत देसाअी ने देखा। डॉ॰ दीवा (आक्स-मेयर) ने भी देखा तो Low

ब्लड प्रेसर था। तुरंत प्राथमिक सारवार
दी गअी। बाद में डॉ० दीपक अुनको नरसिं-
होम में ले गये। सारवार दे कर घर
ले गये। वहाँ सारवार दीगअी। कार्डियोलो-
जीस्टने रीपोर्ट दिया की हृदय का दौरा है।
भाजी भक्ती को दो दिन के बाद बहुत जनरल
के बाद अस्पताल में ले गये। वहाँ
बहुत कुछ करने पर भी वे ना: [illegible]को
शाम 8.45 को वे चल बसे। वहाँ से काँग्रेस भवन में
मृतदेह लाया गया। सारी रात देह वहाँ
हो रहा। भजन-कीर्तन होता रहा।
सुबह ८ बजे शवयात्रा नीकली। सेवा
दलके बेन्ड के साथ सेवक-सेविका आगे
रहे। बीचमें शवगाडी और बादमें
जनता गण थे। सभी बडे बडे नेता
मृत्युकी रातको, शव-यात्रामें, शोक-
सभामें और घर पर अुठमणा के विधिमें
आये। शोक सभामें भाजी भक्ती के परि-
वार के हेतु अेक फंड की जाहिरात की
गअी। अब तक करीब रू.३२ हजार की
रकम अेकठ्ठा हुअी है।

(२ १५

अमरिकासे पाटील-साहब आनेके बाद फंड आगे बढ़ानेके बारेमें सोचा जायेगा।

सेवादल के प्रत्येक स्वयंसेवक को फंड के हेतु ॲप्राप्य होनेका तय हुआ है।

वाडीभाई के निधनसे जो रिक्तता हम महसूस ~~हुअी~~ हो रही है वह अरसे तक पूरी नहीं जा सकेगी। ऐसा लगता है। हम सब साथ मिल कर उनके पद चिन्हों पर चलनेकी कोशिश करेंगे।

[illegible] सेवाओं
[illegible] संचालक

HINDUSTANI SEVA DAL, HUBLI.

(KARNATAK BRANCH.)

Sahayakship Certificate.

This is to certify that

Sjt. *has*

undergone training for *days in the*

VOLUNTEERS' TEMPORARY TRAINING CLASS

opened at

from *and*

has fulfilled the conditions laid down for the Sahayakship.

Sahayak

is admitted into **PATHAK.**

Date

Camp Conduct *President.*

हिन्दुस्तानी सेवा दल

की

नियमावली

सहायक फार्म

जनाबमन,

बख़िदमत जनाब सेक्रेटरी हिन्दुस्तानी सेवादल हुबली, कर्नाटक।

मैने जिसका नाम नीचे दर्ज है ——————— का

उम्र ———— मज़हब ———————— तालीम ————————

हिन्दुस्तानी सेवादल के क़वायद को पढ़े हैं। अथवा मेरे सामने पढ़े गये और समझायेगयें हैं। मैं इस दल का सहायक बनना चाहता हूँ। मैं दल के क़वायद से सहमत हूँ और उन पर अमल करूंगा। दल के अफसरान का जिनकी मातहती में तालीम या कौमी काम करने के ग़रज़ से रक्खा जाऊंगा हुक्म बजा लाऊंगा। बराय मेहरबानी मेरा नाम बतौर सहायक हिन्दुस्तानी सेवा दल दर्ज कर लीजिए।

ता० ———————— द० ————————————

पेशा ———————— पता ————————————

हिन्दुस्तानी सेवा दल

की

नियमावली।

सहायक फार्म

जनाबमन,

बख़िदमत जनाब सेक्रेटरी हिन्दुस्तानी सेवादल हुबली, कर्नाटक।

मैने जिसका नाम नीचे दर्ज है ——————— का

उम्र ——— मज़हब ——————— तालीम ———————

हिन्दुस्तानी सेवादल के क़वायद को पढ़े हैं। अथवा मेरे सामने पढ़े गये और समझाये गये हैं। मैं इस दल का सहायक बनना चाहता हूँ। मैं दल के क़वायद से सहमत हूँ और उन पर अमल करूंगा। दल के अफसरान का जिनकी मातहती में तालीम या कौमी काम करने के ग़रज़ से रक्खा जाऊंगा यह काम बजा लाऊंगा। बराय मेहरबानी मेरा नाम बतौर सहायक हिन्दुस्तानी सेवा दल दर्ज कर लीजिए।

ता० ——————— द० ———————

पेशा ——————— पता ———————

१—**नामः**—हिन्दुस्तानी सेवादल।

२—(अ) **उद्देश्यः**—हर मुनासिब तथा शान्तिमय तरीकों से स्वराज्य हासिल करने के ग़रज़ से हिन्दुस्तान के लोगों को मुल्की सेवा तथा संयमित (disciplined) कुर्बानी के लिए तालीम देना और संगठन करना।

(ब) मौजूदा वालंटियर संस्थाओं को निज़ाम में लाना, उनका देख भाल करना, और जहां कहीं और जब कभी जरूरत हो वालंटियर संस्थायें क़ायम करना।

३—**मेम्बरीः**—हर हिन्दुस्तानी जिसकी उमर १८ वर्ष से ज्यादा हो इस दल में शामिल हो सकता है, बशर्ते कि दल का कोई अफ़सर उसकी शिफारिश करें। ऐसे हर सख्श को तहरीरी एक़रारनामा देना पड़ेगा कि वह (मर्द या औरत) दल के नियमों को मंजूर करता है, उनका पाबन्द रहेगा और उन तमाम हुक्मों को जो कि उसके अफ़सरान उसे देंगे बजालायेगा। हर शख्स को उस शिडूल के मुताबिक जो कि उनके वास्ते तैय्यार किया गया है तालीम हासिल करना होगा। हर शख्स तालीम पाने की हालत में सहायक या (या सहायका) कहलायेगा। मियाद तालीम ख़तम होने पर सहायक (या सहायका) पूरे मेम्बर करार किए जायेंगे बशर्ते कि वह (मर्द या औरत) अहमदाबाद के वालन्टियर अहदनामा (प्रतिज्ञा पत्र) पर दस्तखत कर चुके हों, और दल का कोई अफसर या मेम्बर उसका शिफारिश करे। तमाम सहायक (या सहायका) जो अहमदाबाद के अहदनामा पर दस्तखत नहीं करेगें उस वक्त तक सहायक (या सहायका) कहलायेंगे जब तक वे दल के नियमों का पालन करेंगे।

४—**अव्वल मेम्बरः**—वह लोग जिन्हों ने अहमदाबाद कांग्रेस के वालन्टियर प्रतिज्ञा-पत्र पर कांग्रेस अधिवेशन के पहले दिन (अर्थात २८-१२-२३) के कबल दस्तखत कर दिया है, मेम्बर किए जायेंगे बशर्तें कि वे मेम्बरी के लिए अर्ज़ी भेजें। आरज़ी (अस्थायी) बोर्ड के मेम्बरान, और आलइण्डिया वालन्टियर कांनफ़ेन्स के सभापति, डेलीगेट साहबान तथा स्वागत समिति के पदाधिकारी बिना [illegible] के भी मेम्बर ख्याल किये जायेंगे।

५—**बोर्ड:**—मेम्बरों का एक आलइण्डिया बोर्ड कांफ्रेन्स की तरफ से मुन्तख़िब किया जावेगा।

बोर्ड के ये फरायज होंगे:—

(अ) वालन्टियरों का संघठन करना, तालीम देना, तथा उन्हे क़ाबू में रखना, मौजूदा क़ौमी कार्यकर्त्ताओं की संस्थाओं को सम्बद्ध करना तथा हिन्दुस्तानी सेवादल के दूसरे इन्तज़ामी अमूरात को पूरा करने के लिए नियम बनाना।

(ब) बोर्ड की एक कार्यकारिणी कमेटी होगी जो दल के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तमाम आवश्यक कार्रवाई करेगी।

(स) बोर्ड हर साल दल के नुमाइन्दों की कांफ्रेन्स में मुन्तख़िब किया जायेगा।

६—**कोआप्शन:**—बोर्ड को कोआप्शन करने का अख़्तियार होगा बशर्ते कि कोआप्ट किए हुए मेम्बरों की तादाद ३ से ज़्यादा न हो।

७—**खाली जगहें:**—बोर्ड में जब कोई जगह खाली होगी बोर्ड उसके लिए मेम्बर चुन लेगा।

क़वायद

१—हिन्दुस्तानी सेवादल में नीचे लिखी संस्थायें शामिल रहेंगी:—

१—सालाना वालन्टियर कांफ्रेन्स।
२—आलइण्डिया बोर्ड।
३—सूबा बोर्ड।
४—दल, रेजमेन्ट, बटालियन, कम्पनियां और दस्ते।

२—**दस्ता:**—दस्ते में एक नायक और दल के दस मेम्बर या सहायक होंगे। दल के कोई ११ मेम्बर या सहायक जो एक दूसरे के पास रहते हैं एक दस्ता बनायेंगे, और आमतौर से अपने में से ही एक को नायक चुन लेंगे। रंगरूट जब तक कि उनकी इब्तदाई तालीम पूरी न हो जावे दस्ता के मेम्बर नहीं क़रार दिए जावेंगे।

३—**कम्पनी:**—कम्पनी में एक सूबेदार, एक नायब सूबेदार और दस दस्ते होंगे। आम तौर से दस नायक मिल कर सूबेदार और नायब सूबेदार का चुनाव करेंगे।

४—बटालियन:—एक बटालियन में एक सरदार, एक नायब सरदार और चार कम्पनियां होंगी। बटालियन की चार कम्पनियों के सूबेदार मिल कर आमतौर से सरदार व नायब सरदार का इन्तखाब करेंगे।

५—रेजिमेन्ट:—रेजिमेन्ट में एक सरदार हज़ारी, एक नायब हज़ारी और तीन बटालियन होंगी। सूबा बोर्ड हज़ारी और नायब हज़ारी को नामजद करेगा।

६—दल:—दल में एक अफसर पंच हजारी, एक नायब पंच हज़ारी, और चार रेजिमेन्टें होगी। लेकिन एक दल दो रेजीमेन्टों का भी बनाया जा सका है। दल के अफसरान सूबे बोर्ड से नामज़द किए जायेंगे।

७—चीफ अफ़सर:—सूबे के हिन्दुस्तानी सेवा दल का चीफ अफसर सेनापति कहलायेगा। सूबा बोर्ड इसको नामज़द करेगा।

८—सूबाबोर्ड:—सूबाबोर्ड में सूबा कांग्रेस कमिटी के नामज़द किए हुए लोग और ऊंचे अफसरान होंगे। नामजद किए हुए लोगों की तायदाद और उन अफसरों की संख्या जो बोर्ड के एक्सअफीशिओ (Exofficio) मेम्बरान होंगे बाद को तय किया जाएगा। इस असना में बोर्ड में सिर्फ़ सूबा कांग्रेस कमिटी के नामज़द किए हुए लोग होंगे जिनकी तायदाद पांच से ज्यादा न होगी।

९—मौजूदा संस्थायें:—सूबा का मौजूदा वालन्टियरबोर्ड उस वक्त तक सूबा बोर्ड का काम अंजाम देगा जब तक सूबा कांग्रेस कमिटी सूबाबोर्ड के कवायद के मुताबिक एक सूबाबोर्ड संगठित न कर लेवें।

१०—अफ़सरान की क़ाबिलियत:—तमाम अफसरान दल के पूरे मेम्बर कहलायेंगे। परन्तु नायक और नायब सूबेदार दल के सहायकों में से चुने जा सकते हैं।

११—तैयारी:—ताकि तालीम और बाद के काम में सहूलियत हो, जहां तक मुमकिन हो, मुकामी बटवारे के अनुसार सहायकों को अलहदा अलहदा दस्ता में बांट लेना चाहिए।

१२-नाम:—दस्तों का नाम उस गांव या कस्बे का नाम होगा जहां वे स्थित होंगे और उनका नम्बर भी नियत किया जावेगा।

१३-खाली जगहें:—जब कोई जगह किसी अफसर की तरक्की या अलहदगी से खाली होगी वह मामूली तौर पर भर लीजायगी।

१४-सूबा बोर्ड के अख्त्यारात:—सूबा बोर्ड को आलइण्डिया बोर्ड के क़वायद व एहकाम के अन्दर कुल अख्तयारात इस ग़रज़ से होंगे कि वह हिन्दुस्तानी सेवा दल को संगठित करने और ताक़त बढ़ाने के तमाम ज़रूरी तरीके अख्तयार करे। बोर्ड किसी अफसर को हटा सकता है, तब्दील कर सकता है या उसका नाम ख़ारिज कर सकता है बशर्ते कि जब कभी कोई नाम ख़ारिज रजिस्टर किया जायगा उस शख्श को जिसका नाम ख़ारिज किया गया है अपना बयान देने का मौक़ा दिया जायगा।

१५- कोई दल, रेजीमेन्ट, बटालियान, कम्पनी या दस्ता अपना काम करने से इस लिये न रुकेगा कि उसकी तायदाद पूरी नहीं है।

१६-आखिरी हुक्म देने के अख्तयारात:—आल इण्डिया बोर्ड को कुल मामलों में आख़िरी हुक्म देने का अख्तयार होगा और किसी ज़रूरी मामले में वह ऊपर के किसी कायदे ा अमलदरामद रोक सकता है। वह बोर्ड कोकोनाडा ंग्रेस की तजवीज नं० ४ के मुताबिक जो आलइण्डिया ंग्रेस कमिटी ने तय किया है काम करेगा।

१७-ज़रूरी इन्तज़ामात:—सूबा बोर्ड दल के अफसरों और मेम्बरों को सहायक बनाने का अख्त्यार देगा। और जब कभी ज़रूरत होगी सहायक और मेम्बरों की तालीम के लिए जहां तक मुमकिन होगा ऊपर के क़वायद के मुताबिक माकूल इन्तज़ाम करेगा।

१८-वर्दी:—सूबाबोर्ड मेम्बरों और सहायकों के लिए एक मौज़ूं वर्दी तजवीज करेगा। वर्दी हाथ के कते हुए सूत और हाथ

ही के बुने हुए कपड़े की सादी और कम खर्च क़वायद और दूसरे बाहरी काम के लिए मौज़ूं होनी चाहिए।

शिक्षाक्रम

हिन्दुस्तानी सेवादल के मेम्बरों और सहायकों के लिए ज़ैल का कोर्स (पाठ्यक्रम) मुरत्तब किया गया है:—

१—**ड्रिल:**—इब्तदाई ड्रिल अच्छी तौर से सिखाया जाना चाहिए। इसके लिए प्रो० मानिक बरौदा की किताब इस्तेमाल की जा सकती है।

२—**कातना:**—कातने की मुकम्मिल तालीम ज़रूरी है ताकि सहायक या मेम्बरान अपने हाथ से ऐसा सूत कात सकें जो बुना जा सके। रूई धुनकने का काम भी जब कभी हो सके सिखलाना चाहिए।

३—**फर्स्टएड:**—फर्स्टएड का इब्तदाई काम भी जब कभी मुमकिन होगा और जब कभी कोई काबिल आदमी इसके तालीम के लिए मिल जायगा सिखलाया जायगा।

४—**हिदायत:**—शान्ति कायम रखने और सामाजिक सेवा वगैरह करने के लिए वालंटियरों के फ़रायज़ तथा तामीरी काम करने के बारे में ज़रूरी बातें बतलाई जावेंगी।

५—**तवारीख कांग्रेस वगैरह:**—कांग्रेस के तवारीख की इब्तदाई तालीम, उसके मक़ासिद व तर्जेअमल भी बताए जावेंगे।

६—**हिन्दुस्तानी ज़बान:**—हिन्दी या उर्दू सिखलाई जावेगी।

ध्यान देने लायक कुछ बातें

अच्छी तौर पर ड्रिल सीखना, वालांटियरों की सफाई और उमदा बर्ताव पर खास ध्यान देना चाहिए। चन्द रोज़ के लिए कैम्प में रहने का इन्तज़ाम जहां कहां हो सके वालांटियरों की तालीम में निहायत मुफीद साबित होगा। शान्ति क़ायम रखने की तालीम पर खास तवज्जह दी जानी चाहिए और निज़ाम

(discipline) की जरूरत पर खास जोर देना चाहिए। इसके लिए रोज़ाना की जिन्दगी के मामलात से मिसाल देना चाहिए। मसलन रेलवे के टिकट घरों में टिकट खरीदने के मौके पर दाखिल होने या निकलने पर लोगों को अपनी बारी का ख्याल होना चाहिए और एक को दूसरे के पीछे खड़ा हो जाना चाहिए, पबलिक जलसों में धक्का बाज़ी नहीं करनी चाहिए, रेलवे स्टेशनों पर जब कि लीडरान आवें हर शख्श को अपनी २ जगह पर रहना चाहिये और धक्का देना या लीडरों के साथ जाने की कोशिश न करनी चाहिए वग़ैरह वग़ैरह। सब्र करने की आदतों पर भी जोर देना चाहिए। कांग्रेस के तवारीख की तालीम जिस क़दर मुमकिन हो सके आसान होनी चाहिए। सिर्फ खास खास बातों की ज़िक्र होनी चाहिए। एक पाठ्य क्रम जैल मे दर्ज किया जाता है जिससे कि ज़ाहिर हो जायगा कि किस तरीके पर तालीम दी जायगी। अधिक सुभीता होगी अगर काम के लिये वक्त मुकर्र हो जाने पर किसी किस्म की ढिलाई या देरी न हो। वालंटियर के दूसरे कामों में जहां तक हो फर्क न आने पावे। तालीम सुबह या शाम या हर तीसरे दिन एक घन्टे के लिए रखनी चाहिए। पड़ोस में रैली या मार्च करना भी मुनासिब है। स्त्री-वालंटियर के लिए होम नरसिंग (अर्थात दाया का काम) सीखना अनुचित न होगा।

“कांग्रेस की इब्तदाई तालीम”

कांग्रेस की तवारीख इसके मक़ासिद और तर्ज़े अमल की इब्तदाई तालीम का पाठ्य क्रम नीचे दिया जाता है।

१—कांग्रेस के सूबों की जुगराफिया:—अंगरेजी हकूमत के मौजूदा प्रान्तीय बटवारों के बमुक़ाबिले ज़बान के ख्याल से सूबों के बांटने का औचित्य (मुनासिब समझा जाना)। दरिया। पाक मुक़ामात।

२—तवारीख हिन्दुस्तान:—(अ) हिन्दुओं का ज़माना। राजा के महदूद अख्तयारात और पुराने ज़माने के गावों के स्वराज का खास ज़िक्र।

(ब) मुसलमानों का ज़माना:—मुग़ल बादशाहों के ज़माने में हिन्दू मुसलमानों के ताल्लुक़ात। मुसलमानों का हिन्दुओं के जज़बात का लेहाज़। मुल्क की माली आज़ादी।

(स) अंगरेज़ी ज़माना:—हमारे आपस के झगड़े, अर्थिक स्वतंत्रता में उससे फ़ायदा उठाने के लिए फूट डाल कर हुकूमत करने की नीति। हिन्दुस्तान के ग़दर में अंगरेज़ों का कहीं ज्यादा ज़ुलम करना। अंगरजों का हिन्दुस्तानी तिजारत का बरबाद करना। हिन्दुस्तानियों से हथियार ले लेना। फ़ौजी कामों से हिन्दुस्तानियों को अलहदा रखना। फ़ौजी एखराज़ात। सिविल सर्विस के नौकरों की लम्बी लम्बी तनख्वाहे वग़ैरह।

३—**कांग्रेस की तवारीख**—१८८६ में कांग्रेस का जन्म (आग़ाज़)। १८९७ में महराज तिलक का मुकद्दमा। १९०५ में तकसीम बंगाला। स्वदेशी। बहिष्कार। क़ौमी तालीम। १९०७ में श्री लालालाजपत राय साहब का देश निकाला। सूरत का झगड़ा। होमरूल आन्दोलन। मान्टेगू चेम्स फोर्ड के सुधार। रौलेट ऐक्ट। सत्याग्रह। पंजाब में फ़ौज़ी कानून। जालियान वाला बाग़। अमृसर की कांग्रेस। असहयोग का जन्म (आग़ाज़)। कलकत्ते की स्पेशल कांग्रेस। नागपुर की कांग्रेस। स्वराज्य आंदोलन। वालंटियर तहरीक। गिरफ्तारियों की भरमार। सिविल नाफ़रमानी। चौरी चौरा और बारडोली। महात्मा गांधी को सज़ा और बाद के वाक़यात।

४—**तामीरी प्रोग्राम**—अहिंसा, हिन्दू मुसलमानों का इत्तहाद: कार्य्यक्रम, खद्दर, क़ौमी तालीम, अछूतोद्धार, मादक वस्तु निवारण, पंचायत।

नोट:—

१—यह पाठ्यक्रम इब्तदाई और आगे बढ़े हुए सीखने वालों दोनों के लिए इस्तेमाल हो सकता है। आगे पढ़ने वालों के लिए मुफ़स्सिल हालात बतलाना चाहिए।

भारत प्रकाश प्रेस गोरखपुर

FILE NO - 69

1957 - 1974

Page No 1 Ta 97

Ref. No. Mtg.3 of 57-58. JAI HIND Phone : 3993

BHARATHA SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT : K. HANUMANTHIAH B.A., LL.B. Ex-CHIEF MINISTER OF MYSORE
VICE PRESIDENT : A. G. RAMACHANDRA RAO B.A., LL.B. Ex-EDUCATION MINISTER

ORG SECRETARY :
RUMALE CHANNABASAVIAH M.L.C.

TREASURER : N. Srirama Reddi
[redacted]

DALAPATHY :
RAMA RAO I. N.

GEN. SECRETARY :
V. S. NARAYANA RAO
PHONE 2810

No. 1, NEHRU NAGAR
Bangalore-3, 24-5-1957.

To

Dr. N. S. HARDIKER,
Member, Rajya Sabha,
No.10, Akbar Road,
New Delhi.

My Dear Sir,

I wrote two letters to your Delhi address and Ghataprabha address requesting you to be good enough to send us the names to th Executive Committee of Bharat Seva Dal from the new Districts of Mysore State. The list of members of the Executive Committee is incomplete pending addition of the names of persons from the Extended Mysore.

We are anxious to call for a meeting of the Executive ommittee during the first week of June 1957. May I therefore request you kindly to expedite the matter and extend your kind co-operation in furnishing the names of persons to the Committee.

Awaiting your kind and early compliance.

With respectful regards,

Yours in Seva,

VSNarayana

General Secretary

nvn

Ref. No. [illegible]
JAI HIND
Phone : 3993

BHARATHA SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT : K. HANUMANTHIAH B.A..LL.B/Ex-CHIEF MINISTER OF MYS
VICE PRESIDENT : A. G, RAMACHANDRA RAO B A..LL.B/Ex-EDUCATION MINISTER

ORG SECRETARY :
RUMALE CHANNABASAVIAH M.L.C.

TREASURER : N. Sririama Reddi

DALAPATHY :
RAMA RAO I. N. A.

GEN. SECRETARY :
V. S. NARAYANA RAO
PHONE 2810

No. 1, NEHRU NAGAR
Bangalore-3, 24-5-1957.

To

Dr. N. S. HARDIKER,
Member, Rajya Sabha,
No.10, Akbar Road,
New Delhi.

My Dear Sir,

I wrote two letters to your Delhi address and Ghataprabha address requesting you to be good enough to send us the names to the Executive Committee of Bharat Seva Dal from the new Districts of Mysore State. The list of members of the Executive Committee is incomplete pending addition of the names of persons from the Extended Mysore.

We are anxious to call for a meeting of the Executive Committee during the first week of June 1957. May I therefore request you kindly to expedite the matter and extend your kind co-operation in furnishing the names of persons to the Committee.

Awaiting your kind and early compliance.

With respectful regards,

Yours in Seva,

VS Narayan

General Secretary

nvR

೭

10 34/1 - 57-8

ಜೈಹಿಂದ್

ಭಾರತ ಸೇವಾದಳ ಸಮಿತಿ,

(ಹುಣಸೂರು ತಾಲ್ಲೂಕು)

ಎ. ಎಸ್. ದಾಸಪ್ಪ, ಬಿ.ಎ., ಎಲ್.ಎಲ್.ಬಿ.
ಅಧ್ಯಕ್ಷರು
ಹೆಚ್. ಎಲ್. ತಿಮ್ಮೇಗೌಡ, ಎಂ.ಬಿ.ಬಿ.ಎಸ್.
ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರು
ಕೆ. ಎ. ನಾರಾಯಣಾಚಾರ್,
ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ

ಸ್ಥಳ ಹುಣಸೂರು

28 1 58
ದಿನಾಂಕ ೨೮-೧-೫೮

BHARAT SEVADAL
From 357 To 400 / Enc
Date 30.1.58 / 3.2.58

ಪೂಜ್ಯ ಡಾ|| ನಾರಾಯಣ ಸುಬ್ರಾವ್ ಹರ್ಡೀಕರ್. ಎಂ.ಬಿ. ರವರಿಗೆ.
C/o
ಭಾರತ ಸೇವಾದಳ, ಕೇಂದ್ರ ಕಛೇರಿ,
ನಂ.೧. ನೆಹರೂನಗರ. ಬೆಂಗಳೂರು ೨.

ಸೇವಾದಳದ ಜನಕರಾದ ತಮಗೆ ಒಂಭತ್ತನೆಯ ಗಣರಾಜ್ಯೋತ್ಸವದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲೂ ರಾಷ್ಟ್ರಪತಿಯವರು "ಪದ್ಮಭೂಷಣ" ಎಂಬ ಪ್ರಶಸ್ತಿಯನ್ನಿತ್ತು ಗೌರವಿಸಿರುವುದು ನಮಗೆಲ್ಲಾ ಹೆಮ್ಮೆಯ ಸಂಗತಿಯೇ ಸರಿ. ಇದಕ್ಕಾಗಿ ತಮಗೆ ನಮ್ಮ ಹೃತ್ಪೂರ್ವಕವಾದ ಅಭಿವಂದನೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತೇವೆ. ತಮಗೆ ದೇವರು ಇನ್ನೂ ಉತ್ತಮವಾದ ರಾಷ್ಟ್ರಕ್ಕಾಗಿ ಸೇವೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸುವಂತೆ ಆಯುರಾರೋಗ್ಯಾದಿಗಳನ್ನು ಅನುಗ್ರಹಿಸಲೆಂದು ಮೈಸೂರು ಪ್ರಾಂತ್ಯದ, ಮೈಸೂರು ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹುಣಸೂರು ತಾಲ್ಲೂಕು ಭಾರತ ಸೇವಾದಳ ಸಮಿತಿಯ ಪರವಾಗಿ ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತೇನೆ.

ಇತಿ ತಮ್ಮವ,
A S Dasappa
ಅಧ್ಯಕ್ಷರು.

JAI HIND

hone: 3993

BHARATH SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT: PADMASRI DR. M. C. MODI
VICE-PRESIDENT: T. SIDDALINGAIYA, B.A., B.L.

NERAL SECRETARY:
K. N. LAKSHMINARASIMHIAH,
B.Sc. (Hons), B.L.,

EASURER:
DEENABANDHU V. R. NAIDU,
M. L. C.,

No. 1, NEHRU NAGAR,
BANGALORE-20.

To.....................

Date................................196 .
28th Jany. 3.

To

The Hon'ble Minister for
Community Development,
Government of India, New Delhi.

Sir,

Subject:-Training of Dalapathies for Village Volunteer Force.

- - - -

It is a matter for gratification that your Ministry has thought of introducing Village Volunteer Force throughout the country in this National Emergency. We have pleasure in placing our organisation for the successful implementation of your scheme. Bharath Seva Dala is a non-political voluntary organisation training the youths of the country on the Gandhian Lines. It has a rich tradition of Hindustani Seva Dal and Indian National Army. Though Bharath Seva Dala is not a National Organisation in the sense that its activities have not started in other States of the Union. It has covered all the Taluks and Districts of Mysore State. It has a net work of trained volunteer force throughout the State. At present we have about 30,000 Prathama, about 3,000 Madhyama and about 400 Kendra Naik trained volunteers in our organisation. Most of the Kendra Naik Trained Volunteers are employees in the Government of Mysore, Education Department as Physical Education Teachers. We have annexed a brochure and other literature of our organisation for your kind perusal which gives you a birds' eye view of the ideals and activities of our organisation.

Now we would like to put before you the following proposal with regard to the training of Dalapathies for the village volunteer force to be started under your department.

PROPOSAL.

Bharath Seva Dala Emergency Training Scheme for Training
Dalapathies for the Village Volunteer Force in Mysore
State under the Community Development Scheme.

- - - -

It is indeed gratifying to note that in view of the present National Emergency, which has roused our Nation from its complacency and slumber, the Community Development programme, which is the nerve centre of our Developmental plans, is being orientated to defence needs and it is proposed to establish village volunteer forces at the village level as a means x to organise a Second Line of Defence in the Country.

This village volunteer force cannot be effectively established unless the Dalapathies in charge of these units in each village are adequately trained and orientated for the purpose. In this task an effective part and be of immense service to the State Department of Community Development. The Bharat Seva Dal Training programme is based on the rich traditions of the Hindustani Sevadal and the Indian National Army, and with little changes necessary for meeting the present day defence needs it can serve as an ideal training programme for organising village volunteer forces in villages by training good Dalapathies who can effectively be placed in charge of these village units. During the days of the freedom struggle, it was the Hindustani sevadal that enthused the nation's youth for the non-violent battle with faith in Gandhian ideology. Even now it is the same sevadal training suitably re-orientated for our present day defence needs, that can effectively mobilise the nations youth to face the emergency situation on effective lines.

This Emergency Prathmic Sevadal Training will be given through camps to be organised for a period of ten days by the Bharat Sevadal at various levels. The training programmes in these camps will cover the following items of instruction designed to protect persons and property and preserve peace during periods of crisis and confusion.

Practical Training:-

1. Sevadal Prathmic Training in foot drill, Physical Training and Mass drill.

2. Sevadal Techniques in Flag Hoisting, Flag Parade, Flag base construction and Honouring the National Flag.

3. A basic course in First Aid and Home Nursing

4. Group singing of militant marching songs, sarvadharmeeya prayer and other songs contained in SEVADALA GEETHAGALU. At least three marching songs, six National Songs and National Anthem should be practised for group singing.

5. Fire Fighting.

6. Air Raid Precautions and Air Raid Service.

7. Use of Lathi, Khati and Sword for fencing and Self Defence.

8. Wrestling, Boxing and other techniques for self defence.

9. Map Reading and Traffi Control.

10. Sentry Duty and Night watch.

11. Stretcher Service, Rope Knots, and Rope Bridge Construction.

12. Bugle calls, whistle calls and signalling

13. Rifle training (or at least rifle drill) if possible, with the co-operation of the local Polic Force.

Intellectual Training:-

1. Study of latest information, critical reviews and reports on the situation in our borders. Group study of speeches and messages given by our beloved Prime Minister and other leaders of the country in this matter.

2. Study of information regarding the working of the Indian Army Land, Air and Naval and its wings, and a knowledge of service opportunities in the Army.

3. Study of the origin, history and role of the Red Cross and other service agencies in the battle field and during peace time.

4.

4. Study of the lives and work of National Heroes who have sa fised their all the freedom of our Mother Land as a source of inspiration.

5. Study of our Developmental plans - progress achieved so fa and to be achieved in future.

6. History of National Service Organisations in the country.

The above training will be given in the camps each of ten days duration, to be organised at the following levels.

(A) STATE LEVEL TRAINING CAMP:- 200Madhyamic trained sevadal volu teers drawn from all Districts of the State for a period of ten d to establish a basic corse of sevadal swayamsevaks who will help i giving training at the District Level.

(B) DISTRICT LEVEL TRAINING CAMPS IN ALL THE NINETEEN DISTRICTS

(a) The District Sevadal Organiser as the Camp Chief with a batch of ten Madhyamic Swayam Sevaks who are trained in the State Level Training Camp, will organise camps at District Level in batches of 50 trainees at a time.

(b) The Trainees for this Camp will include the Social Educatio Organiser, The Progress Assistant and all the Grama Sevikas of each Block in the District. On the average we will have about 1 Blocks in each District and about 10 Grama Sevikas in each Block Thus 13 trainees for each Block X 10 Blocks would result in 130 trainees for each District. These may be trained in two Distric Level Camps of 65 trainees each - the total strength in each ca being 65 + 11 Instructors i.e. 76 campers. If all the Nineteen Districts of the State are to be covered the total number of - District Level camps to be conducted will be 19 Districts X 2 ca per District - 38 camps or about 40 camps.

(c) By conducting these camps we will have trained, in ever community development block area a band of 13 trained swayam sevaks who in their turn can train the Dalapathies of the Bhar Sevak Dal of their Block.

(C) TALUK OR BLOCK LEVEL TRAINING CAMPS:-

1. The Social Education Organiser of the Block as Camp Chief wi the help of the Grama Sevaks of the Block and Progress Assista who have all received training at the District Level Camps wi organise 10 days training camps for training Dalapathies at t Block Level.

2. If so desired, the Bharat Sevadal can depute a trained Swam Sevak viz., the Taluk Sevadal Organiser or any Madhyama Trai Sevadal Swayam Sevak to serve as the technical guide in these camps.

3. These camps may be organised with a strength of fifty trainees per camp in various parts of the Block area according to convenience.

BUDGET ESTIMATES FOR THESE CAMPS:-

(A) STATE LEVEL TRAINING CAMP:-

Strength : 200 Madhyamic Swayamsevaks plus 20 Instructors.
Duration : 10 days.

1. Food and incidentals at Rs.3/- per head per day Rs.3 x 220 x 10 =	Rs.	6,60
2. Uniform Allowance for all trainees 10 x 220 =		2,20
3. Other training expenditure		1,20
4. Travelling Allowance Rs. 10 x 220 =		2,20
	Total Rs.	12,20

x(B). DISTRICT LEVEL TRAINING CAMP:-

Strength : -	Trainees	65
	Instructors	11
	Total	76

Duration 10 days.

1. Food and incidentals at Rs.3/- per head per day Rs. 3 x 76 x 10 =	Rs. 2,280=00
2. Uniform Allowance for all trainees Rs. 10 x 76 =	760=0
3. Other training expenditure	160=0
4. Travelling expenditure Rs. 5 x 76 =	400=00
Total Rs.	3,600=00

Rs. 3,600=00 per camp X 40 Camps all over the State.	Rs.1,44,000=00

(C) BLOCK OR TALUK LEVEL TRAINING CAMPS:-

Sevadal can depute a trained swayam sevak viz., Taluk Adhinayak or Madhyama trained swayam sevak as the Technical Guide or Sahayak for the Camp, the cost of his account being Rs.25=00 for each camp. The remaining expenditure may be met out of Block Funds. Thus the total expenditure involved for training Dalapathies would be:

(a) One State Level Camp	Rs. 12,200=00
(b) (Forty (40) District Level Camps	1,44,000=00
(c) For depputing trained sevadal sahayaks to Block Level Camps:- Rs.25=00 X as many Block Camps as are held roughly 800 =	20,000=00
(d) Special Administrative and Organisational expenses	3,800=00
(e) Miscellaneous	20,000=00
Total Rs.	2,00,000=00

Rupees Two Lakhs only.

CONCLUSION:-

The Bharath Seva Dal, by virtue of its past service and training record in this State, richly deserves this unique honour of serving as the Agency for organising and training the Leaders of the Village Volunteer Force all over the State. This entire programme can be completed in one year. It therefore appeals to the Union Government to sanction a Development Grant of Rs.2,00,000=00 for this ~~x~~ sacred task of organising Leadership training for Village Volunteer Force in this State during 1963-64 as a part of the programme now being organised to meet the National Emergency.

This Grant, if sanctioned will enable the Bharath Sevadal to train all the Dalapathies of the Village Volunteer Force in the course of one year covering all the village units of the State.

The Bharat Sevadal hopes that the Government will be pleased to recognise the services rendered by this organisation in shaping the character of the youth of the land in the past and sanction the above grant to enable sevadal to play its part in the present National Emergency.

The above proposal if accepted, we are too glad to implement to the best of our efforts apart from the above proposed training method the other techniques to be included on your behalf may also be incorporated in the Scheme. We hope that the proposal accepted by you and a grant of Rs.2,00,000=00 will be sanctioned for the purpose subject to rendering accounts for the money spent.

Solicit early reply.

Yours faithfully,

(K.N.Lakshminarasimhiah)
General Secretary.

JAI HIND

Phone: 3993

BHARATH SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT: PADMASRI DR. M. C. MODI
VICE-PRESIDENT: T. SIDDALINGAIYA, B.A., B.L.,

GENERAL SECRETARY:
K. N. LAKSHMINARASIMHIAH,
B.Sc. (Hons), B.L.,

EASURER:
DEENABANDHU V. R. NAIDU,
M. L. C.,

No. 1, NEHRU NAGAR,
BANGALORE-20.

No. 4716/62

Date 3rd March 1963.

To

Padmabhushana Dr.N.S.Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha, Belgaum Dist.

Respected Sir,

As instructed by you during your recent visit to Bangalore I have enclosed a copy of tour programme of our President Padmashri Dr.M.C.Modi for your kind reference.

I am very sorry as I could not be able to see you off at the Railway Station, since I was held up at Mysore in connection with organising Dalapathies Training camp organised by Bharath Sevak Samaj and Government.

May I request you kindly to intimate a line in reply regarding your health.

Thanking you,

Yours faithfully,

K.R. Basavaraj

Dalapathy-in-charge

JAI HIND

Phone: 3993

BHARATH SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT PADMASRI DR. M. C. MODI
VICE-PRESIDENT T SIDDALINGAIYA, B.A., B.L.,

GENERAL SECRETARY
K. N. LAKSHMINARASIMHIAH,
B Sc (Hons.), B L.,

TREASURER:
DEENABANDHU V. R NAIDU,
M. L. C.,

No. 1, NEHRU NAGAR,
BANGALORE-20.

No. 4723/62

Date 6th March 1963.

To

Padmabhushana Dr. N. S. Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha, Belgaum District.

Sir,

Reference: Your post card dated 3-3-1963. ~~to hand.~~

- - - -

1. We had the privilege to serve you during your stay in Bangalore. I personally regret for my absence both at the time of your arrival and departure. We await your very many such visits to Bangalore.

2. The address of our beloved President has been sent to you vide this office letter No. 4716 dated 4-3-1963.

3. We are sorry to write that no response is being made to our call either by State Government or the Central Government regarding Financial or other help

4. We would like to furnish the figures of the Emergency Cas now under execution with facts at the time of your next visit to Bangalore.

5. Only today the State Auditors have completed the audit of our accounts for the year 1961-62 and promised to send us copy of the Balance Sheet within a week. We will send a copy on receipt of the same.

6. We have 12 District Organisers, 1 Dalapathy, a Manager, an ~~a~~ Accountant a Typist, ~~and~~ a second division clerk, a Driver and 2 attenders. The total disbursement per month is about Rs.3,000=00 including T.A., Rents and other miscellaneous expenditure.

There are about 8 District Organiser's posts vacant and the same could not be done due to lack of funds. Each District Organiser is in charge of two Districts at present. One District Organiser is deputed to Loka Karya Kshethra at Tumkur District.

The above information is only tentative and we will have the privilege to furnish greater details of our organisation at your next visit to Bangalore which we are eagerly awaiting.

Thanking you,

Yours faithfully,

(K.N.Lakshminarasimhiah)
General Secretary,

BBC.

I am appending herewith cutting from local paper dated 4 3 63 for your perusal. I personally feel that the matter as appeared in the press at this juncture will prejudice our efforts with the Govt for enhanced Grants & other help. I hope that you will suggest remedy immediately.

Y. Sincerely
Lakshminarasimhiah

JAI HIND

Phone: 3993

BHARATH SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT. PADMASRI DR. M C. MODI
VICE-PRESIDENT T. SIDDALINGAIYA, B.A., B.L.

GENERAL SECRETARY
K. N. LAKSHMINARASIMHIAH,
B Sc. (Hons.), B.L.,

TREASURER:
DEENABANDHU V. R. NAIDU.
M. L C.

No. 1, NEHRU NAGAR,
BANGALORE-20.

No.....36/63-64

Date...4th.....April.....1963.

To

Padmabhushana Dr.N.S.Hardiker,
Karnataka Health Institute, Ghataprabha,
Belgaum District.

My Dear Sir,

Your letter dated 29-3-1963 to hand and thank you for the sam As I have expected, you have been mistold of the facts pertaining to our organisation presently. You might be surprised to know that there were two to three warring groups purely basing on hatred against one another. At such a critical period I stepped in as General Secretary and now I honestly feel that this war has come to an end and we are now in the field to uphold the principles of the organisation. In my humble experience as General Secretary I feel that it is very difficult to satisfy one and all. If there is any thinking, discussing and arguing as you have written it is only within the four corners of the central office. With active co-operation of youth members and workers we have started National Emergency Scheme which has given impetus to the movement. For your information I dare say that th volunteers were rare to be seen in the field when I actually took over the General Secretaryship. Now you did see at least some of our activities during your two stays at Bangalore recentl Since you were very busy during your stay in Bangalore I could no speak to you anything in detail about the activities we are at. In fact I requested you to spare your valuable time for an hour or two, but it was not possible due to your heavy appointments.

As you know our President Padmashri Dr.M.C.Modi will be away from Bangalore and moreover he cannot attend to the details of the organisation since he himself is busy in his own service, to the blind.

Our Vice-President comes to the office in spite of very many requests only on the visits of personalities like you. Often I have requested him to come to the offfice at least twice a week and know things happening in the day to day affairs. I am sure he does not aware or anxious to know about so many activities we are at presently. Even his views on many points are not appreciated by the Members of the Executive Committee for, he tries to take the members in surprise, whenever he attend the meetings. Even in the last Executive Committee meeting without my knowledge or the President's regarding the proposed State Tour along with you, he cut a sorry figure before the members. He had no proper answer to the questions put by the members on the issue. This habit of his, is most regretful not only to myself but to the office bearers as such. In spite of your askin about the proceedings of the meeting I could not tell you what all happened for reasons obvious. Because of audit objections we were about to loose 3rd and 4th quarterly grants for the year 1962-63. This fact was told to all our elders but none came to our rescue. I sincerely feel that the honest efforts are the only way to carry on the programme before the organisation to ~~the~~ satisfaction of one and all and moreover to your satisfaction.

P.T.O.

As regards your observation that we have not taken up the work seriously I sincerely share my views with you and I feel that your stay here for one or two months as I have told you, will remedy the defects. With the poor funds available at th disposal of the organisation our work is much hampered. Stil., I dare say that the work beyond the value of funds available has been achieved. I feel that your first impression of the picture has made you to write the letter in question; Without prejudice to my presenting the other side of the picture in your next visit I am closing this letter.

The Regional Youth Training Camp entrusted to Bharat Seva Dala by the Government was started on the 29th of last month at Nelamangala and is going on successfully. We are amidst of about 200 teachers Madhyama Training Camp at Malladihalli. I request you to visit the camp within the 1[illegible]th of this month. The efforts of our workers to my knowledge have not only been marred and misused by some of our own selfish people.. The Central Office is seriously trying to chanalise the efforts of our enthusiastic workers in the direction we wanted. Such one effort of ours may be seen at Malladihally and hence I request you to visit. I don't mind people critisising our doings but I do mind people who criticise purely for the sake of criticism. I don't want you to be carr[illegible]d away by such things. Representations to be made to you - the founder of sevadal movement in India must be representations made on the facts. Representations purely for the benefit of your sympathies or favour are representations in my view are no representations. This is my immediate and honest feeling on reading your letter. I stand corrected if this feeling of mine is eroneous.

Thanking you,

Yours sincerely,

General Secretary.

BHARAT SEVAK SAMAJ
Hubli City & Taluka

PRESIDENT
JAWAHARLAL NEHRU

Ref. No. 731

Date 2-5-1963.

To
Padmashri. . S. Hardikar,
Ghataprabha.

Dear sir,

This is to request you ~~that~~ we need a house to shift our night shelter house, Bharat Sevak Samaj, Hubli from the present place. We came to know that Mrs. Gokhale, a nurse in Ghataprabha has a vacant house in Hubli at Dajesbanpet. Since 6 months we are searching the suitable house to shift but we cannot succeed. The officers of the Social welfare board is advising us to shift this in the earliest possible time. otherwise the night shelter will be stopped in Hubli. So I once again request you sir to request Mrs. Gokhale to give her house for rent to use that for night shelter house. This will be a very great help to the institution if this is shifted to that house to run it in a improvedway.

Thanking you sir.

Yours faithfully
(S.K. Saunshiker.)
Secretary,
Bharat Sevak Samaj, Hubli.

JAI HIND

Phone: 3993

BHARATH SEVA DALA

(REGD.)

PRESIDENT: PADMASRI DR. M. C MODI
VICE-PRESIDENT. T. SIDDALINGAIYA, B.A., B.L.,

GENERAL SECRETARY:
K. N. LAKSHMINARASIMHIAH,
B Sc. (Hons.), B.L.,

TREASURER:
DEENABANDHU V. R. NAIDU.
M. L C.,

No. 1, NEHRU NAGAR,
BANGALORE-20.

No. 2384/63-64

Date 9th October 1963

To

The Hon'ble Prime Minister,
Government of India, New Delhi.

Respected Sir,

We got to know that your goodself is coming to Bangalore by the end of this month to inaugurate the VIII Convention of All India Bharath Sevak Samaj to be held between 28th and 30th of this month and further your goodself will visit Mysore City.

As usual Bharath Seva Dal will run a camp this year during Dasara Festivities at Mysore City between 22nd and 28th of this month at Anjaneya Temple Choultry, Vontikoppal, Mysore. About 500 trained volunteers of Bharath Seva Dal drawn from all over the State will participate in the said camp.

In this connection on behalf of the Members of Exe Committee of Bharath Seva Dal we request you to visit and address the volunteers of our Dal at Mysore City.

We have the honour to re-collect your Memorable address to our volunteers on 1st January 1951 on the lawns of Residency Bangalore. During these 12 years Bharath Seva Dal is marc ahead in inculcating discipline in the Youth in Mysore State. A Brief Note of the activities (Brochure) is enclosed for your kind perusal. Padmabhushana Dr.N.S.Hardikar who is now with us, is inspiring and guiding the activities of our Dal.

We hope your visit and your message will carry us a long way in inspiring the youth of our land into a life

contd.

of discipline and dedication in this hour of National Emergency. Bharath Seva Dal will have the honour and privilege to welcome you on the occasion.

We hope that you will kindly accept our request.

Yours faithfully,
Sd.K.N.Lakshminarasimhiah
General Secretary.

"True Copy"

General Secretary.

R.No. 251/(7)/18 [illegible] [illegible]

[illegible]
೩೦.೩.೬೮
31 3 18

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible]

[illegible]

Jai Hind 16

BHARATH SEVADAL MYSORE DIVISIONAL RALLY RECEPTION COMMITTEE MYSORE

Chairman
Hejjige M. LINGANNA B.Sc. L.L.B. M.L.C

Vice Chairman
H. V. SREERANGARAJ B.Sc. B.T

Vice Chairman
DAMAYANTHI BORE GOWDA

Secretary
T. N. NARASIMHA MURTHY B.A.B.L.,

Joint Secretary
K. B. SOMAIAH

4671 Rajput Block
III Cross, N. R. Mohalla,
MYSORE.

Ref DR/169/68 69

Date 16-12-1968
21

To Dr

Padma Shri, N.S.Hardikar,
Karnataka Arogyadhama, Ghataprabha,
Belgaum District.

Respected Sir,

Subject. Inauguration of the Bharath Sevadal Mysore Divisional Rally opening function on 24-1-69 at 5 p.m. at Jeevanrayanakatte Mysore at 5 p.m.

I have the great pleasure to bring the following contents to your kind notice that a Divisional Rally of Bharath Sevadal, Mysore Division, is going to be held from 24-1-1969 to 26-1-1969 at Exhibition Building, Mysore. In this Rally 2000 Sevadal volunteers and Sevadal teachers of Mysore Mandya, Coorg and S.Kanara Districts are to be participated.

In this aspect once again I feel pleasure to approach you to evince your keen interest to inaugurate over the functior

The inauguration of this Rally is arranged on 24-1-1969 at Jeevanrayanakatte, Mysore at 5 p.m. as per the resolution made in the Rally Reception Committee.

And also the Committee has unonimously decided to inaugurate the function by your kindself on the above date.

As such I request you honourably on behalf of this Organisation to be kind enough to inauguarate ~~over~~ the function and thus solicit your valuable address of 2000 volunteers and sevadal workers.

Thanking your,

Yours faithfully,

16/12

T. N. Narasimha Murthy, BA
Secretary
B. S D Divisional Rally
Reception Committee
MYSORE

17 ೩.೨.೬೬
ಶಿವಮೊಗ್ಗ

ಪೂಜ್ಯ ಡಾ॥ ಎ. ಎನ್. ಉಪಾಧ್ಯೆ ಅವರಿಗೆ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು

ತಮ್ಮ ೬೦ ವರ್ಷದ ಹುಟ್ಟುಹಬ್ಬದಲ್ಲಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಭಾಗವಹಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗದುದಕ್ಕೆ ವಿಷಾದಿಸುತ್ತೇನೆ ನಿಮಗೆ ಭಗವಂತನು ಆಯುರಾರೋಗ್ಯವನ್ನು ಕರುಣಿಸಲೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತೇನೆ

ಇಂತಿ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು
ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ ಜೈನ ಸಂಘ
ಸದಸ್ಯರು ಶಿವಮೊಗ್ಗ

ತಾ॥ ಭಟ್

★ JAI-HIND ★

BHARATHA SEVADALA

President
Dr. B. M. Pai

Dist. Office
Progressive Building
SIRSI (N. Kanara)

Organiser
Y. M. Venkataramanappa

No:

Date [illegible]

To:

Dr. N.S.Hardikar,
President,
Karnataka Health Centre,
Ghataprabha:

Respected Sir,

I have great pleasure to inform you that we have decided to conduct Bharat Seva Dal Rally at district level in the premises of the Gibb High School, Kumta, on 24th, 25th & 26th January, 1970, on a grand scale. Nearly 100 High Schools and 700 Primary Schools of this district have been invited to participate in the Rally. The number of participants is expected to be well over 2000. North Kanara is one of those districts in the Mysore State, which have fostered the B.S.D. activities by having a good number of Shakhas, and the Rally is organised for the first time in the district with a view to enthuse the student population still further, to inculcate the much needed discipline among them and to popularise this National Volunteer Organisation among the masses. The move is fully supported by the Mysore Government, and they have issued official circulars to all Educational Institutions to take part in the Rally. The -- Minister for Finance, the Minister for Education, the Director of Public Instruction, Bangalore, and a few more Educational Authorities are expected to grace the occasion.

It is our ardent desire that we should have amongst us the stalwarts in the field like you, who can be a source of inspiration on account of unadulterated dedication of their entire life to the cause of such movements. People of this region naturally like to see their veteran leader, the founder of Rashtreeya Seva Dal, the father of all Volunteer Organisations in India. This will be an occasion for workers in the field to meet and discuss, and they too will be very happy to avail themselves of your august presence for advice and guidance.

We are aware of your delicate health on account of age and the difficulties in undertaking such a long and arduous travel to this remote place, especially by road from Hubli. I assure you that --- special arrangemnets will be made to make this part of the to-&-fro journey very comfortable. Care will also be taken to make your stay here as homely as possible. Moreover, the weather here is the --- pleasentest in this season.

We wish that you must be amongst us for all the three days. But, in case this is not possible, I shall deem it a great favour, if you agree to preside over at least the Valedictory Function on 26th January, 1970, which, incidentally, is the Republic Day. I hope that you will not disappoint us in the matter.

P.T.O.

A line in reply is earnestly awaited

With respectful regards,

Yours sincerely,

(Dr. B.M.PAI)

20

JAI HIND

DISTRICT BHARATHA SEVADALA COMMITTEE
MANDYA

Ref. No. ....   Date..28-12-...1969

Dr.N.S.Hardikar.
Father of Sevadal
GHATAPRABHA.

Esteemed Sir,

On the occassion of the Birthday of Sevadal, we the members of District Bharath Sevadal Committee of Mandya - District, pray the almighty to give you all strength and a long life to serve the nation in ameliorating the social conditions of the youth.

We are enclosing herewith the copy of the resolution of the District Bharath Sevadal Committee meeting held on 28th December 1969. We are wedded to Gandhian Philosophy of life and we assure you sir, that we follow your foot prints and work for the upliftment of the young generation of this great nation.

Thanking you sir,

With kind regards.
Yours affectionately,

28/12/69
(M.V.SREENIVASAIAH.)
Secretary,
District Bharath Sevadal
ittee, Mandya.

V Ramaiah
(V.RAMAIAH.)
Member of State Bharath Sevadal,
Executive Committee,
Mandya.

ಮಂಡ್ಯ ಜಿಲ್ಲಾ ಭಾರತ ಸೇವಾದಳ ಸಮಿತಿಯ ಸಭೆಯು ದಿನಾಂಕ 28.12.1969 ರಂದು ಭಾ.ಸೇ.ದಳದಲ್ಲಿ 10 ಗಂಟೆಯಲ್ಲಿ ಜಿಲ್ಲಾ ಸೇವಾದಳ ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ [illegible] ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯಲ್ಲಿ ಸೇರಿ [illegible] ನಿರ್ಣಯಗಳು

+ + + + + + + + + + + + + + + + +

ವಿಷಯ – ಡಾ|| ನಾ.ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ್ ರವರ [illegible] ಸೇವಾದಳ ಜಯಂತಿ [illegible] ವಿಚಾರ.

+ + + + + + + + + + + + + + + + + + +

ನಿರ್ಣಯ – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ರಿಂದ ಆರಂಭ [illegible] ಡಾ|| ನಾ.ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ್ ರವರ ಸೇವಾದಳ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಸೇವಾದಳ ಜಯಂತಿ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಡಾ|| ನಾ.ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ್ ರವರ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

+ + + + + + + + + + + + + + + + + + +

Secretary District Bharath Sevadal Committee
MANDYA.

JAI HIND

Phone : 23993

BHARATH SEVA DALA
(REGD)

Dalapathi
C. R. Basavaraju

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No BSD/ER/103/70-71

Date 5. 5. 1970

Dear Sir

Received your kind letter dated 24 4 70 and noted the contents therein. As desired by you I am contacting some of the phy edn Teachers to take up the Training programme for Nurses at Ghataprabha. After securing the willing instructor, I shall be able to intimate definite reply in due course.

I am confident this finds you in best of health.

Sri K. T. Channabasavegowda is with us as Gen. Secretary of B.S.Dal. This is for your kind information.

With best regards

Yours sincerely
C.R. Basavaraju

CERTIFICATE OF POSTING 23

JAI HIND
Phone: 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MO**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary:
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L

No................... ..

Treasurer:
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

Date 18th April 1972.

BSD/CR/17-20 /72-73.

Respected Sir,

The Shikshana Samithi ~~of~~ Bharath Seva Dal has met several times to revise Syllabus for various Training Courses of Bharath Seva Dal and to make recommendation to the Executive Committee for approval. During the last meeting of Shikshana-Samithi Shri.S.Vasudeva Rao suggested that before the revised Syllabus are placed before the Executive-Committee for approval, the same may be shown to you for seeking your valuable suggestion perticularly that of Syllabus for Visharadha Course which has been newly proposed. Hence myself and Shri.K.R.Basavaraj, Dalapathi along with Shri.S.Vasudeva Rao have resolved to meet you at your place on 5th May 1972.

We hope that it will be convenient to you.

With kind regards.

Yours faithfully,

(K.N.Lakshminarasimhaiah)
General Secretary.

To:

Padmabhushan.Dr.N.S.Hardikar
Karnataka Health Institute
Ghataprabha, BELGAUM.
Gokak Taluk.

[illegible]

Enclosure:

Copy of the Syllabus.

BHARATH SEVA DAL:BANGALORE-1

TRAINING SYLLABUS

INTRODUCTION

The sole object of training in Seva Dal is to prepare our Volunteers (Youths) for constructive work, the idealogy of Mahatma Gandhi being held constantly in view as the ultimate goal.

Service to the people being our motto, training becomes a means to an end and not the end in itself. Training could only be effective when it results in making an individual or a unit competent to act decisively at a moment which brooks no delay. Hence in training much importance is to be given t 'doing' than anything else.

Training is never complete and a volunteer is expected to know a lot if he has to realise his object. A few specified subjects, the knowledge and training of which is considered essential for a volunteer in the performance of his duties in various capacities have to be selected. Now that the Dal intends to organise and train the students on its line, a few more subjects in the syllabus of schools have been included.

Even when a volunteer is undergoing preliminary stage of training, it should be seen that he is being trained as a future worker with special qualifications. He must be able to take work from others, which he is doing himself. He must be able to do what his immediate superior is doing for him. This will make our organisation strong and the workers perfec Our volunteers must be trained to shoulder responsibility and not to shirk.

While imparting training care should be taken that initiative, thinking capacity, broad and progressive out-look in vol-nteers, are encouraged and developed. These qualities, if properly nurtured under a sense of discipline will go a long way in maintaining integrity and vitality in the organisation.

The Bharath Seva Dal has the following courses of trainin :-

1. Balak, 2. Kumar, 3. Pravesika, 4. Prathamic,
5. Madhyamic, 6. Kendra Naik Cum-C.P.Ed.
7. Seva Dal Visharad.

and Sahayak and Advanced Sahayak courses for school teachers to work as Sakhadhinayaks (Troop leaders) in schools.

ontd.Page No.2.

The training included 1) Drill 2) Physical Culture 3) Practical (Experience 4 Theoretical) 5) Teaching, Officiating and coaching and finally service. Balak, Kumar, Pravesika, Prathamic and Madhyamic training could be imparted in daily (or according to convenience) classes. But the prathamic training will have to be completed in a three days (full day) training Camp and the Madhyamic in ten or fifteen days full-days Camp. The Sahayak and Advance Sahayak courses will have to be imparted in full-day Camps of ten days and the Kendra Naik in three months full-day camp. The Seva Dal Visharad is a specialisation course and the period of training depends upon the subjects selected. Normally it is for three months. Increase in the periods of training will bring out greater efficiency. Refresher courses at frequent internals would be necessary. The training for girls and women will require suitable changes.

DRILL TRAINING: The object of drill training is to make our volunteer smart, prompt and act to orders. Orderly and correct movements without making much noice and wasting time or energy are also to be aimed at. The volunteers should be taught to utilise the training in Drill in every day life. The Hindustani Seva Dal had introduced Hindi Commands in place of English Commands. After independance this is followed in all spheres. The words of Command published by theNational Fitness Corps is adopted by the Dal in its revised syllabus of training. ~~Kky~~

PHYSICAL TRAINING: The object of Physical training is to make volunteers active, strong, healthy and endurant so as to cheerfully withstand any kind of physical strain, fatigue and privation. Playing the game and receiving success and defeat with equal disposition, which are the essential virtues of a sportsman, are to be developed through sports and games. The physical exercises so far taught in Seva Dal were the one adopted by the Indian National Army of the Great Leader Subhas Chandra Bose. Of late the Central Government constituted the National Fitness Corps which has evolved a course of Physical Education after a deep study of the several systems of Physical education on prevelent in the country. The Seva Dal has adopted this in its revised syllabus. A common demonstration could be organised in National Functions. ~~Practical training~~

Contd.Page No.3.

PRACTICAL TRAINING:-

Practical training is another important part of training course as it includes training in duties which a volunteer has to take upon himself and carry it out. Practical training as the heading indicates should really be practical. There should be much doing and practiceing than hearing and reading. The object of practical training is to train a volunteer to do certain works in a better way with better results. Systamised work, economic use of time, energy and resources should be utilised in bringing about the desired result. It is only correct performance and not 'only knowing' of things that counts in practical training. This could only be achieved with constant practice, for only practice makes a man perfect.

INTELLECTUAL (THEORY) TRAINING:-

The object of intellectual training is to equip a volunteer with the necessary information and knowledge required of him to discharge his duties intelligently and with complete understanding of its implication. Training of the mind and development of character which are closely associated with the intellect of an individual should also form a part of this training. Independant thinking, broad and progressive set up of mind are the results of proper training under this head.

SERVICE OR EXPERIENCE:-

What is training after all if not put into practice or not made use of for the benefit of the public? No training can be said to be complete unless it is experienced through service or actual work. Service not only tests a man and his training but it also acts as a teacher to further progress of a worker. This is one of the indispensable part of Seva Dal training and must be looked upon with due importance.

This national training of the Seva Dal could be imparted to students in schools and colleges and could be useful adjunct to the education they are now getting. Discipline, organising, service and National out-look have necessarily to be imbibed in the students.

Contd.Page No.4.

It would be difficult to train hundreds of students by a single instructor. Therefore active and physically fit students may be selected and first trained in Foot-drill and each one in one or two selected subjects and to handle the classes. They can begin to train the other students in the subjects they have learnt. They can continue their learning of the other subjects and advance courses.

The Government has been conducting Colleges for imparting Physical Culture training and issuing certificates in Physical Education. The Dal has incorported all the subjects for the C.P.Ed in its training for the Kendra Naik course. Therefore this course has now been named as Seva Dal Kendra-Naik Cum C.P.Ed.

A specialised course of training for the Seva Dal senior Officers is now being started.

It is hoped that this new venture of the Dal will gain public support.

* * *

I. BALAK TRAINING

(Age Group 6 to 9 years)

I. Physical training:

1. Physical Exercises (Primary) Tables 1 to 12.
2. Foot-drill Part I lesson I.
   1. Ek Line-ban, 2. Sav Dhan, 3. Vishram
   4. Aram-se 5. Jaise-the 6. Dahine-saj
   7. Baen-saj, 8. Samne-dekh, 9. Ginti-kar
   10. Ek Do-gin, 11. Char Char-gin
   12. Phasle-le 13. Phasle per Ek line-ba
   14. Dahime (baen)-mud 15. Salam-do
   16. Salami Am-Do, 17. File-ja, 18. Visarjan and Marching in two lines (keeping steps need not be insisted upon) Notes: Keeping correct positions should not be insisted upon.
3. Exercises with equipments; Dumbles.
4. Gymnastics Folk Dances:-Mimetics, Rythmic exercises and games.
5. Games: Minor - Selected 10 games.
6. Demonstration: I of the above items.

II. Practical Training:

1. Flag hoisting 1. Two whistle calls (Silence and assamble) 3 National Songs - Vandemataram, Janaganamana, Jhanda Uncha.

III. Intelectual (Theoretical) Training:

Short talks on: 1. Flag 2. Lives of National heros; Lokamanya Balagangadhra Tilak, Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru Spiritual & Moral: Biographies of Harishchandra, Seva Dhurina Anjaneya.

II. KUMAR TRAINING:

(Age group 10 to 12)

I. Physical Training: 1) Physical exercise tables 1 to 4.

2) Mass Physical Training Part I

3) Foot-drill: Repitition of Part I lesson I (As detailed for Balak Training)

Note: Keeping correct positions should not be insisted upon.

4) Exercises with equipments:
1. Seva Dal lezim 1 to 21 exercises of Karnatak Lezim Part I, II, and III.

5) Games Major: 1. Langadi (Hooping) 2. Standing Golkho kho. 3. Soft Ball.

"Minor: part I: 1. Bogey Ball 2. Big A little A 3. Bogey 4. Farmer and Rebite 5. Mother Bird 6. Odd Man 7. Touch and run 8. Keep the Ball up 9. Hooping Tag 10. What did you see. 11. Chase your partner 12. Magic wand.

Part II. 1. Fire and caught 2. Tag and one variation 3. Three Deep 4. Find a partner 5. Fire on the mountain 6. Come with me 7. Pagalwala 8. Crows and cranes 9. Spud 10. Catch the Fox's tail.

Part III: 1. Dodge Ball 2. Four Corners 3. Luggage van 4. Poison Circle 5. Pinch H.O 6. Dodge and mark 7. From threes (Fours, fives etc.) 8. Stealing sticks Jump and shot 10. Bombardment 11. Touch down carrying the object 12. Pin basket ball 13. Four court Basket Ball 14. Kick or touch - Indian club (Kabaddi) 15. Releasing the prinsoner (Kabaddi) 16. Wandering Ball.

6. Track and field events: 1. 50 M. Run 2. Running long Jump 3. Running high-jump 4. Cricket Ball Throw.

7. Demonstration: II: of all the above items.

II. Practical Training: 1. Flag salutation 2. Two whistle calls (Assembly silence) 3 National songs- Vandematram, Janaganamana, JhandaUncha Rahe hamara, Hejje Hejje Nidu Munde (Marching song), Matrubhumi Janani Sev Dala.

III. Intellectual Training: Short talks on: 1. Composition of National Flag 2. Moral and spiritual - Biographies of Ekalavya, Kubera, Tulasidasa, Gnaneswara, Tukarama and Prahallada.

III. PRAVESIKA TRAINING:

I. Physical Training: 1) 1) Exercise tables 7 & 8
2) Mass Physical Training Part II
3) Asanas (1)Vruskhasana 2)Salabyasana 3)Tolangulasana 4) Ardhya matsyasana 5)Bakasana 6)Kukkutasana 7) Vajrasana

2) Foot-drill: Movements detailed in the training for Balaks but keeping correct positions and 1)Dahina (baen) baju chal 2) 2)Squad tham 3)............kadam Age (Peehhe) chal 4)............Kadam Dahine(Baen)Baju-chal 5)Dahine (Baen)Mil-ja 6)Marching in fires: Tej-Chal 7)Squad-tham

3) Exercises with equipment 1)Seva Dal Lezim complete 2)Wand drill.

4) Games- Major: 1) Kokku 2) Kabaddi.

B. " Minor part IV 1.Keep it up (Volley ball) 2.One Bounce (Volley Ball) 3)Twenty one (Basket Ball) 4.Dacoit 5)Circle rush 6)Wrestle Royal 7)Catch the Jail bird 8)Thief and policeman 9)Whip tag Kabaddi.

C. Relays 1.Lateral Ball Pass Relay 2.Kangroo relay 3.Frog Jump relay 4.Rope skipping relay 5. Cevalin relay 6.Hands and bouncing relay 8. Round and under relay.

5. Track and field events: 1.100 M running 2.Long jump 3. High Jump 4. 4x50 M relay 5 shot, put 8 Lbs 6.Hicking 2 to 4 miles.

6. Demonstration No.3 of the above items.

II. Practical training: 1. Flag salutation 2 Whistle calls 3 National Songs Devibhuvana. Almatrubhumi, Seva Dal Sainikaru 4. Personal Hygiene.

III. Intellectual: Short talks on 1. Punctuality 2.Conscious of duty and responsibility. 3.Loyalty 4.Qualities in a volunteer 5.Moral and spiritual:

Biographies of Srirama, Seetha, Udhistira, Vyasa Valmiki, Ekalavya, Nachiketa and Yagnavalkya.

IV. PRATHAMIC TRAINING:

I. Physical Training: 1. 1)Exercise tables 9 and 10
2) Mass Physical Training Part III
3)Dande, Baithak, Asanas: Sarvangasana, Matsyasana, Udyana, Supta Vajrasana.

2. Foot-drill Revision of the previous portions and to complete Part I lesson 31.e.
1. Kadam-Tha 2. Tham 3. Kadam Badalna 4. Tej-chal 5. Age-badh 6. Dahine (baen)-ghum 7. Dahine(baen) Chak 8. Samne Saj-ja 9. Peeche-saj, 10. Dhine-chal 11. Dowd-chal.

3. Excersies with equipment:
Lezim: For those that have completed Seva Dal Lezim in the previous courses:-

Karnatak lezim Part 1 to 4.
For those that have completed Karnatak lezim parts 1 to 4: 5th part i.e., 1. Morchal
2. Morchal-Ageki 3. Morchal-Dahine aur Baen
4. Seva Dal lezim 1 to 21 excercises 2 Lathi-Seedhi, Uati, Do rukh.

4. Games-Major: Fundamental skills of Foot-ball, Hockey ~~and~~ Badminton.

B. Minor: 1. Line Foot ball 2. Pin Foot Ball 3. Circle foot ball 4. Captain Ball 5. End ball 6. Keep the ball up 7. Skip tag 8. Squat tag 9. Advancing Statues 10. Circle Hockey.

C. Relays: 1)Leap Frog relay 2. Grasp and pull relay 3. Backward relay 4. Tilangi Relay 5. Chain relay 6. Ball passing 7. Pick a Back relay 8. Wheel Barrow Relay.

5. A. Track and field events:
1)100 M Run 2)400 M Run 3)Long Jump
4)High Jump 5)Hop step and jump (standing & running) 6)4x100 M Relay (Techinque)
7)Shot put.

B. National physical efficiency tests.
C. Hiking 2 to 4 miles (with light equipment)

6. Demonstration No.5 of the above items.

II. Practical Training: 1. Three days camp life 2. Drawing Flag base 3. Acting as Dhwajini and conducting Flag salution Function 4. Whistle calls 5. Salutes and rules 6. Use of uniforms and its up-keep.
7. National Songs:-Nodiranna nodinee nisane, Seva Dal Sainikaru, 8. Ashram prayer 9. Kit inspection (keeping articles orderly) 10. Sentry and guard duty.

III. Intelectual Training: 1. National Flag Composition, interpretation significance, Size of the Flag, Rules for using the flag, Flag Hoisting and lowering functions 2. History o the fight for Independanc 3. Service-History of the Seva Dal 4. Rules to be followed by volunteers short talks on: (1)Regularity and punctuality 2)Sense of duty and responsibility 3)Non-partisan character 4. Loyalty to the organisation 5. How to keep fit in heavy and consant work 6. What to do when danger call is given 7. Importance to be given to service by volunteers 8. Obediaence and subordination in an organisation 9. The importance of studies and progressive thinking in the present Age. 10. Qualities of a volunteer and his behaviou with the public.

-:::-

V. MADHYAMIC TRAINING:

-::-

I. Physical Training:

1. (1)Exercise tables 11 and 12
   (2) Mass physical training part III

2. Foot drill: II and III parts complete i.e., 1.Phasleper do line-ban 2.Khule line chal 3.Nikat line chal 4.Char line-ban 5.Do line-ban 6. Thamkar Dahine (Baen) Disa + Badal 7.Thamkar Dahine (Baen)Squal-Ban 8.Movements in Marching: 1.Dahine (Baen)-mud 2.Adha Dahine (Baen-mud 3.Dahine line ban 4.Ek line ban5. Do Pangti-Ban 6.Ek Pangti - Ban 7.Dohime(Baen) Disa-Badal 8.Dahine (Baen) Squal-Ban 9.Lamba-kadam 10.Chota-Kadam 11.Tej Challse Dhire-Chall 12.Tej chalse Dowd-Chal 13.Dowd Chalse Tej-Chal 14. Teen Line-ban 15.Ek Line-ban 16. ~~KammxKaatxDrikkaa~~ Formation of Rank and files etc.
   Foot Drill with lathi.

3. Exercises with equipments:
   Lezim: For those that have completed Seva Dal Lezim: 1)Harkat Bharath Matha 2)Chakker Aur Baithene Uthne ki harkat 3.Morchal 4. Morchal Ageki 5 Morchal Dahine (Baen) 6.Chowmukhi Morchal.

   For those that have learnt Karnatak lezim: Seva Dal Lezim complete.

   2.Lathi: 1.Age phalang 2. Peecho Phalang 3. Salami Ek, 4.Salami Do 5.Chowmukhi Ek 6.Chowmukhi Do 7.Chowmukbi Theen.

4. Games A.Major: To play Badminton and 2 fundamental skills of cricket.

   Minor: 1.Three court Dodge Ball 2.Scout 3.Post Box 4.Bounce Hand Ball 5.Pull into the Circle 6.Stealing stic 7.Last Couple out. 8.Centre Base 9.Soldiers and Brigade 10.Circle Chase.

5. Track and field events: 1)100 M Run 2)800 M Run 3)Long Jump 4)Bounce Hand ball 5.Shot put 6. 4x100M Relay (Technique) 7.Discuss Throw Javaline Throw (Technique)

   B. National efficiency tests.

   C. Hiking 4 to 4½ miles

6. Additional / optionals:
   1.Gymnastics 1.Malkhamb 2.Folk dance and 3.Kolata

   2.Combatives: (a)Simple contests:1)Finger Bend 2)Pull to stand 3)Push away 4)Pull 5)Riksha Pull 6)Riksha Push 7)Lift off.

   b)Mass combats 1)Reds and Blues 2.Poison clud

   c)Cycle Riding, Swimming, Climbing, Wrestling.

7. Demonstration No.6 Of the the above items.

II. Practical Training: 1. Service and duties of a volunteer in processions, meetings 2.Relief work in acidents 3.Spinning 4.National Songs Receiption Songs Bharateeya Upasakaru, Sagimunde, Kadam-Kadam 5.Village development programmes 1)Village sanitation 2)Formation of drains 3)Construction of soak pits 4)Formation of roads 6) Organisation of Seva Dal Sakha programmes 2)Duties of Dasta Naiks and officers 3)Route March 4.Camping 5.Excursions 6.Organisation of rallies. Discipline and rule.

Contd.Page No.2.

7. Simple treatments: (As far as possible) Natutopathic and preventive) and medicines useful in e very day life and easily available Primary Home nursing. Prineiples of Public sanátation and Hygiene (Sentry duty: Day and night.

III. Intellectual: 1. History of the National Flag, Flag of other countries". Seva Dal and other voluntary organisations 3. Freedom movement (different role. 4. Political Parties and Organisations in the country (their ideolgy, principal workers and organisational strength) 5. Village Problems: (1) Reconstruction and and planning ac oirding to Gandhian Ideols (2) Basic and audit education (3) Principles of seistific agriculture, use of better implements and furtilisers and seeds, conservation of Soil, Compost manure from cowdung and night soil (4) Improving the nutritive value of Soil, Compost manure from cowdung and night soil ~~(4) Improving the nutritive value o~~ of food (5) Plantation of trees, avenues and groves (6) Horticulture and (7) Fruit culture Sarvodaya ideology, Bhudan, Gramadan and Grama Swarajaya.

-::::-

VI. SEVA DAL KENDRANAIK (CUM-C.P.Ed):

-:::-

The Bharath Seva Dal has been giving Kendra Naik Training to those that have undergone the Prathama and Madhyama Courses of training and have achieved some field experience in the local Seva Dal units.(Sakhas) This used to cover a number of years. The Kendra Naik Training is an officers' training. A similar proceedure of training by stages if followed for the revised course also will result in producing selected, efficient, experienced and well qualified Seva Dal officers of Physical culture Instructors. Hence this course will be imparted in 1) 3 months for those that have undergone the Madhyamic course and 2) for 10 months for recruits.

THREE MONTHS' COURSE

I. Physical Training:

1. Revision of Exercise tables 1 to 12
   2. Mass Physical Culture tables 1 to 13
   3. Asanas full course to be revised.
   4. Exercise tables 13 and 14 to be tought

2. Foot drill: Rivision of parts I, II, and III. The full course should be practiced intensively, and systematically paying special attention to the correct postures and smart movements of the body and complete understanding of the implications of all the Drill commands.

   2. Ceremonial parade. Flag parade platoon and company drill.

   3. Drill by signals.

3. Exercises with equipments: 1. Revision of Lezim both Seva Dal system and Karnatak Systems, wand drill and Dumbles.

4. Gymnastics/Folk dances:
   a) Positions: 1) Walk stand 2) Stride stand 3) Lunge a) Forward b) Side ward c) Backward 4) Hips firm 5) Arms bending forward 6) Arms bending upward 7) Arms vertical 8) Arms side horizontal 9) Arms front horizental 10) Arms Raising Backward 11) Raising on toes 12) Raising leg forward, side ward and Backward 13) Knees half bending 14) Knees full (Deep) bending 15) Trunk Circumduction or retting 16) Front leaning-Prone support 17) Back leaning 18) Thigh Flexion 19) Sitting up 20) Half Kneeling ~~on Both Knees~~ 21) Kneeling on Both Knees.

b)Stunts: Part I. 1)Forward Roll 2)Double Roll
3)Through Volt 4)Knee Mark 5)Long Reach
6)Heel click 7)Skin and snake thorough the legs
[illegible] 8)Dive and Roll
9)Camel walk 10)Frog Balance.

Part II. 1)Chicken Walk 2)Frog leap
3)Novelty Walk 4)Balance bend 5)Knee Dip
6)HERO DRIVE 7)Strong Arm Hand 8)Crock Screw
9)Horse Hop.

c) Mulkhamb: Chadatya (ascending)Utartya (descending) 1)Pavitra 2)Sadi Udi 3)Bagali Udi
4)Do Hati Udi 5)Khanda Udi 6)Pyramid No.1
(Hanuman Baithak) Malkhamb ke upare hisse par.

Part II: 1)Katar pakad 2)Koka pakad
3)Mithi 4)Sadi Tedi 5)Sada Dasarang 6)Pyramid
(Pet ka Tal) Mulkhambke Upare Hisse par,

Part III: Naki Kas-Sadha 2)Babak phad
3)Mayoor phanki 4)Bagali Pharara 5)Dasarangs
6)Kan Chitti 7)Wal 8)Pyramid Mulkhab ke Shikar
par khade Hone.

Part IV: 1)Machali 2)Ek Hati 3)Kamani Udi
4)Dohathi Ghoda 5)Sui Dora 6)Kan Chitti 7)Wal
8.Pyramid Mulkhab ke Shikar par khade Hone.

d) Vaulting Box: A)Broad Box 1)Jump on, jump off
2)Knees on Jump off 3)Astride Vault 4)Between
Vault 5)Wolf Vault 6)Oblique back vault
7)Side Vault 9)Face Vault 10)Shoulder Spring
11)Head Spring.

B)Long Box: From Couch, Forward Roll to sit
on and Jump off 3)Forward Roll to astride
Sitting 4)Cat spring 5)Horizontal Astride
Vault 6)Horizontal between Vault.

e) Tumbling:-1)From full knee bend forward Roll
2)From standing position Forward Roll 3)From
standing to lying on back frrward Roll 4)From
full knee bend backward Roll.

f) Beam: 1)Walk on the flat side with arm in position 2)Arms bend and stretch 3)Skin the cat 4)Jump t
to over grasp, Arms bending and stretching
5)Beam above reach-jump to over grasp Hang/
Travel side ways along with the Beam 6)Beam above
reach - Jump to over grasp Hang/Swinging
Travel 7)Beam above reach, Jump to alternate
grasp, Hang/Travel Forward.

g) Rope climbing: 1)Chin up Rope 2)Climbing the
Rope using foot and leg lock 3)Climbing the Rope
using stir up 4)Descending Rope between Arches
of feet 5)Cross Leg Climbing.

h)Pommel Horse:-1)Through Valt 2)Astride Vault
3)Rear Vault 4)Front Vault.

i) Parallel Bars:- 1)Resting on both bars, Cliff
off forward. 2)Bent Arm Double March Forward
3)Swinging Forward and Backward and bending arms
at every Forward swing 4)Swinging bent arms -
back lift 5)Dips.

Contd.Page No.3.

j) Pyramids:- Different formations.

k) Folk dance - Janapada Nrutya and Kolata.

5. Games: Major: Volly ball, Badminton, Cricket Foot ball and Hockey to be practiced intensively. Special stress has to be give to this portion of the syllabus.

b) Minor: Revision of the previous portion and 1)Touch and pass 2)Hurley and Burley 3)Captain ball 4)Circle Bounce Ball 5)Robbers and soldiers.

c) Relays: Part I: 1)Hopping Relay 2)Kho kho Relay 3)Shuttle Relay 4)Pottato Relay 5)Ball Pass Relay 6)Jumping of Both Feet Relay 7)Gallop Step Relay 8) Running Backward Relay.

Part II: 1)Simple running 2)Jump the Ditch 3)Jump height 4)Run and through 5)Round and under Relay 6)Exchange Relay 7)Wheel Relay.

Part III: 1)Human obstacle 2)Tunnel Ball Relay 3)Crab Relay 4)Ball roll Relay 5)Double Hopping Relay 6)Circle pass Relay 7)Zig Zig Running Relay 8)Cycle Hop Relay 9)Kho Kho Relay 10) Chariot Relay.

6. Track and field events: A.1)100M Run 400M Run 2)800 M Run 1500M Run 3)Long Jump 4)High Jump 5) Shot put 4x50M Relay 6)4x100M.Relay (Technique) 7)Discuss through/Javeline Throw (Technique) Creket Ball throw.

B.National Physical efficiency tests.
C.Hiking 4 to 4½ miles.

7. Combatives: Simple contests: Part I:Back to Back lift 2)Back to Back push 3)Back to Back stick Pull away 4)Back to Back single stick pull 5)Back to Back Tug 6)Drake fight 7)Elbow struggle 8)Hand push 9)Hand wrestle.

Part II:(In pairs) 1)Knee slap 2)Knock our club 3)Lame Duck Fight 4)Lifting contest 5)Stoll tilting 6)Tyre Wrestling 7)Ring Wrestling 8)Fight for Lathi. 9)Hand pull.

Part III:1)Hold the neck 2)Slap the hand 3)Fight on Back 4)Standing Pull 5)Rose and Rider.

Part IV: 1)Leg tying 2)Squat Tug 3)Swatter Boxing 4)Individual Tug of War 5)Stick wrestle 6)Cock fight.

Part V: Take off the Tail 2)Push off the Tail 2)Push off the bench 3)Push off the stool 4)Neck Pull.

B: Mass cimbats: Part I:1)King and theCircle 2)Conversion Tag 3)Master of King 4)Mass horse and rider 5)Keep them in 6)Keep them out 7)Snatch the Mat.

Part II: 1)Cane rush 2)Storming the Fort 3)Kind of the Level 4)Tug of War 5)Rush-Tug of Wa

Part III: 1)Forcing the Gate 2)Break the Wall 3)Smuggling 4)Prison break.

Contd.Page No.4.

C: Wrestling: 1.Positions: 1)Pavithra 2)Salami 3)Dhakel 4)Kalai Rokh 5)Seing Rokh 6)Samane Kalai 7)Pher kalai.

2.Stances: a)Distance stance b)Square stance c)Close stance.

3. Go behind: a)Under Arm, Swing b)Arm drag.

4. Take down a)Mura Escape from Mura b)Overhead Drag (Escape from over head Drag)

5.Pins a)Half Nelson b) Chicken wing and Half Nelson. 6)Pat ka kam 7)Tod to Pat ka kam 8)Do Dasti 9)Latna 10)Ukhed 11)Tang Tod 12)Dasarang 13)Khadi Danki 14)Baithi Danki.

D. Judo: 1)Release from single hand hold 2.Release from double wrist hold 3)Release from double hold on one wrist 4)Release from front Throat Hold 5)Release from Hari Hold 6)Defence against Blow at head 7)Release from Rear Shirt Hold 8)Release from Rear waist Hold 9)Release from Front waist Hold.

II. Practical:

1. Volunteering in meetings, processions, Fairs, Hospital Exhibitions, Offices.
2. Relief work-Fire, Famine, contagious diseases, Floods, Communal and political disturbances, earth-quake etc
3. Bugle calls (to recognise only) and different methods of signalling.
4. Elements of diatetics- Nutritive value of food we tak and how to improve the same.
5. Working knowledge of Hindi.
6. To conduct Seva Dal Sakha (Units) for boys and girls. 1)Organisation 2)Training and daily routing 3)Maintenance of Sakha records and registers and particulars of each volunteer 4 How to train boys and Girls 5 How to develop the activities of the Sakhas. 6 Assigning of duties and inspection 7 Recovering and issuing orders and instructions 8)Reporting of duties performe
7. Training aspect of village industries and Handi craf and practive of the same.
8. Sense developmentand judgement 1)How to take care of eys, ears, nose, tongue and skin and how to develop their efficiency and keeness 2)How to judge the weig distance, number, smell, sound etc.
9. Arranging meetings of volunteers, camps, picnics an entertainments.
10. Propoganda or the act of educating the masses (by discussions, talks, writing articles and personal approache tc.)
11. Croud control and trafic rules and menagement (cont
12. To run Service Camps.
13. To organise and conduct matches and tournaments.
14. Officiating and Coaching:
    1. To gain experience as an instructor - To handle a class at-least for a week.
    2. To conduct atleast 5 games as an empire.
    3. To work as a coach atleast for a week.

Contd.Page No.5.

III. Intellectual: 1. Attainment of greater knowledge of the portions covered in the Prathamic and Madhyamic Courses.

2. Indian Constitution, Administraion, Election and voting rights, Local bodies - Village - Panchyat constitution and rules, etc.

3. Govt. Organisations for external secutiry and internal (Home) peace.

4. Achivements of State and Central Governments.

5. Village problems; Animal husbendry, development of cattle wealth, poultry, Diary farm, Justice through panchyats.

6. -Service of volanteers in Towns and villages.

7. Draw backs, Civic sense, Healthy habits, National character and sportsmanship.

8. Co-operation - Establishment of Co-operative Secieties, conducting of activities, maintenance of accounts, organising agriculture and Industries on co-operative basis.

9. Psycology of children and youths and scope of development.
   1. Common bad habits in children.
   2. To build in children national character, public well being, healthy habit and sportsmanship.
   3. To create initiative, leadership, broad out-look, progressive and quick thinking, decision and action ad service motive in children.

10. Syllabus for the Certificate Course in Physical:

Paper I: Principles, Psychology and History of Physical education.

Paper II: Organisation and methods of Physical Education.

Paper III: Anotomy, Physiology, Health Education, Safety Education, First aid and dietetions.

Paper IV: Officiating and coaching.

Contd. Page No. 6.

SEVA DAL VISHARAD COURSE

The object of the training is to provide Senior Officers for the Organisation and for imparting Kendra Naik-Cum-C.P.Ed. Course. Hence this will be a specialiation course. Intensive study and practice of the subjects taught in the Kendra-Naik course will be the main portion of the Syllabus. A good library will be required. Only Kendranaiks that have the experience of atleast 3 years in the Seva Dal or particular activities should be selected for this course.

General: Revision of the Physical, practical and intellectual subjects for the Kendra Naiks Course.

Specialisation:

1. Physcal: Proficiency in the subjects for the Kendra Naik Course and items that are to be introduced in Vyayamasala. A detailed Syllabus will have to be drawn up.

2. Practical: 1. First aid (To pass in the St. John Ambulance tests) 2. Service in Jathras, relief work, fire, accidents etc. 3) Village improvements.

3. Intellectual: To handle classes in the several subjects for the different courses.

4. Organisational: Organisation of Saknas, Rallies, Conferences, Demonstrations, Exhibitions Running Camps (as camp chief), Office work, auditing and inspection of Sakhas, Taluk and District Offices.

Note:- Suggestions are to be invited and a comprehensive Course decided.

-0000-

Copy of the letter No.PE1.BSD 58/71-72, Dt:17-5-1972 from the Office of the Director of Public Instruction in Mysore, Bangalore addressed to the Secretary to Govt., Education & Youth Services Department, Bangalore.

-oo-

Sub:-Provision of free uniforms to Bharath - Seva Dal Swayem Sevaka's and Sevaki's and payments of Honorarium to Bharath- Seva Dal Shakas Adhinayaks (Unit leaders)

Ref:1) Letter No.BSD/CR/38/72-73 Dated:21-4-72 from the General Secretary, B.S.D. Bangalore.

2) Letter No.ED 1 EBB 72 Dated 4-1-1972 from the Director of Youth Services, Bangalore.

3) Letter No.BSD/CR/2538/72 dated 14-1-72 submitted to Governor of Mysore.

4) G.O.No.ED 9 EBB 70 Dated 15-10-1971 sanctioning provision for free uniforms to Scouts and Guides and payment of Honorarium to Scouters and Guiders of the Institutions.

-:::-

I write to state that the Bharath Seva Dal Organisation is one of the voluntary organisations in the State receiving cent percent aid from the Department ever since its insception in the year 1950. This organisation has as its aims development of Self-discipline, Self-sacrifice, Self-reliance and to provide opportunities for community and co-operative work among the youth to become ideal citizens of free India. This Organisation has the same aims and objectives for the development of personality and character of the child as those of the Bharath Scouts and Guides Organisation. The Government have accorded sanction to set apart 25% of the net collections of the S.P. & R.R. funds of the High Schools for the promotion of the activities of the organisation.

As per the statistics furnished by the Bharath Seva Dal organisation as on 1-4-1971, there are 556 Shakas (Units) and 35 Swayem Sevaks in each Shaka in the Educational Institution in the State. The General Secretary of the Bharath Seva Dal Organisation has represented, that as per G.O.No.ED 9 EBB 71 dated 15-10-1971, provision of free uniforms to Scouts and Guides and payment of Honorarium to the Scouters and Guiders of the Educational Institutions have been sanctioned under certain conditions laid down therein and this organisation which has been ~~furnished~~ functioning in the State for the past two decades with similar aims and objectives of the Bharath Scouts and Guides Organisation feels that similar benefits should be extended to provide free uniforms to the Swayem Sevaks of the - Educational Institutions and honorarium to registered Shaka - Nayaks and Nayakis namely unit leaders of the Educational Institutions all over the State.

Contd.Page No.2

In the circumstances stated by the Bharath Seva Dal Organisation, I recommend that Government may be pleased to extend the same benefits given to the Bharath Scouts and Guides Organisation as indicated hereunder.

1. to sanction the payment of an honorarium at Rs.20/-P.M with effect from 1-4-72 to the Shaka Nayaks (Unit-Leaders) of the Bharath Seva Dal Organisation towards meeting the incidental expenses that the trainers incur and subject to the same conditions that the number of Shakas Nayaks or Unit Leaders (trainees) to be covered is limited to 1000/-.
2. to provide uniforms to the children who come from poor families or studying in the ordinary schools, a certain number of uniforms to be kept in each schools and supplied for use of the children, subject to these being returned to the school at the end of the year.
3. one thousand uniforms costing approximately Rs.20/- per set may be supplied all over the state every year making provision for replacing uniforms worn-out from time to time.

The expenditure on this account may debited to the provision under the head "28 Edn.F.[illegible].I.A.-Gen.Edn.11 grants to B.S.D.for the year 1972-73.

I request early orders of Government in the matter.

Yours faithfully,

Sd/-
(B.MARIRAJ)
DIRECTOR.

Copy to:

1. The Chief Accounts Officer for information.
2. The General Secretary, Bharath Seva Dal, Kumarakrupa Roa
Bangalore-1, for information.

Sd/-DIRECTOR.

//TRUE COPY//

PROCEEDINGS OF THE GOVERNMENT OF MYSORE

SUB:- Bharat Seva Dal Training Programme - Fixation of Fees.

ORDER NO.ED 47 EBB 70: BANGALORE DATED: 20TH FEBRUARY 1971.

--

With reference to the correspondence ending with the letter No.PE1.BSD-36/70-71 dated 10th Nov.1970 from the Director of Public Instruction in Mysore, Bangalore on the Subject, the Governor of Mysore is pleased to accord sanction to the following schedule of fees for the Training Camps:

SL. No.	Training Course	Duration of Camp.	Fees proposed for each participant for the Training including expenses of Boarding & Lodging
1.	Sahayaka Course	10 Days	40/-(Rs.Forty Only)
2.	Advance Sahayaka Course	10 Days	40/-(Rs.Forty Only)
3.	Madyama Course	15 Days	60/-(Rs.Sixty Only)
4.	Shikshak Milap to Dist/State	2 Days	8/-(Rs.Eight Only)
5.	Bharath Sevadal Rally to Dist/State	3 Days	12/-(Rs.Twelve Only)
6.	Training Course,National Flag/National Anthem	3 Days	12/-(Rs.Twelve Only)
7.	Social Service and Manual Labour Camps.	7 Days	28/-(Rs.Twentyeight Only)
8.	Jatra Service Camps.	7 Days	28/-(Rs.Twentyeight Only)

This sanction is subject to the following condigions:-

1. In addition to the above camp fees actual to and fro charges from the School to the place where the camps are conducted may be allowed.
2. The Candidate attending the courses referred to above, be permitted to pay a registration fee of Rs. 2/- only which is not refundable in respect of each of the above courses.

The camp fee, and the To and From charges referred to above be paid out of the current year's Scout allotment and in case that allotment is insufficient, the same be paid out of the accumulated Sports funds of the respective Schools.

This order issues with the Concurrence of Finance Department vide that Department U.O.No.FD/408/WI.71, Dated 4-2-71.

Sd/-
(S.R.VIJAY)
DIRECTOR OF YOUTH SERVICES & EX-OFFICIO
DEPUTY SECRETARY TO GOVT.
EDUCATION & YOUTH SER.DEPT.

TO.

The Director of Public Instruction in Mysore, Bangalore.
The Accountant General, Mysore, Bangalore.
The Secretary, Bharath Seva Dal, Bangalore-1,Kumarakrupa Road.
The Finance Department/Monthly Volume under part "D"-3 copies.

//TRUE COPY//

General Secretary,
Bharath Seva Dal.
Bangalore-1

SEVAHI

PARAMO

DHARMAHA

IS

OUR MOTTO

KARNIK PRINTERS, BANGALORE 20.

"SEVAHI PARAMO DHARMA"

Estd : 1950 Phone : 23993

BHARATH SEVA DAL

(REGISTERED)

Mysore State, Bangalore-1.

"General Cariappa told me that he saw your parade yesterday, witnessed your drill, March Past and exercise. He was greatly pleased and impressed. I am very happy indeed to hear such an opinion about you from the General."

Jawaharalal Nehru
1-1-1951.

"I want the youths in other Provinces to see exactly what Bharath Seva Dal has done and is doing in Mysore.

Dr. N. S. Hardikar

BHARATH SEVA DAL

Kumarakrupa Road, Bangalore-1.

Phone : 23993

President :
PADMABHUSHAN DR. M. C. MODI

Vice President :
SHRI. T. N. NARASIMHA MURTHY

General Secretary :
HRI. K.N. LAKSHMINARASIMHAIAH

Treasurer :
HRI. K. T. CHANNABASAVE GOWDA

Dalapathi :
SHRI. K R BASAVARAJU

AIMS & OBJECTS

To instill the qualities of self discipline, self sacrifice, self reliance, simplicity, service, tolerence and an aptitude for corporate and co-operative work, in the youth of the country so that,

(1) They may be trained for organised and disciplined national service according to the principles and programmes enunciated by Mahathma Gandhi from time to time.

(2) Become ideal citizens of Free India.

To promote national unity by rendering service through constructive programmes irrespective of caste and creed.

To improve the health and physique of the Indian youth through physical culture and training, and

To act, in times of emergency, as a peace brigade and to protect the life, property and honour of the people.

OPINIONS

" I saw the flood-lit Bharath seva Dal Parade you had for the Prime Minister at the Residence. I was most impressed to see how well these delightful children carried themselves on the Parade.

General K. M. CARIYAPPA

" It is most gratifying to learn about the magnificent work which is being done by the Bharat Seva Dal. It has engaged itself in the task of training the youth of the country, in imparting into them a sense of discipline, devotion to duty, loyalty, patriotism and service This is indeed a laudable task.

I wish the "BHARATH SEVA DAL" all success in their endevour god speed in their noble task"

JAYACHAMARAJA WADIYAR

" The Bharat Seva Dal has carved a niche for itself by its social and youth activities in Mysore State. Now, after the 1st of November the scope for service would still more be widened. There is no doubt that the Bharat Seva Dal will endear itself to the Greater Mysore by its activities. I wish the organisation every success & an ever increasing record of service ".

R. R. DIWAKAR

" I warn the youth against the present anti-social elements in our Mother Land which must be curbed in their bud, as otherwise the very freedom of our will be in danger.

I appeal to them to be guided by the ideals of service and to become great leaders of the future.

Bharat Seva Dal has put our Bharath on the pedestal of Mahatma Gandhi's ideals of love and truth, The world is looking to Bharath for light and guidance. Let not our Country fail them in this hour of danger to humanity ".

K. HANUMANTHIAH

" Among the greatest remembranses which I shall hold of India, is my visit to the Bharath Seva Dal. Here was a living example of the way in which the India of tomorrow is being forged here the spiritual, mental and physical factors are being harmoniously combined to build better men and a greater Republic. May their Programme go forward with ever-increasing success and blessing."

MARCUS BACH, Ph.D.
UNIVERSITY OF LAW, U.S.A.

"The aims and the objectives of Bharath Seva Dal are of the highest order and modern. They are in line with the best in modern education all over the world..........You have a fine programme and I want to congratulate you on the work you are doing.

Dr. Jay B. Nash
Professor of Physical Education,
New York University

Bharath Seva Dal is an off shoot of the Hindustani Seva Dal founded by Padmabhushana Dr N. S Hardikar in the year 1923. Pandit Jawaharlal Nehru was the First President of the Dal. The Hindustani Seva Dal played a very prominent role in the Freedom-Struggle of our country.

After the attainment of Independence, Social Service by youth organisations by name "Bharath Seva Dal" with an accredited motto "Sevahi Paramo Dharma' (service is the sacred duty) came into being on the 16th March 1950 in Mysore.

Popular leaders of Mysore with guidance of Padmabhushana Dr. N. S. Hardikar, the father of the Seva Dal Movement decided to start a non-political, non-party & broad based youth organisation as a result of which Bharath Seva Dal a voluntary organisation was established. Bharath Seva Dal is a Youth Organisation founded on Gandhian principles. The aims and objects of this organisation are to instill the qualities of self-sacrifice, self discipline, self reliance, simplictty, service, tolerance and an aptitude for corporate and co-operative work in the youth of the country.

At a critical juncture when the country was over-run by the communal frenzy, this organisation has rendered great service through the youth of the country. During these twenty years of efficient training given to students and youth of the country, Bharath Seva Dal has to its credit thousands of well trained, disciplined youth spread all over the State.

The Mysore Legislative Assembly having appreciated the ideals and methods adopted by Bharath Seva Dal imparting Physical Education training, Social Service to its volunteers, in its session of March 1950, paved the way for the State Patronise. Manual Labour and the Social Service are the corner stones of this organisation. It has also the patronage and support of the Government of India.

Bharath Seva Dal

(1) Is the member of Co-ordination committee for International workscamps UNESCO Paris

(2) Is the member of All India Social Education Conference.

(3) Is the member of the State Youth welfare Board.

(4) Is recognised as voluntary service organisation by the Government of Mysore.

(5) Is the member of All India Hostel Association.

The General Secretary,
Bharath Seva Dal,
Kumarakrupa Road,
BANGALORE-1.

Brief Facts:

The Executive Committee is an elected body which governs the activities of Seva Dal hrough its Office bearers viz., President, Vice-President, General Secretary and Treasurer. There are sub-committees to assist the Executive Committee.

At District and Taluk Levels elected District and Taluk Committees are in existence.

Seva Dal trained instructors will be in harge of School units or Sakhas

BHARATH SEVA DAL

Kumarakrupa Road, Bangalore-1.

Phone : 23993

President :
Padmabhushan Dr. M. C. Modi

Vice President :
Shri. T. N. Narasimha Murthy

General Secretary :
Shri. K.N. Lakshminarasimhaiah

Treasurer :
Shri. K. T. Channabasave Gowda

Dalapathi :
Shri. K. R. Basavaraju

AIMS & OBJECTS

To instill the qualities of self discipline, self sacrifice, self reliance, simplicity, service, tolerence and an aptitude for corporate and co-operative work, in the youth of the country so that:

(1) They may be trained for organised and disciplined national service according to the principles and programmes enunciated by Mahathma Gandhi from time to time.

(2) Become ideal citizens of Free India.

To promote national unity by rendering service through constructive programmes irrespective of caste and creed.

To improve the health and physique of the Indian youth through physical culture and training, and

To act, in times of emergency, as a peace brigade and to protect the life, property and honour of the people.

OPINIONS

" I saw the flood-lit Bharath seva Dal Parade you had for the Prime Minister at the Residence. I was most impressed to see how well those delightful children carried themselves on the Parade.

General K. M. Cariyappa

" It is most gratifying to learn about the magnificent work which is being done by the Bharat Seva Dal. It has engaged itself in the task of training the youth of the country, in imparting into them a sense of discipline, devotion to duty, loyalty, patriotism and service. This is indeed a laudable task.

I wish the "BHARATH SEVA DAL" all success in their endevour, god speed in their noble task"

Jayachamaraja Wadiyar

" The Bharat Seva Dal has carved a niche for itself by its social and youth activities in Mysore State. Now, after the 1st of November the scope for service would still more be widened. There is no doubt that the Bharat Seva Dal will endear itself to the Greater Mysore by its activities. I wish the organisation every success & an ever increasing record of service ".

R. R. Diwakar

" I warn the youth against the present anti-social elements in our Mother Land which must be curbed in their bud, as otherwise the very freedom of our will be in danger.

I appeal to them to be guided by the ideals of service and to become great leaders of the future.

Bharat Seva Dal has put our Bharath on the pedestal of Mahatma Gandhi's ideals of love and truth, The world is looking to Bharath for light and guidance. Let not our Country fail them in this hour of danger to humanity ".

K. Hanumanthiah

" Among the greatest remembranses which I shall hold of India, is my visit to the Bharath Seva Dal. Here was a living example of the way in which the India of tomorrow is being forged Here the spiritual, mental and physical factors are being harmoniously combined to build better men and a greater Republic. May their Programme go forward with ever-increasing success and blessing.'

Marcus Bach, Ph.D.
University of Law, U.S.A.

"The aims and the objectives of Bharath Seva Dal are of the highest order and modern. They are in line with the best in modern education all over the world.........You have a fine programme and I want to congratulate you on the work you are doing.

DR. JAY B. NASH
Professor of Physical Education,
New York University

Bharath Seva Dal is an off shoot of the Hindustani Seva Dal founded by Padmabhushana Dr N S Hardikar in the year 1923. Pandit Jawaharlal Nehru was the First President of the Dal. The Hindustani Seva Dal played a very prominent role in the Freedom-Struggle of our country.

After the attainment of Independence, Social Service by youth organisations by name "Bharath Seva Dal" with an accredited motto "Sevahi Paramo Dharma' (service is the sacred duty) came into being on the 16th March 1950 in Mysore

Popular leaders of Mysore with guidance of Padmabhushana Dr- N S. Hardikar, the father of the Seva Dal Movement decided to start a non-political, non-party & broad based youth organisation as a result of which Bharath Seva Dal a voluntary organisation was established Bharath Seva Dal is a Youth Organisation founded on Gandhian principles. The aims and objects of this organisation are to instill the qualities of self-sacrifice, self discipline, self reliance, simplictty, service, tolerance and an aptitude for corporate and cooperative work in the youth of the country.

At a critical juncture when the country was over-run by the communal frenzy, this organisation has rendered great service through the youth of the country. During these twenty years of efficient training given to students and youth of the country, Bharath Seva Dal has to its credit thousands of well trained, disciplined youth spread all over the State.

The Mysore Legislative Assembly having appreciated the ideals and methods adopted by Bharath Seva Dal imparting Physical Education training, Social Service to its volunteers, in its session of March 1950, paved the way for the State Patronise. Manual Labour and the Social Service are the corner stones of this organisation. It has also the patronage and support of the Government of India.

Bharath Seva Dal

(1) Is the member of Co-ordination committee for International workscamps UNESCO Paris

(2) Is the member of All India Social Education Conference.

(3) Is the member of the State Youth welfare Board.

(4) Is recognised as voluntary service organisation by the Government of Mysore.

(5) Is the member of All India Hostel Association.

Address:

The General Secretary,
Bharath Seva Dal,
Kumarakrupa Road,
BANGALORE-1.

Brief Facts:

The Executive Committee is an elected body which governs the activities of Seva Dal through its Office-bearers viz., President, Vice-President, General Secretary and Treasurer. There are sub-committees to assist the Executive Committee.

At District and Taluk Levels elected District and Taluk Committees are in existence.

Seva Dal trained instructors will be in charge of School units or Sakhas.

Work Accomplished by Bharath Seva Dal during these 20 years

1. Manual Labour & Social Service Camps

Bharath Seva Dal has developed a highly advanced technique and methods for running Training camps and Service camps. Shramdan sibiras or Manual labour camps in Villages have been carried out. In addition to students & rural youths, the villagers have also participated in accomplishing works of utility During these 20 years, Seva Dal was able to conduct more than **1000** Labour camps. During 1955-56 also it had conducted 78 camps simultaneously in the State & won the appreciation of Government of India.

2. Physical Trainnig & Social Service

42593 Bharath Seva Dal Volunteers both Boys and Girls have been trained in Prathama Training courses.

3706 Pupils have been trained in Madyama Trainig Courses.

3335 Teachers have been received Bharath Seva Dal Sahayaka Training.

340 Kendra Nayaks have been trained. Some of these are working as Physical Education Teachers in High and Middle Schools. Certificates are issued to the Successful candidates under these different grades of training courses. These trainings include Physical Exercise, Lathi, Khati, Indian clubs, Lazims, Drill Indian and western games. signalling First aid, Spinning and carding, Ceremonial Flag Hoisting and Deloisting, singing of Patriotic songs Added to these, practical classes, theory classes are also conducted on various topics of General knowledge. which include law, Citizenship, Constitution, comparitive study of various constitutions, Freedom struggle, Economics, Five year plans, Sarvodaya Panchayat Raj and youth movement in the country.

SCHOOL UNITS (Sevadala Shakas)

Our Seva Dal Instructors are training the boys and the girls in school units. Up till now **4930** units comprising of **2,71,204** volunteers have been trained.

SOCIAL SERVICE

Bharath Seva Dal volunteers have participated in **4500** social programmes in which our volunteers have maintained Law and order, vigilence, guidance and detection of unsocial elements, escorting of missing children, Maintaining queue etc., during big meetings and jatras and Padmabhushan Dr. M. C. Modi's Free Eye operation service camps. Our volunteers are conducting National functions such as Gandhi Jayanthi, Nehru Jayanthi, Sarvodaya Day, Independence Day, Republic Day, Seva Dal day and participating in State Parades and State Procession during Mysore Dasara and Rajyothsava Celebrations

EMERGENCY TRAINING SQUADS

During Nationnl Emergency trainees are given training in Riffle shooting, First Aid, Map Reading, Traffic control etc.

BHARATH SEVA DAL GENERAL HOSTEL

Bharat Seva Dal is runing the General Hostel at Kumarapark East Extention in Kumara Krupa Road, Bangalore City. This is the additional activity of Bharat Seva Dala since a few years.

S1

89

JAI HIND
Phone : 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary:
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.

Treasurer:
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BSD/CR/53/72-73.

Date 1st May 1972.

Respected Sir,

I am glad to receive your letter. As advised by you, myself and Sri. K. R.-Basavaraju will be at your place either on 6th evening or 7th morning.

Thanking you,

Yours faithfully

(K.N.Lakshminarasimhaiah)
General Secretary.

To.

Badmabhushan, Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
GHATAPRABHA.
Belgaum Dist.

Sd

JAI HIND Phone: 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary:
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.,

Treasurer:
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BSD/CR/ 62 /72-73.

Date 11th May 1972.

Dear Sir,

After taking leave of you, I along with Dalapathi visited some of our District Offices and reached Bangalore yesterday. I thank you very much for the hospitality you have shown during our stay with you. I pray Almighty the God to shower on you many more years of life. With your blessings, I am trying to spread the objects of Seva Dal Organisation.

Please find herein the copy of the Memorandum submitted to the Governor on 13-1-1972. The said copy is self-explanatory as to the present requirement of our organisation. As per my personal talk, I once again request you to write to the Minister for Education Shri.A.R.Badarinarayana Iyengar and also to Minister for Youth-Services Shri.Koujalgi Veeranna Sivalingappa to consider our needs to better the propectus of our organisation.

I am told that D.P.I., has made recommendation to the Government for the sanction of Rs.20/- per month for Shaka Nayaks. Other requirements of our Organisation as contained in the copy of the Memorandum and specially for according sanction of 12 more District Organiser's Posts are very necessary.

I hope that you will help us to get the said relief

Yours faithfully,

(K.N.Lakshminarasimhaiah)
General Secretary.

Bharath Seva Dal
HEAD OFFICE
KUMARA KRUPA ROAD
BANGALORE-1

To.

Padmabhushan.Dr.N.S.Hardikar,
Karnataka Institute,
Gataprabha, Gokak Taluk,
Belgaum District.

BHARATH SEVA DAL:BANGALORE-1

Dt:13th Jan.1972.

MEMORANDUM PRESENTED BY BHARATH SEVA DAL,BANGALORE
BEFORE HIS EXCELLENCY THE GOVERNOR OF MYSORE,BANGALORE.

-O-

Respected Sir,

Bharath Seva Dal prays his Excellency to consider the following a few lines for favour of kind consideration and necessary orders.

Bharath Seva Dal is an Organisation registered under the Mysore Registration Act. The Origion of this Organisation is traceable to Hindustani Seva Dal which was started by the Indian National Congress in the year 1923. After we attained Independance, the Leaders in Mysore felt that, it should be a non-political organisation mainl to inculcate the discipline in the Youth of the State. Thus Bharath Seva Dal is a voluntary organisation with noble objectives of instilling Gandhian principles like self-discipline, sacrifice, simplicity, service, corporate and co-operative works in the Youth of the State. The Government of Mysore having recognised this youth movement under the banner of Bharath Seva Dal is aiding the organisation since two decades.

The Department of Education is in immediate supervision of its activities and its needs. The Organisation had its District Offices all over the State before intergration. At that time, the organisation was getting lump-sum grants both for establishment and Developmental activities from the Government. After integration, the organisation wanted to extend its activities to the newly added Districts in the State and the efforts were made to get the financial aid for meeting the establishment charges. Unfortunately by one reason or the other, the Government could not accord sanction for the necessary grants Thus the organisation with its megre resources could not extend its activities to all the Districts of the State at present. Now there are only SEVEN Districts Organisers in charge of Seven Districts. A few more Districts are assigned to them as an additional work. Thus the organisation needs 12 more District Organisers' Posts to be sanctioned in order to extend its activities to the entire State. On the repeated requests for such sanction, the Department of Education has recommended to the Government for the sanction of 6 more District Organisers' Posts a few years back. But the Government has not accorded permission so far. We respectfully pray that the Government may please to accord sanction for twelve more posts of District - Organisers.

ntd.Page No.2.

About Six Hundred Shakas (Units) are being registered every year consisting of 33 students each and headed by a Shaka Nayak. (Unit Leader) These Shaka Nayaks are Honorary trained workers imparting Seva Dal training. Recently the Government by its G.O.No.ED9/70-71 Dated 15-10-71 a True - Copy of which is enclosed for kind reference was pleased to accord sanction to pay an Honorarium at Rs.20/-P.M. to the Scouters and Guiders who are training Scouts and Guides in Mysore State. The said G.O., also provides Unforms costing approximately Rs.15/- Per set. The same benefits in respect of this organisation may also be accorded sanction. By this benefit given to Bharath Seva Dal the Shaka Nayaks and Shaka Nayakis will be encouraged and more students would be attracted in to the training courses of the Bharath Seva Dal.

Bharath Seva Dal is observing the National and State Celebrations in addition to the Birth Day Celebrations of National Leaders including that of its Organisation. Inspite of our efforts, no grants are ear-marked for meeting the expenditures in this behalf. The Organisation would be grateful, if the Department of Education is directed to include such expenditures in the normal budget.

With regard to Development grants, the Bharath Seva Dal is looking to the State Youth Board since a few years and the meagre grants that were granted by the Youth Board for the Developmental activities of the organisation are inadequate. Hence Youth Board may please be directed, to consider the Developmental Schemes of the Organisation and grant such sums as are required. This benefit will help the organisation not only bringing the youth of the State under the various courses of training and also train the highest cadre of the Trainees in the organisation.

In conclusion, Bharath Seva Dal organisation prays His Excellency for according sanction to the following benefits.

i) 12 District Organisers Posts.
ii) Honorarium of Rs.20/- P.M. for 1000 Shaka Nayaks and Nayakis.
iii) Provide Uniforms to the Seva Dal Trained Students who come from poor families for their use subject to return of the same to the schools at the end of the year.
iv) 1000 Uniforms costing approximately at Rs.20/- Per set be supplied every year for replaceing Uniforms worn out from time to time.
v) Direction to the State Youth Board to Grant substantial sums towards Developmental activities.

We beg to remain in services

Yours faithfully,
Sd/-(K.N.Lakshminarasimhaiah)
General Secretary.

//TRUE COPY//

General Secretary
Bharath Seva Dal
HEAD OFFICE
[illegible] KRUPA ROAD
BANGALORE

JAI HIND
Phone : 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President : Padmabhushana Dr. M. C. MODI
Vice-President : T. N. Narasimha Murthy B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary :
K. N. Lakshminara
B.Sc. (Hons) B.L.,

Treasurer :
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No.

Date 15th July 1972.

Respected Sir,

Please find herein the broucher of our Organisation which gives a Bird's-eye-view of our activities.

The Organisation has resolved to bring out a Souvenir to commemorate the Silver Jubilee year of INDIAN INDEPENDANCE DAY. The Souvenir will contain the learned articles of the people in the field of Social Service, Training Institutions and other Voluntary Youth Organisations.

We intend to issue the Souvenir on or after 15th of August 1972. It is a matter for gratification for me to request you, for your kind message in this behalf. I request you to bless our Organisation by sending your message at your earliest convenience and oblige.

Thanking you,

Yours faithfully,

General Secretary.
Bharath Seva Dala
HEAD OFFICE-
KUMARA KRUPA ROAD
BANGALORE-1

To.

Dr. N. S. Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Gataprabha.
Belgaum District.

JAI HIND
Phone: 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary:
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.

Treasurer:
C. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BSD/CR/ 551 /72-73.

4th Aug. 1972.

To.

Padmabhushan, Dr. N. S. Hardikar,
K. H. I., Hospital,
Ghataprabha, Belgaum Dist.

Respected Sir,

Received your kind letters, addressed to me and to the General Secretary.

As per your kind suggestion, we glad to ~~and~~ depute Sri. A. S. Ingle, District Organiser, Dharwar & Belgaum to Ghataprabha to undertake the Training of the Nurses and also for the arrangement of Independance Day Celebration on 15th Aug. 1972 at Ghataprabha.

Since I am busy with regard to Independance Day Celebration at Bangalore City, I will take earliest opportunity to visit your place and other parts of the Belgaum District.

Hope that Sri. Ingle will rise to your kind expectation to arrange best function on 15th Aug. 1972.

Seva Dal litrature will be sent shortly.

With kind regards.

Yours sincerl

DALAPATHI.

JAI HIND Phone: 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary:
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.,

Treasurer:
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BSD/KK/CC/72-73.

Date: 29th Aug. 1972.

C.P.RAMA MURTHY, B.Sc., B.Ed., D.P.Ed.,
Editor, Bharath Seva Dal Editorial
Board.

Esteemed Sir,

Sub:-Article for Bharatha Seva Dala
Souvenir-requested.

-000-

With reference to the above, I am to state that the Bharath Seva Dal, Mysore State is publishing a Souvenir during this Silver Jubilee year of Indian Independance.

In this connection, I request you sir kindly to subsctibe an article on any subject relating to Youth, Social Service, Freedom Struggle, or Organisation of youths.

In case if it is not possible, I may kindly be permitted to reproduce article " ಸಂಘಟನೆಯ ಮಹತ್ವ " published in Samyukta Karnataka dated 15th Aug. 1972.

Thanking you Sir,

Yours Sincerely

(C.P.RAMA MURTHY)

To.

Dr. N. S. Hardikar
Karnataka Health Institute
Ghatprabha P.O.
Belagaum Dist

JAI HIND
Phone: 23993

BHARATH SEVA DALA

(REGD)

President: **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President: **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.,

Treasurer:
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BSD/CR/798/72-73.

Date 20th Sept. 1972.

To.

Padmabhushan Dr. N. S. Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghatprabha,
BELGAUM DISTRICT.

Sir,

I hope that you are aware that Bharath Seva Dal has resolved to bring out a Souvenir to commemorate the Silver Jubilee of Indian Indipendance. In this connection, I have written to you for your message and for an article. Now the Souvenir is under print. We hope to release the publication by 2nd Oct. 1972. In the meanwhile, I feel that it is a gratification for me to have your message and article, I am told that Sri. C. P. Rama Murthy whom we have requested to be the Editor of said Souvenir has also written to you in this connection.

I respectably request you to favour your message and article, and send the same by return of post.

With kind regards.

Yours sincerly,

GENERAL SECRETARY.
Bharath Seva Dala
HEAD OFFICE-
KUMARA KRUPA ROAD
BANGALORE-1

SEVA DAL BIRADARI
7 Jantar Mantar Road
New Delhi-1.

29-9-72

Dear Friend,

Here is a pamphlet giving details of the India Ceylon Friendship Tour a project undertaken by Seva Dal Biradari . You are requested to participate in the same. The necessary details are given in the pamphlet.

2. In view of the Independence Silver Jubilee year programme it is also decided by the Executive Committee in the meeting held on 31-8-72 as follows:-

i. To offer first, second and third prize and ten more prizes to local units of Congress Seva Dal who would successfully organise programmes from the six items suggested by the All India Office of the Congress Seva Dal for the Jubilee year.

ii. To publish Biradari Annual

iii. To honour the founder of Seva Dal Dr. Hardiker during the Golden Jubilee year of Seva Dal

Your suggestion on the above proposals are invited.

3. Kindly send your annual fees up to date if not sent so far. Read Dal Samachar for Seva Dal activities and information of Biradari.

Yours Sincerely,
Anand Swarup Gupta
Nirmal Singh
Secretaries

To

Members Seva Dal Biradari

ಸೇವಾಹಿ ಪರಮೋಧರ್ಮಃ
BHARATHA SEVADALA
ಭಾರತ

SHIMOGA

Ref. No. BS.D/262/72 3

Date 27/11/72

ಪೂಜ್ಯರಾದ ಶ್ರೀಮಾನ್ ಎನ್ ಎಸ್ ಹರ್ಡೀಕರ್ ರವರಿಗೆ ಅನಂತ
ನಂತ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು –

ವಿಜ್ಞಪ್ತಿ

ಭಾರತ ಸೇವಾದಲದ ಶಿವಮೊಗ್ಗ ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಬಿರವನ್ನು ಡಿಸೆಂಬರ್ 30. 31 ಮತ್ತು 1-1-73 ಈ 3 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಶಿವಮೊಗ್ಗದಲ್ಲಿ ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ ಶಿಬಿರದಲ್ಲಿ 100ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಶಾಲೆಗಳ 1500 ಜನ ಸ್ವಯಂಸೇವಕ-ಸೇವಕಿಯರು 100 ಜನ ಶಿಕ್ಷಕರು ಭಾಗವಹಿಸಲಿರುವರು ಶಿಬಿರಕ್ಕೆ ತಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಾದ ದಯಪಾಲಿಸಬೇಕೆಂದು. ಹಾಗೂ ತಮ್ಮ ಭೇಟಿಯನ್ನು ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇನೆ.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ. ಒಂದು ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಬೇಕೆಂದಿರುವೆವು. ಆದ್ದರಿಂದ ಸೇವಾದಲದ ಕಾರ್ಯಚಟುವಟಿಕೆಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಪುಸ್ತಕಗಳು - ಚಿತ್ರಗಳು. ಪತ್ರಿಕಾ ಕಾತ್ರು, ಇವುಗಳು ತಮ್ಮಲ್ಲಿರುವುದನ್ನು ಕಳಿಸಿ ಕೊಡುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಿದರೆ ನಂತರ ವಾಪಸ್ಸು ಮಾಡುತ್ತೇವೆ

ಶ್ರೀ ಎನ್. ಎಸ್. ಹರ್ಡೀಕರರವರ ಚಿತ್ರ
ಕಳಿಸಬೇಕಾಗಿ ವಿನಂತಿ.

ಇಂತಿ
ತಮ್ಮವ
T. Ramabhat
District Organiser,
BHARATHA SEVADALA
SHIMOGA

JAI HIND
Phone : 23993

BHARATH SEVA DALA
(REGD)

President : **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President : **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary :
K. N. ~~Lakshminarasimhaiah~~
B.Sc. (Hons) B.L.,

Treasurer :
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No. BS. 1/72-73.

Date 1/12/1972

ಪೂಜನೀಯ ಮಾಸ್ತರ್ ಜೀ,

ತಮಗಿದೋ ವಂದನೆಗಳು ಭಾರತ ಸೇವಾದಳದ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯಾಗಿದ್ದ ನನ್ನನ್ನು ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ನಡೆದ ಕಾರ್ಯಾಂಗ ಸಮಿತಿಯ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಘಟನಾ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯನ್ನಾಗಿ ಚುನಾಯಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯಪೂರ್ವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಜನಕರಾದ ತಮ್ಮ ಸಂಸ್ಕಾರ ಶಿಕ್ಷಣದ ಮತ್ತು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನವನ್ನು ಬೇಡುತ್ತೇನೆ. ತಮ್ಮ ಶಿಕ್ಷಣದ ಬಲದಿಂದ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಂಸ್ಥೆ ಸಂಘಟನೆಯನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿ ಸೇವಾದಳಕ್ಕೆ ಹಿಂದಿನ ಸ್ಥಾನಮಾನವನ್ನು ಪಡೆಯಲು ಶ್ರಮಿಸುವ ನಂಬಿಕೆಯುಳ್ಳವನಾಗಿದ್ದೇನೆ. ತಮ್ಮ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕಾಗಿ ತಮಗಿದೋ ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ವಂದಿಸುತ್ತೇನೆ ।

ತಮ್ಮ
ಬಿ.ವಿ. ನಾರಾಯಣಸ್ವಾಮಿ
ಸಂಘಟನಾ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ

ಮಾನ್ಯ ಡಾ|| ನಾ.ಸು. ಹರ್ಡೀಕರ ರವರಲ್ಲಿ
ಮಾಜಿ ರಾಜ್ಯಸಭಾ ಸದಸ್ಯರು.
ಹುಕ್ಕೇರಿ, (ಬೆಳಗಾಂ. ಜಿಲ್ಲೆ)

JAI HIND
Phone : 23993

BHARATH SEVA DALA
(REGD)

President : **Padmabhushana Dr. M. C. MODI**
Vice-President : **T. N. Narasimha Murthy** B.A., B.L., M.L.C.

General Secretary :
K. N. Lakshminarasimhaiah
B.Sc. (Hons) B.L.

Treasurer :
K. T. Channabasave Gowda
B.A., B.L.,

KUMARA KRUPA ROAD,
BANGALORE-1

No.......................

Date 6 12 1972

Respected Sir,

I herewith enclosed staticks of pertaining to Developmental activities of B.S.D from 1961-62 to 71-72 and 1951 to 61 for your kind information. Souvenir copy has been sent by separate book post. To-morrow I am meeting Sri Dr. Puttanarayan Pandit regarding your letter to Education Minister.

More is next:

Yours sincerely

Dalapathi,
Bharath Seva Dal,
Bangalore.

Statement showing the statistics of Bharath Seva Dal activities from 1961-62 to 1971-72

[illegible]	YEAR		Registered Shakas	Total No. of Sevakas & Sevakis	Prathama Trainees		Sahayaka Trainees		Madhyama Trainees	
					Sevakas	Sevakis	Sevakas	Sevakis	Sevakas	Sevakis
[illegible]	1961-62	..	370	20,504	307	169	97	-	151	-
[illegible]	1962-63	..	245	17,162	2310	437	121	-	199	-
[illegible]	1963-64	..	200	15,675	1231	300	155	-	233	-
[illegible]	1964-65	..	236	18,206	552	510	117	60	95	-
[illegible]	1965-66	..	266	14,711	836	386	213	-	155	-
[illegible]	1966-67	..	347	24,982	771	98	240	65	190	40
[illegible]	1967-68	..	436	23,326	1656	318	183	50	85	-
[illegible]	1968-69	..	543	16,773	1625	104	300	54	100	-
[illegible]	1969-70	..	550	18,424	1070	272	211	40	139	-
[illegible]	1970-71	..	549	38,263	530	670	220	34	135	-
[illegible]	1971-72	..	601	26,122	533	245	300	50	120	-
	TOTAL		3,999	2,25,148	11,421	3,509	2,157	353	1,602	40

GENERAL SECRETARY
Bharath Seva Dal,
BANGALORE-1.

BHARATH SEVA DAL: BANGALORE-1

Statement showing the Statistics of Bharath Seva Dal activities from 1950-51 to 1960-61 for 11 years

YEAR	Registered Shakas	Total No. of Sevakas & Sevakis.	Prathama Trainees		Sahayaka Trainees		Madhyama Trainees		Kendra Nayaks	
			Sevakas	Sevakis	Sevakas	Sevakis	Sevakas	Sevakis	Sevakas	Sevakis
1950-51	101	6471	353	54	-	-	701	-	63	-
1951-52	90	3663	492	62	-	-	337	-	40	-
1952-53	131	5069	622	83	-	-	265	28	40	-
1953-54	139	5686	682	99	-	-	255	19	60	-
1954-55	110	5920	788	115	-	-	27	-	61	-
1955-56	139	6584	816	134	460	68	209	-	-	-
1956-57	[illegible]	13476	1008	118	-	-	279	-	-	-
1957-58	243	13974	891	227	-	-	173	-	76	-
1958-59	275	14122	1702	298	115	~~78~~ -	78	-	-	-
1959-60	319	16252	1644	472	67	-	26	37	-	-
1960-61	303	19849	1100	373	-	-	116	-	-	-
TOTAL.	2246	1,10,706	10098	2015	642	68	2466	84	340	

GENERAL SECRETARY.
BHARATH SEVA DAL
BANGALORE-1.

ದಕ್ಷಿಣ ಬ್ಲಾಕ್ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇವಾದಳ (ಆಡಳಿತ)
ಜೆಪ್ಪು ಶಾಖೆ, ಮಂಗಳೂರು–1.

. . .

ಸೇವಾದಳ ಸಂಸ್ಥಾಪಕರಾದ ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ,

ಮೈಸೂರು ಪ್ರದೇಶ, ದಕ್ಷಿಣ ಕನ್ನಡ ಜಿಲ್ಲಾ, ಮಂಗಳೂರು ತಾಲೂಕು, ಜೆಪ್ಪು ಶಾಖೆಯ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇವಾದಳದ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಾಹಕನಾದ ಬಿ. ಶಿವಾಜಿಯು ಮತ್ತು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರು ಮಾಡುವ ವಂದನೆಗಳು.

ಪೂಜ್ಯರೇ,

ತಾವ ಸ್ಥಾಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ನಮ್ಮ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇವಾದಳದ 50ನೇ ಜಲ ದಿನಾಚರಣೆಯನ್ನು ಮೈಸೂರು ಪ್ರದೇಶ ಸಂಘಟಕರ ಆದೇಶದಂತೆ ಇದೇ ತಿಂಗಳ ತಾರೀಕು 31–12–1972ರಲ್ಲಿ ಆಚರಿಸುವುದೆಂತ ನಿಶ್ಚಯಿಸಿರುತ್ತೇವೆ.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಅಂಗವಾಗಿ ಜನ ಸಾಮಾನ್ಯರ ಸಂಪರ್ಕ, ಮಹಾತ್ಮಾ ಗಾಂಧೀಜಿಯವರ ಅಮೃತವಾಣಿ ಪ್ರಚಾರ, ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರ ಭೇಟಿ, ಮತ್ತು ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇವಾದಳ ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರ ಪಥಚಲನ, ಆಟೋಟ ಸ್ಪರ್ಧೆ, ಮತ್ತು ಸಂಜೆ ಮುಖ್ಯ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು ಮತ್ತು ಸೇವಾದಳ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರುಗಳು ಕೂಡಿಕೊಂಡು ನಡೆಸುವ ವಿವಿಧ ಮನರಂಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಜರಗಿಸುವುದೆಂತ ನಿಶ್ಚಯಿಸಿರುತ್ತೇವೆ.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ತಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಚನವನ್ನು ಪಡೆಯಲು ಸಂಕಲ್ಪಿಸಿದ್ದೇವೆ. ಆದುದರಿಂದ ಪೂಜ್ಯರಾದ ತಾವುಗಳು ತುಂಬು ಹೃದಯದಿಂದ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿ ನಮ್ಮನ್ನು ಪುನೀತ ಗೊಳಿಸಬೇಕಾಗಿ ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

For CONGRESS SEVADAL ([illegible] UNIT)
B. Shivaji Rao
Block Officer & Jatanyak.
(ಬಿ ಶಿವಾಜಿ ರಾವ್)
(~~ಬಿ. ಶ್ರೀನಿವಾಸ ರಾವ್~~)
ಜೆಪ್ಪು ಶಾಖೆಯ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಾಹಕ

ಜೆಪ್ಪು,)
)
ತಾ. 25– 12 – 72.)

SEVA DAL BIRADARI
7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI
सेवादल बिरादरी
भारत सिलोन मैत्री यात्रा
INDIA-CEYLON FRIENDSHIP TOUR

Director :
NAVINBHAI SHAH

SHRAMIK, NEAR MASJID
R. V DESAI ROAD
BARODA

Date २३ - ६ - ७३

श्रद्धेय डॉ. साहब,

आपका ता. २६ का पत्र मिला पढ़ कर बहुत ही खुशी हुई।

यात्रासे ता. १० को वापस आये। यात्रा संपूर्ण सफल रही। प्रत्येक यात्रिकमें मित्रता व बंधुत्वकी भावना बनी रही। सभी सदस्योंका पूर्ण सहयोग रहा। सिलोनमें सर्वोदय श्रमदायीके लोगोंके साथ अच्छा मिलन रहा। सिलोनके लोगोंकी साथ मैत्री भावना व बन्धुत्वकी भावना बढ़ाई।

यात्रामें न कोई बिमार रहा कि न तो थक गये। सभी जब आपने गाँव वापस गये ~~तब~~ उसके पहले बिदा संमेलन हुआ। सभीने सब आपसमें संपर्क रखनेका तय किया।

धरमपुरामें आरोग्य धाम देखकर, आपका प्रेम भाव भोजनकर, एक अच्छा, शान्ति व वातावरण देखकर सब प्रभावित हुए थे।

डॉ. वैद्य साहबको नमस्ते कहना। तरुणा बेनको नमस्ते। सभी यात्रिकोंकी सूची साथ भेजी है जिन्होंने आरोग्य धामकी मुलाकात ली है।

आपका
नवीनभाई शाह